



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

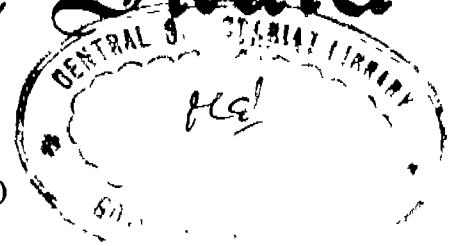
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 496]

नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 28, 2001/आश्विन 6, 1923

No. 496]

NEW DELHI, FRIDAY, SEPTEMBER 28, 2001/ASVINA 6, 1923

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 2001

सा. का. नि. 708 (अ).—केन्द्रीय सरकार, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (1) के खंड (घ) के साथ पठित धारा 642 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लागत लेखा अभिलेख (सीमेंट) नियम, 1997 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लागत लेखा अभिलेख (सीमेंट) संशोधन नियम, 2001 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागत लेखा अभिलेख (सीमेंट) नियम, 1997 में :—

अनुसूची 1 में, मद संख्या 20 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

" 21. अंतर-कंपनी अंतरण :

(1) किसी कंपनी द्वारा अपनी नियंत्रित कंपनी या समनुषंगी अथवा किसी ऐसी कंपनी जिसे " संबंध पक्षकार संबंध " कहा गया है जैसा कि नीचे परिभाषित है और विपर्यय की बाबत संबंध पक्षकार संव्यवहार अथवा किए गए प्रदाय अथवा दी गई सेवाओं की बाबत उनके द्वारा की गई संविदाओं, करारों या उनकी बाबत हुई सहमति को दर्शित करते हुए निम्नलिखित की बाबत अभिलेख रखे जाएंगे :

(क) कच्ची सामग्री, तैयार उत्पाद, प्रसंस्करण सामग्री, रासायनिक और स्क्रेप सहित अस्वीकृत माल आदि का क्रय और विक्रय;

(ख) संयंत्र सुविधाओं और तकनीकी व्यवहार ज्ञान का उपयोग;

(ग) उपयोगिताओं और किन्हीं अन्य सेवाओं का प्रदाय;

(घ) प्रशासनिक, तकनीकी, प्रबंधकीय अथवा कोई अन्य परामर्शी सेवाएं ;

(ङ) संयंत्र और मशीनरी सहित पूंजीगत माल का क्रय और विक्रय;

(च) उत्पादन, प्रसंस्करण या निर्देशाधीन उत्पादन से संबंधित कोई अन्य संदाय;

इन अभिलेखों में प्रभारित दरों का तय करना अथवा ऐसे उत्पादों के लिए संदाय करने के लिए अनुसरण किए गए आधारों को भी उपदर्शित किया जाएगा जिससे कि ऐसी दरों की मुक्तियुक्तता का जहां तक कि उनका संबंध किसी भी रीति में निर्देशाधीन उत्पाद से है अवधारण किया जा सके।

(2) निम्न "संबंधित पक्षकार संबंध" द्वारा किए गए संव्यवहार उपनियम (1) के अन्तर्गत आएंगे :—

- (क) वे उद्यम जो प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः एक या अधिक मध्यवर्ती द्वारा नियंत्रित करते हैं अथवा रिपोर्टिंग उद्यम (जिसके अन्तर्गत नियंत्रिणी कंपनी, समनुषंगी और सहयोगी समनुषंगी है) के द्वारा नियंत्रित की जाती हैं अथवा उनके सामान्य नियंत्रण में हैं;
- (ख) रिपोर्टिंग उद्यम के सहबद्ध और सहउद्यम और वे विनिधाय पक्षकार अथवा उद्यम जिनकी बाबत रिपोर्टिंग उद्यम कोई सहबद्ध अथवा सहउद्यम है;
- (ग) व्यक्ति जो ऐसे, रिपोर्टिंग उद्यम की प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः मत देने की शक्ति में हित रखते हैं जो उन्हें उद्यम के ऊपर नियंत्रण अथवा महत्वपूर्ण असर प्रदान करता है और किसी ऐसे व्यक्ति के मातेदार;
- (घ) मुख्य प्रबंधक कार्मिक और ऐसे कार्मिक के मातेदार; और
- (ङ) ऐसे उद्यम जिनके ऊपर (ग) अथवा (घ) में वर्णित कोई व्यक्ति महत्वपूर्ण असर का प्रयोग करने में समर्थ है। इसके अंतर्गत निदेशकों अथवा रिपोर्टिंग उद्यम के प्रमुख शेयरधारकों के स्वामित्वाधीन उद्यम और वे उद्यम हैं जिनके ऐसे मुख्य प्रबंध सदस्य हैं जो रिपोर्टिंग उद्यम में भी सम्मिलित हैं।

तथापि, निम्नलिखित को "संबद्ध पक्षकार संबंध" समझा जाएगा :—

- (क) वे दो कंपनियां मात्र इस कारण कि उनका एक सम्मिलित निदेशक है, उपर्युक्त पैरा (घ) अथवा (ङ) में किसी बात के होते हुए भी (जब तक कि निदेशक दोनों कंपनियों को पारस्परिक व्यवहार में उनकी नीतियों को प्रभावित करने में समर्थ न हो);
- (ख) कोई एकल उपभोक्ता, प्रदायकर्ता, विशेषाधिकारी, संवितरक अथवा साधारण अधिकर्ता जिनके साथ कोई उद्यम, कारबार का महत्वपूर्ण संव्यवहार मात्र आर्थिक निर्भरता के परिणामस्वरूप करता है; और
- (ग) नीचे सूचीबद्ध पक्षकार, जो अपने सामान्य व्यवहार में किसी उद्यम के साथ केवल उन्हीं व्यवहारों के कारण संव्यवहार करते हैं यद्यपि वे उद्यम की कार्य करने की स्वतंत्रता को सीमित कर सकने अथवा उसकी विनिश्चय करने की प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे;
 - (i) वित्त उपलब्ध कराने वाले;
 - (ii) व्यापार संघ;
 - (iii) लोक उपयोगिताएं;
 - (iv) सरकारी विभाग और सरकारी अभिकरण जिनके अंतर्गत सरकारी प्रयोजित निकाय भी हैं।

स्पष्टीकरण :—इन नियमों के प्रयोजन के लिए,—

- (क) "संबद्ध पक्षकार संबंध" से वे पक्षकार अभिप्रेत हैं जिन्हें किसी भी समय संबंधित समझा गया हो यदि रिपोर्टिंग अवधि के दौरान एक पक्षकार अन्य पक्षकार को नियंत्रित करने की योग्यता रखता हो अथवा वित्तीय और/या प्रचालन संबंधी विनिश्चय करने में अन्य पक्षकार के ऊपर महत्वपूर्ण असर रखता हो;
- (ख) "सहबद्ध पक्षकार संव्यवहार" से संबद्ध पक्षकारों के बीच संसाधनों अथवा दायित्वों का अंतरण अभिप्रेत है, चाहे उसके लिए कीमत प्रभारित की गई हो या नहीं;
- (ग) "नियंत्रण" से निम्नलिखित अभिप्रेत है,—
 - (i) किसी उद्यम की मत देने की शक्ति के आधे से अधिक का प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः स्वामित्व; या
 - (ii) किसी कंपनी की दशा में निदेशक बोर्ड की संरचना का नियंत्रण अथवा किसी अन्य उद्यम की दशा में तत्स्थानी शासी निकाय की संरचना का नियंत्रण; या
 - (iii) मतदान शक्ति में सारवान हित और उद्यम की वित्तीय और/या प्रचालन नीतियों को कानून या करार द्वारा निदेश देने की शक्ति।

- (घ) "महत्वपूर्ण असर" से किसी उद्यम की वित्तीय अथवा प्रचालन नीति विषयक विनिश्चयों में भाग लेना अभिप्रेत है किन्तु उन नीतियों का नियंत्रण नहीं;
- (ङ) "सहयुक्त" से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जिसमें कोई विनिधानकारी रिपोर्ट करने वाला पक्षकार महत्वपूर्ण असर रखता है और जो उस पक्षकार का न तो समनुषंगी है और न सहउद्यम है;
- (च) "सहउद्यम" से कोई ऐसी संविदात्मक ठहराव अभिप्रेत है जिसके द्वारा दो या अधिक पक्षकार किसी आर्थिक क्रियाकलाप को अपने हाथ में लेते हैं और जो नियंत्रण के अध्वधीन है;
- (छ) "संयुक्त नियंत्रण" से किसी आर्थिक क्रियाकलाप की वित्तीय और प्रचालन संबंधी नीतियों को शासित करने के लिए संविदात्मक रूप से करार पाई शक्तियों में हिस्सा बंटाना अभिप्रेत है जिससे कि इससे फायदा अभिप्राप्त किया जा सके;
- (ज) "मुख्य प्रबंध कार्मिक" से वे व्यक्ति अभिप्रेत हैं जिनके पास रिपोर्ट करने वाले उद्यम के क्रियाकलापों की योजना, निदेशन और नियंत्रण करने का प्राधिकार और दायित्व है;
- (झ) किसी व्यक्ति के संबंध में, "नातेदार" से पति-पत्नी, पुत्र, पुत्री, भाई, बहन, पिता और माता अभिप्रेत हैं जो रक्त संबद्ध संस्कार हैं;
- (ञ) "नियंत्रि कंपनी" से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थात्गत कोई नियंत्रि कंपनी अभिप्रेत है;
- (ट) "समनुषंगी" से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थात्गत कोई समनुषंगी कंपनी अभिप्रेत है;
- (ठ) "सहयोगी समनुषंगी" से वह कंपनी अभिप्रेत है जो किसी अन्य कंपनी की सहयोगी समनुषंगी है यदि दोनों उसी नियंत्रि कंपनी की समनुषंगी हैं;
- (ड) "राज्य नियंत्रित उद्यम" से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जो केंद्रीय सरकार अथवा किसी राज्य सरकार के नियंत्रणाधीन है।

[फा. सं. 52/01/सीएबी-2001]

ए. रामास्वामी, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पण :—मूल नियम सा. का. नि. सं. 536(अ) दिनांक 11-9-97 द्वारा प्रकाशित किए गए थे पश्चात्पूर्वी संशोधन निम्नलिखित द्वारा किए गए :—

1. सा. का. नि. 466(अ), दिनांक 3-8-98।

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th September, 2001

G.S.R. 708(E).— In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 642, read with clause (d) of Sub-section (1) of Section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Cost Accounting Records (Cement) Rules, 1997, namely :—

1. (1) These rules may be called the Cost Accounting Records (Cement) Amendment Rules, 2001.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Cost Accounting Records (Cement) Rules, 1977 :—

in Schedule-I, after item number 20 and the entries relating thereto, the following shall be inserted namely :—

"21. Inter-company Transfer :

(1) In respect of related party transactions or supplies made or services rendered by a company to its holding company or subsidiary or a company termed "related party relationship" as defined below and vice-a-versa, records shall be maintained showing contracts entered into, agreements or understanding reached in respect of :—

- (a) purchase and sale of raw materials, finished products, process materials, chemicals and rejected goods including scraps, etc.;
- (b) utilisation of plant facilities and technical know-how;

- (c) supply of utilities and any other services;
- (d) administrative, technical, managerial or any other consultancy services;
- (e) purchase and sale of capital goods including plant and machinery;
- (f) any other payment related to production, processing or manufacturing of product under reference.

These records shall also indicate the basis followed for arriving at the rates charged or paid for such products or services so as to enable determination of the reasonableness of such rates in so far as they are in any way related to product under reference.

(2) The transactions by the following “related party relationships” shall be covered under sub-rule (1) :—

- (a) enterprises that directly or indirectly through one or more intermediate, control, or are controlled by, or are under common control with, the reporting enterprises (this includes holding companies, subsidiaries and fellow subsidiaries);
- (b) associates and joint ventures of the reporting enterprises and the investing party or venturer in respect of which the reporting enterprise is an associate or a joint venture;
- (c) individuals owing, directly or indirectly, an interest in the voting power of the reporting enterprise that gives them control or significant influence over the enterprise, and relatives of any such individual;
- (d) key management personnel and relatives of such personnel; and
- (e) enterprises over which any person described in (c) or (d) is able to exercise, significant influence. This includes enterprises owned by directors of major shareholders of the reporting enterprise and enterprises that have a member of key management in common with the reporting enterprise.

However, the following shall not be deemed as related partly relationships” :—

- (a) two companies simply because they have a Director in common, notwithstanding paragraph (d) or (e) above (unless the Director is able to affect the policies of both companies in their mutual dealings);
- (b) a single customer, supplier, franchiser, distributor, or general agent with whom an enterprise transacts a significant volume of business merely by virtue of the resulting economic dependence; and
- (c) the parties listed below, in the course of their normal dealings with an enterprise by virtue only of those dealings (although they may circumscribe the freedom of action of the enterprise or participate in its decision-making process):
 - (i) providers of finance;
 - (ii) trade unions;
 - (iii) public utilities;
 - (iv) Government Departments and Government agencies including Government sponsored bodies.

Explanation :—For the purpose of these Rules,—

- (a) **“Related party relationships”** means parties who are considered to be related if at any time during the reporting period one party has the ability to control the other party or exercise significant influence over the other party in making financial and/or operating decisions;
- (b) **“Related party transaction”** means a transfer of resources or obligations between related parties, whether or not a price is charged;
- (c) **“Control”** means
 - (i) ownership, directly or indirectly, of more than one-half of the voting power of an enterprise; or
 - (ii) control of the composition of the Board of Directors in the case of a company or of the composition of the corresponding governing body in case of any other enterprise; or
 - (iii) a substantial interest in voting power and the power to direct, by statute or agreement, the financial and/or operating policies of the enterprise.
- (d) **“Significant influence”** means participation in the financial or operating policy decisions of an enterprise, but not control of those policies;

- (e) “Associate” means an enterprise in which an investing reporting party has significant influence and which is neither a subsidiary nor a joint venture of that party;
- (f) “Joint venture” means a contractual arrangement whereby two or more parties undertake an economic activity, which is subject to joint control;
- (g) “Joint control” means the contractually agreed sharing of power to govern the financial and operating policies of an economic activity so as to obtain benefits from it;
- (h) “Key management personnel” means those persons who have the authority and responsibility for planning, directing and controlling the activities of the reporting enterprise;
- (i) “Relative”—in relation to an individual, means the spouse, son, daughter, brother, sister, father and mother who may be connected by blood relationship;
- (j) “Holding company” means a holding company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (k) “Subsidiary” means a subsidiary company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (l) “Fellow subsidiary” means a company is said to be a fellow subsidiary of another company if both are subsidiaries of the same holding company;
- (m) “State-controlled enterprise” means an enterprise which is under the control of the Central Government or a State Government.”

[F. No. 52/01/CAB-2001]

A. RAMASWAMY, Jt. Secy.

Foot Note :—The principal Rules were published vide G.S.R. number 536(E), dated the 11th September, 1997 and subsequently amended vide :—

1. GSR 466(E), dated 3rd August, 1998.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 2001

सा. का. नि. 709 (अ).—केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (1) के खंड (ब) के साथ पठित धारा 642 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लागत लेखा अभिलेख (साइकल) नियम, 1967 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लागत लेखा अभिलेख (साइकल) संशोधन नियम, 2001 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागत लेखा अभिलेख (साइकल) नियम, 1967 में :—

अनुसूची 3 में, मद संख्या 18 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“ 19. अंतर-कंपनी अंतरण :

(1) किसी कंपनी द्वारा अपनी नियंत्रित कंपनी या समनुषंगी अथवा किसी ऐसी कंपनी जिसे “संबद्ध पक्षकार संबंध” कहा गया है जैसा कि नीचे परिभाषित है और विपर्यय की बाबत संबंध पक्षकार संव्यवहार अथवा किए गए प्रदाय अथवा दी गई सेवाओं की बाबत उनके द्वारा की गई सविदाओं, करारों या उनकी बाबत हुई सहमति को दर्शित करते हुए निम्नलिखित की बाबत अभिलेख रखे जाएंगे :

- (क) कच्ची सामग्री तैयार उत्पाद, प्रसंस्करण सामग्री, रासायनिक और स्ट्रैप सहित अस्वीकृत माल आदि का क्रय और विक्रय;
- (ख) संयंत्र सुविधाओं और तकनीकी व्यवहार ज्ञान का उपयोग;

- (ग) उपयोगिताओं और किन्हीं अन्य सेवाओं का प्रदाय;
- (घ) प्रशासनिक, तकनीकी, प्रबंधकीय अथवा कोई अन्य परामर्शी सेवाएं ;
- (ङ) संयंत्र और मशीनरी सहित पूंजीगत माल का क्रय और विक्रय;
- (च) उत्पादन, प्रसंस्करण या निर्देशाधीन उत्पादन से संबंधित कोई अन्य संदाय;

इन अभिलेखों में प्रभारित दरों का तय करना अथवा ऐसे उत्पादों के लिए संदाय करने के लिए अनुसरण किए गए आधारों को भी उपदर्शित किया जाएगा जिससे कि ऐसी दरों की युक्तियुक्तता का जहां तक कि उनका संबंध किसी भी रीति में निर्देशाधीन उत्पाद से है अवधारण किया जा सके।

(2) निम्न "संबंधित पक्षकार संबंध" द्वारा किए गए संव्यवहार उपनियम (1) के अन्तर्गत आएंगे :—

- (क) वे उद्यम जो प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः एक या अधिक मध्यवर्ती द्वारा नियंत्रित करते हैं अथवा रिपोर्टिंग उद्यम (जिसके अन्तर्गत नियंत्री कंपनी, समनुषंगी और सहयोगी समनुषंगी है) के द्वारा नियंत्रित की जाती है अथवा उनके सामान्य नियंत्रण में हैं;
- (ख) रिपोर्टिंग उद्यम के सहबद्ध और सहउद्यम और वे विनिधान पक्षकार अथवा उद्यम जिनकी बाबत रिपोर्टिंग उद्यम कोई सहबद्ध अथवा सहउद्यम है;
- (ग) व्यक्ति जो ऐसे, रिपोर्टिंग उद्यम की प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः मत देने की शक्ति में हित रखते हैं जो उन्हें उद्यम के ऊपर नियंत्रण अथवा महत्वपूर्ण असर प्रदान करता है और किसी ऐसे व्यक्ति के नातेदार ;
- (घ) मुख्य प्रबंधक कार्मिक और ऐसे कार्मिक के नातेदार; और
- (ङ) ऐसे उद्यम जिनके ऊपर (ग) अथवा (घ) में वर्णित कोई व्यक्ति महत्वपूर्ण असर का प्रयोग करने में समर्थ है। इसके अंतर्गत निदेशकों अथवा रिपोर्टिंग उद्यम के प्रमुख शेयरधारकों के स्वामित्वाधीन उद्यम और वे उद्यम हैं जिनके ऐसे मुख्य प्रबंध सदस्य हैं जो रिपोर्टिंग उद्यम में भी सम्मिलित हैं।

तथापि, निम्नलिखित को "संबद्ध पक्षकार संबंध" समझा जाएगा :—

- (क) वे दो कंपनियां मात्र इस कारण कि उनका एक सम्मिलित निदेशक है, उपर्युक्त पैरा (घ) अथवा (ङ) में किसी बात के होते हुए भी (जब तक कि निदेशक दोनों कंपनियों को पारस्परिक व्यवहार में उनकी नीतियों को प्रभावित करने में समर्थ न हो);
- (ख) कोई एकल उपभोक्ता, प्रदायकर्ता, विशेषाधिकारी, संवितरक अथवा साधारण अभिकर्ता जिनके साथ कोई उद्यम, कारबार का महत्वपूर्ण संव्यवहार मात्र आर्थिक निर्भरता के परिणामस्वरूप करता है; और
- (ग) नीचे सूचीबद्ध पक्षकार, जो अपने सामान्य व्यवहार में किसी उद्यम के साथ केवल उन्हीं व्यवहारों के कारण संव्यवहार करते हैं (यद्यपि वे उद्यम की कार्य करने की स्वतंत्रता को सीमित कर सकने अथवा उसकी विनिश्चय करने की प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे);
 - i. वित्त उपलब्ध कराने वाले;
 - ii. व्यापार संघ;
 - iii. लोक उपयोगिताएं;
 - iv. सरकारी विभाग और सरकारी अधिकरण जिनके अंतर्गत सरकारी प्रयोजित निकाय भी हैं।

स्पष्टीकरण :—इन नियमों के प्रयोजन के लिए,—

- (क) "संबद्ध पक्षकार संबंध" से वे पक्षकार अभिप्रेत हैं जिन्हें किसी भी समय संबंधित समझा गया हो यदि रिपोर्टिंग अवधि के दौरान एक पक्षकार अन्य पक्षकार को नियंत्रित करने की योग्यता रखता हो अथवा वित्तीय और/या प्रचलन संबंधी विनिश्चय करने में अन्य पक्षकार के ऊपर महत्वपूर्ण असर रखता हो;
- (ख) "सहबद्ध पक्षकार संव्यवहार" से संबद्ध पक्षकारों के बीच संसाधनों अथवा दायित्वों का अंतरण अभिप्रेत है, चाहे उसके लिए कीमत प्रभारित की गई हो या नहीं;
- (ग) "नियंत्रण" से निम्नलिखित अभिप्रेत है,—

- (i) किसी उद्यम की मत देने की शक्ति के आधे से अधिक का प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः स्वामित्व; या
- (ii) किसी कंपनी की दशा में निदेशक बोर्ड की संरचना का नियंत्रण अथवा किसी अन्य उद्यम की दशा में तत्स्थानी शासी निकाय की संरचना का नियंत्रण;

- (iii) मतदान शक्ति में सारवान हित और उद्यम की वित्तीय और/या प्रचालन नीतियों को कानून या करार द्वारा निदेश देने की शक्ति।
- (घ) "महत्वपूर्ण असर" से किसी उद्यम की वित्तीय अथवा प्रचालन नीति विषयक विनिश्चयों में भाग लेना अभिप्रेत है किन्तु उन नीतियों का नियंत्रण नहीं;
- (ङ) "सहयुक्त" से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जिसमें कोई विनिधानकारी रिपोर्ट करने वाला पक्षकार महत्वपूर्ण असर रखता है और जो उस पक्षकार का न तो समनुषंगी है और न सहउद्यम है;
- (च) "सहउद्यम" से कोई ऐसी संविदात्मक ठहराव अभिप्रेत है जिसके द्वारा दो या अधिक पक्षकार किसी आर्थिक क्रियाकलाप को अपने हाथ में लेते हैं और, जो नियंत्रण के अध्वधीन है;
- (छ) "संयुक्त नियंत्रण" से किसी आर्थिक क्रियाकलाप की वित्तीय और प्रचालन संबंधी नीतियों को शासित करने के लिए संविदात्मक रूप से करार पाई शक्तियों में हिस्सा बंटाना अभिप्रेत है जिससे कि इससे फायदा अभिप्राप्त किया जा सके;
- (ज) "मुख्य परामर्श कार्मिक" से वे व्यक्ति अभिप्रेत हैं जिनके पास रिपोर्ट करने वाले उद्यम के क्रियाकलापों की योजना, निदेशन और नियंत्रण करने का प्राधिकार और दायित्व है;
- (झ) किसी व्यक्ति के संबंध में, "नातेदार" से पति-पत्नी, पुत्र, पुत्री, भाई, बहन, पिता और माता अभिप्रेत हैं जो रक्त संबद्ध संस्कार हैं;
- (ञ) "नियंत्रि कंपनी" से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातर्गत कोई नियंत्रि कंपनी अभिप्रेत है;
- (ट) "समनुषंगी" से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातर्गत कोई समनुषंगी कंपनी अभिप्रेत है;
- (ठ) "सहयोगी समनुषंगी" से वह कंपनी अभिप्रेत है जो किसी अन्य कंपनी की सहयोगी समनुषंगी है यदि दोनों उसी नियंत्रि कंपनी की समनुषंगी हैं;
- (ड) "राज्य नियंत्रित उद्यम" से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जो केंद्रीय सरकार अथवा किसी राज्य सरकार के नियंत्रणाधीन है।

[फा. सं. 52/01/सीएबी-2001]

ए. रामास्वामी, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पण :—मूल नियम सा. का. नि. सं. 311 दिनांक 2-3-67 द्वारा प्रकाशित किए गए थे पश्चात्पूर्ति संशोधन निम्नलिखित द्वारा किए गए :—

1. सा. का. नि. 1244, दिनांक 7-8-67
2. सा. का. नि. 84, दिनांक 4-1-68
3. सा. का. नि. 774, दिनांक 3-6-77
4. सा. का. नि. 1270, दिनांक 10-10-79
5. सा. का. नि. 15, दिनांक 5-1-83
6. सा. का. नि. 538, दिनांक 22-7-89
7. सा. का. नि. 298(अ), दिनांक 24-3-93
8. सा. का. नि. 326(अ), दिनांक 3-6-98
9. सा. का. नि. 425(अ), दिनांक 3-8-98

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th September, 2001

G.S.R. 709(E).— In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 642, read with clause (d) of Sub-section (1) of Section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Cost Accounting Records (Cycle) Rules, 1997, namely :—

1. (1) These rules may be called the Cost Accounting Records (Cycles) Amendment Rules, 2001.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2 In the Cost Accounting Records cycles Rules, 1977 —

in Schedule-III, after item number 18 and the entries relating thereto, the following shall be inserted namely —

“19. Inter-company Transfer :

(1) In respect of related party transactions or supplies made or services rendered by a company to its holding company or subsidiary or a company termed “related party relationship” as defined below and vice-versa, records shall be maintained showing contracts entered into, agreements or understanding reached in respect of —

- (a) purchase and sale of raw materials, finished products, process materials, chemicals and rejected goods including scraps, etc,
- (b) utilisation of plant facilities and technical know-how,
- (c) supply of utilities and any other services,
- (d) administrative, technical, managerial or any other consultancy services,
- (e) purchase and sale of capital goods including plant and machinery,
- (f) any other payment related to production, processing or manufacturing of product under reference

These records shall also indicate the basis followed for arriving at the rates charged or paid for such products or services so as to enable determination of the reasonableness of such rates in so far as they are in any way related to product under reference

(2) The transactions by the following “related party relationships” shall be covered under sub-rule (1) —

- (a) enterprises that directly, or indirectly through one or more intermediaries, control, or are controlled by, or are under common control with, the reporting enterprise (this includes holding companies, subsidiaries and fellow subsidiaries),
- (b) associates and joint ventures of the reporting enterprise and the investing party or venturer in respect of which the reporting enterprise is an associate or a joint venture,
- (c) individuals owing, directly or indirectly, an interest in the voting power of the reporting enterprise that gives them control or significant influence over the enterprise, and relatives of any such individual,
- (d) key management personnel and relatives of such personnel, and
- (e) enterprises over which any person described in (c) or (d) is able to exercise, significant influence This includes enterprises owned by directors of major shareholders of the reporting enterprise and enterprises that have a member of key management in common with the reporting enterprise

However, the following shall not be deemed as “related partly relationships” —

- (a) two companies simply because they have a Director in common, notwithstanding paragraph (d) or (e) above (unless the Director is able to affect the policies of both companies in their mutual dealings),
- (b) a single customer, supplier, franchiser, distributor, or general agent with whom an enterprise transacts a significant volume of business merely by virtue of the resulting economic dependence, and
- (c) the parties listed below, in the course of their normal dealings with an enterprise by virtue only of those dealings (although they may circumscribe the freedom of action of the enterprise or participate in its decision—making process)
 - (i). providers of finance,
 - (ii) trade unions,
 - (iii) public utilities,
 - (iv) Government Departments and Government agencies including Government sponsored bodies

Explanation —For the purpose of these Rules,—

- (a) **“Related party relationships”** means parties who are considered to be related if at any time during the reporting period one party has the ability to control the other party or exercise significant influence over the other party in making financial and/or operating decisions,

- (b) **“Related party transaction”** means a transfer of resources or obligations between related parties, whether or not a price is charged;
- (c) **“Control”** means
 - (i) ownership, directly or indirectly, of more than one-half of the voting power of an enterprise; or
 - (ii) control of the composition of the Board of Directors in the case of a company or of the composition of the corresponding governing body in case of any other enterprise; or
 - (iii) a substantial interest in voting power and the power to direct, by statute or agreement, the financial and/or operating policies of the enterprise.
- (d) **“Significant influence”** means participation in the financial or operating policy decisions of an enterprise, but not control of those policies;
- (e) **“Associate”** means an enterprise in which an investing reporting party has significant influence and which is neither a subsidiary nor a joint venture of that party;
- (f) **“Joint venture”** means a contractual arrangement whereby two or more parties undertake an economic activity, which is subject to joint control;
- (g) **“Joint control”** means the contractually agreed sharing of power to govern the financial and operating policies of an economic activity so as to obtain benefits from it;
- (h) **“Key management personnel”** means those persons who have the authority and responsibility for planning, directing and controlling the activities of the reporting enterprise;
- (i) **“Relative”**—in relation to an individual, means the spouse, son, daughter, brother, sister, father and mother who may be connected by blood relationship;
- (j) **“Holding company”** means a holding company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (k) **“Subsidiary”** means a subsidiary company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (l) **“Fellow subsidiary”** means a company is said to be a fellow subsidiary of another company if both are subsidiaries of the same holding company;
- (m) **“State-controlled enterprise”** means an enterprise which is under the control of the Central Government or a State Government”.

[F. No. 52/01/CAB-2001]

A. RAMASWAMY, Jt. Secy.

Foot Note :—The principal rules were published vide G.S.R. number 311, dated the 2nd March, 1967 and subsequently amended vide :—

1. GSR 1244, dated 7th August, 1967.
2. GSR 84, dated 4th January, 1968.
3. GSR 774, dated 3rd June, 1977.
4. GSR 1270, dated 10th October, 1979.
5. GSR 15, dated 5th January, 1983.
6. GSR 538, dated 22nd July, 1989.
7. GSR 298(E), dated 24th March, 1993.
8. GSR 326(E), dated 3rd June, 1998.
9. GSR 425(E), dated 3rd August, 1998.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 2001

सा. का. नि. 710 (अ).—केंद्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (1) के खंड (घ) के साथ पठित धारा 642 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लागत लेखा अभिलेख (टायर और ट्यूब) नियम, 1967 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लागत लेखा अभिलेख (टायर और ट्यूब) संशोधन नियम, 2001 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागत लेखा अभिलेख (टायर और ट्यूब) नियम, 1967 में :—

अनुसूची 3 में, मद संख्या 21 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“22. अंतर-कंपनी अंतरण :

(1) किसी कंपनी द्वारा अपनी नियंत्रि कंपनी या समनुगंगी अथवा किसी ऐसी कंपनी जिसे “संबद्ध पक्षकार संबंध” कहा गया है जैसा कि नीचे परिभाषित है और विपर्यय की बाबत संबद्ध पक्षकार संव्यवहार अथवा किए गए प्रदाय अथवा दी गई सेवाओं की बाबत उनके द्वारा की गई संविदाओं, करारों या उनकी बाबत हुई सहमति को दर्शित करते हुए निम्नलिखित की बाबत अभिलेख रखे जाएंगे :

- (क) कच्ची सामग्री, तैयार उत्पाद, प्रसंस्करण सामग्री, रासायनिक और स्क्रैप सहित अस्वीकृत माल आदि का क्रय और विक्रय ;
- (ख) संयंत्र सुविधाओं और तकनीकी व्यवहार ज्ञान का उपयोग ;
- (ग) उपयोगिताओं और किन्हीं अन्य सेवाओं का प्रदाय ;
- (घ) प्रशासनिक, तकनीकी प्रबंधकीय अथवा कोई अन्य परामर्शी सेवाएं ;
- (ङ) संयंत्र और मशीनरी सहित पूंजीगत माल का क्रय और विक्रय ;
- (च) उत्पादन, प्रसंस्करण या निर्देशाधीन उत्पाद से संबंधित कोई अन्य संदाय ;

इन अभिलेखों में प्रभारित दरों को तय करना अथवा ऐसे उत्पादों के लिए संदाय करने के लिए अनुसरण किए गए आधारों को भी उपदर्शित किया जाएगा जिससे कि ऐसी दरों की युक्तियुक्तता का जहां तक कि उनका संबंध किसी भी रीति में निर्देशाधीन उत्पाद से है अवधारण किया जा सके।

(2) निम्न “संबंधित पक्षकार संबंध” द्वारा किए गए संव्यवहार उपनियम (1) के अन्तर्गत आएंगे :—

- (क) वे उद्यम जो प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः एक या अधिक मध्यवर्ती द्वारा नियंत्रित करते हैं अथवा रिपोर्टिंग उद्यम (जिसके अन्तर्गत नियंत्रि कंपनी, समनुगंगी और सहयोगी समनुगंगी हैं) के द्वारा नियंत्रित की जाती हैं अथवा उनके सामान्य नियंत्रण में हैं ;
- (ख) रिपोर्टिंग उद्यम के सहबद्ध और सहउद्यम और वे विनिधान पक्षकार अथवा उद्यम जिनकी बाबत रिपोर्टिंग उद्यम कोई सहबद्ध अथवा सहउद्यम है ;
- (ग) व्यक्ति जो ऐसे, रिपोर्टिंग उद्यम की प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः मत देने की शक्ति में हित रखते हैं जो उन्हें उद्यम के ऊपर नियंत्रण अथवा महत्वपूर्ण असर प्रदान करता है और किसी ऐसे व्यक्ति के नातेदार ;
- (घ) मुख्य प्रबंध कार्मिक और ऐसे कार्मिक के नातेदार ; और
- (ङ) ऐसे उद्यम जिनके ऊपर (ग) अथवा (घ) में वर्णित कोई व्यक्ति महत्वपूर्ण असर का प्रयोग करने में समर्थ है। इसके अंतर्गत निदेशकों अथवा रिपोर्टिंग उद्यम के प्रमुख शेयरधारकों के स्वामित्वाधीन उद्यम और वे उद्यम हैं जिनके ऐसे मुख्य प्रबंध सदस्य हैं जो रिपोर्टिंग उद्यम में भी सम्मिलित हैं।

तथापि, निम्नलिखित को “संबद्ध पक्षकार संबंध” समझा जाएगा :—

- (क) वे दो कंपनियां मात्र इस कारण कि उनका एक सम्मिलित निदेशक है, उपर्युक्त पैरा (घ) अथवा (ङ) में किसी बात के होते हुए भी (जब तक कि निदेशक दोनों कंपनियों को पारस्परिक व्यवहार में उनकी नीतियों को प्रभावित करने में समर्थ न हो) ;

- (ख) कोई एकल उपभोक्ता, प्रदायकर्ता, विशेषाधिकारी, संघितरक अथवा साधारण अधिकर्ता जिनके साथ कोई उद्यम, कारखाना का महत्वपूर्ण संव्यवहार मात्र आर्थिक निर्भरता के परिणामस्वरूप करता है; और
- (ग) नीचे सूचीबद्ध पक्षकार, जो अपने सामान्य व्यवहार में किसी उद्यम के साथ केवल उन्हीं व्यवहारों के कारण संव्यवहार करते हैं (यद्यपि वे उद्यम की कार्य करने की स्वतंत्रता को सीमित कर सकने अथवा उसकी विनिश्चय करने की प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे);
- i. वित्त उपलब्ध कराने वाले;
 - ii. व्यापार संघ;
 - iii. लोक उपयोगिताएं ;
 - iv. सरकारी विभाग और सरकारी अभिकरण जिनके अंतर्गत सरकारी प्रायोजित निकाय भी हैं।

स्पष्टीकरण :—इन नियमों के प्रयोजन के लिए,—

- (क) "संबद्ध पक्षकार संबंध" से वे पक्षकार अभिप्रेत हैं जिन्हें किसी भी समय संबंधित समझा गया हो यदि रिपोर्टगत अवधि के दौरान एक पक्षकार अन्य पक्षकार को नियंत्रित करने की योग्यता रखता हो अथवा वित्तीय और/या प्रचालन संबंधी विनिश्चय करने में अन्य पक्षकार के ऊपर महत्वपूर्ण असर रखता हो;
- (ख) "सहबद्ध पक्षकार संव्यवहार" से संबद्ध पक्षकारों के बीच संसाधनों अथवा दायित्वों का अंतरण अभिप्रेत है, चाहे उसके लिए कीमत प्रभारित की गई हो या नहीं;
- (ग) "नियंत्रण" से निम्नलिखित अभिप्रेत है,—
- (i) किसी उद्यम की मत देने की शक्ति के आधे से अधिक का प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः स्वामित्व; या
 - (ii) किसी कंपनी की दशा में निदेशक बोर्ड की संरचना का नियंत्रण अथवा किसी अन्य उद्यम की दशा में तत्स्थानी शासी निकाय की संरचना का नियंत्रण; या
 - (iii) मतदान शक्ति में सारवान हित और उद्यम की वित्तीय और/या प्रचालन नीतियों को कानून या करार द्वारा निदेश देने की शक्ति।
- (घ) "महत्वपूर्ण असर" से किसी उद्यम की वित्तीय अथवा प्रचालन नीति क्रियक विनिश्चयों में भाग लेना अभिप्रेत है किन्तु उन नीतियों का नियंत्रण नहीं;
- (ङ) "सहउद्यम" से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जिसमें कोई विनिधानकारी रिपोर्ट करने वाला पक्षकार महत्वपूर्ण असर रखता है और जो उस पक्षकार का न तो समनुषंगी है और न सहउद्यम है;
- (च) "सहयुक्त" से कोई ऐसी संविदात्मक ठहराव अभिप्रेत है जिसके द्वारा दो या अधिक पक्षकार किसी आर्थिक क्रियाकलाप को अपने हाथ में लेते हैं और, जो नियंत्रण के अध्यक्षीन है;
- (छ) "संयुक्त नियंत्रण" से किसी आर्थिक क्रियाकलाप की वित्तीय और प्रचालन संबंधी नीतियों को शासित करने के लिए संविदात्मक रूप से करार पाई शक्तियों में हिस्सा बंटाना अभिप्रेत है जिससे कि इससे फायदा अभिप्राप्त किया जा सके;
- (ज) "मुख्य प्रबंध कार्मिक" से वे व्यक्ति अभिप्रेत हैं जिनके पास रिपोर्ट करने वाले उद्यम के क्रियाकलापों की योजना, निदेशन और नियंत्रण करने का प्राधिकार और दायित्व है;
- (झ) किसी व्यक्ति के संबंध में, "नातेदार" से पति-पत्नी, पुत्र, पुत्री, भाई, बहन, पिता और माता अभिप्रेत हैं जो रक्त संबंध संस्कार हैं;
- (ञ) "नियंत्रि कंपनी" से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातर्गत कोई नियंत्रि कंपनी अभिप्रेत है;
- (ट) "समनुषंगी" से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातर्गत कोई समनुषंगी कंपनी अभिप्रेत है;
- (ठ) "सहयोगी समनुषंगी" से वह कंपनी अभिप्रेत है जो किसी अन्य कंपनी की सहयोगी समनुषंगी है यदि दोनों उसी नियंत्रि कंपनी की समनुषंगी हैं;

(ड) “राज्य नियंत्रित उद्यम” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जो केंद्रीय सरकार अथवा किसी राज्य सरकार के नियंत्रणाधीन है।

[फा. सं. 52/01/सीएबी-2001]

ए. रामास्वामी, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पण :—मूल नियम सा. का. नि. सं. 1260 दिनांक 10-8-67 द्वारा प्रकाशित किए गए थे पश्चातवर्ती संशोधन निम्नलिखित द्वारा किए गए :—

1. सा. का. नि. 1192, दिनांक 21-3-68
2. सा. का. नि. 2012, दिनांक 6-11-68
3. सा. का. नि. 775, दिनांक 3-6-77
4. सा. का. नि. 1271, दिनांक 10-10-79
5. सा. का. नि. 16, दिनांक 5-1-83
6. सा. का. नि. 539, दिनांक 22-7-89
7. सा. का. नि. 299(अ), दिनांक 24-3-93
8. सा. का. नि. 426(अ), दिनांक 3-8-98
9. सा. का. नि. 555(अ), दिनांक 28-7-99

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th September, 2001

G.S.R. 710 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 642, read with clause (d) of sub-section (1) of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Cost Accounting Records (Tyres and Tubes) Rules, 1967, namely —

- 1 (1) These rules may be called the Cost Accounting Records (Tyres and Tubes) Amendment Rules, 2001
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette

2 In the Cost Accounting Records (Tyres and Tubes) Rules, 1967 —

In schedule III, after item number 21 and the entries relating thereto, the following shall be inserted namely —

“22 INTER-COMPANY TRANSFER

- (1) In respect of related party transactions or supplies made or services rendered by a company to its holding company or subsidiary or a company termed “related party relationship” as defined below and vice-a-versa, records shall be maintained showing contracts entered into, agreements or understanding reached in respect of
 - (a) purchase and sale of raw materials, finished products, process materials, chemicals and rejected goods including scraps, etc,
 - (b) utilisation of plant facilities and technical know-how,
 - (c) supply of utilities and any other services,
 - (d) administrative, technical, managerial or any other consultancy services,
 - (e) purchase and sale of capital goods including plant and machinery,
 - (f) any other payment related to production, processing or manufacturing of product under reference

These records shall also indicate the basis followed for arriving at the rates charged or paid for such products or services so as to enable determination of the reasonableness of such rates in so far as they are in any way related to product under reference

- (2) The transactions by the following “related party relationship” shall be covered under sub-rule (1) —
 - (a) enterprises that directly, or indirectly through one or more intermediaries, control, or are controlled by, or are under common control with, the reporting enterprise (this includes holding companies, subsidiaries and fellow subsidiaries);

- (b) associates and joint ventures of the reporting enterprise and the investing party or venturer in respect of which the reporting enterprise is an associate or a joint venture;
- (c) individuals owning, directly or indirectly, an interest in the voting power of the reporting enterprise that gives them control or significant influence over the enterprise, and relatives of any such individual;
- (d) key management personnel and relatives of such personnel; and
- (e) enterprises over which any person described in (c) or (d) is able to exercise significant influence. This includes enterprises owned by directors or major shareholders of the reporting enterprise and enterprises that have a member of key management in common with the reporting enterprise.

However, the following shall not be deemed as “related party relationships”:

- (a) two companies simply because they have a Director in common, notwithstanding paragraph (d) or (e) above (unless the Director is able to affect the policies of both companies in their mutual dealings);
- (b) a single customer, supplier, franchiser, distributor, or general agent with whom an enterprise transacts a significant volume of business merely by virtue of the resulting economic dependence; and
- (c) the parties listed below, in the course of their normal dealings with an enterprise by virtue only of those dealings (although they may circumscribe the freedom of action of the enterprise or participate in its decision-making process);
 - i. providers of finance;
 - ii. trade unions;
 - iii. public utilities;
 - iv. government departments and government agencies including government sponsored bodies.

Explanation :—For the purpose of these Rules,—

- (a) **“Related party relationships”** means parties who are considered to be related if at any time during the reporting period one party has the ability to control the other party or exercise significant influence over the other party in making financial and/or operating decisions;
- (b) **“Related party transaction”** means a transfer of resources or obligations between related parties, whether or not a price is charged;
- (c) **“Control”** means
 - (i) ownership, directly or indirectly, of more than one-half of the voting power of an enterprise; or
 - (ii) control of the composition of the Board of Directors in the case of a company or of the composition of the corresponding governing body in case of any other enterprise; or
 - (iii) a substantial interest in voting power and the power to direct, by statute or agreement, the financial and/or operating policies of the enterprise.
- (d) **“Significant influence”** means participation in the financial or operating policy decisions of an enterprise, but not control of those policies;
- (e) **“Associate”** means an enterprise in which an investing reporting party has significant influence and which is neither a subsidiary nor a joint venture of that party;
- (f) **“Joint venture”** means a contractual arrangement whereby two or more parties undertake an economic activity, which is subject to joint control;
- (g) **“Joint control”** means the contractually agreed sharing of power to govern the financial and operating policies of an economic activity so as to obtain benefits from it;
- (h) **“Key management personnel”** means those persons who have the authority and responsibility for planning, directing and controlling the activities of the reporting enterprise;
- (i) **“Relative”**—in relation to an individual, means the spouse, son, daughter, brother, sister, father and mother who may connected by blood relationship;
- (j) **“Holding company”** means a holding company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);

- (k) “Subsidiary” means a subsidiary company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (l) “Fellow subsidiary” means a company is said to be a fellow subsidiary of another company if both are subsidiaries of the same holding company;
- (m) “State-controlled enterprise” means an enterprise which is under the control of the Central Government or a State Government.”

[F. No. 52/01/CAB-2001]

A. RAMASWAMY, Jt. Secy.

Foot note.—The principal rules were published vide G.S.R. number 1260, dated the 10th August, 1967 and subsequently amended vide—

1. GSR 1192, dated 21st March, 1968.
2. GSR 2012, dated 6th November, 1968.
3. GSR 775, dated 3rd June, 1977.
4. GSR 1271, dated 10th October, 1979.
5. GSR 16, dated 5th January, 1983.
6. GSR 539, dated 22nd July, 1989.
7. GSR 299 (E), dated 24th March, 1993.
8. GSR 426 (E), dated 3rd August, 1998.
9. GSR 555(E), dated 28th July, 1999.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 2001

सा. का. नि. 711(अ).—केंद्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (1) के खंड (घ) के साथ पठित धारा 642 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लागत लेखा अभिलेख (कास्टिक सोडा) नियम, 1967 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लागत लेखा अभिलेख (कास्टिक सोडा) संशोधन नियम, 2001 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागत लेखा अभिलेख (कास्टिक सोडा) नियम, 1967 में :—

अनुसूची 3 में, मद संख्या 21 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“22. अंतर-कंपनी अंतरण :

(1) किसी कंपनी द्वारा अपनी नियंत्रित कंपनी या समनुषंगी अथवा किसी ऐसी कंपनी जिसे “संबद्ध पक्षकार संबंध” कहा गया है जैसा कि नीचे परिभाषित है और विपर्यय की बाबत संबद्ध पक्षकार संव्यवहार अथवा किए गए प्रदाय अथवा दी गई सेवाओं की बाबत उनके द्वारा की गई संविदाओं, करारों या उनकी बाबत हुई सहमति को दर्शित करते हुए निम्नलिखित की बाबत अभिलेख रखे जाएंगे :

- (क) कच्ची सामग्री, तैयार उत्पाद, प्रसंस्करण सामग्री, रासायनिक और स्क्रेप सहित अस्वीकृत माल आदि का क्रय और विक्रय ;
- (ख) संयंत्र सुविधाओं और तकनीकी व्यवहार ज्ञान का उपयोग ;
- (ग) उपयोगिताओं और किन्हीं अन्य सेवाओं का प्रदाय ;
- (घ) प्रशासनिक, तकनीकी प्रबंधकीय अथवा कोई अन्य परामर्शी सेवाएं ;
- (ङ) संयंत्र और मशीनरी सहित पूंजीगत माल का क्रय और विक्रय ;
- (च) उत्पादन, प्रसंस्करण या निर्देशाधीन उत्पाद से संबंधित कोई अन्य संदाय ;

इन अभिलेखों में प्रभारित दरों को तय करना अथवा ऐसे उत्पादों के लिए संदाय करने के लिए अनुसरण किए गए आधारों को भी उपदर्शित किया जाएगा जिससे कि ऐसी दरों की युक्तियुक्तता का जहां तक कि उनका संबंध किसी भी रीति में निर्देशाधीन उत्पाद से है अवधारण किया जा सके।

(2) निम्न "संबंधित पक्षकार संबंध" द्वारा किए गए संव्यवहार उपनियम (1) के अन्तर्गत आएंगे :—

- (क) वे उद्यम जो प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः एक या अधिक मध्यवर्ती द्वारा नियंत्रित करते हैं अथवा रिपोर्टिंग उद्यम (जिसके अन्तर्गत नियंत्रित कंपनी, समनुषंगी और सहयोगी समनुषंगी हैं) के द्वारा नियंत्रित की जाती हैं अथवा उनके सामान्य नियंत्रण में हैं;
- (ख) रिपोर्टिंग उद्यम के सहबद्ध और सहउद्यम और वे विनिधान पक्षकार अथवा उद्यम जिनकी बाबत रिपोर्टिंग उद्यम कोई सहबद्ध अथवा सहउद्यम है;
- (ग) व्यक्ति जो ऐसे, रिपोर्टिंग उद्यम की प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः मत देने की शक्ति में हित रखते हैं जो उन्हें उद्यम के ऊपर नियंत्रण अथवा महत्वपूर्ण असर प्रदान करता है और किसी ऐसे व्यक्ति के नातेदार;
- (घ) मुख्य प्रबंध कार्मिक और ऐसे कार्मिक के नातेदार; और
- (ङ) ऐसे उद्यम जिनके ऊपर (ग) अथवा (घ) में वर्णित कोई व्यक्ति महत्वपूर्ण असर का प्रयोग करने में समर्थ है। इसके अंतर्गत निदेशकों अथवा रिपोर्टिंग उद्यम के प्रमुख शेयरधारकों के स्वामित्वाधान उद्यम और वे उद्यम हैं जिनके ऐसे मुख्य प्रबंध सदस्य हैं जो रिपोर्टिंग उद्यम में भी सम्मिलित हैं।

तथापि, निम्नलिखित को "संबद्ध पक्षकार संबंध" समझा जाएगा :—

- (क) वे दो कंपनियां मात्र इस कारण कि उनका एक सम्मिलित निदेशक है, उपर्युक्त पैरा (घ) अथवा (ङ) में किसी बात के होते हुए भी (जब तक कि निदेशक दोनों कंपनियों को परस्परिक व्यवहार में उनकी नीतियों को प्रभावित करने में समर्थ न हो);
- (ख) कोई एकल उपभोक्ता, प्रदायकर्ता, विशेषाधिकारी, संवितरक अथवा साधारण अभिकर्ता जिनके साथ कोई उद्यम, कारोबार का महत्वपूर्ण संव्यवहार मात्र आर्थिक निर्भरता के परिणामस्वरूप करता है; और
- (ग) नीचे सूचीबद्ध पक्षकार, जो अपने सामान्य व्यवहार में किसी उद्यम के साथ केवल उन्हीं व्यवहारों के कारण संव्यवहार करते हैं (यद्यपि वे उद्यम की कार्य करने की स्वतंत्रता को सीमित कर सकने अथवा उसकी विनिश्चय करने की प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे);
 - i वित्त उपलब्ध कराने वाले;
 - ii व्यापार संघ;
 - iii लोक उपयोगिताएं ;
 - iv सरकारी विभाग और सरकारी अधिकरण जिनके अंतर्गत सरकारी प्रायोजित निकाय भी हैं।

स्पष्टीकरण :—इन नियमों के प्रयोजन के लिए :—

- (क) "संबद्ध पक्षकार संबंध" से वे पक्षकार अभिप्रेत हैं जिन्हें किसी भी समय संबंधित समझा गया हो यदि रिपोर्टिंग अवधि के दौरान एक पक्षकार अन्य पक्षकार को नियंत्रित करने की योग्यता रखता हो अथवा वित्तीय और/या प्रचालन संबंधी विनिश्चय करने में अन्य पक्षकार के ऊपर महत्वपूर्ण असर रखता हो;
- (ख) "सहबद्ध पक्षकार संव्यवहार" से संबंध पक्षकारों के बीच संसाधनों अथवा दायित्वों का अंतरण अभिप्रेत है, चाहे उसके लिए कीमत प्रभारित की गई हो या नहीं;
- (ग) "नियंत्रण" से निम्नलिखित अभिप्रेत है,—
 - (i) किसी उद्यम की मत देने की शक्ति के आधे से अधिक का प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः स्वामित्व; या
 - (ii) किसी कंपनी की दशा में निदेशक बोर्ड की संरचना का नियंत्रण अथवा किसी अन्य उद्यम की दशा में तत्स्थानी शासी निकाय की संरचना का नियंत्रण; या
 - (iii) मतदान शक्ति में सारवान हित और उद्यम की वित्तीय और/या प्रचालन नीतियों को कानून या करार द्वारा निदेश देने की शक्ति।
- (ग) "महत्वपूर्ण असर" से किसी उद्यम की वित्तीय अथवा प्रचालन नीति विषयक विनिश्चयों में भाग लेना अभिप्रेत है किन्तु उन नीतियों का नियंत्रण नहीं;
- (ङ) "सहयुक्त" से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जिसमें कोई विनिधानकारी रिपोर्ट करने वाला पक्षकार महत्वपूर्ण असर रखता है और जो उस पक्षकार का न तो समनुषंगी है और न सहउद्यम है;
- (घ) "सहउद्यम" से कोई ऐसी संविदात्मक ठहराव अभिप्रेत है जिसके द्वारा दो या अधिक पक्षकार किसी आर्थिक क्रियाकलाप को अपने हाथ में लेते हैं और, जो नियंत्रण के अध्वधीन है;

- (छ) "संयुक्त नियंत्रण" से किसी आर्थिक क्रियाकलाप की वित्तीय और प्रचालन संबंधी नीतियों को शासित करने के लिए संविदात्मक रूप से करार पाई शक्तियों में हिस्सा बंटाना अभिप्रेत है जिससे कि इससे फायदा अभिप्राप्त किया जा सके;
- (ज) "मुख्य प्रबंध कार्मिक" से वे व्यक्ति अभिप्रेत हैं जिनके पास रिपोर्ट करने वाले उद्यम के क्रियाकलापों की योजना, निदेशन और नियंत्रण करने का प्राधिकार और दायित्व है;
- (झ) किसी व्यक्ति के संबंध में, "नातेदार" से पति-पत्नी, पुत्र, पुत्री, भाई, बहन, पिता और माता अभिप्रेत हैं जो रक्त संबंध संस्कार हैं;
- (ञ) "नियंत्रि कंपनी" से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातर्गत कोई नियंत्रि कंपनी अभिप्रेत है;
- (ट) "समनुषंगी" से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातर्गत कोई समनुषंगी कंपनी अभिप्रेत है;
- (ठ) "सहयोगी समनुषंगी" से वह कंपनी अभिप्रेत है जो किसी अन्य कंपनी की सहयोगी समनुषंगी है यदि दोनों उसी नियंत्रि कंपनी की समनुषंगी हैं;
- (ड) "राज्य नियंत्रित उद्यम" से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जो केंद्रीय सरकार अथवा किसी राज्य सरकार के नियंत्रणाधीन है।

[फा. सं. 52/01/सीएबी-2001]

ए. रामास्वामी, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पण :—मूल नियम सा.का.नि.सं.1261 दिनांक 11-8-67 द्वारा प्रकाशित किए गए थे पश्चातवर्ती संशोधन निम्नलिखित द्वारा किए गए :—

1. सा. का. नि. 85, दिनांक 4-1-68
2. सा. का. नि. 773, दिनांक 3-6-77
3. सा. का. नि. 17, दिनांक 5-1-83
4. सा. का. नि. 540, दिनांक 22-7-89
5. सा. का. नि. 300(अ), दिनांक 24-3-93
6. सा. का. नि. 327, दिनांक 3-6-98
7. सा. का. नि. 427(अ), दिनांक 3-8-98

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th September, 2001

G.S.R. 711 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 642, read with clause (d) of sub-section (1) of Section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Cost Accounting Records (Caustic Soda) Rules, 1967, namely :—

1. (1) These rules may be called the Cost Accounting Records (Caustic Soda) Amendment Rules, 2001.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Cost Accounting Records (Caustic Soda) Rules, 1967 :—

In schedule III, after item number 21 and the entries relating thereto, the following shall be inserted namely :—

"22. INTER-COMPANY TRANSFER :

- (1) In respect of related party transactions or supplies made or services rendered by a company to its holding company or subsidiary or a company termed "related party relationship" as defined below and vice-a-versa, records shall be maintained showing contracts entered into, agreements or understanding reached in respect of :
 - (a) purchase and sale of raw materials, finished products, process materials, chemicals and rejected goods including scraps, etc;
 - (b) utilisation of plant facilities and technical know-how;
 - (c) supply of utilities and any other services;
 - (d) administrative, technical, managerial or any other consultancy services;

- (e) purchase and sale of capital goods including plant and machinery;
- (f) any other payment related to production, processing or manufacturing of product under reference.

These records shall also indicate the basis followed for arriving at the rates charged or paid for such products or services so as to enable determination of the reasonableness of such rates in so far as they are in any way related to product under reference.

- (2) The transactions by the following “related party relationship” shall be covered under sub-rule (1) :—
- (a) enterprises that directly, or indirectly through one or more intermediaries, control, or are controlled by, or are under common control with, the reporting enterprise (this includes holding companies, subsidiaries and fellow subsidiaries);
 - (b) associates and joint ventures of the reporting enterprise and the investing party or venturer in respect of which the reporting enterprise is an associate or a joint venture;
 - (c) individuals owning, directly or indirectly, an interest in the voting power of the reporting enterprise that gives them control or significant influence over the enterprise, and relatives of any such individual;
 - (d) key management personnel and relatives of such personnel; and
 - (e) enterprises over which any person described in (c) or (d) is able to exercise significant influence. This includes enterprises owned by directors or major shareholders of the reporting enterprise and enterprises that have a member of key management in common with the reporting enterprise.

However, the following shall not be deemed as “related party relationships”:—

- (a) two companies simply because they have a Director in common, notwithstanding paragraph (d) or (e) above (unless the Director is able to affect the policies of both companies in their mutual dealings);
- (b) a single customer, supplier, franchiser, distributor, or general agent with whom an enterprise transacts a significant volume of business merely by virtue of the resulting economic dependence; and
- (c) the parties listed below, in the course of their normal dealings with an enterprise by virtue only of those dealings (although they may circumscribe the freedom of action of the enterprise or participate in its decision-making process);
 - (i) providers of finance;
 - (ii) trade unions;
 - (iii) public utilities;
 - (iv) government departments and government agencies including government sponsored bodies.

Explanation :—For the purpose of these Rules,—

- (a) “**Related party relationship**” means parties who are considered to be related if at any time during the reporting period one party has the ability to control the other party or exercise significant influence over the other party in making financial and/or operating decisions;
- (b) “**Related party transaction**” means a transfer of resources or obligations between related parties, whether or not a price is charged;
- (c) “**Control**” means
 - (i) ownership, directly or indirectly, of more than one-half of the voting power of an enterprise; or
 - (ii) control of the composition of the Board of Directors in the case of a company or of the Composition of the corresponding governing body in case of any other enterprise; or
 - (iii) a substantial interest in voting power and the power to direct, by statute or agreement, the financial and/or operating policies of the enterprise.
- (d) “**Significant influence**” means participation in the financial or operating policy decisions of an enterprise, but not control of those policies;
- (e) “**Associate**” means an enterprise in which an investing reporting party has significant influence and which is neither a subsidiary nor a joint venture of that party;

- (f) **“Joint venture”** means a contractual arrangement whereby two or more parties undertake an economic activity, which is subject to joint control;
- (g) **“Joint Control”** means the contractually agreed sharing of power to govern the financial and operating policies of an economic activity so as to obtain benefits from it;
- (h) **“Key management personnel”** means those persons who have the authority and responsibility for planning, directing and controlling the activities of the reporting enterprise;
- (i) **“Relative”** in relation to an individual, means the spouse, son, daughter, brother, sister, father and mother who may connected by blood relationship;
- (j) **“Holding company”** means a holding company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (k) **“Subsidiary”** means a subsidiary company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (l) **“Fellow subsidiary”** means a company is said to be a fellow subsidiary of another company if both are subsidiaries of the same holding company;
- (m) **“State-controlled enterprise”** means an enterprise which is under the control of the Central Government or a State Government.”

[F. No. 52/01/CAB-2001]

A. RAMASWAMY, Jt. Secy.

Foot Note.—The principal rules were published vide G.S.R. number 1261, dated the 11th August, 1967 and subsequently amended vide—

1. GSR 85, dated 4th January, 1968.
2. GSR 773, dated 3rd June, 1977.
3. GSR 17, dated 5th January, 1983.
4. GSR 540, dated 22nd July, 1989.
5. GSR 300 (E), dated 24th March, 1993.
6. GSR 327, dated 3rd June, 1998.
7. GSR 427 (E), dated 3rd August, 1998.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 2001

सा. का. नि. 712(अ).—केंद्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (1) के खंड (घ) के साथ पठित धारा 642 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लागत लेखा अभिलेख (कक्ष वातानुकूलक) नियम, 1967 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लागत लेखा अभिलेख (कक्ष वातानुकूलक) संशोधन नियम, 2001 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागत लेखा अभिलेख (कक्ष वातानुकूलक) नियम, 1967 में :—

अनुसूची 3 में, मद संख्या 21 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“22. अंतर-कंपनी अंतरण :

(1) किसी कंपनी द्वारा अपनी नियंत्रित कंपनी या समनुवंगी अथवा किसी ऐसी कंपनी जिसे “संबद्ध पक्षकार संबंध” कहा गया है जैसा कि नीचे परिभाषित है और विपर्यय की बाबत संबद्ध पक्षकार संव्यवहार अथवा किए गए प्रदाय अथवा दी गई सेवाओं की बाबत उनके द्वारा की गई संविदाओं, करारों या उनकी बाबत हुई सहमति को दर्शित करते हुए निम्नलिखित की बाबत अभिलेख रखे जाएंगे :

- (क) कच्ची सामग्री, तैयार उत्पाद, प्रसंस्करण सामग्री, रासायनिक और स्क्रैप सहित अस्वीकृत माल आदि का क्रय और विक्रय ;
- (ख) संयंत्र सुविधाओं और तकनीकी व्यवहार ज्ञान का उपयोग;
- (ग) उपयोगिताओं और किन्हीं अन्य सेवाओं का प्रदाय ;
- (घ) प्रशासनिक, तकनीकी प्रबंधकीय अथवा कोई अन्य परामर्शी सेवाएं ;
- (ङ) संयंत्र और मशीनरी सहित पूंजीगत माल का क्रय और विक्रय;
- (च) उत्पादन, प्रसंस्करण या निर्देशाधीन उत्पाद से संबंधित कोई अन्य संदाय।

इन अभिलेखों में प्रभारित दरों को तय करना अथवा ऐसे उत्पादों के लिए संदाय करने के लिए अनुसरण किए गए आधारों को भी उपदर्शित किया जाएगा जिससे कि ऐसी दरों की युक्तियुक्तता का जहां तक कि उनका संबंध किसी भी रीति में निर्देशाधीन उत्पाद से है अवधारण किया जा सके।

(2) निम्न "संबंधित पक्षकार संबंध" द्वारा किए गए संव्यवहार उपनियम (1) के अन्तर्गत आएंगे :—

- (क) वे उद्यम जो प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः एक या अधिक मध्यवर्ती द्वारा नियंत्रित करते हैं अथवा रिपोर्टिंग उद्यम (जिसके अन्तर्गत नियंत्री कंपनी, समनुषंगी और सहयोगी समनुषंगी हैं) के द्वारा नियंत्रित की जाती हैं अथवा उनके सामान्य नियंत्रण में हैं;
- (ख) रिपोर्टिंग उद्यम के सहबद्ध और सहउद्यम और वे विनिधान पक्षकार अथवा उद्यम जिनकी बाबत रिपोर्टिंग उद्यम कोई सहबद्ध अथवा सहउद्यम है;
- (ग) व्यक्ति जो ऐसे, रिपोर्टिंग उद्यम की प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः मत देने की शक्ति में हित रखते हैं जो उन्हें उद्यम के ऊपर नियंत्रण अथवा महत्वपूर्ण असर प्रदान करता है और किसी ऐसे व्यक्ति के नातेदार;
- (घ) मुख्य प्रबंध कार्मिक और ऐसे कार्मिक के नातेदार; और
- (ङ) ऐसे उद्यम जिनके ऊपर (ग) अथवा (घ) में वर्णित कोई व्यक्ति महत्वपूर्ण असर का प्रयोग करने में समर्थ है। इसके अंतर्गत निदेशकों अथवा रिपोर्टिंग उद्यम के प्रमुख शेरधारकों के स्वामित्वाधीन उद्यम और वे उद्यम हैं जिनके ऐसे मुख्य प्रबंध सदस्य हैं जो रिपोर्टिंग उद्यम में भी सम्मिलित हैं।

तथापि, निम्नलिखित को "संबद्ध पक्षकार संबंध" समझा जाएगा :—

- (क) वे दो कंपनियां मात्र इस कारण कि उनका एक सम्मिलित निदेशक है, उपर्युक्त पैरा (घ) अथवा (ङ) में किसी बात के होते हुए भी (जब तक कि निदेशक दोनों कंपनियों को पारस्परिक व्यवहार में उनकी नीतियों को प्रभावित करने में समर्थ न हो);
- (ख) कोई एकल उपभोक्ता, प्रदायकर्ता, विशेषाधिकारी, संचितरक्षक अथवा साधारण अधिकर्ता जिनके साथ कोई उद्यम, कारबार का महत्वपूर्ण संव्यवहार मात्र आर्थिक निर्भरता के परिणामस्वरूप करता है; और
- (ग) नीचे सूचीबद्ध पक्षकार, जो अपने सामान्य व्यवहार में किसी उद्यम के साथ केवल उन्हीं व्यवहारों के कारण संव्यवहार करते हैं (यद्यपि वे उद्यम की कार्य करने की स्वतंत्रता को सीमित कर सकने अथवा उसकी विनिश्चय करने की प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे);
 - (i) वित्त उपलब्ध कराने वाले;
 - (ii) व्यापार संघ;
 - (iii) लोक उपयोगिताएं ;
 - (iv) सरकारी विभाग और सरकारी अभिकरण जिनके अंतर्गत सरकारी प्रायोजित निकाय भी हैं।

स्पष्टीकरण :—इन नियमों के प्रयोजन के लिए,—

- (क) "संबद्ध पक्षकार संबंध" से वे पक्षकार अभिप्रेत हैं जिन्हें किसी भी समय संबंधित समझा गया हो यदि रिपोर्टिंग अवधि के दौरान एक पक्षकार अन्य पक्षकार को नियंत्रित करने की योग्यता रखता हो अथवा वित्तीय और/या प्रचालन संबंधी विनिश्चय करने में अन्य पक्षकार के ऊपर महत्वपूर्ण असर रखता हो;
- (ख) "सहबद्ध पक्षकार संव्यवहार" से संबद्ध पक्षकारों के बीच संसाधनों अथवा दायित्वों का अंतरण अभिप्रेत है, चाहे उसके लिए कीमत प्रभारित की गई हो या नहीं;

(ग) "नियंत्रण" से निम्नलिखित अभिप्रेत है,—

- (i) किसी उद्यम की मत देने की शक्ति के आधे से अधिक का प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः स्वामित्व; या
 - (ii) किसी कंपनी की दशा में निदेशक बोर्ड की संरचना का नियंत्रण अथवा किसी अन्य उद्यम की दशा में तत्स्थानी शासी निकाय की संरचना का नियंत्रण; या
 - (iii) मतदान शक्ति में सारवान हित और उद्यम की वित्तीय और/या प्रचालन नीतियों को कानून या करार द्वारा निदेश देने की शक्ति।
- (घ) "महत्वपूर्ण असर" से किसी उद्यम की वित्तीय अथवा प्रचालन नीति विषयक विनिश्चयों में भाग लेना अभिप्रेत है किन्तु उन नीतियों का नियंत्रण नहीं;
- (ङ) "सहयुक्त" से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जिसमें कोई विनिधानकारी रिपोर्ट करने वाला पक्षकार महत्वपूर्ण असर रखता है और जो उस पक्षकार का न तो समनुषंगी है और न सहउद्यम है;
- (च) "सहउद्यम" से कोई ऐसी संविदात्मक ठहराव अभिप्रेत है जिसके द्वारा दो या अधिक पक्षकार किसी आर्थिक क्रियाकलाप को अपने हाथ में लेते हैं और जो नियंत्रण के अध्वधीन है;
- (छ) "संयुक्त नियंत्रण" से किसी आर्थिक क्रियाकलाप की वित्तीय और प्रचालन संबंधी नीतियों को शासित करने के लिए संविदात्मक रूप से करार पाई शक्तियों में हिस्सा बंटाना अभिप्रेत है जिससे कि इससे फायदा अभिप्राप्त किया जा सके;
- (ज) "मुख्य प्रबंध कार्यात्मक" से वे व्यक्ति अभिप्रेत हैं जिनके पास रिपोर्ट करने वाले उद्यम के क्रियाकलापों की योजना, निदेशन और नियंत्रण करने का प्राधिकार और दायित्व है;
- (झ) किसी व्यक्ति के संबंध में, "नातेदार" से पति-पत्नी, पुत्र, पुत्री, भाई, बहन, पिता और माता अभिप्रेत हैं जो रक्त संबद्ध संस्कार हैं;
- (ञ) "नियंत्रि कंपनी" से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातर्गत कोई नियंत्रि कंपनी अभिप्रेत है;
- (ट) "समनुषंगी" से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातर्गत कोई समनुषंगी कंपनी अभिप्रेत है;
- (ठ) "सहयोगी समनुषंगी" से वह कंपनी अभिप्रेत है जो किसी अन्य कंपनी की सहयोगी समनुषंगी है यदि दोनों उसी नियंत्रि कंपनी की समनुषंगी हैं;
- (ड) "राज्य नियंत्रित उद्यम" से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जो केंद्रीय सरकार अथवा किसी राज्य सरकार के नियंत्रणाधीन है।

[फा. सं. 52/01/सीएबी-2001]

ए. रामास्वामी, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पण :—मूल नियम सं. सा.का.नि.1447 दिनांक 16-9-67 द्वारा प्रकाशित किए गए थे पश्चातवर्ती संशोधन निम्नलिखित द्वारा किए गए :—

1. सा. का. नि. 1506, दिनांक 5-8-68
2. सा. का. नि. 784, दिनांक 3-6-77
3. सा. का. नि. 18, दिनांक 5-1-83
4. सा. का. नि. 541, दिनांक 22-7-89
5. सा. का. नि. 301(अ), दिनांक 24-3-93
6. सा. का. नि. 428(अ), दिनांक 3-8-98
7. सा. का. नि. 668(अ), दिनांक 28-9-99

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th September, 2001

G.S.R. 712 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 642, read with clause (d) of sub-section (1) of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Cost Accounting Records (Room Air-Conditioners) Rules, 1967, namely :—

1. (1) These rules may be called the Cost Accounting Records (Room Air-Conditioners) Amendment Rules, 2001.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Cost Accounting Records (Room Air-Conditioners) Rules, 1967 :—

In schedule III, after item number 21 and the entries relating thereto, the following shall be inserted namely :—

“22. INTER-COMPANY TRANSFER :

- (1) In respect of related party transactions or supplies made or services rendered by a company to its holding company or subsidiary or a company termed “related party relationship” as defined below and vice-versa, records shall be maintained showing contracts entered into, agreements or understanding reached in respect of :
 - (a) purchase and sale of raw materials, finished products, process materials, chemicals and rejected goods including scraps, etc;
 - (b) utilisation of plant facilities and technical know-how;
 - (c) supply of utilities and any other services;
 - (d) administrative, technical, managerial or any other consultancy services;
 - (e) purchase and sale of capital goods including plant and machinery;
 - (f) any other payment related to production, processing or manufacturing of product under reference.

These records shall also indicate the basis followed for arriving at the rates charged or paid for such products or services so as to enable determination of the reasonableness of such rates in so far as they are in any way related to product under reference.

- (2) The transactions by the following “related party relationship” shall be covered under sub-rule (1) :—
 - (a) enterprises that directly, or indirectly through one or more intermediaries, control, or are controlled by, or are under common control with, the reporting enterprise (this includes holding companies, subsidiaries and fellow subsidiaries);
 - (b) associates and joint ventures of the reporting enterprise and the investing party or venturer in respect of which the reporting enterprise is an associate or a joint venture;
 - (c) individuals owning, directly or indirectly, an interest in the voting power of the reporting enterprise that gives them control or significant influence over the enterprise, and relatives of any such individual;
 - (d) key management personnel and relatives of such personnel; and
 - (e) enterprises over which any person described in (c) or (d) is able to exercise significant influence. This includes enterprises owned by directors or major shareholders of the reporting enterprise and enterprises that have a member of key management in common with the reporting enterprise.

However, the following shall not be deemed as “related party relationships” :—

- (a) two companies simply because they have a Director in common, notwithstanding paragraph (d) or (e) above (unless the Director is able to affect the policies of both companies in their mutual dealings);
- (b) a single customer, supplier, franchiser, distributor, or general agent with whom an enterprise transacts a significant volume of business merely by virtue of the resulting economic dependence; and
- (c) the parties listed below, in the course of their normal dealings with an enterprise by virtue only of those dealings (although they may circumscribe the freedom of action of the enterprise or participate in its decision-making process);
 - (i) providers of finance;
 - (ii) trade unions;
 - (iii) public utilities;
 - (iv) government departments and government agencies including government sponsored bodies.

Explanation :—For the purpose of these Rules,—

- (a) **“Related party relationship”** means parties who are considered to be related if at any time during the reporting period one party has the ability to control the other party or exercise significant influence over the other party in making financial and/or operating decisions;
- (b) **“Related party transaction”** means a transfer of resources or obligations between related parties, whether or not a price is charged;
- (c) **“Control”** means
 - (i) ownership, directly or indirectly, of more than one-half of the voting power of an enterprise; or
 - (ii) control of the composition of the Board of Directors in the case of a company or of the Composition of the corresponding governing body in case of any other enterprise; or
 - (iii) a substantial interest in voting power and the power to direct, by statute or agreement, the financial and/or operating policies of the enterprise.
- (d) **“Significant influence”** means participation in the financial or operating policy decisions of an enterprise, but not control of those policies;
- (e) **“Associate”** means an enterprise in which an investing reporting party has significant influence and which is neither a subsidiary nor a joint venture of that party;
- (f) **“Joint venture”** means a contractual arrangement whereby two or more parties undertake an economic activity, which is subject to joint control;
- (g) **“Joint Control”** means the contractually agreed sharing of power to govern the financial and operating policies of an economic activity so as to obtain benefits from it;
- (h) **“Key management personnel”** means those persons who have the authority and responsibility for planning, directing and controlling the activities of the reporting enterprise;
- (i) **“Relative”**—in relation to an individual, means the spouse, son, daughter, brother, sister, father and mother who may connected by blood relationship;
- (j) **“Holding company”** means a holding company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (k) **“Subsidiary”** means a subsidiary company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (l) **“Fellow subsidiary”** means a company is said to be a fellow subsidiary of another company if both are subsidiaries of the same holding company;
- (m) **“State-controlled enterprise”** means an enterprise which is under the control of the Central Government or a State Government.”

[F No 52/01/CAB-2001]

A. RAMASWAMY, Jt. Secy.

Foot Note.—The principal rules were published vide G.S.R. number 1447, dated the 16th September, 1967 and subsequently amended vide—

1. GSR 1506, dated 5th August, 1968.
2. GSR 784, dated 3rd June, 1977.
3. GSR 18, dated 5th January, 1983.
4. GSR 541, dated 22nd July, 1989.
5. GSR 301 (E), dated 24th March, 1993.
6. GSR 428 (E), dated 3rd August, 1998.
7. GSR 668(E), dated 28th September, 1999.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 2001

सा.का.नि. 713(अ).—केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (1) के खंड (घ) के साथ पठित धारा 642 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लागत लेखा अभिलेख (प्रशीतित्र) नियम, 1967 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लागत लेखा अभिलेख (प्रशीतित्र) संशोधन नियम, 2001 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागत लेखा अभिलेख (प्रशीतित्र) नियम, 1967 में :—

अनुसूची 3 में, मद संख्या 21 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“22. अंतर-कंपनी अंतरण :

(1) किसी कंपनी द्वारा अपनी नियंत्री कंपनी या समनुषंगी अथवा किसी ऐसी कंपनी जिसे “संबद्ध पक्षकार संबंध” कहा गया है जैसा कि नीचे परिभाषित है और विपर्यय की बाबत संबद्ध पक्षकार संव्यवहार अथवा किए गए प्रदाय अथवा दी गई सेवाओं की बाबत उनके द्वारा की गई संविदाओं, करारों या उनकी बाबत हुई सहमति को दर्शित करते हुए निम्नलिखित की बाबत अभिलेख रखे जाएंगे :

(क) कच्ची सामग्री, तैयार उत्पाद, प्रसंस्करण सामग्री, रासायनिक और स्कैप सहित अस्वीकृत माल आदि का क्रय और विक्रय

(ख) संयंत्र सुविधाओं और तकनीकी व्यवहार ज्ञान का उपयोग;

(ग) उपयोगिताओं और किन्हीं अन्य सेवाओं का प्रदाय;

(घ) प्रशासनिक, तकनीकी, प्रबंधकीय अथवा कोई अन्य परामर्शी सेवाएं;

(ङ) संयंत्र और मशीनरी सहित पूंजीगत माल का क्रय और विक्रय;

(च) उत्पादन, प्रसंस्करण या निर्देशाधीन उत्पाद से संबंधित कोई अन्य संदाय;

इन अभिलेखों में प्रभारित दरों को तय करना अथवा ऐसे उत्पादों के लिए संदाय करने के लिए अनुसरण किए गए आधारों को भी उपदर्शित किया जाएगा जिससे कि ऐसी दरों की युक्तियुक्तता का जहां तक कि उनका संबंध किसी भी रीति में निर्देशाधीन उत्पाद से है अवधारण किया जा सके।

(2) निम्न “संबंधित पक्षकार संबंध” द्वारा किए गए संव्यवहार उपनियम (1) के अन्तर्गत आएंगे :—

(क) वे उद्यम जो प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः एक या अधिक मध्यवर्ती द्वारा नियंत्रित करते हैं अथवा रिपोर्टिंग उद्यम (जिसके अंतर्गत नियंत्री कंपनी, समनुषंगी और सहयोगी समनुषंगी हैं) के द्वारा नियंत्रित की जाती हैं अथवा उनके सामान्य नियंत्रण में हैं;

(ख) रिपोर्टिंग उद्यम के सहबद्ध और सहउद्यम और वे विनिधान पक्षकार अथवा उद्यम जिनकी बाबत रिपोर्टिंग उद्यम कोई सहबद्ध अथवा सहउद्यम हैं,

(ग) व्यक्ति जो ऐसे, रिपोर्टिंग उद्यम की प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः मत देने की शक्ति में हित रखते हैं जो उन्हें उद्यम के ऊपर नियंत्रण अथवा महत्वपूर्ण असर प्रदान करता है और किसी ऐसे व्यक्ति के नातेदार,

(घ) मुख्य प्रबंध कार्मिक और ऐसे कार्मिक के नातेदार, और

(ङ) ऐसे उद्यम जिनके ऊपर (ग) अथवा (घ) में वर्णित कोई व्यक्ति महत्वपूर्ण असर का प्रयोग करने में समर्थ है। इसके अंतर्गत निदेशकों अथवा रिपोर्टिंग उद्यम के प्रमुख शेयरधारकों के स्वामित्वाधीन उद्यम और वे उद्यम हैं जिनके ऐसे मुख्य प्रबंध सदस्य हैं जो रिपोर्टिंग उद्यम में भी सम्मिलित हैं।

तथापि, निम्नलिखित को “संबद्ध पक्षकार संबंध” समझा जाएगा :—

(क) वे दो कंपनियां मात्र इस कारण कि उनका एक सम्मिलित निदेशक है, उपर्युक्त पैरा (घ) अथवा (ङ) में किसी बात के होते हुए भी (जब तक कि निदेशक दोनों कंपनियों को पारस्परिक व्यवहार में उनकी नीतियों को प्रभावित करने में समर्थ न हों);

(ख) कोई एकल उपभोक्ता, प्रदायकर्ता, विशेषाधिकारी, संवितरक अथवा साधारण अभिकर्ता जिनके साथ कोई उद्यम, कारबार का महत्वपूर्ण संव्यवहार मात्र आर्थिक निर्भरता के परिणामस्वरूप करता है; और

(ग) नीचे सूचीबद्ध पक्षकार, जो अपने सामान्य व्यवहार में किसी उद्यम के साथ केवल उन्हीं व्यवहारों के कारण संव्यवहार करते हैं (यद्यपि वे उद्यम की कार्य करने की स्वतंत्रता को सीमित कर सकने अथवा उनकी विनिश्चय करने की प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे)

3. (i) वित्त उपलब्ध कराने वाले
- (ii) व्यापार संघ
- (iii) लोक उपयोगिताएं
- (iv) सरकारी विभाग और सरकारी अभिकरण जिनके अंतर्गत सरकारी प्रायोजित निकाय भी हैं।

स्पष्टीकरण :—इन नियमों के प्रयोजन के लिए,—

- (क) “संबद्ध पक्षकार संबंध” से वे पक्षकार अभिप्रेत हैं जिन्हें किसी भी समय संबंधित समझा गया हो यदि रिपोर्टगत अवधि के दौरान एक पक्षकार अन्य पक्षकार को नियंत्रित करने की योग्यता रखता हो अथवा वित्तीय और/या प्रचालन संबंधी विनिश्चय करने में अन्य पक्षकार के ऊपर महत्वपूर्ण असर रखता हो;
- (ख) “सहबद्ध पक्षकार संव्यवहार” से संबद्ध पक्षकारों के बीच संसाधनों अथवा दायित्वों का अंतरण अभिप्रेत है, चाहे उसके लिए कीमत प्रभारित की गई हो या नहीं;
- (ग) “नियंत्रण” से निम्नलिखित अभिप्रेत है,—
 - (i) किसी उद्यम की मत देने की शक्ति के आधे से अधिक का प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः स्वामित्व या
 - (ii) किसी कंपनी की दशा में निदेशक बोर्ड की संरचना का नियंत्रण अथवा किसी अन्य उद्यम की दशा में तत्स्थानी शासी निकाय की संरचना का नियंत्रण; या
 - (iii) मतदान शक्ति में सारवान हित और उद्यम की वित्तीय और/या प्रचालन नीतियों को कानून या करार द्वारा निदेश देने की शक्ति।
- (घ) “महत्वपूर्ण असर” से किसी उद्यम की वित्तीय अथवा प्रचालन नीति विषयक विनिश्चयों में भाग लेना अभिप्रेत है किन्तु उन नीतियों का नियंत्रण नहीं;
- (ङ.) “सहयुक्त” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जिसमें कोई विनिधानकारी रिपोर्ट करने वाला पक्षकार महत्वपूर्ण असर रखता है और जो उस पक्षकार का न तो समनुषंगी है और न सहउद्यम है;
- (च) “सहउद्यम” से कोई ऐसी संविदात्मक ठहराव अभिप्रेत है जिसके द्वारा दो या अधिक पक्षकार किसी अर्थिक क्रियाकलाप को अपने हाथ में लेते हैं और, जो नियंत्रण के अध्वधीन है;
- (छ) “संयुक्त नियंत्रण” से किसी आर्थिक क्रियाकलाप की वित्तीय और प्रचालन संबंधी नीतियों को शासित करने के लिए संविदात्मक रूप से करार पाई शक्तियों में हिस्सा बंटाना अभिप्रेत है जिससे कि इससे फायदा अभिप्राप्त किया जा सके;
- (ज) “मुख्य प्रबंध कार्मिक” से वे व्यक्ति अभिप्रेत हैं जिनके पास रिपोर्ट करने वाले उद्यम के क्रियाकलापों की योजना, निदेशन और नियंत्रण करने का प्राधिकार और दायित्व है,
- (झ) किसी व्यक्ति के संबंध में, “नातेदार” से पति-पत्नी, पुत्र, पुत्री, भाई, बहन, पिता और माता अभिप्रेत हैं जो रक्त संबद्ध संस्कार हैं,
- (ञ) “नियंत्रि कंपनी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातर्गत कोई नियंत्रि कंपनी अभिप्रेत है,
- (ट) “समनुषंगी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातर्गत कोई समनुषंगी कंपनी अभिप्रेत है,
- (ठ) “सहयोगी समनुषंगी” से वह कंपनी अभिप्रेत है जो किसी अन्य कंपनी की सहयोगी समनुषंगी है यदि दोनों उसी नियंत्रि कंपनी की समनुषंगी हैं,
- (ड) “राज्य नियंत्रित उद्यम” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जो केन्द्रीय सरकार अथवा किसी राज्य सरकार के नियंत्रणाधीन है।

[फा. सं. 52/01/सीएबी-2001]

ए. रामास्वामी, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पण :—मूल नियम सा.का.नि.सं.1448, दिनांक 18-9-1967 द्वारा प्रकाशित किए गए थे पश्चात्तर्वर्ती संशोधन निम्नलिखित द्वारा किए गए :—

1. सा. का. नि. 1505, दिनांक 5-8-68
2. सा. का. नि. 781, दिनांक 3-6-77
3. सा. का. नि. 19, दिनांक 5-1-83
4. सा. का. नि. 542, दिनांक 22-7-89
5. सा. का. नि. 302(अ), दिनांक 24-3-93
6. सा. का. नि. 429(अ), दिनांक 3-8-98
7. सा. का. नि. 669(अ), दिनांक 28-9-99

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th September, 2001

G.S.R. 713 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 642, read with clause (d) of sub-section (1) of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Cost Accounting Records (Refrigerators) Rules, 1967, namely :—

1. (1) These rules may be called the Cost Accounting Records (Refrigerators) Amendment Rules, 2001.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Cost Accounting Records (Refrigerators) Rules, 1967 :—

in Schedule III, after item number 21 and the entries relating thereto, the following shall be inserted namely :—

"22. INTER-COMPANY TRANSFER:

(1) In respect of related party transactions or supplies made or services rendered by a company to its holding company or subsidiary or a company termed "related party relationship" as defined below and vice-a-versa, records shall be maintained showing contracts entered into, agreements or understanding reached in respect of :

- (a) purchase and sale of raw materials, finished products, process materials, chemicals and rejected goods including scraps, etc.;
- (b) utilisation of plant facilities and technical know-how;
- (c) supply of utilities and any other services;
- (d) administrative, technical, managerial or any other consultancy services;
- (e) purchase and sale of capital goods including plant and machinery;
- (f) any other payment related to production, processing or manufacturing of product under reference.

These records shall also indicate the basis followed for arriving at the rates charged or paid for such products or services so as to enable determination of the reasonableness of such rates insofar as they are in any way related to product under reference.

(2) The transactions by the following "related party relationships" shall be covered under sub-rule (1) :—

- (a) enterprises that directly, or indirectly through one or more intermediaries, control, or are controlled by, or are under common control with, the reporting enterprise (this includes holding companies, subsidiaries and fellow subsidiaries);
- (b) associates and joint ventures of the reporting enterprise and the investing party or venturer in respect of which the reporting enterprise is an associate or a joint venture;
- (c) individuals owning, directly or indirectly, an interest in the voting power of the reporting enterprise that gives them control or significant influence over the enterprise, and relatives of any such individual;
- (d) key management personnel and relatives of such personnel; and
- (e) enterprises over which any person described in (c) or (d) is able to exercise significant influence. This includes enterprises owned by Directors or major shareholders of the reporting enterprise and enterprises that have a member of key management in common with the reporting enterprise.

However, the following shall not be deemed as "related party relationships" :—

- (a) two companies simply because they have a Director in common, notwithstanding paragraph (d) or (e) above (unless the Director is able to affect the policies of both companies in their mutual dealings);
- (b) a single customer, supplier, franchiser, distributor, or general agent with whom an enterprise transacts a significant volume of business merely by virtue of the resulting economic dependence; and
- (c) the parties listed below, in the course of their normal dealings with an enterprise by virtue only of those dealings (although they may circumscribe the freedom of action of the enterprise or participate in its decision-making process:
 - (i) Providers of finance;
 - (ii) trade unions;

- (iii) public utilities;
- (iv) Government Departments and Government Agencies including Government sponsored bodies.

Explanation :—For the purpose of these Rules,—

- (a) **“Related party relationships”** means parties who are considered to be related if at any time during the reporting period one party has the ability to control the other party or exercise significant influence over the other party in making financial and/or operating decisions;
- (b) **“Related party transaction”** means a transfer of resources or obligations between related parties, whether or not a price is charged;
- (c) **“Control”** means :
 - (i) ownership, directly or indirectly, of more than onehalf of the voting power of an enterprise; or
 - (ii) control of the composition of the Board of Directors in the case of a company or of the composition of the corresponding governing body in case of any other enterprise; or
 - (iii) a substantial interest in voting power and the power to direct, by statute or agreement, the financial and/or operating policies of the enterprise.
- (d) **“Significant influence”** means participation in the financial or operating policy decisions of an enterprise, but not control of those policies;
- (e) **“Associate”** means an enterprise in which an investing reporting party has significant influence and which is neither a subsidiary nor a joint venture of that party;
- (f) **“Joint venture”** means a contractual arrangement whereby two or more parties undertake an economic activity, which is subject to joint control;
- (g) **“Joint control”** means the contractually agreed sharing of power to govern the financial and operating policies of an economic activity so as to obtain in benefits from it;
- (h) **“Key management personnel”** means those persons who have the authority and responsibility for planning, directing and controlling the activities of the reporting enterprise;
- (i) **“Relative”**—in relation to an individual, means the spouse, son, daughter, brother, sister, father and mother who may connected by blood relationship;
- (j) **“Holding company”** means a holding company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (k) **“Subsidiary”** means a subsidiary company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (l) **“Fellow subsidiary”** means a company is said to be a fellow subsidiary of another company if both are subsidiaries of the same holding company;
- (m) **“State-controlled enterprises”** means an enterprise which is under the control of the Central Government or a State Government.”

[F. No. 52/01/CAB-2001]

A. RAMASWAMY, Jt. Secy.

Footnote :—The principal rules were published vide G.S.R. number 1448, dated the 18th September, 1967 and subsequently amended vide :—

1. GSR 1505, dated 5th August, 1968.
2. GSR 781, dated 3rd June, 1977
3. GSR 19, dated 5th January, 1983.
4. GSR 542, dated 22nd July, 1989.
5. GSR 302(E), dated 24th March, 1993.
6. GSR 429(E), dated 3rd August, 1998.
7. GSR 669(E), dated 28th September, 1999.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 2001

सा.का.नि. 714(अ).—केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (1) के खंड (घ) के साथ पठित धारा 642 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लागत लेखा अभिलेख (शुष्क सेल बैटरी से भिन्न बैटरी) नियम, 1967 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लागत लेखा अभिलेख (शुष्क सेल बैटरी से भिन्न बैटरी) संशोधन नियम, 2001 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागत लेखा अभिलेख (शुष्क सेल बैटरी से भिन्न बैटरी) नियम, 1967 में :—

अनुसूची 3 में, मद संख्या 21 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“22. अंतर-कंपनी अंतरण :

(1) किसी कंपनी द्वारा अपनी नियंत्री कंपनी या समनुपंगी अथवा किसी ऐसी कंपनी जिसे “संबद्ध पक्षकार संबंध” कहा गया है जैसा कि नीचे परिभाषित है और विपर्यय की बाबत संबद्ध पक्षकार संव्यवहार अथवा किए गए प्रदाय अथवा दी गई सेवाओं की बाबत उनके द्वारा की गई संविदाओं, करारों या उनकी बाबत हुई सहमति को दर्शित करते हुए निम्नलिखित की बाबत अभिलेख रखे जाएंगे :

(क) कच्ची सामग्री, तैयार उत्पाद, प्रसंस्करण सामग्री, रासायनिक और स्क्रेप सहित अस्वीकृत माल आदि का क्रय और विक्रय ;

(ख) संयंत्र सुविधाओं और तकनीकी व्यवहार ज्ञान का उपयोग;

(ग) उपयोगिताओं और किन्हीं अन्य सेवाओं का प्रदाय;

(घ) प्रशासनिक, तकनीकी, प्रबंधकीय अथवा कोई अन्य परामर्शी सेवाएं ;

(ङ.) संयंत्र और मशीनरी सहित पूंजीगत माल का क्रय और विक्रय;

(च) उत्पादन, प्रसंस्कारण या निर्देशाधीन उत्पादन से संबंधित कोई अन्य संदाय।

इस अभिलेखों में प्रभाषित दलों को तय करना अथवा ऐसे उत्पादों के लिए संदाय करने के लिए अनुसारण किए गए आधारों को भी उपदर्शित किया जाएगा जिससे कि ऐसी दलों की युक्तियुक्तता का जहां तक कि उनका संबंध किसी भी रीति में निर्देशाधीन उत्पादन से है अवधारण किया जा सके।

(2) निम्न “संबंधित पक्षकार संबंध” द्वारा किए गए संव्यवहार उपनियम (1) के अन्तर्गत आएंगे :—

(क) वे उद्यम जो प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः एक या अधिक मध्यवर्ती द्वारा नियंत्रित करते हैं अथवा रिपोर्टिंग उद्यम (जिसके अन्तर्गत नियंत्री कंपनी, समनुपंगी और सहयोगी समनुपंगी है) के द्वारा नियंत्रित की जाती हैं अथवा उनके सामान्य नियंत्रण में हैं;

(ख) रिपोर्टिंग उद्यम के सहबद्ध और सहउद्यम और वे विनिधान पक्षकार अथवा उद्यम जिनकी बाबत रिपोर्टिंग उद्यम कोई सहबद्ध अथवा सहउद्यम हैं;

(ग) व्यक्ति जो ऐसे, रिपोर्टिंग उद्यम की प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः मत देने की शक्ति में हित रखते हैं जो उन्हें उद्यम के ऊपर नियंत्रण अथवा महत्वपूर्ण असर प्रदान करता है और किसी ऐसे व्यक्ति के नातेदार;

(घ) मुख्य प्रबंध कार्मिक और ऐसे कार्मिक के नातेदार; और

(ङ.) ऐसे उद्यम जिनके ऊपर (ग) अथवा (घ) में वर्णित कोई व्यक्ति महत्वपूर्ण असर का प्रयोग करने में समर्थ है। इसके अन्तर्गत निदेशकों अथवा रिपोर्टिंग उद्यम के प्रमुख शेयरधारकों के स्वामित्वाधीन उद्यम और वे उद्यम हैं जिनके ऐसे मुख्य प्रबंध सदस्य हैं जो रिपोर्टिंग उद्यम में भी सम्मिलित हैं।

तथापि, निम्नलिखित को “संबद्ध पक्षकार संबंध” समझा जाएगा :—

(क) वे दो कंपनियां मात्र इस कारण कि उनका एक सम्मिलित निदेशक है, उपर्युक्त पैरा (घ) अथवा (ङ.) में किसी बात के होते हुए भी (जब तक कि निदेशक दोनों कंपनियों को पारस्परिक व्यवहार में उनकी नीतियों को प्रभावित करने में समर्थ न हों);

(ख) कोई एकल उपभोक्ता, प्रदायकर्ता, विशेषाधिकारी, संवितरक अथवा साधारण अधिकर्ता जिनके साथ कोई उद्यम, कारबार का महत्वपूर्ण संव्यवहार मात्र आर्थिक निर्भरता के परिणामस्वरूप करता है; और

(ग) नीचे सूचीबद्ध पक्षकार, जो अपने सामान्य व्यवहार में किसी उद्यम के साथ केवल उन्हीं व्यवहारों के कारण संव्यवहार करते हैं। (यद्यपि वे उद्यम की कार्य करने की स्वतंत्रता को सीमित कर सकने अथवा उनकी विनिश्चय करने की प्रक्रिया में भाग लें सकेंगे);

(i) वित्त उपलब्ध कराने वाले;

(ii) व्यापार संघ;

(iii) लोक उपयोगिताएं ;

(iv) सरकारी विभाग और सरकारी अधिकरण जिनके अंतर्गत सरकारी प्रयोगित निकाय भी हैं।

स्पष्टीकरण :—इन नियमों के प्रयोजन के लिए,—

- (क) “संबद्ध पक्षकार संबंध” से वे पक्षकार अभिप्रेत हैं जिन्हें किसी भी समय संबंधित समझा गया हो यदि रिपोर्टगत अवधि के दौरान एक पक्षकार अन्य पक्षकार को नियंत्रित करने की योग्यता रखता हो अथवा वित्तीय और/या प्रचालन संबंधी विनिश्चय करने में अन्य पक्षकार के ऊपर महत्वपूर्ण असर रखता हो;
- (ख) “सहबद्ध पक्षकार संव्यवहार” से संबद्ध पक्षकारों के बीच संसाधनों अथवा दायित्वों का अंतरण अभिप्रेत हैं, चाहे उसके लिए कीमत प्रभारित की गई हो या नहीं;
- (ग) “नियंत्रण” से निम्नलिखित अभिप्रेत है,—
 - (i) किसी उद्यम की मत देने की शक्ति के आधे से अधिक का प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः स्वामित्व ; या
 - (ii) किसी कंपनी की दशा में निदेशक बोर्ड की संरचना का नियंत्रण अथवा किसी अन्य उद्यम की दशा में तत्स्थानी शासी निष्ठा का संरचना का नियंत्रण; या
 - (iii) मतदान शक्ति में सारवान हित और उद्यम की वित्तीय और/या प्रचालन नीतियों को कानून या करार द्वारा निदेश देने की शक्ति;
- (घ) “महत्वपूर्ण असर” से किसी उद्यम की वित्तीय अथवा प्रचालन नीति विषयक विनिश्चयों में भाग लेना अभिप्रेत है किन्तु उन नीतियों का नियंत्रण नहीं;
- (ङ.) “सहयुक्त” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जिसमें कोई विनिधानकारी रिपोर्ट करने वाला पक्षकार महत्वपूर्ण असर रखता है और जो उस पक्षकार का न तो समनुषंगी है और न सहउद्यम है;
- (च) “सहउद्यम” से कोई ऐसी संविदात्मक ठहराव अभिप्रेत है जिसके द्वारा दो या अधिक पक्षकार किसी आर्थिक क्रियाकलाप को अपने हाथ में लेते हैं और, जो नियंत्रण के अधधीन है;
- (छ) “संयुक्त नियंत्रण” से किसी आर्थिक क्रियाकलाप की वित्तीय और प्रचालन संबंधी नीतियों को शासित करने के लिए संविदात्मक रूप से करार पाई शक्तियों में हिस्सा बंटाना अभिप्रेत है जिससे कि इससे फायदा अभिप्राप्त किया जा सके;
- (ज) “मुख्य संबंध कार्मिक” से वे व्यक्ति अभिप्रेत हैं जिनके पास रिपोर्ट करने वाले उद्यम के क्रियाकलापों की योजना, निदेशन और नियंत्रण करने का प्राधिकार और दायित्व है;
- (झ) किसी व्यक्ति के संबंध में, “नातेदार” से पति-पत्नी, पुत्र, पुत्री, भाई, बहन, पिता और माता अभिप्रेत हैं जो रक्त संबंध संस्कार हैं;
- (ञ) “नियंत्रि कंपनी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थात्गत कोई नियंत्रि कंपनी अभिप्रेत है;
- (ट) “समनुषंगी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थात्गत कोई समनुषंगी कंपनी अभिप्रेत है;
- (ठ) “सहयोगी समनुषंगी” से वह कंपनी अभिप्रेत है जो किसी अन्य कंपनी की सहयोगी समनुषंगी है यदि दोनों उसी नियंत्रि कंपनी की समनुषंगी हैं;
- (ड.) “राज्य नियंत्रित उद्यम” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जो केन्द्रीय सरकार अथवा किसी राज्य सरकार के नियंत्रणाधीन है।

[फा. सं. 52/01/सीएबी-2001]

ए. रामास्वामी, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पण :—मूल नियम सा.का.नि.सं.1467 दिनांक 20-9-67 द्वारा प्रकाशित किए गए थे पश्चातवर्ती संशोधन निम्नलिखित द्वारा किए गए :—

1. सा. का. नि. 1507, दिनांक 5-8-68
2. सा. का. नि. 778, दिनांक 3-6-77
3. सा. का. नि. 20, दिनांक 5-1-83
4. सा. का. नि. 543, दिनांक 22-7-89
5. सा. का. नि. 303(अ), दिनांक 24-3-93
6. सा. का. नि. 430(अ), दिनांक 3-8-98
7. सा. का. नि. 667(अ), दिनांक 28-9-99

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th September, 2001

G.S.R. 714(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 642, read with clause (d) of sub-section (1) of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Cost Accounting Records (Batteries other than Dry Cell Batteries) Rules, 1967, namely :—

1. (1) These rules may be called the Cost Accounting Records (Batteries other than Dry Cell Batteries) Amendment Rules, 2001.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Cost Accounting Records (Batteries other than Dry Cell Batteries) Rules, 1967 in schedule III, after item number 21 and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely :—

“22. INTER-COMPANY TRANSFER:

(1) In respect of related party transactions or supplies made or services rendered by a company to its holding company or subsidiary or a company termed “related party relationship” as defined below and vice-versa, records shall be maintained showing contracts entered into, agreements or understanding reached in respect of :

- (a) purchase and sale of raw materials, finished products, process materials, chemicals and rejected goods including scraps, etc.;
- (b) utilisation of plant facilities and technical know-how;
- (c) supply of utilities and any other services;
- (d) administrative, technical, managerial or any other consultancy services;
- (e) purchase and sale of capital goods including plant and machinery;
- (f) any other payment related to production, processing or manufacturing of product under reference.

These records shall also indicate the basis followed for arriving at the rates charged or paid for such products or services so as to enable determination of the reasonableness of such rates insofar as they are in any way related to product under reference.

(2) The transactions by the following “related party relationships” shall be covered under sub-rule (1) :—

- (a) enterprises that directly, or indirectly through one or more intermediaries, control, or are controlled by, or are under common control with, the reporting enterprise (this includes holding companies, subsidiaries and fellow subsidiaries);
- (b) associates and joint ventures of the reporting enterprise and the investing party or venturer in respect of which the reporting enterprise is an associate or a joint venture;
- (c) individuals owning, directly or indirectly, an interest in the voting power of the reporting enterprise that gives them control or significant influence over the enterprise, and relatives of any such individual;
- (d) key management personnel and relatives of such personnel; and
- (e) enterprises over which any person described in (c) or (d) is able to exercise significant influence. This includes enterprises owned by directors or major shareholders of the reporting enterprise and enterprises that have a member of key management in common with the reporting enterprise.

However, the following shall not be deemed as “related party relationships” :—

- (a) two companies simply because they have a Director in common, notwithstanding paragraph (d) or (e) above (unless the Director is able to affect the policies of both companies in their mutual dealings);
- (b) a single customer, supplier, franchiser, distributor, or general agent with whom an enterprise transacts a significant volume of business merely by virtue of the resulting economic dependence; and
- (c) the parties listed below, in the course of their normal dealings with an enterprise by virtue only of those dealings (although they may circumscribe the freedom of action of the enterprise or participate in its decision-making process);
 - (i) Providers of finance;

- (ii) trade unions;
- (iii) public utilities;
- (iv) Government departments and Government agencies including Government sponsored bodies

Explanation :—For the purpose of these Rules,—

- (a) “Related party relationships” means parties who are considered to be related if at any time during the reporting period one party has the ability to control the other party or exercise significant influence over the other party in making financial and/or operating decisions;
- (b) “Related party transaction” means a transfer of resources or obligations between related parties, whether or not a price is charged;
- (c) “Control” means
 - (i) ownership, directly or indirectly, of more than one-half of the voting power of an enterprise; or
 - (ii) control of the composition of the Board of Directors in the case of a company or of the composition of the corresponding governing body in case of any other enterprise; or
 - (iii) a substantial interest in voting power and the power to direct, by statute or agreement, the financial and/or operating policies of the enterprise.
- (d) “Significant influence” means participation in the financial or operating policy decisions of an enterprise, but not control of those policies;
- (e) “Associate” means an enterprise in which an investing reporting party has significant influence and which is neither a subsidiary nor a joint venture of that party;
- (f) “Joint venture” means a contractual arrangement whereby two or more parties undertake an economic activity, which is subject to joint control;
- (g) “Joint control” means the contractually agreed sharing of power to govern the financial and operating policies of an economic activity so as to obtain in benefits from it;
- (h) “Key management personnel” means those persons who have the authority and responsibility for planning, directing and controlling the activities of the reporting enterprise;
- (i) “Relative” in relation to an individual, means the spouse, son, daughter, brother, sister, father and mother who may connected by blood relationship;
- (j) “Holding company” means a holding company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (k) “Subsidiary” means a subsidiary company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (l) “Fellow subsidiary” means a company is said to be a fellow subsidiary of another company if both are subsidiaries of the same holding company;
- (m) “State-controlled enterprises” means an enterprise which is under the control of the Central Government or a State Government.”

[F. No. 52/01/CAB-2001]

A. RAMASWAMY, Jt. Secy.

Footnote :— The principal rules were published vide number G.S.R. 1467, dated the 20th September, 1967 and subsequently amended vide :—

1. G.S.R. 1507, dated 5th August, 1968.
2. G.S.R. 778, dated 3rd June, 1977.
3. G.S.R. 20, dated 5th January, 1983.
4. G.S.R. 543, dated 22nd July, 1989.
5. G.S.R. 303(E), dated 24th March, 1993.
6. G.S.R. 430(E), dated 3rd August, 1998.
7. G.S.R. 667(E), dated 28th September, 1999.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 2001

सा.का.नि. 715(अ).—केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (1) के खंड (घ) के साथ पठित धारा 642 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लागत लेखा अभिलेख (विद्युत लैम्प) नियम, 1967 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लागत लेखा अभिलेख (विद्युत लैम्प) संशोधन नियम, 2001 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागत लेखा अभिलेख (विद्युत लैम्प) नियम, 1967 में :—

अनुमूची 3 में, मर संख्या 21 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“22. अंतर-कंपनी अंतरण :

(1) किसी कंपनी द्वारा अपनी नियंत्रि कंपनी या समनुपंगी अथवा किसी ऐसी कंपनी जिसे “संबद्ध पक्षकार संबंध” कहा गया है जैसा कि नीचे परिभाषित है और विपर्यय की बाबत संबद्ध पक्षकार संव्यवहार अथवा किए गए प्रदाय अथवा दी गई सेवाओं की बाबत उनके द्वारा की गई संविदाओं, करारों या उनकी बाबत हुई सहमति को दर्शित करते हुए निम्नलिखित की बाबत अभिलेख रखे जाएंगे :

(क) कच्ची सामग्री, तैयार उत्पाद, प्रसंस्करण सामग्री, रासायनिक और स्कैप सहित अस्वीकृत माल आदि का क्रय और विक्रय ;

(ख) संयंत्र सुविधाओं और तकनीकी व्यवहार ज्ञान का उपयोग;

(ग) उपयोगिताओं और किन्हीं अन्य सेवाओं का प्रदाय;

(घ) प्रशासनिक, तकनीकी, प्रबंधकीय अथवा कोई अन्य परामर्शी सेवाएं ;

(ङ) संयंत्र और मशीनरी सहित पूंजीगत माल का क्रय और विक्रय;

(च) उत्पादन, प्रसंस्करण या निर्देशाधीन उत्पादन से संबंधित कोई अन्य संदाय।

इस अभिलेखों में प्रभारित दरों को तय करना अथवा ऐसे उत्पादों के लिए संदाय करने के लिए अनुसरण किए गए आधारों को भी उपदर्शित किया जाएगा जिससे कि ऐसी दरों की युक्तियुक्तता का जहां तक कि उनका संबंध किसी भी रीति में निर्देशाधीन उत्पाद से है अवधारण किया जा सके।

(2) निम्न “संबंधित पक्षकार संबंध” द्वारा किए गए संव्यवहार उपनियम (1) के अन्तर्गत आएंगे :—

(क) वे उद्यम जो प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः एक या अधिक मध्यवर्ती द्वारा नियंत्रित करते हैं अथवा रिपोर्टिंग उद्यम (जिसके अन्तर्गत नियंत्रि कंपनी, समनुपंगी और सहयोगी समनुपंगी है) के द्वारा नियंत्रित की जाती हैं अथवा उनके सामान्य नियंत्रण में हैं,

(ख) रिपोर्टिंग उद्यम के महत्वपूर्ण और सहउद्यम और वे विनिधान पक्षकार अथवा उद्यम जिनकी बाबत रिपोर्टिंग उद्यम कोई सहव्यवहार अथवा सहउद्यम हैं,

(ग) व्यक्ति जो ऐसे, रिपोर्टिंग उद्यम की प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः मत देने की शक्ति में हित रखते हैं जो उन्हें उद्यम के ऊपर नियंत्रण अथवा महत्वपूर्ण असर प्रदान करता है और किसी ऐसे व्यक्ति के नातेदार;

(घ) मुख्य प्रबंध कार्मिक और ऐसे कार्मिक के नातेदार, और

(ङ) ऐसे उद्यम जिनके ऊपर (ग) अथवा (घ) में वर्णित कोई व्यक्ति महत्वपूर्ण असर का प्रयोग करने में समर्थ है। इसके अन्तर्गत निदेशकों अथवा रिपोर्टिंग उद्यम के प्रमुख शेयरधारकों के स्वामित्वाधीन उद्यम और वे उद्यम हैं जिनके ऐसे मुख्य प्रबंध सदस्य हैं जो रिपोर्टिंग उद्यम में भी सम्मिलित हैं।

तथापि, निम्नलिखित को “संबद्ध पक्षकार संबंध” समझा जाएगा :—

(क) वे दो कंपनियां मात्र इस कारण कि उनका एक सम्मिलित निदेशक है, उपर्युक्त पैरा (घ) अथवा (ङ) में किसी बात के होते हुए भी (जब तक कि निदेशक दोनों कंपनियों को पारस्परिक व्यवहार में उनकी नीतियों को प्रभावित करने में समर्थ न हों);

(ख) कोई एकल उपभोक्ता, प्रदायकर्ता, विशेषाधिकारी, संवितरक अथवा साधारण अधिकर्ता जिनके साथ कोई उद्यम, कारबार का महत्वपूर्ण संव्यवहार मात्र आर्थिक निर्भरता के परिणामस्वरूप करता है; और

(ग) नीचे सूचीबद्ध पक्षकार, जो अपने सामान्य व्यवहार में किसी उद्यम के साथ केवल उन्हीं व्यवहारों के कारण संव्यवहार करते हैं (यद्यपि वे उद्यम की कार्य करने की स्वतंत्रता को सीमित कर सकने अथवा उनकी विनिश्चय करने की प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे)

(i) वित्त उपलब्ध कराने वाले;

(ii) व्यापार संघ;

(iii) लोक उपयोगिताएं ;

(iv) सरकारी विभाग और सरकारी अभिकरण जिनके अंतर्गत सरकारी प्रायोजित निकाय भी हैं।

स्पष्टीकरण :—इन नियमों के प्रयोजन के लिए,—

- (क) "संबद्ध पक्षकार संबंध" से वे पक्षकार अभिप्रेत हैं जिन्हें किसी भी समय संबंधित समझा गया हो यदि रिपोर्टगत अवधि के दौरान एक पक्षकार अन्य पक्षकार को नियंत्रित करने की योग्यता रखता हो अथवा वित्तीय और/या प्रचालन संबंधी विनिश्चय करने में अन्य पक्षकार के ऊपर महत्वपूर्ण असर रखता हो;
- (ख) "सहबद्ध पक्षकार संव्यवहार" से संबद्ध पक्षकारों के बीच संसाधनों अथवा दायित्वों का अंतरण अभिप्रेत हैं, चाहे उसके लिए कीमत प्रभारित की गई हो या नहीं;
- (ग) "नियंत्रण" से निम्नलिखित अभिप्रेत है,—
- (i) किसी उद्यम की मत देने की शक्ति के आधे से अधिक का प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः स्वामित्व या
 - (ii) किसी कंपनी की दशा में निदेशक बोर्ड की संरचना का नियंत्रण या
 - (iii) मतदान शक्ति में सारवान हित और उद्यम की वित्तीय और/या प्रचालन नीतियों को कानून या करार द्वारा निदेश देने की शक्ति।
- (घ) "महत्वपूर्ण असर" से किसी उद्यम की वित्तीय अथवा प्रचालन नीति विषयक विनिश्चयों में भाग लेना अभिप्रेत है किन्तु उन नीतियों का नियंत्रण नहीं;
- (ङ) "सहयुक्त" से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जिसमें कोई विनिधानकारी रिपोर्ट करने वाला पक्षकार महत्वपूर्ण असर रखता है और जो उस पक्षकार का न तो समनुषंगी है और न सहउद्यम है;
- (च) "सहउद्यम" से कोई ऐसी संविदात्मक ठहराव अभिप्रेत है जिसके द्वारा दो या अधिक पक्षकार किसी आर्थिक क्रियाकलाप को अपने हाथ में लेते हैं और, जो नियंत्रण के अध्यक्षीन है;
- (छ) "संयुक्त नियंत्रण" से किसी आर्थिक क्रियाकलाप की वित्तीय और प्रचालन संबंधी नीतियों को शासित करने के लिए संविदात्मक रूप से करार पाई शक्तियों में हिस्सा बंटाना अभिप्रेत है जिससे कि इससे फायदा अभिप्राप्त किया जा सके;
- (ज) "मुख्य प्रबंध कार्मिक" से वे व्यक्ति अभिप्रेत हैं जिनके पास रिपोर्ट करने वाले उद्यम के क्रियाकलापों की योजना, निदेशन और नियंत्रण करने का प्राधिकार और दायित्व है;
- (झ) किसी व्यक्ति के संबंध में, "नातेदार" से पति-पत्नी, पुत्र, पुत्री, भाई, बहन, पिता और माता अभिप्रेत हैं जो रक्त संबंध संस्कार हैं,
- (ञ) "नियंत्रि कंपनी" से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातगत कोई नियंत्रि कंपनी अभिप्रेत है;
- (ट) "समनुषंगी" से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातगत कोई समनुषंगी कंपनी अभिप्रेत है;
- (ठ) "सहयोगी समनुषंगी" से वह कंपनी अभिप्रेत है जो किसी अन्य कंपनी की सहयोगी समनुषंगी है यदि दोनों उसी नियंत्रि कंपनी की समनुषंगी हैं;
- (ड) "राज्य नियंत्रित उद्यम" से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जो केन्द्रीय सरकार अथवा किसी राज्य सरकार के नियंत्रणाधीन है।

[फा. सं. 52/01/सीएबी-2001]

ए. रामास्वामी, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पण :—मूल नियम सा.का.नि.सं.1503 दिनांक 27-9-67 द्वारा प्रकाशित किए गए थे पश्चातवर्ती संशोधन निम्नलिखित द्वारा किए गए :—

1. सा. का. नि. 779, दिनांक 3-6-77
2. सा. का. नि. 1272, दिनांक 10-10-79
3. सा. का. नि. 21, दिनांक 5-1-83
4. सा. का. नि. 544, दिनांक 22-7-89
5. सा. का. नि. 304(अ), दिनांक 24-3-93
6. सा. का. नि. 431(अ), दिनांक 3-8-98
7. सा. का. नि. 670(अ), दिनांक 28-9-99

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th September, 2001

G.S.R. 715(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 642, read with clause (d) of sub-section (1) of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Cost Accounting Records (Electric Lamps) Rules, 1967, namely :—

1. (1) These rules may be called the Cost Accounting Records (Electric Lamps) Amendment Rules, 2001.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Cost Accounting Records (Electric Lamps) Rules, 1967 :—

in schedule III, after item number 21 and the entries relating thereto, the following shall be inserted namely :—

“22. INTER-COMPANY TRANSFER:

(1) In respect of related party transactions or supplies made or services rendered by a company to its holding company or subsidiary or a company termed “related party relationship” as defined below and vice-a-versa, records shall be maintained showing contracts entered into, agreements or understanding reached in respect of :

- (a) purchase and sale of raw materials, finished products, process materials, chemicals and rejected goods including scraps, etc;
- (b) utilisation of plant facilities and technical know-how;
- (c) supply of utilities and any other services;
- (d) administrative, technical, managerial or any other consultancy services;
- (e) purchase and sale of capital goods including plant and machinery;
- (f) any other payment related to production, processing or manufacturing of product under reference.

These records shall also indicate the basis followed for arriving at the rates charged or paid for such products or services so as to enable determination of the reasonableness of such rates in so far as they are in any way related to product under reference.

(2) The transactions by the following “related party relationships” shall be covered under sub-rule (1) :—

- (a) enterprises that directly, or indirectly through one or more intermediaries, control, or are controlled by, or are under common control with, the reporting enterprise (this includes holding companies, subsidiaries and fellow subsidiaries);
- (b) associates and joint ventures of the reporting enterprise and the investing party or venturer in respect of which the reporting enterprise is an associate or a joint venture;
- (c) individuals owning, directly or indirectly, an interest in the voting power of the reporting enterprise that gives them control or significant influence over the enterprise, and relatives of any such individual;
- (d) key management personnel and relatives of such personnel; and
- (e) enterprises over which any person described in (c) or (d) is able to exercise significant influence. This includes enterprises owned by directors or major shareholders of the reporting enterprise and enterprises that have a member of key management in common with the reporting enterprise.

However, the following shall not be deemed as “related party relationships” :—

- (a) two companies simply because they have a Director in common, notwithstanding paragraph (d) or (e) above (unless the Director is able to affect the policies of both companies in their mutual dealings);
- (b) a single customer, supplier, franchiser, distributor, or general agent with whom an enterprise transacts a significant volume of business merely by virtue of the resulting economic dependence; and
- (c) the parties listed below, in the course of their normal dealings with an enterprise by virtue only of those dealings (although they may circumscribe the freedom of action of the enterprise or participate in its decision-making process);
 - (i) Providers of finance;
 - (ii) trade unions;

(iii) public utilities;

(iv) Government departments and Government agencies including Government sponsored bodies.

Explanationn :—For the purpose of these Rules,—

- (a) “Related party relationships” means parties who are considered to be related if at any time during the reporting period one party has the ability to control the other party or exercise significant influence over the other party in making financial and/or operating decisions;
- (b) “Related party transaction” means a transfer of resources or obligations between related parties, whether or not a price is charged;
- (c) “Control” means
 - (i) ownership, directly or indirectly, of more than one-half of the voting power of an enterprise; or
 - (ii) control of the composition of the Board of Directors in the case of a company or of the composition of the corresponding governing body in case of any other enterprise; or
 - (iii) a substantial interest in voting power and the power to direct, by statute or agreement, the financial and/or operating policies of the enterprise.
- (d) “Significant influence” means participation in the financial or operating policy decisions of an enterprise, but not control of those policies;
- (e) “Associate” means an enterprise in which an investing reporting party has significant influence and which is neither a subsidiary nor a joint venture of that party;
- (f) “Joint venture” means a contractual arrangement whereby two or more parties undertake an economic activity, which is subject to joint control;
- (g) “Joint control” means the contractually agreed sharing of power to govern the financial and operating policies of an economic activity so as to obtain benefits from it;
- (h) “Key management personnel” means those persons who have the authority and responsibility for planning, directing and controlling the activities of the reporting enterprise;
- (i) “Relative”—in relation to an individual, means the spouse, son, daughter, brother, sister, father and mother who may connected by blood relationship;
- (j) “Holding company” means a holding company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (k) “Subsidiary” means a subsidiary company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (l) “Fellow subsidiary” means a company is said to be a fellow subsidiary of another company if both are subsidiaries of the same holding company;
- (m) “State-controlled enterprise” means an enterprise which is under the control of the Central Government or a State Government.”

[F. No. 52/01/CAB-2001]

A. RAMASWAMY, Jt. Secy.

Footnote :— The principal rules were published vide G.S.R. number 1503, dated the 27th September, 1967 and subsequently amended vide :—

1. G.S.R. 779, dated 3rd June, 1977.
2. G.S.R. 1272, dated 10th October, 1979.
3. G.S.R. 21, dated 5th January, 1983.
4. G.S.R. 544, dated 22nd July, 1989.
5. G.S.R. 304(E), dated 24th March, 1993.
6. G.S.R. 431(E), dated 3rd August, 1998.
7. G.S.R. 670(E), dated 28th September, 1999.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 2001

सा. का. नि. 716 (अ).—केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (1) के खंड (घ) के साथ पठित धारा 642 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लागत लेखा अभिलेख (विद्युत् पंखे) नियम, 1969 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लागत लेखा अभिलेख (विद्युत् पंखे) संशोधन नियम, 2001 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागत लेखा अभिलेख (विद्युत् पंखे) नियम, 1969 में :—

अनुसूची 3 में, मद संख्या 21 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"22. अंतर-कंपनी अंतरण :

- (1) किसी कंपनी द्वारा अपनी नियंत्रि कंपनी या समनुषंगी अथवा किसी ऐसी कंपनी जिसे 'संबद्ध पक्षकार संबंध' कहा गया है जैसा कि नीचे परिभाषित है और विपर्यय की बाबत संबंध पक्षकार संव्यवहार अथवा किए गए प्रदाय अथवा दी गई सेवाओं की बाबत उनके द्वारा की गई संविदाओं, करारों या उनकी बाबत हुई सहमति को दर्शित करते हुए निम्नलिखित की बाबत अभिलेख रखे जाएंगे :
 - (क) कच्ची सामग्री, तैयार उत्पाद, प्रसंस्करण सामग्री, रासायनिक और स्क्रैप सहित अस्वीकृत माल आदि का क्रय और विक्रय;
 - (ख) संयंत्र सुविधाओं और तकनीकी व्यवहार ज्ञान का उपयोग;
 - (ग) उपयोगिताओं और किन्हीं अन्य सेवाओं का प्रदाय;
 - (घ) प्रशासनिक, तकनीकी, प्रबंधकीय अथवा कोई अन्य परामर्शी सेवाएं;
 - (ङ) संयंत्र और मशीनरी सहित पूंजीगत माल का क्रय और विक्रय;
 - (च) उत्पादन, प्रसंस्करण या निर्देशाधीन उत्पाद से संबंधित कोई अन्य संदाय;

इन अभिलेखों में प्रभारित दरों को तय करना अथवा ऐसे उत्पादों के लिए संदाय करने के लिए अनुसरण किए गए आधारों को भी उपदर्शित किया जाएगा जिससे कि ऐसी दरों की युक्तियुक्तता का जहां तक कि उनका संबंध किसी भी रीति में निर्देशाधीन उत्पाद से है अवधारण किया जा सके।

- (2) निम्न "संबंधित पक्षकार संबंध" द्वारा किए गए संव्यवहार उपनियम (1) के अंतर्गत आएंगे :—

- (क) वे उद्यम जो प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः एक या अधिक मध्यवर्ती द्वारा नियंत्रित करते हैं अथवा रिपोर्टिंग उद्यम (जिसके अन्तर्गत नियंत्रि कंपनी समनुषंगी और सहयोगी समनुषंगी हैं) के द्वारा नियंत्रित की जाती हैं अथवा उनके सामान्य नियंत्रण में हैं ;
- (ख) रिपोर्टिंग उद्यम के सहबद्ध और सहउद्यम और वे विनिधान पक्षकार अथवा उद्यम जिनकी बाबत रिपोर्टिंग उद्यम कोई सहबद्ध अथवा सहउद्यम है;
- (ग) व्यक्ति जो ऐसे, रिपोर्टिंग उद्यम की प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः मत देने की शक्ति में हित रखते हैं जो उन्हें उद्यम के ऊपर नियंत्रण अथवा महत्वपूर्ण असर प्रदान करता है और किसी ऐसे व्यक्ति के नातेदार;
- (घ) मुख्य प्रबंध कार्मिक और ऐसे कार्मिक के नातेदार; और
- (ङ) ऐसे उद्यम जिनके ऊपर (ग) अथवा (घ) में वर्णित कोई व्यक्ति महत्वपूर्ण असर का प्रयोग करने में समर्थ है। इसके अंतर्गत निदेशकों अथवा रिपोर्टिंग उद्यम के प्रमुख शेयरधारकों के स्वामित्वाधीन उद्यम और वे उद्यम हैं जिनके ऐसे मुख्य प्रबंध सदस्य हैं जो रिपोर्टिंग उद्यम में भी सम्मिलित हैं।

तथापि, निम्नलिखित को "संबद्ध पक्षकार संबंध" समझा जाएगा :—

- (क) वे दो कंपनियां मात्र इस कारण कि उनका एक सम्मिलित निदेशक है, उपर्युक्त पैरा (घ) अथवा (ङ) में किसी बात के होते हुए भी (जब तक कि निदेशक दोनों कंपनियों को पारस्परिक व्यवहार में उनकी नीतियों को प्रभावित करने में समर्थ न हो);
- (ख) कोई एकल उपभोक्ता, प्रदायकर्ता, विशेषाधिकारी, संवितरक अथवा साधारण अधिकर्ता जिनके साथ कोई उद्यम, कारबार का महत्वपूर्ण संव्यवहार मात्र आर्थिक निर्भरता के परिणामस्वरूप करता है; और
- (ग) नीचे सूचीबद्ध पक्षकार, जो अपने सामान्य व्यवहार में किसी उद्यम के साथ केवल उन्हीं व्यवहारों के कारण संव्यवहार करते हैं (यद्यपि वे उद्यम की कार्य करने की स्वतंत्रता को सीमित कर सकने अथवा उसकी विनिश्चय करने की प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे);

- (i) वित्त उपलब्ध कराने वाले;
- (ii) व्यापार संघ;
- (iii) लोक उपयोगिताएं;
- (iv) सरकारी विभाग और सरकारी अधिकरण जिनके अंतर्गत सरकारी प्रायोजित निकाय भी हैं।

स्पष्टीकरण : इन नियमों के प्रयोजन के लिए,—

- (क) "संबद्ध पक्षकार संबंध" से वे पक्षकार अभिप्रेत हैं जिन्हें किसी भी समय संबंधित समझा गया हो यदि रिपोर्टगत अवधि के दौरान एक पक्षकार अन्य पक्षकार को नियंत्रित करने की योग्यता रखता हो अथवा वित्तीय और/या प्रचालन संबंधी विनिश्चय करने में अन्य पक्षकार के ऊपर महत्वपूर्ण असर रखता हो;
- (ख) "सहबद्ध पक्षकार संव्यवहार" से संबद्ध पक्षकारों के बीच संसाधनों अथवा दायित्वों का अंतरण अभिप्रेत है, चाहे उसके लिए कीमत प्रभारित की गई हो या नहीं;
- (ग) "नियंत्रण" से निम्नलिखित अभिप्रेत है,—
 - (i) किसी उद्यम की मत देने की शक्ति के आधे से अधिक का प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः स्वामित्व; या
 - (ii) किसी कंपनी की दशा में निदेशक बोर्ड की संरचना का नियंत्रण अथवा किसी अन्य उद्यम की दशा में तत्स्थानी शासी निकाय की संरचना का नियंत्रण; या
 - (iii) मतदान शक्ति में सारवान हित और उद्यम की वित्तीय और/या प्रचालन नीतियों को कानून या करार द्वारा निदेश देने की शक्ति।
- (घ) "महत्वपूर्ण असर" से किसी उद्यम की वित्तीय अथवा प्रचालन नीति विषयक विनिश्चयों में भाग लेना अभिप्रेत है किन्तु उन नीतियों का नियंत्रण नहीं;
- (ङ) "सहयुक्त" से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जिसमें कोई विनिधानकारी रिपोर्ट करने वाला पक्षकार महत्वपूर्ण असर रखता है और जो उस पक्षकार का न तो समनुषंगी है और न सहउद्यम है;
- (च) "सहउद्यम" से कोई ऐसी संविदात्मक ठहराव अभिप्रेत है जिसके द्वारा दो या अधिक पक्षकार किसी आर्थिक क्रियाकलाप को अपने हाथ में लेते हैं और, जो नियंत्रण के अध्वधीन है ;
- (छ) "संयुक्त नियंत्रण" से किसी आर्थिक क्रियाकलाप की वित्तीय और प्रचालन संबंधी नीतियों को शामिल करने के लिए संविदात्मक रूप से करार पाई शक्तियों में हिस्सा बंटाना अभिप्रेत है जिससे कि इससे फायदा अभिप्राप्त किया जा सके;
- (ज) "मुख्य प्रबंध कार्मिक" से वे व्यक्ति अभिप्रेत हैं जिनके पास रिपोर्ट करने वाले उद्यम के क्रियाकलापों की योजना निदेशन और नियंत्रण करने का प्राधिकार और दायित्व है;
- (झ) किसी व्यक्ति के संबंध में, "नातेदार" से पति-पत्नी, पुत्र, पुत्री, भाई, बहन, पिता और माता अभिप्रेत हैं जो रक्त संबंध संस्कार हैं;
- (ञ) "नियंत्रि कंपनी" से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थान्तर्गत कोई नियंत्रि कंपनी अभिप्रेत है;
- (ट) "समनुषंगी" से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थान्तर्गत कोई समनुषंगी कंपनी अभिप्रेत है,
- (ठ) "सहयोगी समनुषंगी" से वह कंपनी अभिप्रेत है जो किसी अन्य कंपनी की सहयोगी समनुषंगी है यदि दोनों उसी नियंत्रि कंपनी की समनुषंगी हैं;
- (ड) "राज्य नियंत्रित उद्यम" से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जो केन्द्रीय सरकार अथवा किसी राज्य सरकार के नियंत्रणाधीन है।

[फा.नं. 52/01/सीएबी-2001]

ए. रामास्वामी, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पण :—मूल नियम सा.का.नि.सं 2298 दिनांक 15-9-69 द्वारा प्रकाशित किए गए थे पश्चातवर्ती संशोधन निम्नलिखित द्वारा किए गए :—

1. सा. का. नि. 785, दिनांक 3-6-77
2. सा. का. नि. 1273, दिनांक 10-10-79
3. सा. का. नि. 22, दिनांक 5-1-83
4. सा. का. नि. 545, दिनांक 22-7-89
5. सा. का. नि. 305(अ), दिनांक 24-3-93
6. सा. का. नि. 432(अ), दिनांक 3-8-98
7. सा. का. नि. 556(अ), दिनांक 28-7-99

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th September, 2001

G. S. R. 716(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section, 642 read with clause (d) of sub-section (1) of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Cost Accounting Records (Electric Fans) Rules, 1969, namely :—

1. (1) These rules may be called the Cost Accounting Records (Electric Fans) Amendment Rules, 2001.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
2. In the Cost Accounting Records (Electric Fans) Rules, 1969 :—
in schedule III, after item number 21 and the entries relating thereto, the following shall be inserted namely :—

“22. Inter-Company Transfer :

- (1) In respect of related party transactions or supplies made or services rendered by a company to its holding company or subsidiary or a company termed “related party relationship” as defined below and vice-a-versa, records shall be maintained showing contracts entered into, agreements or understanding reached in respect of :
 - (a) purchase and sale of raw materials, finished products, process materials, chemicals and rejected goods including scraps, etc,
 - (b) utilisation of plant facilities and technical know-how;
 - (c) supply of utilities and any other services;
 - (d) administrative, technical, managerial or any other consultancy services;
 - (e) purchase and sale of capital goods including plant and machinery,
 - (f) any other payment related to production, processing or manufacturing of products under reference. These records shall also indicate the basis followed for arriving at the rates charged or paid for such products or services so as to enable determination of the reasonableness of such rates in so far as they are in any way related to products under reference.
- (2) the transactions by the following “related party relationships” shall be covered under sub-rule (1) :—
 - (a) enterprises that directly, or indirectly through one or more intermediaries, control, or are controlled, or are under common control with, the reporting enterprise (this includes holding companies, subsidiaries and fellow subsidiaries);
 - (b) associates and joint ventures of the reporting enterprise and the investing party or venturer in respect of which the reporting enterprise is an associate or a joint venture,
 - (c) individuals owning, directly or indirectly, an interest in the voting power of the reporting enterprises that gives them control or significant influence over the enterprise, and relatives of any such individual,
 - (d) key management personnel and relatives of such personnel, and
 - (e) enterprises over which any person described in (c) or (d) is able to exercise significant influence. This includes enterprises owned by directors or major shareholders of the reporting enterprise and enterprises that have a member of key management in common with the reporting enterprise.

However, the following shall not be deemed as “related party relationships” :—

 - (a) two companies simply because they have a Director in common, notwithstanding paragraph (d) or (e) above (unless the Director is able to affect the policies of both companies in their mutual dealings)
 - (b) a single customer, supplier, franchiser, distributor, or general agent with whom an enterprise transacts a significant volume of business merely by virtue of the resulting economic dependence, and
 - (c) the parties listed below, in the course of their normal dealings with an enterprises by virtue only of those dealings (although they may circumscribe the freedom of action of the enterprise or participate in its decision making process),
 - (i) providers of finance,
 - (ii) trade unions;

- (iii) public utilities;
- (iv) government departments and government agencies including government sponsored bodies.—

Explanation : For the purpose of these Rules,—

- (a) **“Related party relationships”** means parties who are considered to be related if at any time during the reporting period one party has the ability to control the other party or exercise significant influence over the other party in making financial and/or operating decisions;
- (b) **“Related party transaction”** means a transfer of resources or obligations between related parties, whether or not a price is charged;
- (c) **“Control”** means
 - (i) ownership, directly or indirectly, of more than one half of the voting power of an enterprise; or
 - (ii) control of the composition of the Board of Directors in the case of a company or of the composition of the corresponding governing body in case of any other enterprise; or
 - (iii) a substantial interest in voting power and the power to direct, by statute or agreement, the financial and/or operating policies of the enterprise.
- (d) **“Significant influence”** means participation in the financial or operating policy decisions of an enterprise, but not control of those policies;
- (e) **“Associate”** means an enterprise in which an investing reporting party has significant influence and which is neither a subsidiary nor a joint venture of that party,
- (f) **“Joint venture”** means a contractual arrangement whereby two or more parties undertake an economic activity, which is subject to joint control;
- (g) **“Joint control”** means the contractually agreed sharing of power to govern the financial and operating policies of an economic activity so as to obtain benefits from it;
- (h) **“Key management personnel”** means those persons who have the authority and responsibility for planning, directing and controlling the activity of the reporting enterprise;
- (i) **“Relative”** in relation to an individual, means the spouse, son, daughter, brother, sister, father and mother who may connected by blood relationship;
- (j) **“Holding company”** means a holding company within the meaning of section 4 of the companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (k) **“Subsidiary”** means a subsidiary company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (l) **“Fellow subsidiary”** means a company is said to be a fellow subsidiary of another company if both are subsidiaries of the same holding company;
- (m) **“State-controlled enterprise”** means an enterprise which is under the control of the Central Government or a State Government.”

[F. NO. 52/01/CAB-2001]

A. RAMASWAMY, Jt. Secy.

Foot Note—The principal rules were published vide G.S.R. number 2298, dated the 15th September, 1969 and subsequently amended vide—

1. G.S.R. 785, dated 3rd June, 1977.
2. G.S.R. 1273, dated 10th October, 1979.
3. G.S.R. 22, dated 5th January, 1983.
4. G.S.R. 545, dated 22nd July, 1989.
5. G.S.R. 305(E), dated 24th March, 1993.
6. G.S.R. 432(E), dated 3rd August, 1998.
7. G.S.R. 556(E), dated 28th July, 1999.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 2001

सा. का. नि. 717 (अ).—केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (1) के खंड (घ) के साथ पठित धारा 642 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लागत लेखा अभिलेख (विद्युत् मोटर्स) नियम, 1969 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लागत लेखा अभिलेख (विद्युत् मोटर्स) संशोधन नियम, 2001 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागत लेखा अभिलेख (विद्युत् मोटर्स) नियम, 1969 में :—

अनुसूची 3 में, मद संख्या 21 और उसमें संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“ 22. अंतर-कंपनी अंतरण :

(1) किसी कंपनी द्वारा अपनी नियंत्रि कंपनी या समनुगंगी अथवा किसी ऐसी कंपनी जिसे “ संबंध पक्षकार संबंध ” कहा गया है जैसा कि नीचे परिभाषित है और विपर्यय की बाबत संबंध पक्षकार संव्यवहार अथवा किए गए प्रदाय अथवा दी गई सेवाओं की बाबत उनके द्वारा की गई संविदाओं, करारों या उनकी बाबत हुई सहमति को दर्शित करते हुए निम्नलिखित की बाबत अभिलेख रखे जाएंगे :

- (क) कच्ची सामग्री, तैयार उत्पाद, प्रसंस्करण सामग्री, रामायनिक और स्ट्रैप सहित अस्वीकृत माल आदि का क्रय और विक्रय;
- (ख) संयंत्र सुविधाओं और तकनीकी व्यवहार ज्ञान का उपयोग;
- (ग) उपयोगिताओं और किन्हीं अन्य सेवाओं का प्रदाय;
- (घ) प्रशासनिक, तकनीकी, प्रबंधकीय अथवा कोई अन्य परामर्शी सेवाएं;
- (ङ) संयंत्र और मशीनरी सहित पूंजीगत माल का क्रय और विक्रय;
- (च) उत्पादन, प्रसंस्करण या निर्देशाधीन उत्पाद से संबंधित कोई अन्य संदाय;

इन अभिलेखों में प्रभारित दरों को तय करना अथवा ऐसे उत्पादों के लिए संदाय करने के लिए अनुसरण किए गए आधारों को भी उपदर्शित किया जाएगा जिससे कि ऐसी दरों की युक्तियुक्तता का जहां तक कि उनका संबंध किसी भी रीति में निर्देशाधीन उत्पाद से है अवधारण किया जा सके।

(2) निम्न “ संबंधित पक्षकार संबंध ” द्वारा किए गए संव्यवहार उपनियम (1) के अंतर्गत आएंगे :—

- (क) वे उद्यम जो प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः एक या अधिक मध्यवर्ती द्वारा नियंत्रित करते हैं अथवा रिपोर्टगत उद्यम (जिसके अन्तर्गत नियंत्रि कंपनी, समनुगंगी और सहयोगी समनुगंगी हैं) के द्वारा नियंत्रित की जाती हैं अथवा उनके सामान्य नियंत्रण में हैं;
- (ख) रिपोर्टगत उद्यम के सहबद्ध और सहउद्यम और वे विनिधान पक्षकार अथवा उद्यम जिनकी बाबत रिपोर्टगत उद्यम कोई सहबद्ध अथवा सहउद्यम है;
- (ग) व्यक्ति जो ऐसे, रिपोर्टगत उद्यम की प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः मत देने की शक्ति में हित रखते हैं जो उन्हें उद्यम के ऊपर नियंत्रण अथवा महत्वपूर्ण असर प्रदान करता है और किसी ऐसे व्यक्ति के नातेदार;
- (घ) मुख्य प्रबंध कार्मिक और ऐसे कार्मिक के नातेदार; और
- (ङ) ऐसे उद्यम जिनके ऊपर (ग) अथवा (घ) में वर्णित कोई व्यक्ति महत्वपूर्ण असर का प्रयोग करने में समर्थ है। इसके अंतर्गत निदेशकों अथवा रिपोर्टगत उद्यम के प्रमुख शेरधारकों के स्वामित्वाधीन उद्यम और वे उद्यम हैं जिनके ऐसे मुख्य प्रबंध सदस्य हैं जो रिपोर्टगत उद्यम में भी सम्मिलित हैं।

तथापि, निम्नलिखित को “ संबंध पक्षकार संबंध ” समझा जाएगा :—

- (क) वे दो कंपनियां मात्र इस कारण कि उनका एक सम्मिलित निदेशक है, उपर्युक्त पैरा (घ) अथवा (ङ) में किसी बात के होते हुए भी (जब तक कि निदेशक दोनों कंपनियों को पारस्परिक व्यवहार में उनकी नीतियों को प्रभावित करने में समर्थ न हो);
- (ख) कोई एकल उपभोक्ता, प्रदायकर्ता, विशेषाधिकारी, संबितरक अथवा साधारण अधिकर्ता जिनके साथ कोई उद्यम, कारखाना का महत्वपूर्ण संव्यवहार मात्र आर्थिक निर्भरता के परिणामस्वरूप करता है; और
- (ग) नीचे सूचीबद्ध पक्षकार, जो अपने सामान्य व्यवहार में किसी उद्यम के साथ केवल उन्हीं व्यवहारों के कारण संव्यवहार करते हैं (यद्यपि वे उद्यम की कार्य करने की स्वतंत्रता को सीमित कर सकने अथवा उसकी विनिश्चय करने की प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे);

- (i) वित्त उपलब्ध कराने वाले;
- (ii) व्यापार संघ;
- (iii) लोक उपयोगिताएं;
- (iv) सरकारी विभाग और सरकारी अधिकरण जिनके अंतर्गत सरकारी प्रायोजित निकाय भी हैं।

स्पष्टीकरण : इन नियमों के प्रयोजन के लिए,—

- (क) "संबद्ध पक्षकार संबंध" से वे पक्षकार अभिप्रेत हैं जिन्हें किसी भी समय संबंधित समझा गया हो यदि रिपोर्टगत अवधि के दौरान एक पक्षकार अन्य पक्षकार को नियंत्रित करने की योग्यता रखता हो अथवा वित्तीय और/या प्रचालन संबंधी विनिश्चय करने में अन्य पक्षकार के ऊपर महत्वपूर्ण असर रखता हो;
- (ख) "सहबद्ध पक्षकार संव्यवहार" से संबद्ध पक्षकारों के बीच संसाधनों अथवा दायित्वों का अंतरण अभिप्रेत है, चाहे उसके लिए कीमत प्रभारित की गई हो या नहीं;
- (ग) "नियंत्रण" से निम्नलिखित अभिप्रेत है,—
 - (i) किसी उद्यम की मत देने की शक्ति के आधे से अधिक का प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः स्वामित्व; या
 - (ii) किसी कंपनी की दशा में निदेशक बोर्ड की संरचना का नियंत्रण अथवा किसी अन्य उद्यम की दशा में तत्स्थानी शासी निकाय की संरचना का नियंत्रण; या
 - (iii) मतदान शक्ति में सारवान हित और उद्यम की वित्तीय और/या प्रचालन नीतियों को कानून या करार द्वारा निदेश देने की शक्ति।
- (घ) "महत्वपूर्ण असर" से किसी उद्यम की वित्तीय अथवा प्रचालन नीति विषयक विनिश्चयों में भाग लेना अभिप्रेत है किन्तु उन नीतियों का नियंत्रण नहीं;
- (ङ) "सहयुक्त" से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जिसमें कोई विनिधानकारी रिपोर्ट करने वाला पक्षकार महत्वपूर्ण असर रखता है और जो उस पक्षकार का न तो समनुषंगी है और न सहउद्यम है;
- (च) "सहउद्यम" से कोई ऐसी संविदात्मक ठहराव अभिप्रेत है जिसके द्वारा दो या अधिक पक्षकार किसी आर्थिक क्रियाकलाप को अपने हाथ में लेते हैं और, जो नियंत्रण के अध्वधीन है;
- (छ) "संयुक्त नियंत्रण" से किसी आर्थिक क्रियाकलाप की वित्तीय और प्रचालन संबंधी नीतियों को शासित करने के लिए संविदात्मक रूप से करार पाई शक्तियों में हिस्सा बंटाना अभिप्रेत है जिससे कि इससे फायदा अभिप्राय किया जा सके;
- (ज) "मुख्य संबंध कार्मिक" से वे व्यक्ति अभिप्रेत हैं जिनके पास रिपोर्ट करने वाले उद्यम के क्रियाकलापों की योजना, निदेशन और नियंत्रण करने का प्राधिकार और दायित्व है;
- (झ) किसी व्यक्ति के संबंध में, "नातेदार" से पति-पत्नी, पुत्र, पुत्री, भाई, बहन, पिता और माता अभिप्रेत हैं जो रक्त संबंध संस्कार हैं;
- (ञ) "नियंत्रि कंपनी" से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थात्तर्गत कोई नियंत्रि कंपनी अभिप्रेत है;
- (ट) "समनुषंगी" से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थात्तर्गत कोई समनुषंगी कंपनी अभिप्रेत है;
- (ठ) "सहयोगी समनुषंगी" से वह कंपनी अभिप्रेत है जो किसी अन्य कंपनी की सहयोगी समनुषंगी है यदि दोनों उसी नियंत्रि कंपनी की समनुषंगी हैं;
- (ड) "राज्य नियंत्रित उद्यम" से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जो केन्द्रीय सरकार अथवा किसी राज्य सरकार के नियंत्रणाधीन है।

[फा.सं. 52/01/सीएबी-2001]

ए. रामास्वामी, संयुक्त सचिव

विद्युत मोटर्स : 10

पाद टिप्पण :—मूल नियम सा.का.नि.सं. 2574 दिनांक 24-10-69 द्वारा प्रकाशित किए गए थे पश्चातवर्ती संशोधन निम्नलिखित द्वारा किए गए :—

1. सा. का. नि. 786, दिनांक 3-6-77
2. सा. का. नि. 1274, दिनांक 10-10-79
3. सा. का. नि. 23, दिनांक 5-1-83
4. सा. का. नि. 546, दिनांक 22-7-89
5. सा. का. नि. 306(अ), दिनांक 24-3-93
6. सा. का. नि. 433(अ), दिनांक 3-8-98
7. सा. का. नि. 731(अ), दिनांक 29-10-99

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th September, 2001

G. S. R. 717(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of section 642, read with clause (d) of Sub-section (1) of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Cost Accounting Records (Electric Motors) rules, 1969, namely :—

1. (1) These rules may be called the Cost Accounting Records (Electric Motors) Amendment Rules, 2001.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Cost Accounting Records (Electric Motors) Rules, 1969 :—

in schedule III, after item number 21 and the entries relating thereto, the following shall be inserted namely :—

“22. Inter-Company Transfer :

- (1) In respect of related party transactions or supplies made or services rendered by a company to its holding company or subsidiary or a company termed “related party relationship” as defined below and vice-a-versa, records shall be maintained showing contracts entered into, agreements or understanding reached in respect of :
 - (a) purchase and sale of raw materials, finished products, process materials, chemicals and rejected goods including scraps, etc;
 - (b) utilisation of plant facilities and technical know-how;
 - (c) supply of utilities and any other services;
 - (d) administrative, technical, managerial or any other consultancy services;
 - (e) purchase and sale of capital goods including plant and machinery;
 - (f) any other payment related to production, processing or manufacturing of products under reference.

These records shall also indicate the basis followed for arriving at the rates charged or paid for such products or services so as to enable determination of the reasonableness of such rates in so far as they are in any way related to product under reference.

- (2) the transactions by the following “related party relationships” shall be covered under sub-rule (1) :—
 - (a) enterprises that directly, or indirectly through one or more intermediaries, control, or are controlled by, or are under common control with, the reporting enterprise (this includes holding companies, subsidiaries and fellow subsidiaries);
 - (b) associates and joint ventures of the reporting enterprise and the investing party or venturer in respect of which the reporting enterprise is an associate or a joint venture;
 - (c) individuals owning, directly or indirectly, an interest in the voting power of the reporting enterprise that gives them control or significant influence over the enterprise, and relatives of any such individual;
 - (d) key management personnel and relatives of such personnel; and
 - (e) enterprises over which any person described in (c) or (d) is able to exercise significant influence. This includes enterprises owned by directors or major shareholders of the reporting enterprise and enterprises that have a member of key management in common with the reporting enterprise.

However, the following shall not be deemed as “related party relationships” :—

- (a) two companies simply because they have a Director in common, notwithstanding paragraph (d) or (e) above (unless the Director is able to affect the policies of both companies in their mutual dealings);
- (b) a single customer, supplier, franchiser, distributor, or general agent with whom an enterprise transacts a significant volume of business merely by virtue of the resulting economic dependence; and
- (c) the parties listed below, in the course of their normal dealings with an enterprise by virtue only of those dealings (although they may circumscribe the freedom of action of the enterprise or participate in its decision-making process);
 - (i) providers of finance;
 - (ii) trade unions;

- (iii) public utilities;
- (iv) government departments and government agencies including government sponsored bodies.—

Explanation : For the purpose of these Rules,—

- (a) **“Related party relationships”** means parties who are considered to be related if at any time during the reporting period one party has the ability to control the other party or exercise significant influence over the other party in making financial and/or operating decisions;
- (b) **“Related party transacton”** means a transfer of resources or obligations between related parties, whether or not a price is charged;
- (c) **“Control”** means
 - (i) ownership, directly or indirectly, of more than one half of the voting power of an enterprise; or
 - (ii) control of the composition of the Board of Directors in the case of a company or of the composition of the corresponding governing body in case of any other enterprise; or
 - (iii) a substantial interest in voting power and the power to direct, by statute or agreement, the financial and/or operating policies of the enterprise.
- (d) **“Significant influence”** means participation in the financial or operating policy decisions of an enterprise, but not control of those policies;
- (e) **“Associate”** means an enterprise in which an investing reporting party has significant influence and which is neither a subsidiary nor a joint venture of that party;
- (f) **“Joint venture”** means a contractual arrangement whereby two or more parties undertake an economic activity, which is subject to joint control;
- (g) **“Joint control”** means the contractually agreed sharing of power to govern the financial and operating policies of an economic activities so as to obtain benefits from it;
- (h) **“Key management personnel”** means those persons who have the authority and responsibility for planning, directing and controlling the activity of the reporting enterprise;
- (i) **“Relative”**—in relation to an individual, means the spouse, son, daughter, brother, sister, father and mother who may connected by blood relationship;
- (j) **“Holding company”** means a holding company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (k) **“Subsidiary”** means a subsidiary company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (l) **“Fellow subsidiary”** means a company ~~is said~~ to be a fellow subsidiary of another company if both are subsidiaries of the ~~same~~ holding company;
- (m) **“State-controlled enterprise”** means an enterprise which is under the control of the Central Government or a State Government.”

[F. No. 52/01/CAB-2001]

A. RAMASWAMY, Jt. Secy

Foot Note:—The principal rules were published vide G.S.R. number 2574, dated the 24th October, 1969 and subsequently amended vide—

1. G.S.R. 786, dated 3rd June, 1977.
2. G.S.R. 1274, dated 10th October, 1979.
3. G.S.R. 23, dated 5th January, 1983.
4. G.S.R 546, dated 22nd July, 1989.
5. G.S.R. 306(E), dated 24th March, 1993.
6. G.S.R. 433(E), dated 3rd August, 1998.
7. G.S.R. 731(E), dated 29th October, 1999.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 2001

सा. का. नि. 718 (अ).—केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (1) के खंड (घ) के साथ पठित धारा 642 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लागत लेखा अभिलेख (मोटर यान) नियम, 1997 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लागत लेखा अभिलेख (मोटर यान) संशोधन नियम, 2001 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागत लेखा अभिलेख (मोटर यान) नियम, 1997 में :—

अनुसूची 1 में, मद संख्या 23 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“ 24. अंतर-कंपनी अंतरण :

(1) किसी कंपनी द्वारा अपनी नियंत्री कंपनी या समनुपंगी अथवा किसी ऐसी कंपनी जिसे “संबद्ध पक्षकार संबंध” कहा गया है जैसा कि नीचे परिभाषित है और विपर्यय की बाबत संबंध पक्षकार संव्यवहार अथवा किए गए प्रदाय अथवा दी गई सेवाओं की बाबत उनके द्वारा की गई संविदाओं, करारों या उनकी बाबत हुई सहमति को दर्शित करते हुए निम्नलिखित की बाबत अभिलेख रखे जाएंगे :

- (क) कच्ची सामग्री, तैयार उत्पाद, प्रसंस्करण सामग्री, रासायनिक और स्क्रैप सहित अस्वीकृत माल आदि का क्रय और विक्रय;
- (ख) संयंत्र सुविधाओं और तकनीकी व्यवहार ज्ञान का उपयोग;
- (ग) उपयोगिताओं और किन्हीं अन्य सेवाओं का प्रदाय;
- (घ) प्रशासनिक, तकनीकी, प्रबंधकीय अथवा कोई अन्य परामर्शी सेवाएं;
- (ङ) संयंत्र और मशीनरी सहित पूंजीगत माल का क्रय और विक्रय;
- (च) उत्पादन, प्रसंस्करण या निर्देशाधीन उत्पाद से संबंधित कोई अन्य संदाय;

इन अभिलेखों में प्रभारित दरों को तय करना अथवा ऐसे उत्पादों के लिए संदाय करने के लिए अनुसरण किए गए आधारों को भी उपदर्शित किया जाएगा जिससे कि ऐसी दरों की युक्तियुक्तता का जहां तक कि उनका संबंध किसी भी रीति में निर्देशाधीन उत्पाद से है अवधारण किया जा सके।

(2) निम्न “संबंधित पक्षकार संबंध” द्वारा किए गए संव्यवहार उपनियम (1) के अंतर्गत आएंगे :—

- (क) वे उद्यम जो प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः एक या अधिक मध्यवर्ती द्वारा नियंत्रित करते हैं अथवा रिपोर्टिंग उद्यम (जिसके अन्तर्गत नियंत्री कंपनी, समनुपंगी और सहयोगी समनुपंगी हैं) के द्वारा नियंत्रित की जाती हैं अथवा उनके सामान्य नियंत्रण में हैं;
- (ख) रिपोर्टिंग उद्यम के सहबद्ध और सहउद्यम और वे विनिधान पक्षकार अथवा उद्यम जिनकी बाबत रिपोर्टिंग उद्यम कोई सहबद्ध अथवा सहउद्यम है;
- (ग) व्यक्ति जो ऐसे, रिपोर्टिंग उद्यम की प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः मत देने की शक्ति में हित रखते हैं जो उन्हें उद्यम के ऊपर नियंत्रण अथवा महत्वपूर्ण असर प्रदान करता है और किसी ऐसे व्यक्ति के नातेदार;
- (घ) मुख्य प्रबंध कार्मिक और ऐसे कार्मिक के नातेदार; और
- (ङ) ऐसे उद्यम जिनके ऊपर (ग) अथवा (घ) में वर्णित कोई व्यक्ति महत्वपूर्ण असर का प्रयोग करने में समर्थ है। इसके अंतर्गत निदेशकों अथवा रिपोर्टिंग उद्यम के प्रमुख शेयरधारकों के स्वामित्वाधीन उद्यम और वे उद्यम हैं जिनके ऐसे मुख्य प्रबंध सदस्य हैं जो रिपोर्टिंग उद्यम में भी सम्मिलित हैं।

तथापि, निम्नलिखित को “संबद्ध पक्षकार संबंध” समझा जाएगा :—

- (क) वे दो कंपनियां मात्र इस कारण कि उनका एक सम्मिलित निदेशक है, उपर्युक्त पैरा (घ) अथवा (ङ) में किसी बात के होते हुए भी (जबतक कि निदेशक दोनों कंपनियों को पारस्परिक व्यवहार में उनकी नीतियों को प्रभावित करने में समर्थ न हो);
- (ख) कोई एकल उपभोक्ता, प्रदायकर्ता, विशेषाधिकारी, संवितरक अथवा साधारण अधिकर्ता जिनके साथ कोई उद्यम, कारबार का महत्वपूर्ण संव्यवहार मात्र आर्थिक निर्भरता के परिणामस्वरूप करता है; और
- (ग) नीचे सूचीबद्ध पक्षकार, जो अपने सामान्य व्यवहार में किसी उद्यम के साथ केवल उन्हीं व्यवहारों के कारण संव्यवहार करते हैं (यद्यपि वे उद्यम की कार्य करने की स्वतंत्रता को सीमित कर सकने अथवा उसकी विनिश्चय करने की प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे;

- (i) वित्त उपलब्ध कराने वाले;
- (ii) व्यापार संघ;
- (iii) लोक उपयोगिताएं;
- (iv) सरकारी विभाग और सरकारी अभिकरण जिनके अंतर्गत सरकारी प्रायोजित निकाय भी हैं।

स्पष्टीकरण : इन नियमों के प्रयोजन के लिए,—

- (क) “संबद्ध पक्षकार संबंध” से वे पक्षकार अभिप्रेत हैं जिन्हें किसी भी समय संबंधित समझा गया हो यदि रिपोर्टगत अवधि के दौरान एक पक्षकार अन्य पक्षकार को नियंत्रित करने की योग्यता रखता हो अथवा वित्तीय और/या प्रचालन संबंधी विनिश्चय करने में अन्य पक्षकार के ऊपर महत्वपूर्ण असर रखता हो;
- (ख) “सहबद्ध पक्षकार संव्यवहार” से संबद्ध पक्षकारों के बीच संसाधनों अथवा दायित्वों का अंतरण अभिप्रेत है, चाहे उसके लिए कीमत प्रभारित की गई हो या नहीं;
- (ग) “नियंत्रण” से निम्नलिखित अभिप्रेत है,—
 - (i) किसी उद्यम की मत देने की शक्ति के आधे से अधिक का प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः स्वामित्व; या
 - (ii) किसी कंपनी की दशा में निदेशक बोर्ड की संरचना का नियंत्रण अथवा किसी अन्य उद्यम की दशा में तत्स्थानी शासी निकाय की संरचना का नियंत्रण; या
 - (iii) मतदान शक्ति में सारवान हित और उद्यम की वित्तीय और/या प्रचालन नीतियों को कानून या करार द्वारा निदेश देने की शक्ति।
- (घ) “महत्वपूर्ण असर” से किसी उद्यम की वित्तीय अथवा प्रचालन नीति विषयक विनिश्चयों में भाग लेना अभिप्रेत है किन्तु उन नीतियों का नियंत्रण नहीं;
- (ङ) “सहयुक्त” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जिसमें कोई विनिधानकारी रिपोर्ट करने वाला पक्षकार महत्वपूर्ण असर रखता है और जो उस पक्षकार का न तो समनुषंगी है और न सहउद्यम है;
- (च) “सहउद्यम” से कोई ऐसी संविदात्मक ठहराव अभिप्रेत है जिसके द्वारा या दो अधिक पक्षकार किसी आर्थिक क्रियाकलाप को अपने हाथ में लेते हैं और, जो नियंत्रण के अध्याधीन हैं;
- (छ) “संयुक्त नियंत्रण” से किसी आर्थिक क्रियाकलाप की वित्तीय और प्रचालन संबंधी नीतियों को शासित करने के लिए संविदात्मक रूप से करार पाई शक्तियों में हिस्सा बंटाना अभिप्रेत है जिससे कि इससे फायदा अभिप्राप्त किया जा सके;
- (ज) “मुख्य प्रबंध कार्मिक” से वे व्यक्ति अभिप्रेत हैं जिनके पास रिपोर्ट करने वाले उद्यम के क्रियाकलापों की रोजना, निदेशन और नियंत्रण करने का प्राधिकार और दायित्व है;
- (झ) किसी व्यक्ति के संबंध में, “नातेदार” से पति-पत्नी, पुत्र, पुत्री, भाई, बहन, पिता और माता अभिप्रेत हैं जो रक्त संबंध संस्कार हैं;
- (ञ) “नियंत्रि कंपनी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थान्तर्गत कोई नियंत्रि कंपनी अभिप्रेत है;
- (ट) “समनुषंगी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थान्तर्गत कोई समनुषंगी कंपनी अभिप्रेत है;
- (ठ) “सहयोगी समनुषंगी” से वह कंपनी अभिप्रेत है जो किसी अन्य कंपनी की सहयोगी समनुषंगी है यदि दोनों उसी नियंत्रि कंपनी की समनुषंगी हैं;
- (ड) “राज्य नियंत्रित उद्यम” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जो केन्द्रीय सरकार अथवा किसी राज्य सरकार के नियंत्रणाधीन है।

[नं.सं. 52/01/सीएबी-2001]

ए. रामास्थामी, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पण :—मूल नियम सा. का. नि.सं. 537(अ) दिनांक 11-9-97 द्वारा प्रकाशित किए गए थे पश्चात्तत्परी संशोधन निम्नलिखित द्वारा किए गए :—

1. सा. का. नि. 328(अ), दिनांक 3-6-98
2. सा. का. नि. 465(अ), दिनांक 3-8-98
3. सा. का. नि. 280(अ), दिनांक 24-4-2001

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th September, 2001

G. S. R. 718(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 642, read with clause (d) of sub-section (1) of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Cost Accounting Records (Motor Vehicles) rules, 1969, namely :—

1. (1) The rules may be called the Cost Accounting Records (Motor Vehicles) Amendment Rules, 2001.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Cost Accounting Records (Motor Vehicles) Rules, 1997 :—
in schedule I, after item number 21 and the entries relating thereto, the following shall be inserted namely :—

“24. Inter-Company Transfer :

- (1) In respect of related party transactions or supplies made or services rendered by a company to its holding company or subsidiary or a company termed “related party relationship” as defined below and vice-a-versa, records shall be maintained showing contracts entered into, agreements or understanding reached in respect of :
 - (a) purchase and sale of raw materials, finished products, process materials, chemicals and rejected goods including scraps, etc;
 - (b) utilisations of plant facilities and technical know-how;
 - (c) supply of utilities and any other services;
 - (d) administrative, technical, managerial or any other consultancy services,
 - (e) purchase and sale of capital goods including plant and machinery;
 - (f) any other payment related to production, processing or manufacturing of products under reference.

These records shall also indicate the basis followed for arriving at the rates charged or paid for such products or services so as to enable determination of the reasonableness of such rates in so far as they are in any way related to product under reference.

- (2) the transactions by the following “related party relationships” shall be covered under sub-rule (1) :—
 - (a) enterprises that directly, or indirectly through one or more intermediaries, control, or are controlled by, or are under common control with, the reporting enterprise (this includes holding companies, subsidiaries and fellow subsidiaries),
 - (b) associates and joint ventures of the reporting enterprises and the investing party or venturer in respect of which the reporting enterprise is an associate or a joint venture;
 - (c) individuals owning, directly or indirectly, an interest in the voting power of the reporting enterprises that gives them control or significant influence over the enterprise, and relatives of any such individuals,
 - (d) key management personnel and relatives of such personnel; and
 - (e) enterprises over which any person described in (c) or (d) is able to exercise significant influence. This includes enterprises owned by directors or major shareholders of the reporting enterprise and enterprises that have a member of key management in common with the reporting enterprise

However, the following shall not be deemed as “related party relationships” :—

- (a) two companies simply because they have a Director in common, notwithstanding paragraph (d) or (e) above (unless the Director is able to affect the policies of both companies in their mutual dealings),
- (b) a single customer, supplier, franchiser, distributor, or general agent with whom an enterprise transacts a significant volume of business merely by virtue of the resulting economic dependence; and

- (c) the parties listed below, in the course of their normal dealings with an enterprises by virtue only of those dealings (although they may circumscribe the freedom of action of the enterprise or participate in its decision-making process)
 - (i) providers of finance,
 - (ii) trade unions,
 - (iii) public utilities,
 - (iv) government departments and government agencies including government sponsored bodies

Explanation For the purpose of these Rules,—

- (a) **“Related party relationships”** means parties who are considered to be related if at any time during the reporting period one party has the ability to control the other party or exercise significant influence over the other party in making financial and/or operating decision,
- (b) **“Related party transaction”** means a transfer of resources or obligations between related parties, whether or not a price is charged,
- (c) **“Control”** means
 - (i) ownership, directly or indirectly, of more than one half of the voting power of an enterprises, or
 - (ii) control of the composition of the Board of Directors in the case of a company or of the composition of the corresponding governing body in case of any other enterprise, or
 - (iii) a substantial interest in voting power and the power to direct, by statute or agreement, the financial and/or operating policies of the enterprise
- (d) **“Significant influence”** means participation in the financial or operating policy decisions of an enterprise, but not control of those policies,
- (e) **“Associate”** means an enterprise in which an investing reporting party has significant influence and which is neither a subsidiary nor a joint venture of that party,
- (f) **“Joint venture”** means a contractual arrangement whereby two or more parties undertake an economic activity, which is subject to joint control,
- (g) **“Joint control”** means the contractually agreed sharing of power to govern the financial and operating policies of an economic activity so as to obtain benefits from it,
- (h) **“Key management personnel”** means those persons who have the authority and responsibility for planning, directing and controlling the activity of the reporting enterprise,
- (i) **“Relative”**—in relation to an individual, means the spouse, son, daughter, brother, sister, father and mother who may connected by blood relationship,
- (j) **“Holding company”** means a holding company within the meaning of section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956),
- (k) **“Subsidiary”** means a subsidiary company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956),
- (l) **“Fellow subsidiary”** means a company is said to be a fellow subsidiary of another company if both are subsidiaries of the same holding company,
- (m) **“State-controlled enterprise”** means an enterprise which is under the control of the Central Government or a State Government ”

[F No 52/01/CAB-2001]

A RAMASWAMY, Jt Secy

Foot Note:—The principal rules were published vide G S R number 537(E), dated the 11th September, 1997 and subsequently amended vide—

- 1 G S R. 328(E), dated 3rd June, 1998
- 2 G S R. 465(E), dated 3rd August, 1998
- 3 G S R. 280(E), dated 24th April, 2001

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 2001

सा. का. नि. 719(अ).—केंद्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (1) के खंड (घ) के साथ पठित धारा 642 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लागत लेखा अभिलेख (चीनी) नियम, 1997 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लागत लेखा अभिलेख (चीनी) संशोधन नियम, 2001 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागत लेखा अभिलेख (चीनी) नियम, 1997 में :—

अनुसूची 1 में, मद संख्या 20 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“21. अंतर-कंपनी अंतरण :

(1) किसी कंपनी द्वारा अपनी नियंत्री कंपनी या समनुयुगी अथवा किसी ऐसी कंपनी जिसे “संबद्ध पक्षकार संबंध” कहा गया है जैसा कि नीचे परिभाषित है और विपर्यय की बाबत संबद्ध पक्षकार संव्यवहार अथवा किए गए प्रदाय अथवा दी गई सेवाओं की बाबत उनके द्वारा की गई संविदाओं, करारों या उनकी बाबत हुई सहमति को दर्शित करते हुए निम्नलिखित की बाबत अभिलेख रखे जाएंगे :

- (क) कच्ची सामग्री, तैयार उत्पाद, प्रसंस्करण सामग्री, रासायनिक और स्क्रेप सहित अस्वीकृत माल आदि का क्रय और विक्रय ;
- (ख) संयंत्र सुविधाओं और तकनीकी व्यवहार ज्ञान का उपयोग ;
- (ग) उपयोगिताओं और किन्हीं अन्य सेवाओं का प्रदाय ;
- (घ) प्रशासनिक, तकनीकी प्रबंधकीय अथवा कोई अन्य परामर्शी सेवाएं ;
- (ङ) संयंत्र और मशीनरी सहित पूंजीगत माल का क्रय और विक्रय ;
- (च) उत्पादन, प्रसंस्करण या निर्देशाधीन उत्पाद से संबंधित कोई अन्य संदाय।

इन अभिलेखों में प्रभारित दरों को तय करना अथवा ऐसे उत्पादों के लिए संदाय करने के लिए अनुसरण किए गए आधारों को भी उपदर्शित किया जाएगा जिससे कि ऐसी दरों की युक्तियुक्तता का जहां तक कि उनका संबंध किसी भी रीति में निर्देशाधीन उत्पाद से है अवधारण किया जा सके।

(2) निम्न “संबंधित पक्षकार संबंध” द्वारा किए गए संव्यवहार उपनियम (1) के अन्तर्गत आएंगे :—

- (क) वे उद्यम जो प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः एक या अधिक मध्यवर्ती द्वारा नियंत्रित करते हैं अथवा रिपोर्टिंग उद्यम (जिसके अन्तर्गत नियंत्री कंपनी, समनुयुगी और सहयोगी समनुयुगी हैं) के द्वारा नियंत्रित की जाती हैं अथवा उनके सामान्य नियंत्रण में हैं ;
- (ख) रिपोर्टिंग उद्यम के सहबद्ध और सहउद्यम और वे विनिधान पक्षकार अथवा उद्यम जिनकी बाबत रिपोर्टिंग उद्यम कोई सहबद्ध अथवा सहउद्यम है ;
- (ग) व्यक्ति जो ऐसे, रिपोर्टिंग उद्यम की प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः मत देने की शक्ति में हित रखते हैं जो उन्हें उद्यम के ऊपर नियंत्रण अथवा महत्वपूर्ण असर प्रदान करता है और किसी ऐसे व्यक्ति के नातेदार ;
- (घ) मुख्य प्रबंध कार्मिक और ऐसे कार्मिक के नातेदार ; और
- (ङ) ऐसे उद्यम जिनके ऊपर (ग) अथवा (घ) में वर्णित कोई व्यक्ति महत्वपूर्ण असर का प्रयोग करने में समर्थ है। इसके अंतर्गत निदेशकों अथवा रिपोर्टिंग उद्यम के प्रमुख शेरधारकों के स्वामित्वाधीन उद्यम और वे उद्यम हैं जिनके ऐसे मुख्य प्रबंध सदस्य हैं जो रिपोर्टिंग उद्यम में भी सम्मिलित हैं।

तथापि, निम्नलिखित को “संबद्ध पक्षकार संबंध” समझा जाएगा :—

- (क) वे दो कंपनियां मात्र इस कारण कि उनका एक सम्मिलित निदेशक है, उपर्युक्त पैरा (घ) अथवा (ङ) में किसी बात के होते हुए भी (जब तक कि निदेशक दोनों कंपनियों को पारस्परिक व्यवहार में उनकी नीतियों को प्रभावित करने में समर्थ न हो) ;
- (ख) कोई एकल उपभोक्ता, प्रदायकर्ता, विशेषाधिकारी, संवितरक अथवा साधारण अधिकर्ता जिनके साथ कोई उद्यम, कारबार का महत्वपूर्ण संव्यवहार मात्र आर्थिक निर्भरता के परिणामस्वरूप करता है ; और

- (ग) नीचे सूचीबद्ध पक्षकार, जो अपने सामान्य व्यवहार में किसी उद्यम के साथ केवल उन्हीं व्यवहारों के कारण संव्यवहार करते हैं (यद्यपि वे उद्यम की कार्य करने की स्वतंत्रता को सीमित नहीं कर सकते अथवा उसकी विनिश्चय करने की प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे);
- (i) वित्त उपलब्ध कराने वाले;
 - (ii) व्यापार संघ;
 - (iii) लोक उपयोगिताएं ;
 - (iv) सरकारी विभाग और सरकारी अधिकरण जिनके अंतर्गत सरकारी प्रायोजित निकाय भी हैं।

स्पष्टीकरण :—इन नियमों के प्रयोजन के लिए,—

- (क) “संबद्ध पक्षकार संबंध” से वे पक्षकार अभिप्रेत हैं जिन्हें किसी भी समय संबंधित समझा गया हो यांदि रिपोर्टगत अवधि के दौरान एक पक्षकार अन्य पक्षकार को नियंत्रित करने की योग्यता रखता हो अथवा वित्तीय और/या प्रचालन संबंधी विनिश्चय करने में अन्य पक्षकार के ऊपर महत्वपूर्ण असर रखता हो;
- (ख) “सहबद्ध पक्षकार संव्यवहार” से संबद्ध पक्षकारों के बीच संसाधनों अथवा दायित्वों का अंतरण अभिप्रेत है, चाहे उसके लिए कीमत प्रभारित की गई हो या नहीं;
- (ग) “नियंत्रण” से निम्नलिखित अभिप्रेत है,—
- (i) किसी उद्यम की मत देने की शक्ति के आधे से अधिक का प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः स्वामित्व; या
 - (ii) किसी कंपनी की दशा में निदेशक बोर्ड की संरचना का नियंत्रण अथवा किसी अन्य उद्यम की दशा में तत्स्थानी शासी निकाय की संरचना का नियंत्रण; या
 - (iii) मतदान शक्ति में सारवान हित और उद्यम की वित्तीय और/या प्रचालन नीतियों को कानून या करार द्वारा निदेश देने की शक्ति;
- (घ) “महत्वपूर्ण असर” से किसी उद्यम की वित्तीय अथवा प्रचालन नीति विषयक विनिश्चयों में भाग लेना अभिप्रेत है किन्तु उन नीतियों का नियंत्रण नहीं;
- (ङ) “सहयुक्त” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जिनमें कोई विनिधानकारी रिपोर्ट करने वाला पक्षकार महत्वपूर्ण असर रखता है और जो उस पक्षकार का न तो समनुषंगी है और न सहउद्यम है;
- (च) “सहउद्यम” से कोई ऐसी संविदात्मक ठहराव अभिप्रेत है जिसके द्वारा दो या अधिक पक्षकार किसी आर्थिक क्रियाकलाप को अपने हाथ में लेते हैं और जो नियंत्रण के अध्वधीन हैं;
- (छ) “संयुक्त नियंत्रण” से किसी आर्थिक क्रियाकलाप की वित्तीय और प्रचालन संबंधी नीतियों को शासित करने के लिए संविदात्मक रूप से करार पाई शक्तियों में हिस्सा बंटाना अभिप्रेत है जिससे कि इससे फायदा अभिप्राप्त किया जा सके;
- (ज) “मुख्य प्रबंध कार्मिक” से वे व्यक्ति अभिप्रेत हैं जिनके पास रिपोर्ट करने वाले उद्यम के क्रियाकलापों की योजना, निदेशन और नियंत्रण करने का प्राधिकार और दायित्व हैं;
- (झ) किसी व्यष्टि के संबंध में, “नातेदार” से पति-पत्नी, पुत्र, पुत्री, भाई, बहन, पिता और माता अभिप्रेत हैं जो रक्त संबंध संस्कार हैं;
- (ञ) “नियंत्रि कंपनी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातर्गत कोई नियंत्रि कंपनी अभिप्रेत है;
- (ट) “समनुषंगी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातर्गत कोई समनुषंगी कंपनी अभिप्रेत है ;
- (ठ) “सहयोगी समनुषंगी” से वह कंपनी अभिप्रेत है जो किसी अन्य कंपनी की सहयोगी समनुषंगी है यदि दोनों उसी नियंत्रि कंपनी की समनुषंगी है;
- (ड) “राज्य नियंत्रित उद्यम” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जो केन्द्रीय सरकार अथवा किसी राज्य सरकार के नियंत्रणाधीन है।

[फा. सं. 52/01/सीएबी-2001]

ए. रामास्वामी, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पण :—मूल नियम सा. का. नि.सं. 388(अ) दिनांक 15-7-97 द्वारा प्रकाशित किए गए थे पश्चातवर्ती संशोधन निम्नलिखित द्वारा किए गए :—

1. सा. का. नि. 464(अ), दिनांक 3-8-98

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th September, 2001

G. S. R. 719(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 642, read with clause (d) of sub-section (1) of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Cost Accounting Records (Sugar) Rules, 1997, namely :—

1. (1) These rules may be called the Cost Accounting Records (Sugar) Amendment Rules, 2001.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Cost Accounting Records (Sugar) Rules, 1997 :—

in schedule, I, after item number 20 and the entries relating thereto, the following shall be inserted namely :—

“21. INTERCOMPANY TRANSFER:

(1) In respect of related party transactions or supplies made or services rendered by a company to its holding company or subsidiary or a company termed ‘related party relationship’ as defined below and vice-a-versa, records shall be maintained showing contracts entered into, agreements or understanding reached in respect of :

- (a) purchase and sale of raw materials, finished products, process materials, chemicals and rejected goods including scraps, etc;
- (b) utilisation of plant facilities and technical know-how;
- (c) supply of utilities and any other services;
- (d) administrative, technical, managerial or any other consultancy services;
- (e) purchase and sale of capital goods including plant and machinery;
- (f) any other payment related to production, processing or manufacturing of product under reference.

These records shall also indicate the basis followed for arriving at the rates charged or paid for such products or services so as to enable determination of the reasonableness of such rates in so far as they are in any way related to product under reference.

(2) The transactions by the following “related party relationships” shall be covered under sub-rule (1) :—

- (a) enterprises that directly, or indirectly through one or more intermediaries, control, or are controlled by, or are under common control with, the reporting enterprise (this includes holding companies, subsidiaries and fellow subsidiaries);
- (b) associates and joint ventures of the reporting enterprise and the investing party or venturer in respect of which the reporting enterprise is an associate or a joint venture;
- (c) individuals owning, directly or indirectly, an interest in the voting power of the reporting enterprise that gives them control or significant influence over the enterprise, and relatives of any such individual;
- (d) key management personnel and relatives of such personnel; and
- (e) enterprises over which any person described in (c) or (d) is able to exercise significant influence. This includes enterprises owned by directors or major shareholders of the reporting enterprise and enterprises that have a member of key management in common with the reporting enterprise.

However, the following shall not be deemed as “related party relationships” :—

- (a) two companies simply because they have a Director in common, notwithstanding paragraph (d) or (e) above (unless the Director is able to affect the policies of both companies in their mutual dealings);
- (b) a single customer, supplier, franchiser, distributor, or general agent with whom an enterprise transacts a significant volume of business merely by virtue of the resulting economic dependence; and
- (c) the parties listed below, in the course of their normal dealings with an enterprise by virtue only of those dealings (although they may circumscribe the freedom of action of the enterprise or participate in its decision-making process);
 - (i) provisions of finance;
 - (ii) trade unions;

- (iii) public utilities;
- (iv) government departments and government agencies including government sponsored bodies.

Explanation :—For the purpose of these Rules,—

- (a) **“Related party relationships”** means parties who are considered to be related if at any time during the reporting period one party has the ability to control the other party or exercise significant influence over the other party in making financial and/or operating decisions;
- (b) **“Related party transaction”** means a transfer of resources or obligations between related parties, whether or not a price is charged;
- (c) **“Control”** means
 - (i) ownership, directly or indirectly, of more than onehalf of the voting power of an enterprise; or
 - (ii) control of the composition of the Board of Director in the case of a company or of the composition of the corresponding governing body in case of any other enterprise; or
 - (iii) a substantial interest in voting power and the power to direct, by statute or agreement, the financial and/or operating policies of the enterprise.
- (d) **“Significant influence”** means participation in the financial or operating policy decisions of an enterprise, but not control of those policies;
- (e) **“Associate”** means an enterprise in which an investing reporting party has significant influence and which is neither a subsidiary nor a joint venture of that party;
- (f) **“Joint venture”** means a contractual arrangement whereby two or more parties undertake an economic activity, which is subject to joint control,
- (g) **“Joint control”** means the contractually agreed sharing of power to govern the financial and operating policies of an economic activity so as to obtain benefits from it;
- (h) **“key management personnel”** means those persons who have the authority and responsibility for planning, directing and controlling the activities of the reporting enterprise;
- (i) **“Relative”**—in relation to an individual, means the spouse, son, daughter, brother, sister, father and mother who are connected by blood relationship,
- (j) **“Holding company”** means a holding company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956),
- (k) **“Subsidiary”** means a subsidiary company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956),
- (l) **“Fellow subsidiary”** means a company is said to be a fellow subsidiary of another company if both are subsidiaries of the same holding company;
- (m) **“State-controlled enterprise”** means an enterprise which is under the control of the Central Government or a State Government.”

[F.No. 52/01/CAB-2001]

A. RAMASWAMY, Jt. Secy.

Foot Note :—The principal rules were published vide G.S.R. Number 388(E), dated the 15th July, 1997 and subsequently amended vide :—

1. GSR 464(E), dated 3rd August, 1998

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 2001

सा. का. नि. 720(अ).—केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (1) के खंड (घ) के साथ पठित धारा 642 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लागत लेखा अभिलेख (औद्योगिक एल्कोहल) नियम, 1997 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लागत लेखा अभिलेख (औद्योगिक एल्कोहल) संशोधन नियम, 2001 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागत लेखा अभिलेख (औद्योगिक एल्कोहल) नियम, 1997 में :—

अनुसूची 1 में, मद संख्या 22 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“23. अंतर-कंपनी अंतरण :

(1) किसी कंपनी द्वारा अपनी नियंत्रिणी कंपनी या समनुपंगी अथवा किसी ऐसी कंपनी जिसे “संबद्ध पक्षकार संबंध” कहा गया है जैसा कि नीचे परिभाषित है और विपर्यय की बाबत संबद्ध पक्षकार संव्यवहार अथवा किए गए प्रदाय अथवा दी गई सेवाओं की बाबत उनके द्वारा की गई संविदाओं, करारों या उनकी बाबत हुई सहमति को दर्शित करते हुए निम्नलिखित की बाबत अभिलेख रखे जाएंगे :

- (क) कच्ची सामग्री, तैयार उत्पाद, प्रसंस्करण सामग्री, रासायनिक और स्क्रेप सहित अस्वीकृत माल आदि का क्रय और विक्रय;
- (ख) संयंत्र सुविधाओं और तकनीकी व्यवहार ज्ञान का उपयोग;
- (ग) उपयोगिताओं और किन्हीं अन्य सेवाओं का प्रदाय;
- (घ) प्रशासनिक, तकनीकी, प्रबंधकीय अथवा कोई अन्य परामर्शी सेवाएं;
- (ङ) संयंत्र और मशीनरी सहित पूंजीगत माल का क्रय और विक्रय;
- (च) उत्पादन, प्रसंस्करण या निर्देशाधीन उत्पाद से संबंधित कोई अन्य संदाय;

इन अभिलेखों में प्रभाषित दलों को तय करना अथवा ऐसे उत्पादों के लिए संदाय करने के लिए अनुसरण किए गए आधारों को भी उपदर्शित किया जाएगा जिससे कि ऐसी दलों की युक्तियुक्तता का जहां तक कि उनका संबंध किसी भी रीति में निर्देशाधीन उत्पाद से है अवधारण किया जा सके।

(2) निम्न “संबंधित पक्षकार संबंध” द्वारा किए गए संव्यवहार उपनियम (1) के अंतर्गत आएंगे :—

- (क) वे उद्यम जो प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः एक या अधिक मध्यवर्ती द्वारा नियंत्रित करते हैं अथवा रिपोर्टगत उद्यम (जिसके अंतर्गत नियंत्रिणी कंपनी, समनुपंगी और सहयोगी समनुपंगी है) के द्वारा नियंत्रित की जाती हैं अथवा उनके सामान्य नियंत्रण में हैं;
- (ख) रिपोर्टगत उद्यम के सहबद्ध और सहउद्यम और वे विनिधान पक्षकार अथवा उद्यम जिनकी बाबत रिपोर्टगत उद्यम कोई सहबद्ध अथवा सहउद्यम है;
- (ग) व्यक्ति जो ऐसे, रिपोर्टगत उद्यम की प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः मत देने की शक्ति में हित रखते हैं जो उन्हें उद्यम के ऊपर नियंत्रण अथवा महत्वपूर्ण असर प्रदान करता है और किसी ऐसे व्यक्ति के नातेदार ;
- (घ) मुख्य प्रबंध कार्मिक और ऐसे कार्मिक के नातेदार; और
- (ङ) ऐसे उद्यम जिनके ऊपर (ग) अथवा (घ) में वर्णित कोई व्यक्ति महत्वपूर्ण असर का प्रयोग करने में समर्थ है। इसके अंतर्गत निदेशकों अथवा रिपोर्टगत उद्यम के प्रमुख शेयरधारकों के स्वामित्वाधीन उद्यम और वे उद्यम हैं जिनके ऐसे मुख्य प्रबंध सदस्य हैं जो रिपोर्टगत उद्यम में भी सम्मिलित हैं।

तथापि, निम्नलिखित को “संबद्ध पक्षकार संबंध” समझा जाएगा :—

- (क) वे दो कंपनियां मात्र इस कारण कि उनका एक सम्मिलित निदेशक है, उपर्युक्त पैरा (घ) अथवा (ङ) में किसी बात के होते हुए भी (जब तक कि निदेशक दोनों कंपनियों को पारस्परिक व्यवहार में उनकी नीतियों को प्रभावित करने में समर्थ न हो);
- (ख) कोई एकल उपभोक्ता, प्रदायकर्ता, विशेषाधिकारी, संवितरक अथवा साधारण अधिकर्ता जिनके साथ कोई उद्यम, कारबार का महत्वपूर्ण संव्यवहार मात्र आर्थिक निर्भरता के परिणामस्वरूप करता है; और
- (ग) नीचे सूचीबद्ध पक्षकार, जो अपने सामान्य व्यवहार में किसी उद्यम के साथ केवल उन्हीं व्यवहारों के कारण संव्यवहार करते हैं (यद्यपि वे उद्यम की कार्य करने की स्वतंत्रता को सीमित कर सकने अथवा उसकी विनिश्चय करने की प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे);
 - (i) वित्त उपलब्ध कराने वाले;
 - (ii) व्यापार संघ;
 - (iii) लोक उपयोगिताएं;
 - (iv) सरकारी विभाग और सरकारी अधिकरण जिनके अंतर्गत सरकारी प्रायोजित निकाय भी हैं।

स्पष्टीकरण :—इन नियमों के प्रयोजन के लिए,—

- (क) “संबद्ध पक्षकार संबंध” से वे पक्षकार अभिप्रेत हैं जिन्हें किसी भी समय संबंधित समझा गया हो यदि रिपोर्टगत अवधि के दौरान एक पक्षकार अन्य पक्षकार को नियंत्रित करने की योग्यता रखता हो अथवा वित्तीय और/या प्रचालन सबधी विनिश्चय करने में अन्य पक्षकार के ऊपर महत्वपूर्ण असर रखता हो,
- (ख) “सहबद्ध पक्षकार संव्यवहार” से संबद्ध पक्षकारों के बीच संसाधनों अथवा दायित्वों का अंतरण अभिप्रेत है, चार्ज नमूने लिए कीमत प्रभारित की गई हों या नहीं;
- (ग) “नियंत्रण” से निम्नलिखित अभिप्रेत है,—
 - (i) किसी उद्यम की मत देने की शक्ति के आधे से अधिक का प्रत्यक्षत, अथवा अप्रत्यक्षत, स्वामित्व, या
 - (ii) किसी कंपनी की दशा में निदेशक बोर्ड की संरचना का नियंत्रण अथवा किसी अन्य उद्यम की दशा में तत्स्थानी शासी निकाय की संरचना का नियंत्रण; या
 - (iii) मतदान शक्ति में सारवान हित और उद्यम की वित्तीय और/या प्रचालन नीतियों को कानून या करार द्वारा निदेश देने की शक्ति;
- (घ) “महत्वपूर्ण असर” से किसी उद्यम की वित्तीय अथवा प्रचालन नीति विषयक विनिश्चयों में भाग लेना अभिप्रेत है किन्तु उन नीतियों का नियंत्रण नहीं,
- (ङ) “सहयुक्त” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जिसमें कोई विनिधानकारी रिपोर्ट करने वाला पक्षकार महत्वपूर्ण असर रखता है और जो उस पक्षकार का न तो समनुषंगी है और न सहउद्यम है;
- (च) “सहउद्यम” से कोई ऐसी संविदात्मक ठहराव अभिप्रेत है जिसके द्वारा दो या अधिक पक्षकार किसी आर्थिक क्रियाकलाप को अपने हाथ में लेते हैं, और जो नियंत्रण के अधधीन है;
- (छ) “संयुक्त नियंत्रण” से किसी आर्थिक क्रियाकलाप की वित्तीय और प्रचालन सबधी नीतियों को शासित करने के लिए संविदात्मक रूप से करार पाई शक्तियों में हिस्सा बटाना अभिप्रेत है जिससे कि इससे फायदा अभिप्राप्त किया जा सके,
- (ज) “मुख्य प्रबंध कार्मिक” से वे व्यक्ति अभिप्रेत हैं जिनके पास रिपोर्ट करने वाले उद्यम के क्रियाकलापों की योजना, निदेशन और नियंत्रण करने का प्राधिकार और दायित्व है;
- (झ) किसी व्यक्ति के संबंध में, “नातेदार” से पति-पत्नी, पुत्र, पुत्री, भाई, बहन, पिता और माता अभिप्रेत हैं जो रक्त संबद्ध संस्कार हैं;
- (ञ) “नियंत्रि कंपनी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा के अर्थातर्गत कोई नियंत्रि कंपनी अभिप्रेत है,
- (ट) “समनुषंगी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातर्गत कोई समनुषंगी कंपनी अभिप्रेत है ;
- (ठ) “सहयोगी समनुषंगी” से वह कंपनी अभिप्रेत है जो किसी अन्य कंपनी की सहयोगी समनुषंगी है यदि दोनों उम्मी नियमा कंपनी की समनुषंगी हैं ;
- (ड) “राज्य नियंत्रित उद्यम” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जो केंद्रीय सरकार अथवा किसी राज्य सरकार के नियंत्रणाधीन है ।

[पा सं 52/01/सीएबी-2001]

ए रामास्वामी, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पण :—मूल नियम सा. का. नि.सं. 552(अ) दिनांक 17-9-97 द्वारा प्रकाशित किए गए थे पश्चातवर्ती संशोधन निम्नलिखित द्वारा किए गए :—

1. सा. का. नि. 467(अ), दिनांक 3-8-98 ।

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th September, 2001

G. S. R. 720(E) —In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 642, read with clause (d) of sub-section (1) of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Cost Accounting Records (Industrial Alcohol) Rules, 1997, namely :—

- 1 (1) These rules may be called the Cost Accounting Records (Industrial Alcohol) Amendment Rules, 2001
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette
- 2 In the Cost Accounting Records (Industrial Alcohol) Rules, 1997 —
in schedule, I, after item number 22 and the entries relating thereto, the following shall be inserted namely —

“23. INTER-COMPANY TRANSFER:

(1) In respect of related party transactions or supplies made or services rendered by a company to its holding company or subsidiary or a company termed “related party relationship” as defined below and vice-a-versa, records shall be maintained showing contracts entered into, agreements or understanding reached in respect of

- (a) Purchase and sale of raw materials, finished products, process materials, chemicals and rejected goods including scraps, etc,
- (b) utilisation of plant facilities and technical know-how,
- (c) supply of utilities and any other services,
- (d) administrative, technical, managerial or any other consultancy services,
- (e) purchase and sale of capital goods including plant and machinery,
- (f) any other payment related to production, processing or manufacturing of product under reference

These records shall also indicate the basis followed for arriving at the rates charged or paid for such products or services so as to enable determination of the reasonableness of such rates in so far as they are in any way related to product under reference

- (2) The transactions by the following “related party relationships” shall be covered under sub-rule (1) ---
- (a) enterprises that directly, or indirectly through one or more intermediaries, control, or are controlled by, or are under common control with, the reporting enterprise (this includes holding companies, subsidiaries and fellow subsidiaries),
- (b) associates and joint ventures of the reporting enterprise and the investing party or venture in respect of which the reporting enterprise is an associate or a joint venture.
- (c) individuals owning, directly or indirectly, an interest in the voting power of the reporting enterprise that gives them control or significant influence over the enterprise, and relatives of any such individual,
- (d) key management personnel and relatives of such personnel,
- (e) enterprises over which any person described in (c) or (d) is able to exercise significant influence This includes enterprises owned by directors or major shareholders of the reporting enterprise and enterprises that have a member of key management in common with the reporting enterprise

However, the following shall not be deemed as “related party relationships” —

- (a) two companies simply because they have a Director in common, notwithstanding paragraph (d) or (e) above (unless the Director is able to affect the policies of both companies in their mutual dealings)
- (b) a single customer, supplier, franchiser, distributor, or general agent with whom an enterprise transacts a significant volume of business merely by virtue of the resulting economic dependence, and
- (c) the parties listed below, in the course of their normal dealings with an enterprise by virtue only of those dealings (although they may circumscribe the freedom of action of the enterprise or participate in its decision-making process),
 - i providers of finance,
 - ii trade unions,
 - iii public utilities,
 - iv government departments and government agencies including government sponsored bodies

Explanation :—For the purpose of these Rules,—

- (a) **“Related party relationships”** means parties who are considered to be related if at any time during the reporting period one party has the ability to control the other party or exercise significant influence over the other party in making financial and/or operating decisions,

- (b) “**Related party transaction**” means a transfer of resources or obligations between related parties, whether or not a price is charged;
- (c) “**Control**” means
 - (i) ownership, directly or indirectly, of more than one half of the voting power of an enterprise; or
 - (ii) control of the composition of the Board of Directors in the case of a company or of the composition of the corresponding governing body in case of any other enterprise; or
 - (iii) a substantial interest in voting power and the power to direct, by statute or agreement, the financial and/or operating policies of the enterprise.
- (d) “**Significant influence**” means participation in the financial or operating policy decisions of an enterprise, but not control of those policies;
- (e) “**Associate**” means an enterprise in which an investing reporting party has significant influence and which is neither a subsidiary nor a joint venture of that party;
- (f) “**Joint venture**” means a contractual arrangement whereby two or more parties undertake an economic activity, which is subject to joint control;
- (g) “**Joint control**” means the contractually agreed sharing of power to govern the financial and operating policies of an economic activity so as to obtain benefits from it;
- (h) “**key management personnel**” means those persons who have the authority and responsibility for planning, directing and controlling the activities of the reporting enterprise;
- (i) “**Relative**” in relation to an individual, means the spouse, son, daughter, brother, sister, father and mother who may connected by blood relationship,
- (j) “**Holding company**” means a holding company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (k) “**Subsidiary**” means a subsidiary company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (l) “**Fellow subsidiary**” means a company is said to be a fellow subsidiary of another company if both are subsidiaries of the same holding company;
- (m) “**State-controlled enterprise**” means an enterprise which is under the control of the Central Government or a State Government.”

[F. No. 52/01/CAB-2001]

A. RAMASWAMY, Jt. Secy.

Foot Note :—The principal rules were published vide G.S.R. number 552(E), dated the 17th September, 1997 and subsequently amended vide :—

1. GSR 467(E), dated 3rd August, 1998.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 2001

सा.का.नि. 721(अ).—केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (1) के खंड (घ) के साथ पठित धारा 642 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लागत लेखा अभिलेख (जूट का माल) नियम, 1975 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लागत लेखा अभिलेख (जूट का माल) संशोधन नियम, 2001 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागत लेखा अभिलेख (जूट का माल) नियम, 1975 में :—

अनुसूची 1 में, मद संख्या 16 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“ 16. अंतर-कंपनी अंतरण :

(1) किसी कंपनी द्वारा अपनी नियंत्रि कंपनी या समनुपंगी अथवा किसी ऐसी कंपनी जिसे “संबद्ध पक्षकार संबंध” कहा गया है जैसा कि नीचे परिभाषित है और विपर्यय की बाबत संबंध पक्षकार संव्यवहार अथवा किए गए प्रदाय अथवा दी गई सेवाओं की बाबत उनके द्वारा की गई संविदाओं, करारों या उनकी बाबत हुई सहमति को दर्शित करते हुए निम्नलिखित की बाबत अभिलेख रखे जाएंगे :

- (क) कच्ची सामग्री, तैयार उत्पाद, प्रसंस्करण सामग्री, रासायनिक और स्क्रेप सहित अस्वीकृत माल आदि का क्रय और विक्रय;
- (ख) संयंत्र सुविधाओं और तकनीकी व्यवहार ज्ञान का उपयोग;
- (ग) उपयोगिताओं और किन्हीं अन्य सेवाओं का प्रदाय;
- (घ) प्रशासनिक, तकनीकी, प्रबंधकीय अथवा कोई अन्य परामर्शी सेवाएं;
- (ङ) संयंत्र और मशीनरी सहित पूंजीगत माल का क्रय और विक्रय;
- (च) उत्पादन, प्रसंस्करण या निर्देशाधीन उत्पाद से संबंधित कोई अन्य संदाय;

इन अभिलेखों में प्रभाषित दरों को तय करना अथवा ऐसे उत्पादों के लिए संदाय करने के लिए अनुसरण किए गए आधारों को भी उपदर्शित किया जाएगा जिससे कि ऐसी दरों की युक्तियुक्तता का जहां तक कि उनका संबंध किसी भी रीति में निर्देशाधीन उत्पाद से है अवधारण किया जा सके।

(2) निम्न “संबंधित पक्षकार संबंध” द्वारा किए गए संव्यवहार उपनियम (1) के अंतर्गत आएंगे :—

- (क) वे उद्यम जो प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः एक या अधिक मध्यवर्ती द्वारा नियंत्रित करते हैं अथवा रिपोर्टगत उद्यम (जिसके अंतर्गत नियंत्रि कंपनी, समनुपंगी और सहयोगी समनुपंगी हैं) के द्वारा नियंत्रित की जाती हैं अथवा उनके सामान्य नियंत्रण में हैं;
- (ख) रिपोर्टगत उद्यम के सहबद्ध और सहउद्यम और वे विनिधान पक्षकार अथवा उद्यम जिनकी बाबत रिपोर्टगत उद्यम कोई सहबद्ध अथवा सहउद्यम है;
- (ग) व्यक्ति जो ऐसे, रिपोर्टगत उद्यम की प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः मत देने की शक्ति में हित रखते हैं जो उन्हें उद्यम के ऊपर नियंत्रण अथवा महत्वपूर्ण असर प्रदान करता है और किसी ऐसे व्यक्ति के नातेदार;
- (घ) मुख्य प्रबंध कार्मिक और ऐसे कार्मिक के नातेदार; और
- (ङ) ऐसे उद्यम जिनके ऊपर (ग) अथवा (घ) में वर्णित कोई व्यक्ति महत्वपूर्ण असर का प्रयोग करने में समर्थ है। इसके अंतर्गत निदेशकों अथवा रिपोर्टगत उद्यम के प्रमुख शेयरधारकों के स्वामित्वाधीन उद्यम और वे उद्यम हैं जिनके ऐसे मुख्य प्रबंध सदस्य हैं जो रिपोर्टगत उद्यम में भी सम्मिलित हैं।

तथापि, निम्नलिखित को “सहबद्ध पक्षकार संबंध” समझा जाएगा :—

- (क) वे दो कंपनियां मात्र इस कारण कि उनका एक सम्मिलित निदेशक है, उपर्युक्त पैरा (घ) अथवा (ङ) में किसी बात के होते हुए भी (जब तक कि निदेशक दोनों कंपनियों को पारस्परिक व्यवहार में उनकी नीतियों को प्रभावित करने में समर्थ न हो);
- (ख) कोई एकल उपभोक्ता, प्रदायकर्ता, विशेषाधिकारी, संवितरक अथवा साधारण अभिकर्ता जिनके साथ कोई उद्यम, कारबार का महत्वपूर्ण संव्यवहार मात्र आर्थिक निर्भरता के परिणामस्वरूप करता है; और
- (ग) नीचे सूचीबद्ध पक्षकार, जो अपने सामान्य व्यवहार में किसी उद्यम के साथ केवल उन्हीं व्यवहारों के कारण संव्यवहार करते हैं (यद्यपि वे उद्यम की कार्य करने की स्वतंत्रता को सीमित कर सकने अथवा उसकी विनिश्चय करने की प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे);
 - (i) वित्त उपलब्ध कराने वाले;
 - (ii) व्यापार संघ;
 - (iii) लोक उपयोगिताएं;
 - (iv) सरकारी विभाग और सरकारी अभिकरण जिनके अंतर्गत सरकारी प्रायोजित निकाय भी हैं।

स्पष्टीकरण :— इन नियमों के प्रयोजन के लिए,—

- (क) “संबद्ध पक्षकार संबंध” से वे पक्षकार अभिप्रेत हैं जिन्हें किसी भी समय संबंधित समझा गया हो यदि रिपोर्टगत अवधि के दौरान एक पक्षकार अन्य पक्षकार को नियंत्रित करने की योग्यता रखता हो अथवा वित्तीय और/या प्रचालन संबंधी विनिश्चय करने में अन्य पक्षकार के ऊपर महत्वपूर्ण असर रखता हो;

- (ख) “सहबद्ध पक्षकार संव्यवहार” से संबद्ध पक्षकारों के बीच संसाधनों अथवा दायित्वों का अंतरण अभिप्रेत है, चाहे उसके लिए कीमत प्रभारित की गई हो या नहीं;
- (ग) “नियंत्रण” से निम्नलिखित अभिप्रेत है,—
- (i) किसी उद्यम की मत देने की शक्ति के आधे से अधिक का प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः स्वामित्व; या
 - (ii) किसी कंपनी की दशा में निदेशक बोर्ड की संरचना का नियंत्रण अथवा किसी अन्य उद्यम की दशा में तत्स्थानी शासी निकाय की संरचना का नियंत्रण; या
 - (iii) मतदान शक्ति में सारवान हित और उद्यम की वित्तीय और/या प्रचालन नीतियों को कानून या करार द्वारा निदेश देने की शक्ति।
- (घ) “महत्वपूर्ण असर” से किसी उद्यम की वित्तीय अथवा प्रचालन नीति विषयक विनिश्चयों में भाग लेना अभिप्रेत है किन्तु उन नीतियों का नियंत्रण नहीं;
- (ङ) “सहयुक्त” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जिसमें कोई निर्निधानकारी रिपोर्ट करने वाला पक्षकार महत्वपूर्ण असर रखता है और जो उस पक्षकार का न तो समनुषंगी है और न सहउद्यम है;
- (च) “सहउद्यम” से कोई ऐसी संविदात्मक ठहराव अभिप्रेत है जिसके द्वारा दो या अधिक पक्षकार किसी आर्थिक क्रियाकलाप को अपने हाथ में लेते हैं और, जो नियंत्रण के अध्वधीन है;
- (छ) “संयुक्त नियंत्रण” से किसी आर्थिक क्रियाकलाप की वित्तीय और प्रचालन संबंधी नीतियों को शासित करने के लिए संविदात्मक रूप से करार पाई शक्तियों में हिस्सा बंटाना अभिप्रेत है जिसमें कि इससे फायदा अभिप्राप्त किया जा सके;
- (ज) “मुख्य प्रबंध कार्मिक” से वे व्यक्ति अभिप्रेत हैं जिनके पास रिपोर्ट करने वाले उद्यम के क्रियाकलापों की योजना, निदेशन और नियंत्रण करने का प्राधिकार और दायित्व है;
- (झ) किसी व्यक्ति के संबंध में, “नातेदार” से पति-पत्नी, पुत्र, पुत्री, भाई, बहन, पिता और माता अभिप्रेत हैं जो रक्त संबंध संस्कार हैं;
- (ञ) “नियंत्रि कंपनी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 क अर्थातगत कोई नियंत्रि कंपनी अभिप्रेत है;
- (ट) “समनुषंगी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातगत कोई समनुषंगी कंपनी अभिप्रेत है;
- (ठ) “सहयोगी समनुषंगी” से वह कंपनी अभिप्रेत है जो किसी अन्य कंपनी की सहयोगी समनुषंगी है यदि दोनों उसी नियंत्रि कंपनी की समनुषंगी हैं;
- (ड) “राज्य नियंत्रित उद्यम” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जो केंद्रीय सरकार अथवा किसी राज्य सरकार के नियंत्रणाधीन है।

[फा. सं. 52/01/सीएबी-2001]

प. रामास्वामी, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पणी :—मूल नियम सा.का.नि. स. 590 (अ) दिनांक 29-12-75 द्वारा प्रकाशित किए गए थे पश्चातवर्ती संशोधन निम्नलिखित द्वारा किए गए :—

1. सा.का.नि. 97 (अ), दिनांक 26-2-76 (शुद्धिपत्र)
2. सा.का.नि. 793, दिनांक 3-6-77
3. सा.का.नि. 32, दिनांक 5-1-83
4. सा.का.नि. 42, दिनांक 8-1-83
5. सा.का.नि. 555, दिनांक 22-7-89
6. सा.का.नि. 315 (अ), दिनांक 24-3-93
7. सा.का.नि. 439 (अ), दिनांक 3-8-98

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th September, 2001

G. S. R. 721(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 642, read with clause (d) of sub-section (1) of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Cost Accounting Records (Jute Goods) Rules, 1975, namely :—

1. (1) These rules may be called the Cost Accounting Records (Jute Goods) Amendment Rules, 2001.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Cost Accounting Records (Jute Goods) Rules, 1975 :—

in schedule I, for item XVI and the entries relating thereto, the following shall be substituted namely :—

“XVI. INTER-COMPANY TRANSFER:

(1) In respect of related party transactions or supplies made or services rendered by a company to its holding company or subsidiary or a company termed “related party relationship” as defined below and vice-a-versa, records shall be maintained showing contracts entered into, agreements or understanding reached in respect of :

- (a) purchase and sale of raw materials, finished products, process materials, chemicals and rejected goods including scraps, etc;
- (b) utilisation of plant facilities and technical know-how;
- (c) supply of utilities and any other services;
- (d) administrative, technical, managerial or any other consultancy services;
- (e) purchase and sale of capital goods including plant and machinery,
- (f) any other payment related to production, processing or manufacturing of product under reference

These records shall also indicate the basis followed for arriving at the rates charged or paid for such products or services so as to enable determination of the reasonableness of such rates in so far as they are in any way related to product under reference.

(2) The transactions by the following “related party relationships” shall be covered under sub-rule (1) :—

- (a) enterprises that directly, or indirectly through one or more intermediaries, control, or are controlled by, or are under common control with, the reporting enterprise (this includes holding companies, subsidiaries and fellow subsidiaries);
- (b) associates and joint ventures of the reporting enterprise and the investing party or venturer in respect of which the reporting enterprise is an associate or a joint venture;
- (c) individuals owning, directly or indirectly, an interest in the voting power of the reporting enterprises that gives them control or significant influence over the enterprise, and relatives of any such individual;
- (d) key management personnel and relatives of such personnel; and
- (e) enterprises over which any person described in (c) or (d) is able to exercise significant influence. This includes enterprises owned by directors or major shareholders of the reporting enterprise and enterprises that have a member of key management in common with the reporting enterprise.

However, the following shall not be deemed as related party relationships” :—

- (a) two companies simply because they have a Director in common, notwithstanding paragraph (d) or (e) above (unless the Director is able to affect the policies of both companies in their mutual dealings);
- (b) a single customer, supplier, franchiser, distributor, or general agent with whom an enterprise transacts a significant volume of business merely by virtue of the resulting economic dependence; and
- (c) the parties listed below, in the course of their normal dealings with an enterprise by virtue only of those dealings (although they may circumscribe the freedom of action of the enterprise or participate in its decision-making process);
 - (i) provisions of finance;
 - (ii) trade unions,

- iii. public utilities;
- iv. government departments and government agencies including government sponsored bodies.

Explanation :—For the purpose of these Rules,—

- (a) **“Related party relationships”** means parties who are considered to be related if at any time during the reporting period one party has the ability to control the other party or exercise significant influence over the other party in making financial and/or operating decisions;
- (b) **“Related party transaction”** means a transfer of resources or obligations between related parties, whether or not a price is charged;
- (c) **“Control”** means
 - (i) ownership, directly or indirectly, of more than one half of the voting power of an enterprise; or
 - (ii) control of the composition of the Board of Directors in the case of a company or of the composition of the corresponding governing body in case of any other enterprise; or
 - (iii) a substantial interest in voting power and the power to direct, by statute of agreement, the financial and/or operating policies of the enterprise.
- (d) **“Significant influence”** means participation in the financial or operating policy decisions of an enterprise, but not control of those policies;
- (e) **“Associate”** means an enterprise in which an investing reporting party has significant influence and which is neither a subsidiary nor a joint venture of that party;
- (f) **“Joint venture”** means a contractual arrangement whereby two or more parties undertake an economic activity, which is subject to joint control;
- (g) **“Joint control”** means the contractually agreed sharing of power to govern the financial and operating policies of an economic activity so as to obtain benefits from it;
- (h) **“Key management personnel”** means those persons who have the authority and responsibility for planning, directing and controlling the activities of the reporting enterprise;
- (i) **“Relative”**—in relation to an individual, means the spouse, son, daughter, brother, sister, father and mother who are connected by blood relationship;
- (j) **“Holding company”** means a holding company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (k) **“Subsidiary”** means a subsidiary company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (l) **“Fellow subsidiary”** means a company is said to be a fellow subsidiary of another company if both are subsidiaries of the same holding company;
- (m) **“State-controlled enterprise”** means an enterprise which is under the control of the Central Government or a State Government.”

[F. No. 52/01/CAB-2001]

A. RAMASWAMY, Jt. Secy.

Foot Note :—The principal rules were published vide G.S.R. number 590(E), dated the 29th December, 1975 and subsequently amended vide :—

1. GSR 97(E), dated 26th February, 1976 (corrigendum)
2. GSR 793, dated 3rd. February, 1977
3. GSR 32, dated 5th January, 1983
4. GSR 42, dated 8th January, 1983
5. GSR 555, dated 22nd July, 1989
6. GSR 315(E), dated 24th March, 1993
7. GSR 439(E), dated 3rd. August, 1998

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 2001

सा. का. नि. 722 (अ).—केंद्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (1) के खंड (घ) के साथ पठित धारा 642 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लागत लेखा अभिलेख (कागज) नियम, 1975 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लागत लेखा अभिलेख (कागज) संशोधन नियम, 2001 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागत लेखा अभिलेख (कागज) नियम, 1975 में :—

अनुसूची 1 में, मद संख्या 18 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“ 18. अंतर-कंपनी अंतरण :

(1) किसी कंपनी द्वारा अपनी नियंत्रित कंपनी या समनुयुगी अथवा किसी ऐसी कंपनी जिसे “संबद्ध पक्षकार संबंध” कहा गया है जैसा कि नीचे परिभाषित है और विपर्यय की बाबत संबद्ध पक्षकार संव्यवहार अथवा किए गए प्रदाय अथवा दी गई सेवाओं की बाबत उनके द्वारा की गई संविदाओं, करारों या उनकी बाबत हुई सहमति को दर्शित करते हुए निम्नलिखित की बाबत अभिलेख रखे जाएंगे :

- (क) कच्ची सामग्री, तैयार उत्पाद, प्रसंस्करण सामग्री, रासायनिक और स्क्रेप सहित अस्वीकृत माल आदि का क्रय और विक्रय ;
- (ख) संयंत्र सुविधाओं और तकनीकी व्यवहार ज्ञान का उपयोग ;
- (ग) उपयोगिताओं और किन्हीं अन्य सेवाओं का प्रदाय ;
- (घ) प्रशासनिक, तकनीकी, प्रबंधकीय अथवा कोई अन्य परामर्शी सेवाएं ;
- (ङ) संयंत्र और मशीनरी सहित पूंजीगत माल का क्रय और विक्रय ;
- (च) उत्पादन, प्रसंस्करण या निर्देशाधीन उत्पाद से संबंधित कोई अन्य संदाय ;

इन अभिलेखों में प्रभारित दरों को तय करना अथवा ऐसे उत्पादों के लिए संदाय करने के लिए अनुसरण किए गए आधारों को भी उपदर्शित किया जाएगा जिससे कि ऐसी दरों की युक्तियुक्तता का जहां तक कि उनका संबंध किसी भी रीति में निर्देशाधीन उत्पाद से है अवधारण किया जा सके।

(2) निम्न “संबंधित पक्षकार संबंध” द्वारा किए गए संव्यवहार उपनियम (1) के अन्तर्गत आएंगे :—

- (क) वे उद्यम जो प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः एक या अधिक मध्यवर्ती द्वारा नियंत्रित करते हैं अथवा रिपोर्टगत उद्यम (जिसके अन्तर्गत नियंत्रित कंपनी, समनुयुगी और सहयोगी समनुयुगी हैं) के द्वारा नियंत्रित की जाती हैं अथवा उनके सामान्य नियंत्रण में हैं ;
- (ख) रिपोर्टगत उद्यम के सहबद्ध और सहउद्यम और वे विनिधान पक्षकार अथवा उद्यम जिनकी बाबत रिपोर्टगत उद्यम कोई सहबद्ध अथवा सहउद्यम है ;
- (ग) व्यक्ति जो ऐसे, रिपोर्टगत उद्यम की प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः मत देने की शक्ति में हित रखते हैं जो उन्हें उद्यम के ऊपर नियंत्रण अथवा महत्वपूर्ण असर प्रदान करता है और किसी ऐसे व्यक्ति के नातेदार ;
- (घ) मुख्य प्रबंध कार्मिक और ऐसे कार्मिक के नातेदार ; और
- (ङ) ऐसे उद्यम जिनके ऊपर (ग) अथवा (घ) में वर्णित कोई व्यक्ति महत्वपूर्ण असर का प्रयोग करने में समर्थ है। इसके अंतर्गत निदेशकों अथवा रिपोर्टगत उद्यम के प्रमुख शेयरधारकों के स्वामित्वाधीन उद्यम और वे उद्यम हैं जिनके ऐसे मुख्य प्रबंध सदस्य हैं जो रिपोर्टगत उद्यम में भी सम्मिलित हैं।

तथापि, निम्नलिखित को “संबद्ध पक्षकार संबंध” समझा जाएगा :—

- (क) वे दो कंपनियां मात्र इस कारण कि उनका एक सम्मिलित निदेशक है, उपयुक्त पैरा (घ) अथवा (ङ) में किसी बात के होते हुए भी (जब तक कि निदेशक दोनों कंपनियों को परस्परिक व्यवहार में उनकी नीतियों को प्रभावित करने में समर्थ न हो) ;
- (ख) कोई एकल उपभोक्ता, प्रदायकर्ता, विशेषाधिकारी, संवितरक अथवा साधारण अभिकर्ता जिनके साथ कोई उद्यम, कारबार का महत्वपूर्ण संव्यवहार मात्र आर्थिक निर्भरता के परिणामस्वरूप करता है ; और
- (ग) नीचे सूचीबद्ध पक्षकार, जो अपने सामान्य व्यवहार में किसी उद्यम के साथ केवल उन्हीं व्यवहारों के कारण संव्यवहार करते हैं (यद्यपि वे उद्यम की कार्य करने की स्वतंत्रता को सीमित कर सकने अथवा उसकी विनिश्चय करने की प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे) ;
 - (i) वित्त उपलब्ध कराने वाले ;
 - (ii) व्यापार संघ ;

(iii) लोक उपयोगिताएं ;

(iv) सरकारी विभाग और सरकारी अधिकरण जिनके अंतर्गत सरकारी प्रायोजित निकाय भी हैं।

स्पष्टीकरण :—इन नियमों के प्रयोजन के लिए,—

- (क) "संबद्ध पक्षकार संबंध" से वे पक्षकार अभिप्रेत हैं जिन्हें किसी भी समय संबंधित समझा गया हो यदि रिपोर्टगत अवधि के दौरान एक पक्षकार अन्य पक्षकार को नियंत्रित करने की योग्यता रखता हो अथवा वित्तीय और/या प्रचालन संबंधी विनिश्चय करने में अन्य पक्षकार के ऊपर महत्वपूर्ण असर रखता हो;
- (ख) "सहबद्ध पक्षकार संव्यवहार" से संबद्ध पक्षकारों के बीच संसाधनों अथवा दायित्वों का अंतरण अभिप्रेत है, चाहे उसके लिए कीमत प्रभारित की गई हो या नहीं;
- (ग) "नियंत्रण" से निम्नलिखित अभिप्रेत है,—
- (i) किसी उद्यम की मत देने की शक्ति के आधे से अधिक का प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः स्वामित्व; या
 - (ii) किसी कंपनी की दशा में निदेशक बोर्ड की संरचना का नियंत्रण अथवा किसी अन्य उद्यम की दशा में तत्स्थानी शासी निकाय की संरचना का नियंत्रण; या
 - (iii) मतदान शक्ति में सारवान हित और उद्यम की वित्तीय और/या प्रचालन नीतियों को कानून या करार द्वारा निदेश देने की शक्ति।
- (घ) "महत्वपूर्ण असर" से किसी उद्यम की वित्तीय अथवा प्रचालन नीति विषयक विनिश्चयों में भाग लेना अभिप्रेत है किन्तु उन नीतियों का नियंत्रण नहीं;
- (ङ) "सहयुक्त" से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जिसमें कोई विनिधानकारी रिपोर्ट करने वाला पक्षकार महत्वपूर्ण असर रखता है और जो उक्त पक्षकार का न तो समनुपंगी है और न सहउद्यम है;
- (च) "सहयुक्त" से कोई ऐसी संविदात्मक ठहराव अभिप्रेत है जिसके द्वारा दो या अधिक पक्षकार किन्हीं आर्थिक क्रियाकलाप को अपने हाथ में लेते हैं और जो नियंत्रण के अधधीन है;
- (छ) "संयुक्त नियंत्रण" से किसी आर्थिक क्रियाकलाप की वित्तीय और प्रचालन संबंधी नीतियों को शासित करने के लिए संविदात्मक रूप से करार पाई शक्तियों में हिस्सा बंटाना अभिप्रेत है जिससे कि इससे फायदा अभिप्राप्त किया जा सके;
- (ज) "मुख्य प्रबंध कार्मिक" से वे व्यक्ति अभिप्रेत हैं जिनके पास रिपोर्ट करने वाले उद्यम के क्रियाकलापों की योजना, निदेशन और नियंत्रण करने का प्राधिकार और दायित्व है;
- (झ) किसी व्यक्ति के संबंध में, "जातेदार" से पति-पत्नी, पुत्र, पुत्री, भाई, बहन, पिता और माता अभिप्रेत हैं जो रक्त संबंध संस्कार हैं;
- (ञ) "नियंत्रि कंपनी" से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातर्गत कोई नियंत्रि कंपनी अभिप्रेत है;
- (ट) "समनुपंगी" से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातर्गत कोई समनुपंगी कंपनी अभिप्रेत है;
- (ठ) "सहयोगी समनुपंगी" से वह कंपनी अभिप्रेत है जो किसी अन्य कंपनी की सहयोगी समनुपंगी है यदि दोनों उसी नियंत्रि कंपनी की समनुपंगी हैं,
- (ड) "राज्य नियंत्रित उद्यम" से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जो केंद्रीय सरकार अथवा किसी राज्य सरकार के नियंत्रणाधीन है।

[फा. सं. 52 01/सीएबी-2001]

ए. रामास्वामी, संयुक्त सचिव,

पाद टिप्पणी :—मूल नियम सं. सा. का. नि. 601(अ) दिनांक 31-12-75 द्वारा प्रकाशित किए गए थे पश्चातवर्ती संशोधन निम्नलिखित द्वारा किए गए :—

1. सा. का. नि. 787, दिनांक 3-6-77
2. सा. का. नि. 528, दिनांक 18-12-79
3. सा. का. नि. 33, दिनांक 5-1-83
4. सा. का. नि. 556, दिनांक 22-7-89
5. सा. का. नि. 316(अ), दिनांक 24-3-93
6. सा. का. नि. 440(अ), दिनांक 3-8-98

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th September, 2001

G. S. R. 722 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 642, read with clause (d) of sub-section (1) of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Cost Accounting Records (Paper) Rules, 1975, namely :—

- 1 (1) These rules may be called the Cost Accounting Records (Paper) Amendment Rules, 2001.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

- 2 In the Cost Accounting Records (Paper) Rules, 1975 :—

in schedule I, for item XVIII and the entries relating thereto, the following shall be substituted namely :—

“XVIII. INTER-COMPANY TRANSFER :

- (1) In respect of related party transactions or supplies made or services rendered by a company to its holding company or subsidiary or a company termed “related party relationship” as defined below and vice-versa, records shall be maintained showing contracts entered into, agreements or understanding reached in respect of :
 - (a) purchase and sale of raw materials, finished products, process materials, chemicals and rejected goods including scraps, etc;
 - (b) utilisation of plant facilities and technical know-how;
 - (c) supply of utilities and any other services;
 - (d) administrative, technical, managerial or any other consultancy services;
 - (e) purchase and sale of capital goods including plant and machinery;
 - (f) any other payment related to production, processing or manufacturing of product under reference. These records shall also indicate the basis followed for arriving at the rates charged or paid for such products or services so as to enable determination of the reasonableness of such rates in so far as they are in any way related to product under reference.
- (2) The transactions by the following “related party relationships” shall be covered under sub-rule (1) :—
 - (a) enterprises that directly, or indirectly through one or more intermediaries, control, or are controlled by, or are under common control with, the reporting enterprise (this includes holding companies, subsidiaries and fellow subsidiaries);
 - (b) associates and joint ventures of the reporting enterprise and the investing party or venturer in respect of which the reporting enterprise is an associate or a joint venture;
 - (c) individuals owning, directly or indirectly, an interest in the voting power of the reporting enterprise that gives them control or significant influence over the enterprise, and relatives of any such individual;
 - (d) key management personnel and relatives of such personnel; and
 - (e) enterprises over which any person described in (c) or (d) is able to exercise significant influence. This includes enterprises owned by directors or major shareholders of the reporting enterprise and enterprises that have a member of key management in common with the reporting enterprise.

However, the following shall not be deemed as “related party relationships” :—

- (a) two companies simply because they have a Director in common, notwithstanding paragraph (d) or (e) above (unless the Director is able to affect the policies of both companies in their mutual dealings),
- (b) a single customer, supplier, franchiser, distributor, or general agent with whom an enterprise transacts a significant volume of business merely by virtue of the resulting economic dependence; and
- (c) the parties listed below, in the course of their normal dealings with an enterprise, by virtue only of those dealings (although they may circumscribe the freedom of action of the enterprise or participate in its decision-making process);
 - (i) providers of finance;
 - (ii) trade unions;

- (iii) public utilities,
- (iv) government departments and government agencies including government sponsored bodies,—

Explanation —For the purpose of these Rules,—

- (a) **“Related party relationship”** means parties who are considered to be related if at any time during the reporting period one party has the ability to control the other party or exercise significant influence over the other party in making financial and/or operating decisions,
- (b) **“Related party transaction”** means a transfer of resources or obligations between related parties, whether or not a price is charged,
- (c) **“Control”** means
 - (i) ownership, directly or indirectly, of more than one-half of the voting power of an enterprise, or
 - (ii) control of the composition of the Board of Directors in the case of a company or of the Composition of the corresponding governing body in case of any other enterprise, or
 - (iii) a substantial interest in voting power and the power to direct, by statute or agreement, the financial and/or operating policies of the enterprise
- (d) **“Significant influence”** means participation in the financial or operating policy decisions of an enterprise, but not control of those policies,
- (e) **“Associate”** means an enterprise in which an investing reporting party has significant influence and which is neither a subsidiary nor a joint venture of that party,
- (f) **“Joint venture”** means a contractual arrangement whereby two or more parties undertake an economic activity, which is subject to joint control,
- (g) **“Joint Control”** means the contractually agreed sharing of power to govern the financial and operating policies of an economic activity so as to obtain benefits from it,
- (h) **“Key management personnel”** means those persons who have the authority and responsibility for planning, directing and controlling the activities of the reporting enterprise,
- (i) **“Relative”**—in relation to an individual, means the spouse, son, daughter, brother, sister, father and mother who may connected by blood relationship,
- (j) **“Holding company”** means a holding company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956),
- (k) **“Subsidiary”** means a subsidiary company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956),
- (l) **“Fellow subsidiary”** means a company is said to be a fellow subsidiary of another company if both are subsidiaries of the same holding company,
- (m) **“State-controlled enterprise”** means an enterprise which is under the control of the Central Government or a State Government ”

[F No 52/01/CAB-2001]

A RAMASWAMY, It Secy

Foot Note.—The principal rules were published vide G S R number 601(E), dated the 31st December, 1975 and subsequently amended vide—

- 1 GSR 187, dated 3rd June, 1977
- 2 GSR 1528, dated 18th December, 1979
- 3 GSR 33, dated 5th January, 1983
- 4 GSR 556, dated 22nd July, 1989
- 5 GSR 316(E), dated 24th March, 1993
- 6 GSR 440(E), dated 3rd August, 1998

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 2001

सा. का. नि. 723(अ).—केंद्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (1) के खंड (घ) के साथ पठित धारा 642 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लागत लेखा अभिलेख (रेयन) नियम, 1976 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लागत लेखा अभिलेख (रेयन) संशोधन नियम, 2001 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागत लेखा अभिलेख (रेयन) नियम, 1976 में :—

अनुसूची 3 में, मद संख्या 22 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“23. अंतर-कंपनी अंतरण :

(1) किसी कंपनी द्वारा अपनी नियंत्री कंपनी या समनुपंगी अथवा किसी ऐसी कंपनी जिसे “संबद्ध पक्षकार संबंध” कहा गया है जैसा कि नीचे परिभाषित है और विपर्यय की बाबत संबद्ध पक्षकार संव्यवहार अथवा किए गए प्रदाय अथवा दी गई सेवाओं की बाबत उनके द्वारा की गई संविदाओं, करारों या उनकी बाबत हुई सहमति को दर्शित करते हुए निम्नलिखित की बाबत अभिलेख रखे जाएंगे :

(क) कच्ची सामग्री, तैयार उत्पाद, प्रसंस्करण सामग्री, रासायनिक और स्क्रेप सहित अस्वीकृत माल आदि का क्रय और विक्रय ;

(ख) संयंत्र सुविधाओं और तकनीकी व्यवहार ज्ञान का उपयोग;

(ग) उपयोगिताओं और किन्हीं अन्य सेवाओं का प्रदाय;

(घ) प्रशासनिक, तकनीकी प्रबंधकीय अथवा कोई अन्य परामर्शी सेवाएं ;

(ङ) संयंत्र और मशीनरी सहित पूंजीगत माल का क्रय और विक्रय ;

(च) उत्पादन, प्रसंस्करण या निर्देशाधीन उत्पाद से संबंधित कोई अन्य संदाय;

इन अभिलेखों में प्रभारित दरों को तय करना अथवा ऐसे उत्पादों के लिए संदाय करने के लिए अनुसरण किए गए आधारों को भी उपदर्शित किया जाएगा जिससे कि ऐसी दरों की युक्तियुक्तता का जहां तक कि उनका संबंध किसी भी रीति में निर्देशाधीन उत्पाद से है अवधारण किया जा सके।

(2) निम्न “संबंधित पक्षकार संबंध” द्वारा किए गए संव्यवहार उपनियम (1) के अन्तर्गत आएंगे :—

(क) वे उद्यम जो प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः एक या अधिक मध्यवर्ती द्वारा नियंत्रित करते हैं अथवा रिपोर्टगत उद्यम (जिनके अन्तर्गत नियंत्री कंपनी, समनुपंगी और सहयोगी समनुपंगी हैं) के द्वारा नियंत्रित की जाती हैं अथवा उनके सामान्य नियंत्रण में हैं;

(ख) रिपोर्टगत उद्यम के सहबद्ध और सहउद्यम और वे विनिधान पक्षकार अथवा उद्यम जिनकी बाबत रिपोर्टगत उद्यम कोई सहबद्ध अथवा सहउद्यम है;

(ग) व्यक्ति जो ऐसे, रिपोर्टगत उद्यम की प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः मत देने की शक्ति में हित रखते हैं जो उन्हें उद्यम के ऊपर नियंत्रण अथवा महत्वपूर्ण असर प्रदान करता है और किसी ऐसे व्यक्ति के नातेदार;

(घ) मुख्य प्रबंध कार्मिक और ऐसे कार्मिक के नातेदार; और

(ङ) ऐसे उद्यम जिनके ऊपर (ग) अथवा (घ) में वर्णित कोई व्यक्ति महत्वपूर्ण असर का प्रयोग करने में समर्थ है। इसके अंतर्गत निदेशकों अथवा रिपोर्टगत उद्यम के प्रमुख शेयरधारकों के स्वामित्वाधीन उद्यम और वे उद्यम हैं जिनके ऐसे मुख्य प्रबंध सदस्य हैं जो रिपोर्टगत उद्यम में भी सम्मिलित हैं।

तथापि, निम्नलिखित को “संबद्ध पक्षकार संबंध” समझा जाएगा :—

(क) वे दो कंपनियां मात्र इस कारण कि उनका एक सम्मिलित निदेशक है, उपर्युक्त पैरा (घ) अथवा (ङ) में किसी बात के होते हुए भी (जब तक कि निदेशक दोनों कंपनियों को परस्परिक व्यवहार में उनकी नीतियों को प्रभावित करने में समर्थ न हो);

(ख) कोई एकल उपभोक्ता, प्रदायकर्ता, विशेषाधिकारी, संवितरक अथवा साधारण अभिकर्ता जिनके साथ कोई उद्यम, कारबार का महत्वपूर्ण संव्यवहार मात्र आर्थिक निर्भरता के परिणामस्वरूप करता है; और

(ग) नीचे सूचीबद्ध पक्षकार, जो अपने सामान्य व्यवहार में किसी उद्यम के साथ केवल उन्हीं व्यवहारों के कारण संव्यवहार करते हैं (यद्यपि वे उद्यम की कार्य करने की स्वतंत्रता को सीमित कर सकने अथवा उसकी विनिश्चय करने की प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे);

(i) वित्त उपलब्ध कराने वाले;

(ii) व्यापार संघ;

(iii) लोक उपयोगिताएं ;

(iv) सरकारी विभाग और सरकारी आनकरण जिनके अंतर्गत सरकारी प्रायोजित निकाय भी हैं।

स्पष्टीकरण :—इन नियमों के प्रयोजन के लिए,—

- (क) “संबद्ध पक्षकार संबंध” से वे पक्षकार अभिप्रेत हैं जिन्हें किसी भी समय संबंधित समझा गया हो यदि रिपोर्टगत अवधि के दौरान एक पक्षकार अन्य पक्षकार को नियंत्रित करने की योग्यता रखता हो अथवा वित्तीय और/या प्रचालन संबंधी विनिश्चय करने में अन्य पक्षकार के ऊपर महत्वपूर्ण असर रखता हो;
- (ख) “सहबद्ध पक्षकार संव्यवहार” से संबद्ध पक्षकारों के बीच संसाधनों अथवा दायित्वों का अंतरण अभिप्रेत है, चाहे उसके लिए कीमत प्रभारित की गई हो या नहीं;
- (ग) “नियंत्रण” से निम्नलिखित अभिप्रेत है,—
- (i) किसी उद्यम की मत देने की शक्ति के आधे से अधिक का प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः स्वामित्व; या
- (ii) किसी कंपनी की दशा में निदेशक बोर्ड की संरचना का नियंत्रण अथवा किसी अन्य उद्यम की दशा में तत्स्थानी शासी निकाय की संरचना का नियंत्रण; या
- (iii) मतदान शक्ति में सारवान हित और उद्यम की वित्तीय और/या प्रचालन नीतियों को कानून या करार द्वारा निदेश देने की शक्ति।
- (घ) “महत्वपूर्ण असर” से किसी उद्यम की वित्तीय अथवा प्रचालन नीति विषयक विनिश्चयों में भाग लेना अभिप्रेत है किन्तु उन नीतियों का नियंत्रण नहीं;
- (ङ) “सहयुक्त” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जिसमें कोई विनिधानकारी रिपोर्ट करने वाला पक्षकार महत्वपूर्ण असर रखता है और जो उस पक्षकार का न तो समनुषंगी है और न सहउद्यम है;
- (च) “सहउद्यम” से कोई ऐसी संविदात्मक ठहराव अभिप्रेत है जिसके द्वारा दो या अधिक पक्षकार किसी आर्थिक क्रियाकलाप को अपने हाथ में लेते हैं और जो नियंत्रण के अध्वधीन है;
- (छ) “संयुक्त नियंत्रण” से किसी आर्थिक क्रियाकलाप की वित्तीय और प्रचालन संबंधी नीतियों को शासित करने के लिए संविदात्मक रूप से करार पाई शक्तियों में हिस्सा बंटाना अभिप्रेत है जिससे कि इससे फायदा अभिप्राप्त किया जा सके,
- (ज) “मुख्य प्रबंध कार्मिक” से वे व्यक्ति अभिप्रेत हैं जिनके पास रिपोर्ट करने वाले उद्यम के क्रियाकलापों की योजना, निदेशन और नियंत्रण करने का प्राधिकार और दायित्व है;
- (झ) किसी व्यक्ति के संबंध में, “नातेदार” से पति-पत्नी, पुत्र, पुत्री, भाई, बहन, पिता और माता अभिप्रेत हैं जो रक्त संबंध संस्कार हैं;
- (ञ) “नियंत्रि कंपनी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातर्गत कोई नियंत्रि कंपनी अभिप्रेत है;
- (ट) “समनुषंगी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातर्गत कोई समनुषंगी कंपनी अभिप्रेत है,
- (ठ) “सहयोगी समनुषंगी” से वह कंपनी अभिप्रेत है जो किसी अन्य कंपनी की सहयोगी समनुषंगी है यदि दोनों उसी नियंत्रि कंपनी की समनुषंगी हैं;
- (ड) “राज्य नियंत्रित उद्यम” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जो केंद्रीय सरकार अथवा किसी राज्य सरकार के नियंत्रणाधीन है।

[फा. सं 52/01/सीएबी-2001]

ए. रामास्वामी, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पण :—मूल नियम सा. का. नि. सं. 606 दिनांक 20-4-76 द्वारा प्रकाशित किए गए थे पश्चातवर्ती संशोधन निम्नलिखित द्वारा किए गए :—

1. सा. का. नि. 788, दिनांक 3-6-77
2. सा. का. नि. 34, दिनांक 5-1-83
3. सा. का. नि. 557, दिनांक 22-7-89
4. सा. का. नि. 317(अ), दिनांक 24-3-93
5. सा. का. नि. 441(अ), दिनांक 3-8-98
6. सा. का. नि. 694(अ), दिनांक 31-8-2000

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th September, 2001

G. S. R. 723(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 642, read with clause (d) of sub-section (1) of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Cost Accounting Records (Rayon) Rules, 1976, namely :—

1. (1) These rules may be called the Cost Accounting Records (Rayon) Amendment Rules, 2001.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Cost Accounting Records (Rayon) Rules, 1976 :—

in Schedule III, after item number 22 and the entries relating thereto, the following shall be inserted namely :—

“23. INTER-COMPANY TRANSFER:

- (1) In respect of related party transactions or supplies made or services rendered by a company to its holding company or subsidiary or a company termed “related party relationship” as defined below and vice-versa, records shall be maintained showing contracts entered into, agreements or understanding reached in respect of :

- (a) purchase and sale of raw materials, finished products, process materials, chemicals and rejected goods including scraps, etc.;
- (b) utilisation of plant facilities and technical know-how;
- (c) supply of utilities and any other services;
- (d) administrative, technical, managerial or any other consultancy services;
- (e) purchase and sale of capital goods including plant and machinery;
- (f) any other payment related to production, processing or manufacturing of product under reference. These records shall also indicate the basis followed for arriving at the rates charged or paid for such products or services so as to enable determination of the reasonableness of such rates in so far as they are in any way related to product under reference.

- (2) The transactions by the following “related party relationships” shall be covered under sub-rule (1) :—

- (a) enterprises that directly, or indirectly through one or more intermediaries, control, or are controlled by, or are under common control with, the reporting enterprise (this includes holding companies, subsidiaries and fellow subsidiaries);
- (b) associates and joint venture^o of the reporting enterprise and the investing party or venturer in respect of which the reporting enterprise is an associate or a joint venture;
- (c) individuals owning, directly or indirectly, an interest in the voting power of the reporting enterprise that gives them control or significant influence over the enterprise, and relatives of any such individual;
- (d) key management personnel and relatives of such personnel; and
- (e) enterprises over which any person described in (c) or (d) is able to exercise significant influence. This includes enterprises owned by directors or major shareholders of the reporting enterprise and enterprises that have a member of key management in common with the reporting enterprise.

However, the following shall not be deemed as “related party relationships” :—

- (a) two companies simply because they have a Director in common, notwithstanding paragraph (d) or (c) above (unless the Director is able to affect the policies of both companies in their mutual dealings);
- (b) a single customer, supplier, franchiser, distributor, or general agent with whom an enterprise transacts a significant volume of business merely by virtue of the resulting economic dependence; and
- (c) the parties listed below, in the course of their normal dealings with an enterprise by virtue only of those dealings (although they may circumscribe the freedom of action of the enterprise or participate in its decision-making process) :
 - (i) providers of finance;
 - (ii) trade unions;

- (iii) public utilities;
- (iv) government departments and government agencies including government sponsored bodies.

Explanation :—For the purpose of these Rules,—

- (a) **“Related party relationships”** means parties who are considered to be related if at any time during the reporting period one party has the ability to control the other party or exercise significant influence over the other party in making financial and/or operating decisions;
- (b) **“Related party transaction”** means a transfer of resources or obligations between related parties, whether or not a price is charged;
- (c) **“Control”** means
 - (i) ownership, directly or indirectly, of more than one-half of the voting power of an enterprise; or
 - (ii) control of the composition of the Board of Directors in the case of a company or of the Composition of the corresponding governing body in case of any other enterprise; or
 - (iii) a substantial interest in voting power and the power to direct, by statute or agreement, the financial and/or operating policies of the enterprise.
- (d) **“Significant influence”** means participation in the financial or operating policy decisions of an enterprise, but not control of those policies,
- (e) **“Associate”** means an enterprise in which an investing reporting party has significant influence and which is neither a subsidiary nor a joint venture of that party;
- (f) **“Joint venture”** means a contractual arrangement whereby two or more parties undertake an economic activity, which is subject to joint control,
- (g) **“Joint Control”** means the contractually agreed sharing of power to govern the financial and operating policies of an economic activity so as to obtain benefits from it;
- (h) **“Key management personnel”** means those persons who have the authority and responsibility for planning, directing and controlling the activities of the reporting enterprise;
- (i) **“Relative”**—in relation to an individual, means the spouse, son, daughter, brother, sister, father and mother who may be connected by blood relationship,
- (j) **“Holding company”** means a holding company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956),
- (k) **“Subsidiary”** means a subsidiary company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (l) **“Fellow subsidiary”** means a company is said to be a fellow subsidiary of another company if both are subsidiaries of the same holding company;
- (m) **“State-controlled enterprise”** means an enterprise which is under the control of the Central Government or a State Government.

[F. No. 52/01/CAB-2001]

A. RAMASWAMY, Jt. Secy.

Foot Note.—The principal rules were published vide G.S.R. No. 606, dated the 20th April, 1976 and subsequently amended vide—

1. G.S.R. 788, dated 3rd June, 1977.
2. G.S.R. 34, dated 5th January, 1983.
3. G.S.R. 557, dated 22nd July, 1989.
4. G.S.R. 317(E), dated 24th March, 1993.
5. G.S.R. 441(E), dated 3rd August, 1998.
6. G.S.R. 694(E), dated 31st August, 2000.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 2001

सा. का. नि. 724(अ).—केंद्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (1) के खंड (घ) के साथ पठित धारा 642 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लागत लेखा अभिलेख (रंजक) नियम, 1976 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लागत लेखा अभिलेख (रंजक) संशोधन नियम, 2001 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागत लेखा अभिलेख (रंजक) नियम, 1976 में :—

अनुसूची 1 में, मद संख्या XX और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“XX. अंतर-कंपनी अंतरण :

(1) किसी कंपनी द्वारा अपनी नियंत्रि कंपनी या समनुषंगी अथवा किसी ऐसी कंपनी जिसे “संबद्ध पक्षकार संबंध” कहा गया है जैसा कि नीचे परिभाषित है और विपर्यय की बाबत संबद्ध पक्षकार संव्यवहार अथवा किए गए प्रदाय अथवा दी गई सेवाओं की बाबत उनके द्वारा की गई संविदाओं, करारों या उनकी बाबत हुई सहमति को दर्शित करते हुए निम्नलिखित की बाबत अभिलेख रखे जाएंगे :

- (क) कच्ची सामग्री, तैयार उत्पाद, प्रसंस्करण सामग्री, रासायनिक और स्ट्रेप सहित अस्वीकृत माल आदि का क्रय और विक्रय ;
- (ख) संयंत्र सुविधाओं और तकनीकी व्यवहार ज्ञान का उपयोग ;
- (ग) उपयोगिताओं और किन्हीं अन्य सेवाओं का प्रदाय ;
- (घ) प्रशासनिक, तकनीकी, प्रबंधकीय अथवा कोई अन्य परामर्शी सेवाएं ;
- (ङ) संयंत्र और मशीनरी सहित पूंजीगत माल का क्रय और विक्रय ;
- (च) उत्पादन, प्रसंस्करण या निर्देशाधीन उत्पाद से संबंधित कोई अन्य संदाय ;

इन अभिलेख में प्रभारित दरों को तय करना अथवा ऐसे उत्पादों के लिए संदाय करने के लिए अनुसरण किए गए आधारों को भी उपदर्शित किया जाएगा जिससे कि ऐसी दरों की युक्तियुक्तता का जहां तक कि उनका संबंध किसी भी रीति में निर्देशाधीन उत्पाद से है अवधारण किया जा सके।

- (2) निम्न “संबंधित पक्षकार संबंध” द्वारा किए गए संव्यवहार उपनियम (1) के अन्तर्गत आएंगे :—

- (क) वे उद्यम जो प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः एक या अधिक मध्यवर्ती द्वारा नियंत्रित करते हैं अथवा रिपोर्टिंग उद्यम (जिसके अन्तर्गत नियंत्रि कंपनी, समनुषंगी और सहयोगी समनुषंगी हैं) के द्वारा नियंत्रित की जाती हैं अथवा उनके सामान्य नियंत्रण में हैं ;
- (ख) रिपोर्टिंग उद्यम के सहबद्ध और सहउद्यम और वे विनिधान पक्षकार अथवा उद्यम जिनकी बाबत रिपोर्टिंग उद्यम कोई सहबद्ध अथवा सहउद्यम है ;
- (ग) व्यक्ति जो ऐसे, रिपोर्टिंग उद्यम की प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः मत देने की शक्ति में हित रखते हैं जो उन्हें उद्यम के ऊपर नियंत्रण अथवा महत्वपूर्ण असर प्रदान करता है और किसी ऐसे व्यक्ति के नातेदार ;
- (घ) मुख्य प्रबंध कार्मिक और ऐसे कार्मिक के नातेदार ; और
- (ङ) ऐसे उद्यम जिनके ऊपर (ग) अथवा (घ) में वर्णित कोई व्यक्ति महत्वपूर्ण असर का प्रयोग करने में समर्थ है। इसके अंतर्गत निदेशकों अथवा रिपोर्टिंग उद्यम के प्रमुख शेरधारकों के स्वामित्वाधीन उद्यम और वे उद्यम हैं जिनके ऐसे मुख्य प्रबंध सदस्य हैं जो रिपोर्टिंग उद्यम में भी सम्मिलित हैं।

तथापि, निम्नलिखित को “संबद्ध पक्षकार संबंध” समझा जाएगा :—

- (क) वे दो कंपनियां मात्र इस कारण कि उनका एक सम्मिलित निदेशक है, उपर्युक्त पैरा (घ) अथवा (ङ) में किसी बात के होते हुए भी (जब तक कि निदेशक दोनों कंपनियों को पारस्परिक व्यवहार में उनकी नीतियों को प्रभावित करने में समर्थ न हो) ;
 - (ख) कोई एकल उपभोक्ता, प्रदायकर्ता, विशेषाधिकारी, संवितरक अथवा साधारण अभिकर्ता जिनके साथ कोई उद्यम, कारबार का महत्वपूर्ण संव्यवहार मात्र आर्थिक निर्भरता के परिणामस्वरूप करता है ; और
 - (ग) नीचे सूचीबद्ध पक्षकार, जो अपने सामान्य व्यवहार में किसी उद्यम के साथ केवल उन्हीं व्यवहारों के कारण संव्यवहार करते हैं (यद्यपि वे उद्यम की कार्य करने की स्वतंत्रता को सीमित कर सकने अथवा उसकी विनिश्चय करने की प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे ;
- (i) वित्त उपलब्ध कराने वाले ;
 - (ii) व्यापार संघ ;

(iii) लोक उपयोगिताएं ;

(iv) सरकारी विभाग और सरकारी अधिकरण जिनके अंतर्गत सरकारी प्रायोजित निकाय भी हैं।

स्पष्टीकरण :—इन नियमों के प्रयोजन के लिए,—

- (क) “संबद्ध पक्षकार संबंध” से वे पक्षकार अभिप्रेत हैं जिन्हें किसी भी समय संबंधित समझा गया हो यदि रिपोर्टगत अवधि के दौरान एक पक्षकार अन्य पक्षकार को नियंत्रित करने की योग्यता रखता हो अथवा वित्तीय और/या प्रचालन संबंधी विनिश्चय करने में अन्य पक्षकार के ऊपर महत्वपूर्ण असर रखता हो;
- (ख) “सहबद्ध पक्षकार संव्यवहार” से संबद्ध पक्षकारों के बीच संसाधनों अथवा दायित्वों का अंतरण अभिप्रेत है, चाहे उसके लिए कीमत प्रभारित की गई हो या नहीं;
- (ग) “नियंत्रण” से निम्नलिखित अभिप्रेत है,—
- (i) किसी उद्यम की मत देने की शक्ति के आधे से अधिक का प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः स्वामित्व; या
 - (ii) किसी कंपनी की दशा में निदेशक बोर्ड की संरचना का नियंत्रण अथवा किसी अन्य उद्यम की दशा में तत्स्थानी शासी निकाय की संरचना का नियंत्रण; या
 - (iii) मतदान शक्ति में सारथान हित और उद्यम की वित्तीय और/या प्रचालन नीतियों को कानून या करार द्वारा निदेश देने की शक्ति।
- (घ) “महत्वपूर्ण असर” से किसी उद्यम की वित्तीय अथवा प्रचालन नीति विषयक विनिश्चयों में भाग लेना अभिप्रेत है किन्तु उन नीतियों का नियंत्रण नहीं;
- (ङ) “सहयुक्त” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जिसमें कोई विनिधानकारी रिपोर्ट करने वाला पक्षकार महत्वपूर्ण असर रखता है और जो उस पक्षकार का न तो समनुपंगी है और न सहउद्यम है;
- (च) “सहउद्यम” से कोई ऐसी संविदात्मक ठहराव अभिप्रेत है जिसके द्वारा दो या अधिक पक्षकार किसी आर्थिक क्रियाकलाप को अपने हाथ में लेते हैं और जो नियंत्रण के अध्वधीन है;
- (छ) “संयुक्त नियंत्रण” से किसी आर्थिक क्रियाकलाप की वित्तीय और प्रचालन संबंधी नीतियों को शासित करने के लिए संविदात्मक रूप से करार पाई शक्तियों में हिस्सा बंटाना अभिप्रेत है जिससे कि इससे फायदा अभिप्राप्त किया जा सके;
- (ज) “मुख्य संबंध कार्मिक” से वे व्यक्ति अभिप्रेत हैं जिनके पास रिपोर्ट करने वाले उद्यम के क्रियाकलापों की योजना, निदेशन और नियंत्रण करने का प्राधिकार और दायित्व है;
- (झ) किसी व्यक्ति के संबंध में, “नातेदार” से पति-पत्नी, पुत्र, पुत्री, भाई, बहन, पिता और माता अभिप्रेत हैं जो रक्त संबंध संस्कार हैं;
- (अ) “नियंत्रि कंपनी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थात्गत कोई नियंत्रि कंपनी अभिप्रेत है;
- (इ) “समनुपंगी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थात्गत कोई समनुपंगी कंपनी अभिप्रेत है;
- (ठ) “सहयोगी समनुपंगी” से वह कंपनी अभिप्रेत है जो किसी अन्य कंपनी की सहयोगी समनुपंगी है यदि दोनों उसी नियंत्रि कंपनी की समनुपंगी हैं;
- (ड) “राज्य नियंत्रित उद्यम” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जो केंद्रीय सरकार अथवा किसी राज्य सरकार के नियंत्रणाधीन है।

[फा. सं. 52/01/सीएबी-2001]

ए. रामास्वामी, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पण :—मूल नियम सा. का. नि.सं. 605 दिनांक 22-4-76 द्वारा प्रकाशित किए गए थे पश्चातवर्ती संशोधन निम्नलिखित द्वारा किए गए :—

1. सा. का. नि. 791, दिनांक 3-6-77
2. सा. का. नि. 1276, दिनांक 10-10-79
3. सा. का. नि. 35, दिनांक 5-1-83
4. सा. का. नि. 558, दिनांक 22-7-89
5. सा. का. नि. 318(अ), दिनांक 24-3-93
6. सा. का. नि. 442(अ), दिनांक 3-8-98

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th September, 2001

G. S. R. 724 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 642, read with clause (d) of sub-section (1) of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Cost Accounting Records (Dyes) Rules, 1976, namely :—

1. (1) These rules may be called the Cost Accounting Records (Dyes) Amendment Rules, 2001.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Cost Accounting Records (Dyes) Rules, 1976 :—
in schedule I, for item XX and the entries relating thereto, the following shall be substituted namely :—

“XX. INTER-COMPANY TRANSFER:

- (1) In respect of related party transactions or supplies made or services rendered by a company to its holding company or subsidiary or a company termed “related party relationship” as defined below and vice-versa, records shall be maintained showing contracts entered into, agreements or understanding reached in respect of :
 - (a) purchase and sale of raw materials, finished products, process materials, chemicals and rejected goods including scraps, etc.
 - (b) utilisation of plant facilities and technical know-how;
 - (c) supply of utilities and any other services;
 - (d) administrative, technical, managerial or any other consultancy services;
 - (e) purchase and sale of capital goods including plant and machinery;
 - (f) any other payment related to production, processing or manufacturing of product under reference. These records shall also indicate the basis followed for arriving at the rates charged or paid for such products or services so as to enable determination of the reasonableness of such rates in so far as they are in any way related to product under reference.
- (2) The transactions by the following “related party relationships” shall be covered under sub-rule (1) :—
 - (a) enterprises that directly, or indirectly through one or more intermediaries, control, or are controlled by, or are under common control with, the reporting enterprise (this includes holding companies, subsidiaries and fellow subsidiaries);
 - (b) associates and joint ventures of the reporting enterprise and the investing party or venturer in respect of which the reporting enterprise is an associate or a joint venture;
 - (c) individuals owning, directly or indirectly, an interest in the voting power of the reporting enterprise that gives them control or significant influence over the enterprise, and relatives of any such individual;
 - (d) key management personnel and relatives of such personnel; and
 - (e) enterprises over which any person described in (c) or (d) is able to exercise significant influence. This includes enterprises owned by directors or major shareholders of the reporting enterprise and enterprises that have a member of key management in common with the reporting enterprise.

However, the following shall not be deemed as “related party relationships” :—

- (a) two companies simply because they have a Director in common, notwithstanding paragraph (d) or (e) above (unless the Director is able to affect the policies of both companies in their mutual dealings);
- (b) a single customer, supplier, franchiser, distributor, or general agent with whom an enterprise transacts a significant volume of business merely by virtue of the resulting economic dependence; and
- (c) the parties listed below, in the course of their normal dealings with an enterprise by virtue only of those dealings (although they may circumscribe the freedom of action of the enterprise or participate in its decision-making process);
 - (i) providers of finance;
 - (ii) trade unions;

(iii) public utilities;

(iv) government departments and government agencies including government sponsored bodies,—

Explanation :—For the purpose of these Rules,—

- (a) **“Related party relationships”** means parties who are considered to be related if at any time during the reporting period one party has the ability to control the other party or exercise significant influence over the other party in making financial and/or operating decisions;
- (b) **“Related party transaction”** means a transfer of resources or obligations between related parties, whether or not a price is charged;
- (c) **“Control”** means
 - (i) ownership, directly or indirectly, of more than one-half of the voting power of an enterprise; or
 - (ii) control of the composition of the Board of Directors in the case of a company or of the Composition of the corresponding governing body in case of any other enterprise; or
 - (iii) a substantial interest in voting power and the power to direct, by statute or agreement, the financial and/or operating policies of the enterprise.
- (d) **“Significant influence”** means participation in the financial or operating policy decisions of an enterprise, but not control of those policies;
- (e) **“Associate”** means an enterprise in which an investing reporting party has significant influence and which is neither a subsidiary nor a joint venture of that party;
- (f) **“Joint venture”** means a contractual arrangement whereby two or more parties undertake an economic activity, which is subject to joint control;
- (g) **“Joint Control”** means the contractually agreed sharing of power to govern the financial and operating policies of an economic activity so as to obtain benefits from it;
- (h) **“Key management personnel”** means those persons who have the authority and responsibility for planning, directing and controlling the activities of the reporting enterprise;
- (i) **“Relative”**—in relation to an individual, means the spouse, son, daughter, brother, sister, father and mother who may connected by blood relationship;
- (j) **“Holding company”** means a holding company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (k) **“Subsidiary”** means a subsidiary company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (l) **“Fellow subsidiary”** means a company is said to be a fellow subsidiary of another company if both are subsidiaries of the same holding company;
- (m) **“State-controlled enterprise”** means an enterprise which is under the control of the Central Government or a State Government.”

[F. No. 52/01/CAB-2001]

A. RAMASWAMY, Jt. Secy.

Foot Note—The principal rules were published vide G.S.R. number 605, dated the 22nd April, 1976 and subsequently amended vide—

1. GSR 791, dated 3rd June, 1977.
2. GSR 1276, dated 10th October, 1979.
3. GSR 35, dated 5th January, 1983.
4. GSR 558, dated 22nd July, 1989.
5. GSR 318(E), dated 24th March, 1993.
6. GSR 442(E), dated 3rd August, 1998.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 मितम्बर, 2001

सा. का. नि. 725(अ).—केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (1) के खंड (घ) के साथ पठित धारा 642 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लागत लेखा अभिलेख (सोडा क्षार) नियम, 1976 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लागत लेखा अभिलेख (सोडा क्षार) संशोधन नियम, 2001 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागत लेखा अभिलेख (सोडा क्षार) नियम, 1976 में :—

अनुसूची 1 में, मद संख्या 19 और उसमें संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“19. अंतर-कंपनी अंतरण :

(1) किसी कंपनी द्वारा अपनी नियंत्री कंपनी या समनुपंगी अथवा किसी ऐसी कंपनी जिसे “संबद्ध पक्षकार संबंध” कहा गया है जैसा कि नीचे परिभाषित है और विपर्यय की बाबत संबद्ध पक्षकार संव्यवहार अथवा किए गए प्रदाय अथवा दी गई सेवाओं की बाबत उनके द्वारा की गई संविदाओं, करारों या उनकी बाबत हुई सहमति को दर्शित करते हुए निम्नलिखित की बाबत अभिलेख रखे जाएंगे :

(क) कच्ची सामग्री, तैयार उत्पाद, प्रसंस्करण सामग्री, रासायनिक और स्क्रैप सहित अस्वीकृत माल आदि का क्रय और विक्रय ;

(ख) संयंत्र सुविधाओं और तकनीकी व्यवहार ज्ञान का उपयोग;

(ग) उपयोगिताओं और किन्हीं अन्य सेवाओं का प्रदाय ;

(घ) परासैनिक, तकनीकी प्रबंधकीय अथवा कोई अन्य परामर्शी सेवाएं ;

(ङ) संयंत्र और मशीनरी सहित पूंजीगत माल का क्रय और विक्रय ;

(च) उत्पादन, प्रसंस्करण या निर्देशाधीन उत्पाद से संबंधित कोई अन्य संदाय;

इन अभिलेखों में प्रभाषित दरों को तय करना अथवा ऐसे उत्पादों के लिए संदाय करने के लिए अनुमरण किए गए आधारों को भी उपदर्शित किया जाएगा कि ऐसी दरों की युक्तियुक्तता का जहां तक कि उनका संबंध किसी भी रीति में निर्देशाधीन उत्पाद से है अवधारण किया जा सके।

(2) निम्न “संबंधित पक्षकार संबंध” द्वारा किए गए संव्यवहार उपनियम (1) के अन्तर्गत आएंगे :—

(क) वे उद्यम जो प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः एक या अधिक मध्यवर्ती द्वारा नियंत्रित करते हैं अथवा रिपोर्टिंग उद्यम (जिनके अन्तर्गत नियंत्री कंपनी, समनुपंगी और सहयोगी समनुपंगी हैं) के द्वारा नियंत्रित की जाती हैं अथवा उनके सामान्य नियंत्रण में हैं;

(ख) रिपोर्टिंग उद्यम के सहयुद्ध और सहउद्यम और वे विनिधान पक्षकार अथवा उद्यम जिनकी बाबत रिपोर्टिंग उद्यम कोई सहयुद्ध अथवा सहउद्यम है;

(ग) व्यक्ति जो ऐसे, रिपोर्टिंग उद्यम की प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः मत देने की शक्ति में हित रखते हैं जो उन्हें उद्यम के ऊपर नियंत्रण अथवा महत्वपूर्ण असर प्रदान करता है और किसी ऐसे व्यक्ति के नातेदार;

(घ) मुख्य प्रबंध कार्मिक और ऐसे कार्मिक के नातेदार; और

(ङ) ऐसे उद्यम जिनके ऊपर (ग) अथवा (घ) में वर्णित कोई व्यक्ति महत्वपूर्ण असर का प्रयोग करने में समर्थ है। इसके अंतर्गत निर्देशकों अथवा रिपोर्टिंग उद्यम के प्रमुख शेयरधारकों के स्वामित्वाधीन उद्यम और वे उद्यम हैं जिनके ऐसे मुख्य प्रबंध सदस्य हैं जो रिपोर्टिंग उद्यम में भी सम्मिलित हैं।

तथापि, निम्नलिखित को “संबद्ध पक्षकार संबंध” समझा जाएगा :—

(क) वे दो कंपनियां मात्र इस कारण कि उनका एक सम्मिलित निर्देशक है, उपर्युक्त पैरा (घ) अथवा (ङ) में किसी बात के होते हुए भी (जब तक कि निर्देशक दोनों कंपनियों को परस्परिक व्यवहार में उनकी नीतियों को प्रभावित करने में समर्थ न हो);

(ख) कोई एकल उपभोक्ता, प्रदायकर्ता, विशेषाधिकारी, संवितरक अथवा साधारण अभिकर्ता जिनके साथ कोई उद्यम, कारखाना का महत्वपूर्ण संव्यवहार मात्र आर्थिक निर्भरता के परिणामस्वरूप करता है; और

(ग) नीचे सूचीबद्ध पक्षकार, जो अपने सामान्य व्यवहार में किसी उद्यम के साथ केवल उन्हीं व्यवहारों के कारण संव्यवहार करते हैं (तथापि वे उद्यम की कार्य करने की स्वतंत्रता को सीमित कर सकने अथवा उसकी विनिश्चय करने की प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे):

(i) वित्त उपलब्ध कराने वाले;

(ii) व्यापार संघ;

(iii) लोक उपयोगिताएं ;

(iv) सरकारी विभाग और सरकारी अभिकरण निम्नके अंतर्गत सरकारी प्रायोजित निकाय भी हैं।

स्पष्टीकरण :—इन नियमों के प्रयोजन के लिए,—

- (क) “संबद्ध पक्षकार संबंध” से वे पक्षकार अभिप्रेत हैं जिन्हें किसी भी समय संबंधित समझा गया हो यदि रिपोर्टगत अवधि के दौरान एक पक्षकार अन्य पक्षकार को नियंत्रित करने की योग्यता रखता हो अथवा वित्तीय और/या प्रचालन संबंधी विनिश्चय करने में अन्य पक्षकार के ऊपर महत्वपूर्ण असर रखता हो;
- (ख) “सहबद्ध पक्षकार संव्यवहार” से संबद्ध पक्षकारों के बीच संसाधनों अथवा दायित्वों का अंतरण अभिप्रेत है, चाहे उसके लिए कीमत प्रभारित की गई हो या नहीं;
- (ग) “नियंत्रण” से निम्नलिखित अभिप्रेत है,—
 - (i) किसी उद्यम की मत देने की शक्ति के आधे से अधिक का प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः स्वामित्व; या
 - (ii) किसी कंपनी की दशा में निदेशक बोर्ड की संरचना का नियंत्रण अथवा किसी अन्य उद्यम की दशा में तत्स्थानी शासी निकाय की संरचना का नियंत्रण; या
 - (iii) मतदान शक्ति में सारवान हित और उद्यम की वित्तीय और/या प्रचालन नीतियों को कानून या करार द्वारा निदेश देने की शक्ति।
- (घ) “महत्वपूर्ण असर” से किसी उद्यम की वित्तीय अथवा प्रचालन नीति विषयक विनिश्चयों में भाग लेना अभिप्रेत है किन्तु उन नीतियों का नियंत्रण नहीं;
- (ङ) “सहयुक्त” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जिनमें कोई विनिधानकारी रिपोर्ट करने वाला पक्षकार महत्वपूर्ण असर रखता है और जो उस पक्षकार का न तो समनुपंगी है और न सहउद्यम है;
- (च) “सहउद्यम” से कोई ऐसी संविदात्मक ठहराव अभिप्रेत है जिसके द्वारा दो या अधिक पक्षकार किसी आर्थिक क्रियाकलाप को अपने हाथ में लेते हैं और जो नियंत्रण के अध्वधीन है;
- (छ) “संयुक्त नियंत्रण” से किसी आर्थिक क्रियाकलाप की वित्तीय और प्रचालन संबंधी नीतियों को शासित करने के लिए संविदात्मक रूप से करार पाई शक्तियों में हिस्सा बंटाना अभिप्रेत है जिससे कि इससे फायदा अभिप्राप्त किया जा सके;
- (ज) “मुख्य प्रबंध कार्मिक” से वे व्यक्ति अभिप्रेत हैं जिनके पास रिपोर्ट करने वाले उद्यम के क्रियाकलापों की योजना, निदेशन और नियंत्रण करने का प्राधिकार और दायित्व है;
- (झ) किसी व्यक्ति के संबंध में, “नातेदार” से पति-पत्नी, पुत्र, पुत्री, भाई, बहन, पिता और माता अभिप्रेत हैं जो रक्त संबंध संस्कार हैं;
- (ञ) “नियंत्रि कंपनी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातर्गत कोई नियंत्रि कंपनी अभिप्रेत है;
- (ट) “समनुपंगी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातर्गत कोई समनुपंगी कंपनी अभिप्रेत है;
- (ठ) “सहयोगी समनुपंगी” से वह कंपनी अभिप्रेत है जो किसी अन्य कंपनी की सहयोगी समनुपंगी है यदि दोनों उसी नियंत्रि कंपनी की समनुपंगी हैं;
- (ड) “राज्य नियंत्रित उद्यम” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जो केन्द्रीय सरकार अथवा किसी राज्य सरकार के नियंत्रणाधीन है।

[फा. सं. 52/01/सीएबी-2001]

ए. रामास्वामी, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पण :—मूल नियम सं. सा.का.नि.1720 दिनांक 29-5-76 द्वारा प्रकाशित किए गए थे पश्चात्पूर्व संशोधन निम्नलिखित द्वारा किए गए :—

1. सा. का. नि. 790, दिनांक 3-6-77
2. सा. का. नि. 36, दिनांक 5-1-83
3. सा. का. नि. 559, दिनांक 22-7-89
4. सा. का. नि. 319(अ), दिनांक 24-3-93
5. सा. का. नि. 443(अ), दिनांक 3-8-98

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th September, 2001

G. S. R. 725(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of section 642, read with clause (d) of Sub-section (1) of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Cost Accounting Records (Soda Ash) Rules, 1976, namely :—

1. (1) These rules may be called the Cost Accounting records (Soda Ash) Amendment Rules, 2001.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Cost Accounting Records (Soda Ash) Rules, 1976 :—
in schedule, I, for item number XIX and the entries relating thereto, the following shall be inserted namely :—

“XIX. INTER-COMPANY TRANSFER :

(1) In respect of related party transactions or supplies made or services rendered by a company to its holding company or subsidiary or a company trend “related party relationship” as defined below and vice-versa, records shall be maintained showing contracts entered into, agreements or understanding reached in respect of :

- (a) purchase and sale of raw materials, finished products, process materials, chemicals and rejected goods including scraps, etc;
- (b) utilisation of plant facilities and technical know-how;
- (c) supply of utilities and any other services;
- (d) administrative, technical, managerial or any other consultancy services;
- (e) purchase and sale of capital goods including plant and machinery;
- (f) any other payment related to production, processing or manufacturing of product under reference.

These records shall also indicate the basis followed for arriving at the rates charged or paid for such products or services so as to enable determination of the reasonableness of such rates in so far as they are in any way related to product under reference.

(2) The transactions by the following “related party relationships” shall be covered under sub-rule (1) :—

- (a) enterprises that directly, or indirectly through one or more intermediaries, control, or are controlled by, or are under common control with, the reporting enterprise (this includes holding companies, subsidiaries and fellow subsidiaries);
- (b) associates and joint ventures of the reporting enterprise and the investing party or venturer in respect of which the reporting enterprise is an associate or a joint venture;
- (c) individuals owning, directly or indirectly, an interest in the voting power of the reporting enterprise that gives them control or significant influence over the enterprise, and relatives of any such individual;
- (d) key management personnel and relatives of such personnel; and
- (e) enterprises over which any person described in (c) or (d) is able to exercise significant influence. This includes enterprises owned by directors or major shareholders of the reporting enterprise and enterprises that have a member of key management in common with the reporting enterprise.

However, the following shall not be deemed as “related party relationships” :—

- (a) two companies simply because they have a Director in common, notwithstanding paragraph (d) or (e) above (unless the Director is able to affect the policies of both companies in their mutual dealings);
- (b) a single customer, supplier, franchiser, distributor, or general agent with whom an enterprise transacts a significant volume of business merely by virtue of the resulting economic dependence; and
- (c) the parties listed below, in the course of their normal dealings with an enterprise by virtue only of those dealings (although they may circumscribe the freedom of action of the enterprise or participate in its decision-making process),
 - (i) provisions of finance,
 - (ii) trade unions,

3034024/2801/00

(iii) public utilities;

(iv) government departments and government agencies including government sponsored bodies.

Explanation :—For the purpose of these Rules,—

- (a) **“Related party relationships”** means parties who are considered to be related if at any time during the reporting period one party has the ability to control the other party or exercise significant influence over the other party in making financial and/or operating decisions;
- (b) **“Related party transaction”** means a transfer of resources or obligations between related parties, whether or not a price is charged,
- (c) **“Control”** means
 - (i) ownership, directly or indirectly, of more than onehalf of the voting power of an enterprise; or
 - (ii) control of the composition of the Board of Director in the case of a company or of the composition of the corresponding governing body in case of any other enterprise; or
 - (iii) a substantial interest in voting power and the power to direct, by statute of agreement, the financial and/or operating policies of the enterprise.
- (d) **“Significant influence”** means participation in the financial or operating policy decisions of an enterprise, but not control of those policies;
- (e) **“Associate”** means an enterprise in which an investing reporting party has significant influence and which is neither a subsidiary nor a joint venture of that party;
- (f) **“Joint venture”** means a contractual arrangement whereby two or more parties undertake an economic activity, which is subject to joint control;
- (g) **“Joint control”** means the contractually agreed sharing of power to govern the financial and operating policies of an economic activity so as to obtain benefits from it;
- (h) **“Key management personnel”** means those persons who have the authority and responsibility for planning, directing and controlling the activities of the reporting enterprise,
- (i) **“Relative”**—in relation to an individual, means the spouse, son, daughter, brother, sister, father and mother who may connected by blood relationship;
- (j) **“Holding company”** means a holding company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956),
- (k) **“Subsidiary”** means a subsidiary company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (l) **“Fellow subsidiary”** means a company is said to be a fellow subsidiary of another company if both are subsidiaries of the same holding company;
- (m) **“State-controlled enterprise”** means an enterprise which is under the control of the Central Government or a State Government.”

[F. No. 52/01/CAB-2001]

A RAMASWAMY, Jt. Secy.

FOOT NOTE :—The principal rules were published vide No G.S.R. 1720, dated the 29th May, 1976 and subsequently amended vide —

1. GSR 790, dated 3rd June, 1977
2. GSR 36, dated 5th January, 1983
3. GSR 559, dated 22nd July, 1989
4. GSR 319(E), dated 24th March, 1993
5. GSR 443(E), dated 3rd August, 1998

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 2001

सा. का. नि. 726(अ).—केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (1) के खंड (घ) के साथ पठित धारा 642 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लागत लेखा अभिलेख (नायलोन) नियम, 1977 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लागत लेखा अभिलेख (नायलोन) संशोधन नियम, 2001 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागत लेखा अभिलेख (नायलोन) नियम, 1977 में :—

अनुसूची 3 में, मद संख्या 22 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“ 23. अंतर-कंपनी अंतरण :

(1) किसी कंपनी द्वारा अपनी नियंत्री कंपनी या समनुषंगी अथवा किसी ऐसी कंपनी जिसे “संबद्ध पक्षकार संबंध” कहा गया है जैसा कि नीचे परिभाषित है और विपर्यय की बाबत संबद्ध पक्षकार संव्यवहार अथवा किए गए प्रदाय अथवा दी गई सेवाओं की बाबत उनके द्वारा की गई संविदाओं, करारों या उनकी बाबत हुई सहमति को दर्शित करते हुए निम्नलिखित की बाबत अभिलेख रखे जाएंगे :

- (क) कच्ची सामग्री, तैयार उत्पाद, प्रसंस्करण सामग्री, रासायनिक और स्क्रेप सहित अस्वीकृत माल आदि का क्रय और विक्रय;
- (ख) संयंत्र सुविधाओं और तकनीकी व्यवहार ज्ञान का उपयोग;
- (ग) उपयोगिताओं और किन्हीं अन्य सेवाओं का प्रदाय;
- (घ) प्रशासनिक, तकनीकी, प्रबंधकीय अथवा कोई अन्य परामर्शी सेवाएं;
- (ङ) संयंत्र और मशीनरी सहित पूंजीगत माल का क्रय और विक्रय;
- (च) उत्पादन, प्रसंस्करण या निर्देशाधीन उत्पाद से संबंधित कोई अन्य संदाय;

इन अभिलेखों में प्रभाषित दरों को तय करना अथवा ऐसे उत्पादों के लिए संदाय करने के लिए अनुसरण किए गए आधारों को भी उपदर्शित किया जाएगा जिससे कि ऐसी दरों की युक्तियुक्तता का जहां तक कि उनका संबंध किसी भी रीति में निर्देशाधीन उत्पाद से है अवधारण किया जा सके।

(2) निम्न “संबंधित पक्षकार संबंध” द्वारा किए गए संव्यवहार उपनियम (1) के अंतर्गत आएंगे :—

- (क) वे उद्यम जो प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः एक या अधिक मध्यवर्ती द्वारा नियंत्रित करते हैं अथवा रिपोर्टिंग उद्यम (जिसके अंतर्गत नियंत्री कंपनी, समनुषंगी और सहयोगी समनुषंगी है) के द्वारा नियंत्रित की जाती हैं अथवा उनके सामान्य नियंत्रण में हैं ;
- (ख) रिपोर्टिंग उद्यम के सहबद्ध और सहउद्यम और वे विनिधान पक्षकार अथवा उद्यम जिनकी बाबत रिपोर्टिंग उद्यम कोई सहबद्ध अथवा सहउद्यम है;
- (ग) व्यक्ति जो ऐसे, रिपोर्टिंग उद्यम की प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः मत देने की शक्ति में हित रखते हैं जो उन्हें उद्यम के ऊपर नियंत्रण अथवा महत्वपूर्ण असर प्रदान करता है और किसी ऐसे व्यक्ति के नातेदार;
- (घ) मुख्य प्रबंध कार्मिक और ऐसे कार्मिक के नातेदार; और
- (ङ) ऐसे उद्यम जिनके ऊपर (ग) अथवा (घ) में वर्णित कोई व्यक्ति महत्वपूर्ण असर का प्रयोग करने में समर्थ है। इसके अंतर्गत निदेशकों अथवा रिपोर्टिंग उद्यम के प्रमुख शेयरधारकों के स्वामित्वाधीन उद्यम और वे उद्यम हैं जिनके ऐसे मुख्य प्रबंध सदस्य हैं जो रिपोर्टिंग उद्यम में भी सम्मिलित हैं।

तथापि, निम्नलिखित को “संबद्ध पक्षकार संबंध” समझा जाएगा :—

- (क) वे दो कंपनियां मात्र इस कारण कि उनका एक सम्मिलित निदेशक है, उपर्युक्त पैरा (घ) अथवा (ङ) में किसी बात के होते हुए भी (जब तक कि निदेशक दोनों कंपनियों को पास्परिक व्यवहार में उनकी नीतियों को प्रभावित करने में समर्थ न हो);
- (ख) कोई एकल उपभोक्ता, प्रदायकर्ता, विशेषाधिकारी, संवितरक अथवा साधारण अभिकर्ता जिनके साथ कोई उद्यम, कारखाना का महत्वपूर्ण संव्यवहार मात्र आर्थिक निर्भरता के परिणामस्वरूप करता है; और
- (ग) नीचे सूचीबद्ध पक्षकार, जो अपने सामान्य व्यवहार में किसी उद्यम के साथ केवल उन्हीं व्यवहारों के कारण संव्यवहार करते हैं यद्यपि वे उद्यम की कार्य करने की स्वतंत्रता को सीमित कर सकें अथवा उनकी विनिश्चय करने की प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे;
 - (i) वित्त उपलब्ध कराने वाले;
 - (ii) व्यापार संघ;

(iii) लोक उपयोगिताएं ;

(iv) सरकारी विभाग और सरकारी अभिकरण जिनके अंतर्गत सरकारी प्रायोजित निकाय भी हैं।

स्पष्टीकरण :—इन नियमों के प्रयोजन के लिए,—

- (क) “संबद्ध पक्षकार संबंध” से वे पक्षकार अभिप्रेत हैं जिन्हें किसी भी समय संबंधित समझा गया हो यदि रिपोर्टिंग अवधि के दौरान एक पक्षकार अन्य पक्षकार को नियंत्रित करने की योग्यता रखता हो अथवा वित्तीय और/या प्रचालन संबंधी विनिश्चय करने में अन्य पक्षकार के ऊपर महत्वपूर्ण असर रखता हो;
- (ख) “सहबद्ध पक्षकार संव्यवहार” से संबद्ध पक्षकारों के बीच संसाधनों अथवा दायित्वों का अंतरण अभिप्रेत है, चाहे उसके लिए कीमत प्रभारित की गई हो या नहीं;
- (ग) “नियंत्रण” से निम्नलिखित अभिप्रेत है,—
- (i) किसी उद्यम की मत देने की शक्ति के आधे से अधिक का प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः स्वामित्व; या
 - (ii) किसी कंपनी की दशा में निदेशक बोर्ड की संरचना का नियंत्रण अथवा किसी अन्य उद्यम की दशा में तत्स्थानी शासी निकाय की संरचना का नियंत्रण; या
 - (iii) मतदान शक्ति में सारवान हित और उद्यम की वित्तीय और/या प्रचालन नीतियों को कानून या करार द्वारा निदेश देने की शक्ति।
- घ) “महत्वपूर्ण असर” से किसी उद्यम की वित्तीय अथवा प्रचालन नीति विषयक विनिश्चयों में भाग लेना अभिप्रेत है किन्तु उन नीतियों का नियंत्रण नहीं;
- (ङ) “सहयुक्त” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जिसमें कोई विनिधानकारी रिपोर्ट करने वाला पक्षकार महत्वपूर्ण असर रखता है और जो पक्षकार का न तो समनुषंगी है और न सहउद्यम है;
- (च) “सहउद्यम” से कोई ऐसी संविदात्मक ठहराव अभिप्रेत है जिसके द्वारा दो या अधिक पक्षकार किसी आर्थिक क्रियाकलाप को अपने हाथ में लेते हैं और जो नियंत्रण के अध्वधीन है;
- (छ) “संयुक्त नियंत्रण” से किसी आर्थिक क्रियाकलाप की वित्तीय और प्रचालन संबंधी नीतियों को शामिल करने के लिए संविदात्मक रूप से करार पाई शक्तियों में हिस्सा बंटना अभिप्रेत है जिससे कि इसमें फायदा अभिप्राप्त किया जा सके;
- (ज) “मुख्य पबंध कार्मिक” से वे व्यक्ति अभिप्रेत हैं जिनके पास रिपोर्ट करने वाले उद्यम के क्रियाकलापों की योजना, निदेशन और नियंत्रण करने का प्राधिकार और दायित्व है;
- (झ) किसी व्यक्ति के संबंध में, “नातेदार” से पति-पत्नी, पुत्र, पुत्री, भाई, बहन, पिता और माता अभिप्रेत हैं जो रक्त संबंध संस्कार हैं;
- (ञ) “नियंत्रि कंपनी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातर्गत कोई नियंत्रि कंपनी अभिप्रेत है;
- (ट) “समनुषंगी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातर्गत कोई कंपनी अभिप्रेत है ;
- (ठ) “सहयोगी समनुषंगी” से वह कंपनी अभिप्रेत है जो किसी अन्य कंपनी की सहयोगी समनुषंगी है यदि दोनों उसी नियंत्रि कंपनी की समनुषंगी हैं,
- (ड) “राज्य नियंत्रित उद्यम” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जो केन्द्रीय सरकार अथवा किसी राज्य सरकार के नियंत्रणाधीन है।

[फा. सं. 52/01/सोएबी-2001]

ए. रामास्वामी, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पण :—मूल नियम सं. सा. का. नि. 157(अ) दिनांक 1-4-77 द्वारा प्रकाशित किए गए थे पश्चातवर्ती संशोधन निम्नलिखित द्वारा किए गए :—

1. सा. का. नि. 33, दिनांक 5-1-83
2. सा. का. नि. 560, दिनांक 22-7-89
3. सा. का. नि. 320(अ), दिनांक 24-3-93
4. सा. का. नि. 445(अ), दिनांक 3-8-98
5. सा. का. नि. 695(अ), दिनांक 31-8-2000

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th September, 2001

G. S. R. 726(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 642, read with clause (d) of sub-section (1) of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Cost Accounting records (**Nylon**) Rules, 1977, namely —

1. (1) These rules may be called the Cost Accounting Records (**Nylon**) Amendment Rules, 2001

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Cost Accounting Records (**Nylon**) Rules, 1977 —

in schedule, III, after item number 22 and the entries relating thereto, the following shall be inserted namely :—

“23. INTER-COMPANY TRANSFER

(1) In respect of related party transactions or supplies made or services rendered by a company to its holding company or subsidiary or a company termed “related party relationship” as defined below and vice-a-versa, records shall be maintained showing contracts entered into, agreements or understanding reached in respect of

- (a) purchase and sale of raw materials, finished products, process materials, chemicals and rejected goods including scraps, etc,
- (b) utilisation of plant facilities and technical know-how,
- (c) supply of utilities and any other services;
- (d) administrative, technical, managerial or any other consultancy services,
- (e) purchase and sale of capital goods including plant and machinery;
- (f) any other payment related to production, processing or manufacturing of product under reference.

These records shall also indicate the basis followed for arriving at the rates charged or paid for such products or services so as to enable determination of the reasonableness of such rates in so far as they are in any way related to product under reference.

(2) The transactions by the following “related party relationships” shall be covered under sub-rule (1) —

- (a) enterprises that directly, or indirectly through one or more intermediaries, control, or are controlled by, or are under common control with, the reporting enterprise (this includes holding companies, subsidiaries and fellow subsidiaries),
- (b) associates and joint ventures of the reporting enterprise and the investing party or venturer in respect of which the reporting enterprise is an associate or a joint venture,
- (c) individuals owning, directly or indirectly, an interest in the voting power of the reporting enterprises that gives them control or significant influence over the enterprise, and relatives of any such individual;
- (d) key management personnel and relatives of such personnel; and
- (e) enterprises over which any person described in (c) or (d) is able to exercise significant influence. This includes enterprises owned by Directors or major shareholders of the reporting enterprise and enterprises that have a member of key management in common with the reporting enterprise

However, the following shall not be deemed as “related party relationships” —

- (a) two companies simply because they have a Director in common, notwithstanding paragraph (d) or (e) above (unless the Director is able to affect the policies of both companies in their mutual dealings);
- (b) a single customer, supplier, franchiser, distributor, or general agent with whom an enterprise transacts a significant volume of business merely by virtue of the resulting economic dependence, and
- (c) the parties listed below, in the course of their normal dealings with an enterprise by virtue only of those dealings (although they may circumscribe the freedom of action of the enterprise or participate in its decision-making process);
 - (i) providers of finance;
 - (ii) trade unions,

(iii) public utilities;

(iv) Government departments and Government agencies including Government sponsored bodies

Explanation :—For the purpose of these Rules,—

- (a) **“Related party relationships”** means parties who are considered to be related if at any time during the reporting period one party has the ability to control the other party or exercise significant influence over the other party in making financial and/or operating decisions;
- (b) **“Related party transaction”** means a transfer of resources or obligations between related parties, whether or not a price is charged;
- (c) **“Control”** means
 - (i) ownership, directly or indirectly, of more than one-half of the voting power of an enterprise; or
 - (ii) control of the composition of the Board of Directors in the case of a company or of the composition of the corresponding governing body in case of any other enterprise; or
 - (iii) a substantial interest in voting power and the power to direct, by statute of agreement, the financial and/or operating policies of the enterprise
- (d) **“Significant influence”** means participation in the financial or operating policy decisions of an enterprise, but not control of those policies;
- (e) **“Associate”** means an enterprise in which an investing reporting party has significant influence and which is neither a subsidiary nor a joint venture of that party;
- (f) **“Joint venture”** means a contractual arrangement where by two or more parties undertake an economic activity, which is subject to joint control,
- (g) **“Joint control”** means the contractually agreed sharing of power to govern the financial and operating policies of an economic activity so as to obtain benefits from it.
- (h) **“Key management personnel”** means those persons who have the authority and responsibility for planning, directing and controlling the activities of the reporting enterprise;
- (i) **“Relative”**- in relation to an individual, means the spouse, son, daughter, brother, sister, father and mother who may connected by blood relationship,
- (j) **“Holding company”** means a holding company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956),
- (k) **“Subsidiary”** means a subsidiary company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (l) **“Fellow subsidiary”** means a company is said to be a fellow subsidiary of another company if both are subsidiaries of the same holding company,
- (m) **“State-controlled enterprise”** means an enterprise which is under the control of the Central Government or a State Government ”

[F No 52/01/CAB-2001]

A. RAMASWAMY, Jt Secy.

Foot Note —The principal rules were published vide number G.S.R. 157(E), dated the 1st April, 1997 and subsequently amended vide --

- 1 GSR 38, dated 5th January, 1983
- 2 GSR 560, dated 22nd July, 1989
- 3 GSR 320(E), dated 24th March, 1993
- 4 GSR 445(I), dated 3rd August, 1998
- 5 GSR 695(E), dated 31st August, 2000

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 मितम्बर, 2001

सा. का. नि. 727(अ).—केंद्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (1) के खंड (घ) के साथ पठित धारा 642 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लागत लेखा अभिलेख (पालिएन्स्टर) नियम, 1977 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लागत लेखा अभिलेख (पालिएन्स्टर) संशोधन नियम, 2001 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागत लेखा अभिलेख (पालिएन्स्टर) नियम, 1977 में :—

अनुसूची 3 में, मद संख्या 22 और उसमें संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“ 23. अंतर-कंपनी अंतरण :

(1) किसी कंपनी द्वारा अपनी नियंत्री कंपनी या समनुपंगी अथवा किसी ऐसी कंपनी जिसे “संबद्ध पक्षकार संबंध” कहा गया है जैसा कि नीचे परिभाषित है और विपर्यय की बाबत संबद्ध पक्षकार संव्यवहार अथवा किए गए प्रदाय अथवा दी गई सेवाओं की बाबत उनके द्वारा की गई संविदाओं, करारों या उनकी बाबत हुई सहमति को दर्शित करते हुए निम्नलिखित की बाबत अभिलेख रख जाएंगे :

- (क) कच्ची सामग्री, तैयार उत्पाद, प्रसंस्करण सामग्री, रासायनिक और स्कैप सहित अस्वीकृत माल आदि का क्रय और विक्रय ;
- (ख) संयंत्र सुविधाओं और तकनीकी व्यवहार ज्ञान का उपयोग ;
- (ग) उपयोगिताओं और किन्हीं अन्य सेवाओं का प्रदाय ;
- (घ) प्रशासनिक, तकनीकी प्रबंधकीय अथवा कोई अन्य परामर्शी सेवाएं ;
- (ङ) संयंत्र और मशीनरी सहित पूंजीगत माल का कय और विक्रय ;
- (च) उत्पादन, प्रसंस्करण या निर्देशाधीन उत्पाद से संबंधित कोई अन्य संदाय ;

इन अभिलेखों में प्रभाषित दलों को तय करना अथवा ऐसे उत्पादों के लिए संदाय करने के लिए अनुमरण किए गए आधारों को भी उपदर्शित किया जाएगा जिससे कि ऐसी दलों की युक्तियुक्तता का जहां तक कि उनका संबंध किसी भी रीति में निर्देशाधीन उत्पाद से है अवधारण किया जा सके।

(2) निम्न “संबंधित पक्षकार संबंध” द्वारा किए गए संव्यवहार उपनियम (1) के अन्तर्गत आएंगे :—

- (क) वे उद्यम जो प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः एक या अधिक मध्यवर्ती द्वारा नियंत्रित करते हैं अथवा रिपोर्टिंग उद्यम (जिसके अन्तर्गत नियंत्री कंपनी, समनुपंगी और सहयोगी समनुपंगी हैं) के द्वारा नियंत्रित की जाती हैं अथवा उनके सामान्य नियंत्रण में हैं ;
- (ख) रिपोर्टिंग उद्यम के सहबद्ध और सहउद्यम और वे विनिधान पक्षकार अथवा उद्यम जिनकी बाबत रिपोर्टिंग उद्यम कोई सहबद्ध अथवा सहउद्यम है ;
- (ग) व्यक्ति जो ऐसे, रिपोर्टिंग उद्यम की प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः मत देने की शक्ति में हित रखते हैं जो उन्हें उद्यम के ऊपर नियंत्रण अथवा महत्वपूर्ण असर प्रदान करता है और किसी ऐसे व्यक्ति के नातेदार ;
- (घ) मुख्य प्रबंध कार्मिक और ऐसे कार्मिक के नातेदार ; और
- (ङ) ऐसे उद्यम जिनके ऊपर (ग) अथवा (घ) में वर्णित कोई व्यक्ति महत्वपूर्ण असर का प्रयोग करने में समर्थ है। इसके अंतर्गत निदेशकों अथवा रिपोर्टिंग उद्यम के प्रमुख शेयरधारकों के स्वामित्वाधीन उद्यम और वे उद्यम हैं जिनके ऐसे मुख्य प्रबंध सदस्य हैं जो रिपोर्टिंग उद्यम में भी सम्मिलित हैं।

तथापि, निम्नलिखित को “संबद्ध पक्षकार संबंध” समझा जाएगा :—

- (क) वे दो कंपनियां मात्र इस कारण कि उनका एक सम्मिलित निदेशक है, उपर्युक्त पैरा (घ) अथवा (ङ) में किसी बात के होते हुए भी (जब तक कि निदेशक दोनों कंपनियों को परस्परिक व्यवहार में उनकी नीतियों को प्रभावित करने में समर्थ न हो) ;
 - (ख) कोई एकल उपभोक्ता, प्रदायकर्ता, विशेषाधिकारी, संवितरक अथवा साधारण अधिकर्ता जिनके साथ कोई उद्यम, कारबार का महत्वपूर्ण संव्यवहार मात्र आर्थिक निर्भरता के परिणामस्वरूप करता है ; और
 - (ग) नीचे सूचीबद्ध पक्षकार, जो अपने सामान्य व्यवहार में किसी उद्यम के साथ केवल उन्हीं व्यवहारों के कारण संव्यवहार करते हैं (यद्यपि वे उद्यम की कार्य करने की स्वतंत्रता को सीमित कर सकने अथवा उसकी विनिश्चय करने की प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे ;
- (i) वित्त उपलब्ध कराने वाले ;
 - (ii) व्यापार संघ ;

(iii) लोक उपयोगिताएँ ;

(iv) सरकारी विभाग और सरकारी अधिकरण जिनका अंतर्गत सरकारी प्रायोजित निकाय भी हैं।

स्पष्टीकरण :— इन नियमों के प्रयोजन के लिए,—

- (क) “संबद्ध पक्षकार संबंध” से वे पक्षकार अभिप्रेत हैं जिन्हें किसी भी समय संबंधित समझा गया हो यदि रिपोर्टिंग अवधि के दौरान एक पक्षकार-अन्य पक्षकार को नियंत्रित करने की योग्यता रखता हो अथवा वित्तीय और/या प्रचालन संबंधी विनिश्चय करने में अन्य पक्षकार के ऊपर महत्वपूर्ण असर रखता हो;
- (ख) “सहबद्ध पक्षकार व्यवहार” से संबद्ध पक्षकारों के बीच संसाधनों अथवा दायित्वों का अंतरण अभिप्रेत है, चाहे उसके लिए कीमत प्रभावित की गई हो या नहीं;
- (ग) “नियंत्रण” से निम्नलिखित अभिप्रेत है,—
- (i) किसी उद्यम की मजदूरी देने की शक्ति के आधे से अधिक का प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः स्वामित्व; या
 - (ii) किसी कंपनी की दशा में निदेशक बोर्ड की संरचना का नियंत्रण अथवा किसी अन्य उद्यम की दशा में तत्स्थानी शासी निकाय की संरचना का नियंत्रण; या
 - (iii) मतदान शक्ति में सारवान हित और उद्यम की वित्तीय और/या प्रचालन नीतियों को कानून या करार द्वारा निदेश देने की शक्ति।
- (घ) “महत्वपूर्ण असर” से किसी उद्यम की वित्तीय अथवा प्रचालन नीति विषयक विनिश्चयों में भाग लेना अभिप्रेत है किन्तु उन नीतियों का नियंत्रण नहीं;
- (ङ) “सहयुक्त” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जिनमें कोई विनिधानकारी रिपोर्ट करने वाला पक्षकार महत्वपूर्ण असर रखता है और जो पक्षकार का न तो समनुपंगी है और न सहउद्यम है;
- (च) “सहउद्यम” से कोई ऐसी संविदात्मक ठहराव अभिप्रेत है जिसके द्वारा दो या अधिक पक्षकार किसी आर्थिक क्रियाकलाप को अपने हाथ में लेते हैं और जो नियंत्रण के अध्वधीन है;
- (छ) “संयुक्त नियंत्रण” से किसी आर्थिक क्रियाकलाप की वित्तीय और प्रचालन संबंधी नीतियों को शासित करने के लिए संविदात्मक रूप से करार पाई शक्तियों में हिस्सा बंटना अभिप्रेत है जिसमें कि इससे फायदा अभिप्राप्त किया जा सके;
- (ज) “मुख्य संबंध कार्मिक” से वे व्यक्ति अभिप्रेत हैं जिनके पास रिपोर्ट करने वाले उद्यम के क्रियाकलापों की योजना, निदेशन और नियंत्रण करने का प्राधिकार और दायित्व है;
- (झ) किसी व्यक्ति के संबंध में, “नातेदार” से पति-पत्नी, पुत्र, पुत्री, भाई, बहन, पिता और माता अभिप्रेत हैं जो रक्त संबंध संस्कार हैं;
- (ञ) “नियंत्रि कंपनी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातर्गत कोई नियंत्रि कंपनी अभिप्रेत है;
- (ट) “समनुपंगी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातर्गत कोई समनुपंगी कंपनी अभिप्रेत है ;
- (ठ) “सहयोगी समनुपंगी” से वह कंपनी अभिप्रेत है जो किसी अन्य कंपनी की सहयोगी समनुपंगी है यदि दोनों उसी नियंत्रि कंपनी की समनुपंगी हैं;
- (ड) “राज्य नियंत्रित उद्यम” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जो केन्द्रीय सरकार अथवा किसी राज्य सरकार के नियंत्रणाधीन है।

[फा. सं. 52/01/सीएबी-2001]

ए. रामास्वामी, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पण :— मूल नियम सं. सा. का. नि. 126(अ) दिनांक 24-3-77 द्वारा प्रकाशित किए गए थे पश्चातवर्ती संशोधन निम्नलिखित द्वारा किए गए :—

1. सा. का. नि. 37, दिनांक 5-1-83
2. सा. का. नि. 561, दिनांक 22-7-89
3. सा. का. नि. 321(अ), दिनांक 24-3-93
4. सा. का. नि. 444(अ), दिनांक 3-8-98
5. सा. का. नि. 692(अ), दिनांक 31-8-2000

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th September, 2001

G. S. R. 727(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 642, read with clause (d) of Sub-section (1) of Section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Cost Accounting Records (**Polyester**) Rules, 1977, namely :—

1. (1) These rules may be called the Cost Accounting records (**Polyester**) Amendment Rules, 2001.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Cost Accounting Records (Polyester) Rules, 1977 :—

In schedule, III, after item number 22 and the entries relating thereto, the following shall be inserted namely :—

“23. INTER-COMPANY TRANSFER :

(1) In respect of related party transactions or supplies made or services rendered by a company to its holding company or subsidiary or a company termed “related party relationship” as defined below and *vice-a-versa*, records shall be maintained showing contracts entered into, agreements or understanding reached in respect of :

- (a) purchase and sale of raw materials, finished products, process materials, chemicals and rejected goods including scraps, etc;
- (b) utilisation of plant facilities and technical know-how;
- (c) supply of utilities and any other services;
- (d) administrative, technical, managerial or any other consultancy services;
- (e) purchase and sale of capital goods including plant and machinery;
- (f) any other payment related to production, processing or manufacturing of product under reference.

These records shall also indicate the basis followed for arriving at the rates charged or paid for such products or services so as to enable determination of the reasonableness of such rates in so far as they are in any way related to product under reference.

- (2) The transactions by the following “related party relationships” shall be covered under sub-rule (1) :—
- (a) enterprises that directly, or indirectly through one or more intermediaries, control, or are controlled by, or are under common control with, the reporting enterprise (this includes holding companies, subsidiaries and fellow subsidiaries);
- (b) associates and joint ventures of the reporting enterprise and the investing party or venturer in respect of which the reporting enterprise is an associate or a joint venture;
- (c) individuals owning, directly or indirectly, an interest in the voting power of the reporting enterprise that gives them control or significant influence over the enterprise, and relatives of any such individual;
- (d) key management personnel and relatives of such personnel; and
- (e) enterprises over which any person described in (c) or (d) is able to exercise significant influence. This includes enterprises owned by directors or major shareholders of the reporting enterprise and enterprises that have a member of key management in common with the reporting enterprise.

However, the following shall not be deemed as “related party relationships” :—

- (a) two companies simply because they have a Director in common, notwithstanding paragraph (d) or (e) above (unless the Director is able to affect the policies of both companies in their mutual dealings);
- (b) a single customer, supplier, franchiser, distributor, or general agent with whom an enterprise transacts a significant volume of business merely by virtue of the resulting economic dependence; and
- (c) the parties listed below, in the course of their normal dealings with an enterprise by virtue only of those dealings (although they may circumscribe the freedom of action of the enterprise or participate in its decision-making process);
 - (i) providers of finance;
 - (ii) trade unions;

(iii) public utilities;

(iv) government departments and government agencies including government sponsored bodies.

Explanation :—For the purpose of these Rules,—

- (a) **“Related party relationships”** means parties who are considered to be related if at any time during the reporting period one party has the ability to control the other party or exercise significant influence over the other party in making financial and/or operating decisions;
- (b) **“Related party transaction”** means a transfer of resources or obligations between related parties, whether or not a price is charged;
- (c) **“Control”** means
 - (i) ownership, directly or indirectly, of more than one-half of the voting power of an enterprise; or
 - (ii) control of the composition of the Board of Directors in the case of a company or of the composition of the corresponding governing body in case of any other enterprise; or
 - (iii) a substantial interest in voting power and the power to direct, by statute or agreement, the financial and/or operating policies of the enterprise.
- (d) **“Significant influence”** means participation in the financial or operating policy decisions of an enterprise, but not control of those policies;
- (e) **“Associate”** means an enterprise in which an investing reporting party has significant influence and which is neither a subsidiary nor a joint venture of that party;
- (f) **“Joint venture”** means a contractual arrangement whereby two or more parties undertake an economic activity, which is subject to joint control;
- (g) **“Joint control”** means the contractually agreed sharing of power to govern the financial and operating policies of an economic activity so as to obtain benefits from it;
- (h) **“Key management personnel”** means those persons who have the authority and responsibility for planning, directing and controlling the activities of the reporting enterprise;
- (i) **“Relative”**—in relation to an individual, means the spouse, son, daughter, brother, sister, father and mother who may be connected by blood relationship;
- (j) **“Holding company”** means a holding company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (k) **“Subsidiary”** means a subsidiary company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (l) **“Fellow subsidiary”** means a company is said to be a fellow subsidiary of another company if both are subsidiaries of the same holding company;
- (m) **“State-controlled enterprise”** means an enterprise which is under the control of the Central Government or a State Government.”

[F. No. 52/01/CAB-2001]

A. RAMASWAMY, Jt. Secy.

Foot Note :—The principal rules were published vide number G.S.R. 126(E), dated the 24th July, 1977 and subsequently amended vide :—

1. GSR 37, dated 5th January, 1983.
2. GSR 561, dated 22nd July, 1989.
3. GSR 321(E), dated 24th March, 1993.
4. GSR 444(E), dated 3rd August, 1998.
5. GSR 692(E), dated 31st August, 2000.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 2001

सा. का. नि. 728(अ).—केंद्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (1) के खंड (घ) के साथ पठित धारा 642 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लागत लेखा अभिलेख (सूती वस्त्र) नियम, 1977 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लागत लेखा अभिलेख (सूती वस्त्र) संशोधन नियम, 2001 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागत लेखा अभिलेख (सूती वस्त्र) नियम, 1977 में :—

अनुसूची 3 में, मद संख्या 22 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“23. अंतर-कंपनी अंतरण :

(1) किसी कंपनी द्वारा अपनी नियंत्री कंपनी या समनुषंगी अथवा किसी ऐसी कंपनी जिसे “संबद्ध पक्षकार संबंध” कहा गया है जैसा कि नीचे परिभाषित है और विपर्यय की बाबत संबद्ध पक्षकार संव्यवहार अथवा किए गए प्रदाय अथवा दी गई सेवाओं की बाबत उनके द्वारा की गई संविदाओं, करारों या उनकी बाबत हुई सहमति को दर्शित करते हुए निम्नलिखित की बाबत अभिलेख रखे जाएंगे :

- (क) कच्ची सामग्री, तैयार उत्पाद, प्रसंस्करण सामग्री, रासायनिक और स्क्रेप सहित अस्वीकृत माल आदि का क्रय और विक्रय ;
- (ख) संयंत्र सुविधाओं और तकनीकी व्यवहार ज्ञान का उपयोग ;
- (ग) उपयोगिताओं और किन्हीं अन्य सेवाओं का प्रदाय ;
- (घ) प्रशासनिक, तकनीकी प्रबंधकीय अथवा कोई अन्य परामर्शी सेवाएं ;
- (ङ) संयंत्र और मशीनरी सहित पूंजीगत माल का क्रय और विक्रय ;
- (च) उत्पादन, प्रसंस्करण या निर्देशाधीन उत्पाद से संबंधित कोई अन्य संदाय ;

इन अभिलेखों में प्रभारित दरों को तय करना अथवा ऐसे उत्पादों के लिए संदाय करने के लिए अनुसरण किए गए आधारों को भी उपदर्शित किया जाएगा जिससे कि ऐसी दरों की युक्तियुक्तता का जहां तक कि उनका संबंध किसी भी रीति में निर्देशाधीन उत्पाद से है अवधारण किया जा सके।

(2) निम्न “संबंधित पक्षकार संबंध” द्वारा किए गए संव्यवहार उपनियम (1) के अन्तर्गत आएंगे :—

- (क) वे उद्यम जो प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः एक या अधिक मध्यवर्ती द्वारा नियंत्रित करते हैं अथवा रिपोर्टिंग उद्यम (जिसके अन्तर्गत नियंत्री कंपनी, समनुषंगी और सहयोगी समनुषंगी हैं) के द्वारा नियंत्रित की जाती हैं अथवा उनके सामान्य नियंत्रण में हैं ;
- (ख) रिपोर्टिंग उद्यम के सहबद्ध और सहउद्यम और वे विनिधान पक्षकार अथवा उद्यम जिनकी बाबत रिपोर्टिंग उद्यम कोई सहबद्ध अथवा सहउद्यम है ;
- (ग) व्यक्ति जो ऐसे, रिपोर्टिंग उद्यम की प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः मत देने की शक्ति में हित रखते हैं जो उन्हें उद्यम के ऊपर नियंत्रण अथवा महत्वपूर्ण असर प्रदान करता है और किसी ऐसे व्यक्ति के नातेदार ;
- (घ) मुख्य प्रबंध कार्मिक और ऐसे कार्मिक के नातेदार ; और
- (ङ) ऐसे उद्यम जिनके ऊपर (ग) अथवा (घ) में वर्णित कोई व्यक्ति महत्वपूर्ण असर का प्रयोग करने में समर्थ है। इसके अंतर्गत निदेशकों अथवा रिपोर्टिंग उद्यम के प्रमुख शेयरधारकों के स्वामित्वाधीन उद्यम और वे उद्यम हैं जिनके ऐसे मुख्य प्रबंध सदस्य हैं जो रिपोर्टिंग उद्यम में भी सम्मिलित हैं।

तथापि, निम्नलिखित को “संबद्ध पक्षकार संबंध” समझा जाएगा :—

- (क) वे दो कंपनियां मात्र इस कारण कि उनका एक सम्मिलित निदेशक है, उपर्युक्त पैरा (घ) अथवा (ङ) में किसी बात के होते हुए भी (जब तक कि निदेशक दोनों कंपनियों को पारस्परिक व्यवहार में उनकी नीतियों को प्रभावित करने में समर्थ न हो) ;
- (ख) कोई एकल उपभोक्ता, प्रदायकर्ता, विशेषाधिकारी, संवितरक अथवा साधारण अभिकर्ता जिनके साथ कोई उद्यम, कारबार का महत्वपूर्ण संव्यवहार मात्र आर्थिक निर्भरता के परिणामस्वरूप करता है ; और
- (ग) नीचे सूचीबद्ध पक्षकार, जो अपने सामान्य व्यवहार में किसी उद्यम के साथ केवल उन्हीं व्यवहारों के कारण संव्यवहार करते हैं (यद्यपि वे उद्यम की कार्य करने की स्वतंत्रता को सीमित कर सकने अथवा उसकी विनिश्चय करने की प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे) ;
 - (i) वित्त उपलब्ध कराने वाले ;
 - (ii) व्यापार संघ ;
 - (iii) लोक उपयोगिताएं ;
 - (iv) सरकारी विभाग और सरकारी अभिकरण जिनके अंतर्गत सरकारी प्रायोजित निकाय भी हैं।

स्पष्टीकरण :—इन नियमों के प्रयोजन के लिए,—

- (क) “संबद्ध पक्षकार संबंध” से वे पक्षकार अभिप्रेत हैं जिन्हें किसी भी समय संबंधित समझा गया हो यदि रिपोर्टगत अवधि के दौरान एक पक्षकार अन्य पक्षकार को नियंत्रित करने की योग्यता रखता हो अथवा वित्तीय और/या प्रचालन संबंधी विनिश्चय करने में अन्य पक्षकार के ऊपर महत्वपूर्ण असर रखता हो;
- (ख) “सहबद्ध पक्षकार संव्यवहार” से संबद्ध पक्षकारों के बीच संसाधनों अथवा दायित्वों का अंतरण अभिप्रेत है, चाहे उसके लिए कीमत प्रभारित की गई हो या नहीं;
- (ग) “नियंत्रण” से निम्नलिखित अभिप्रेत है,—
 - (i) किसी उद्यम की मत देने की शक्ति के आधे से अधिक का प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः स्वामित्व; या
 - (ii) किसी कंपनी की दशा में निदेशक बोर्ड की संरचना का नियंत्रण अथवा किसी अन्य उद्यम की दशा में तत्स्थानी शासी निकाय की संरचना का नियंत्रण; या
 - (iii) मतदान शक्ति में सारवान हित और उद्यम की वित्तीय और/या प्रचालन नीतियों को कानून या करार द्वारा निदेश देने की शक्ति।
- (घ) “महत्वपूर्ण असर” से किसी उद्यम की वित्तीय अथवा प्रचालन नीति विषयक विनिश्चयों में भाग लेना अभिप्रेत है किन्तु उन नीतियों का नियंत्रण नहीं;
- (ङ) “सहयुक्त” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जिनमें कोई विनिधानकारी रिपोर्ट करने वाला पक्षकार महत्वपूर्ण असर रखता है और जो उस पक्षकार का न तो समनुषंगी है और न सहउद्यम है;
- (च) “सहउद्यम” से कोई ऐसी संविदात्मक ठहराव अभिप्रेत है जिसके द्वारा दो या अधिक पक्षकार किसी आर्थिक क्रियाकलाप को अपने हाथ में लेते हैं और जो नियंत्रण के अधधीन है;
- (छ) “संयुक्त नियंत्रण” से किसी आर्थिक क्रियाकलाप की वित्तीय और प्रचालन संबंधी नीतियों को शासित करने के लिए संविदात्मक रूप से करार पाई शक्तियों में हिस्सा बंटना अभिप्रेत है जिससे कि इससे फायदा अभिप्राप्त किया जा सके;
- (ज) “मुख्य प्रबंध कार्मिक” से वे व्यक्ति अभिप्रेत हैं जिनके पास रिपोर्ट करने वाले उद्यम के क्रियाकलापों की योजना, निदेशन और नियंत्रण करने का प्राधिकार और दायित्व है;
- (झ) “किसी व्यष्टि के संबंध में, “नातेदार” से पति-पत्नी, पुत्र, पुत्री, भाई, बहन, पिता और माता अभिप्रेत हैं जो रक्त संबंध संस्कार हैं;
- (ञ) “नियंत्रि कंपनी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातर्गत कोई नियंत्रि कंपनी अभिप्रेत है;
- (ट) “समनुषंगी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातर्गत कोई समनुषंगी कंपनी अभिप्रेत है;
- (ठ) “सहयोगी समनुषंगी” से वह कंपनी अभिप्रेत है जो किसी अन्य कंपनी की सहयोगी समनुषंगी है यदि दोनों उसी नियंत्रि कंपनी की समनुषंगी है;
- (ड) “राज्य नियंत्रित उद्यम” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जो केन्द्रीय सरकार अथवा किसी राज्य सरकार के नियंत्रणाधीन है।

[फा. सं. 52/01/सीएबी-2001]

ए. रामास्वामी, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पणः—मूल नियम सा.का.नि. सं. 417 (अ) दिनांक 28-6-77 द्वारा प्रकाशित किए गए थे पश्चातवर्ती संशोधन निम्नलिखित द्वारा किए गए :—

1. सा.का.नि. 1277, दिनांक 10-10-79
2. सा.का.नि. 40, दिनांक 5-1-83
3. सा.का.नि. 1206, दिनांक 22-11-84
4. सा.का.नि. 562, दिनांक 22-7-89
5. सा.का.नि. 322(अ), दिनांक 24-3-93
6. सा.का.नि. 29(अ) दिनांक 19-1-94
7. सा.का.नि. 344(अ) दिनांक 30-3-94 (शुद्धिपत्र)
8. सा.का.नि. 446(अ) दिनांक 3-8-98
9. सा.का.नि. 693(अ), दिनांक 31-8-2000

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th September, 2001

G. S. R. 728(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 642, read with clause (d) of sub-section (1) of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Cost Accounting Records (Textiles) Rules, 1977, namely :—

1. (1) These rules may be called the Cost Accounting Records (Textiles) Amendment Rules, 2001.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Cost Accounting Records (Textiles) Rules, 1977 :—

in schedule, III, after item number 22 and the entries relating thereto, the following shall be inserted namely :—

“23. INTER-COMPANY TRANSFER :

(1) In respect of related party transactions or supplies made or services rendered by a company to its holding company or subsidiary or a company termed “related party relationship” as defined below and vice-a-versa, records shall be maintained showing contracts entered into, agreements or understanding reached in respect of :

- (a) purchase and sale of raw materials, finished products, process materials, chemicals and rejected goods including scraps, etc;
- (b) utilisation of plant facilities and technical know-how;
- (c) supply of utilities and any other services;
- (d) administrative, technical, managerial or any other consultancy services;
- (e) purchase and sale of capital goods including plant and machinery;
- (f) any other payment related to production, processing or manufacturing of product under reference.

These records shall also indicate the basis followed for arriving at the rates charged or paid for such products or services so as to enable determination of the reasonableness of such rates in so far as they are in any way related to product under reference.

(2) The transactions by the following “related party relationships” shall be covered under sub-rule (1) :—

- (a) enterprises that directly, or indirectly through one or more intermediaries, control, or are controlled by, or are under common control with, the reporting enterprise (this includes holding companies, subsidiaries and fellow subsidiaries);
- (b) associates and joint ventures of the reporting enterprise and the investing party or venturer in respect of which the reporting enterprise is an associate or a joint venture;
- (c) individuals owing, directly or indirectly, an interest in the voting power of the reporting enterprise that gives them control or significant influence over the enterprise, and relatives of any such individual;
- (d) key management personnel and relatives of such personnel; and
- (e) enterprises over which any person described in (c) or (d) is able to exercise significant influence. This includes enterprises owned by directors or major shareholders of the reporting enterprise and enterprises that have a member of key management in common with the reporting enterprise.

However, the following shall not be deemed as “related party relationships” :—

- (a) two companies simply because they have a Director in common, notwithstanding paragraph (d) or (e) above (unless the Director is able to affect the policies of both companies in their mutual dealings);
- (b) a single customer, supplier, franchiser, distributor, or general agent with whom an enterprise transacts a significant volume of business merely by virtue of the resulting economic dependence; and
- (c) the parties listed below, in the course of their normal dealings with an enterprise by virtue only of those dealings (although they may circumscribe the freedom of action of the enterprise or participate in its decision-making process);
 - (i) providers of finance;
 - (ii) trade unions;

(iii) public utilities;

(iv) government departments and government agencies including government sponsored bodies.

Explanation :—For the purpose of these Rules,—

- (a) **“Related party relationships”** means parties who are considered to be related if at any time during the reporting period one party has the ability to control the other party or exercise significant influence over the other party in making financial and/or operating decisions;
- (b) **“Related party transaction”** means a transfer of resources or obligations between related parties, whether or not a price is charged;
- (c) **“Control”** means
 - (i) ownership, directly or indirectly, of more than onehalf of the voting power of an enterprise; or
 - (ii) control of the composition of the Board of Directors in the case of a company or of the composition of the corresponding governing body in case of any other enterprise; or
 - (iii) a substantial interest in voting power and the power to direct, by statute of agreement, the financial and/or operating policies of the enterprise.
- (d) **“Significant influence”** means participation in the financial or operating policy decisions of an enterprise, but not control of those policies;
- (e) **“Associate”** means an enterprise in which an investing reporting party has significant influence and which is neither a subsidiary nor a joint venture of that party;
- (f) **“Joint venture”** means a contractual arrangement whereby two or more parties undertake an economic activity, which is subject to joint control;
- (g) **“Joint control”** means the contractually agreed sharing of power to govern the financial and operating policies of an economic activity so as to obtain benefits from it;
- (h) **“Key management personnel”** means those persons who have the authority and responsibility for planning, directing and controlling the activities of the reporting enterprise;
- (i) **“Relative”**—in relation to an individual, means the spouse, son, daughter, brother, sister, father and mother who may connected by blood relationship;
- (j) **“Holding company”** means a holding company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (k) **“Subsidiary”** means a subsidiary company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (l) **“Fellow subsidiary”** means a company is said to be a fellow subsidiary of another company if both are subsidiaries of the same holding company;
- (m) **“State-controlled enterprise”** means an enterprise which is under the control of the Central Government or a State Government.”

[F. No. 52/01/CAB-2001].

A. RAMASWAMY Jt. Secy.

Foot Note:—The principal rules were published vide G.S.R. number 417(E), dated the 28th June, 1977 and subsequently amended vide—

1. GSR 1277, dated 10th October, 1979.
2. GSR 40 dated 5th January, 1983.
3. GSR 1206 dated 22nd November, 1984.
4. GSR 562, dated 22nd July, 1989.
5. GSR 322(E), dated 24th March, 1993.
6. GSR 29(E), dated 19th January, 1994.
7. GSR 344 (E), dated 30th March, 1994. (corrigendum)
8. GSR 446 (E), dated 3rd August, 1998.
9. GSR 693(E), dated 31st August, 2000.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 2001

सा. का. नि. 729(अ).—केंद्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (1) के खंड (घ) के साथ पठित धारा 642 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लागत लेखा अभिलेख (शुष्क सेल बैटरी) नियम, 1979 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लागत लेखा अभिलेख (शुष्क सेल बैटरी) संशोधन नियम, 2001 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागत लेखा अभिलेख (शुष्क सेल बैटरी) नियम, 1979 में :—

अनुसूची 3 में, मद संख्या 16 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“16. अंतर-कंपनी अंतरण :

(1) किसी कंपनी द्वारा अपनी नियंत्रित कंपनी या समनुपंगी अथवा किसी ऐसी कंपनी जिसे “संबद्ध पक्षकार संबंध” कहा गया है जैसा कि नीचे परिभाषित है और विपर्यय की बाबत संबद्ध पक्षकार संव्यवहार अथवा किए गए प्रदाय अथवा दी गई सेवाओं की बाबत उनके द्वारा की गई संविदाओं, करारों या उनकी बाबत हुई सहमति को दर्शित करते हुए निम्नलिखित की बाबत अभिलेख रखे जाएंगे :

- (क) कच्ची सामग्री, तैयार उत्पाद, प्रसंस्करण सामग्री, रासायनिक और स्कैप सहित अस्वीकृत माल आदि का क्रय और विक्रय ;
- (ख) संयंत्र सुविधाओं और तकनीकी व्यवहार ज्ञान का उपयोग ;
- (ग) उपयोगिताओं और किन्हीं अन्य सेवाओं का प्रदाय ;
- (घ) प्रशासनिक, तकनीकी प्रबंधकीय अथवा कोई अन्य परामर्शी सेवाएं ;
- (ङ) संयंत्र और मशीनरी सहित पूंजीगत माल का क्रय और विक्रय ;
- (च) उत्पादन, प्रसंस्करण या निर्देशाधीन उत्पाद से संबंधित कोई अन्य संदाय :

इन अभिलेखों में प्रभारित दरों को तय करना अथवा ऐसे उत्पादों के लिए संदाय करने के लिए अनुसरण किए गए आधारों को भी उपदर्शित किया जाएगा कि जिससे ऐसी दरों की युक्तियुक्तता का जहां तक कि उनका संबंध किसी भी रीति में निर्देशाधीन उत्पाद से है अवधारण किया जा सके।

(2) निम्न “संबंधित पक्षकार संबंध” द्वारा किए गए संव्यवहार उपनियम (1) के अन्तर्गत आएंगे :—

- (क) वे उद्यम जो प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः एक या अधिक मध्यवर्ती द्वारा नियंत्रित करते हैं अथवा रिपोर्टगत उद्यम (जिसके अन्तर्गत नियंत्रित कंपनी, समनुपंगी और सहयोगी समनुपंगी हैं) के द्वारा नियंत्रित की जाती हैं अथवा उनके सामान्य नियंत्रण में हैं ;
- (ख) रिपोर्टगत उद्यम के सहबद्ध और सहउद्यम और वे विनिधान पक्षकार अथवा उद्यम जिनकी बाबत रिपोर्टगत उद्यम कोई सहबद्ध अथवा सहउद्यम है ;
- (ग) व्यक्ति जो ऐसे, रिपोर्टगत उद्यम की प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः मत देने की शक्ति में हित रखते हैं जो उन्हें उद्यम के ऊपर नियंत्रण अथवा महत्वपूर्ण असर प्रदान करता है और किसी ऐसे व्यक्ति के नातेदार ;
- (घ) मुख्य प्रबंध कार्मिक और ऐसे कार्मिक के नातेदार ; और
- (ङ) ऐसे उद्यम जिनके ऊपर (ग) अथवा (घ) में वर्णित कोई व्यक्ति महत्वपूर्ण असर का प्रयोग करने में समर्थ है। इसके अंतर्गत निदेशकों अथवा रिपोर्टगत उद्यम के प्रमुख शेरधारकों के स्वामित्वाधीन उद्यम और वे उद्यम हैं जिनके ऐसे मुख्य प्रबंध सदस्य हैं जो रिपोर्टगत उद्यम में भी सम्मिलित हैं।

तथापि, निम्नलिखित को “संबद्ध पक्षकार संबंध” समझा जाएगा :—

- (क) वे दो कंपनियां मात्र इस कारण कि उनका एक सम्मिलित निदेशक है, उपर्युक्त पैरा (घ) अथवा (ङ) में किसी बात के होते हुए भी (जब तक कि निदेशक दोनों कंपनियों को पारस्परिक व्यवहार में उनकी नीतियों को प्रभावित करने में समर्थ न हो) ;
- (ख) कोई एकल उपभोक्ता, प्रदायकर्ता, विशेषाधिकारी, संवितरक अथवा साधारण अधिकर्ता जिनके साथ कोई उद्यम, कारबार का महत्वपूर्ण संव्यवहार मात्र आर्थिक निर्भरता के परिणामस्वरूप करता है ; और
- (ग) नीचे सूचीबद्ध पक्षकार, जो अपने सामान्य व्यवहार में किसी उद्यम के साथ केवल उन्हीं व्यवहारों के कारण संव्यवहार करते हैं यद्यपि वे उद्यम की कार्य करने की स्वतंत्रता को मीमित कर सकने अथवा उसकी विनिश्चय करने की प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे ;
 - (i) वित्त उपलब्ध कराने वाले ;
 - (ii) व्यापार संघ ;

(iii) लोक उपयोगिताएं ;

(iv) सरकारी विभाग और सरकारी निष्ठाकरण जिनके अंतर्गत सरकारी प्रायोजित निकाय भी हैं।

स्पष्टीकरण :—इन नियमों के प्रयोजन के लिए,—

- (क) "संबद्ध पक्षकार संबंध" से वे पक्षकार अभिप्रेत हैं जिन्हें किसी भी समय संबंधित समझा गया हो यदि रिपोर्टगत अवधि के दौरान एक पक्षकार अन्य पक्षकार को नियंत्रित करने की योग्यता रखता हो अथवा वित्तीय और/या प्रचालन संबंधी विनिश्चय करने में अन्य पक्षकार के ऊपर महत्वपूर्ण असर रखता हो;
- (ख) "सहबद्ध पक्षकार संव्यवहार" से संबद्ध पक्षकारों के बीच संसाधनों अथवा दायित्वों का अंतरण अभिप्रेत है, चाहे उसके लिए कीमत प्रभारित की गई हो या नहीं;
- (ग) "नियंत्रण" से निम्नलिखित अभिप्रेत है,—
 - (i) किसी उद्यम की मत देने की शक्ति के आधे से अधिक का प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः स्वामित्व; या
 - (ii) किसी कंपनी की दशा में निर्देशक बोर्ड की संरचना का नियंत्रण अथवा किसी अन्य उद्यम की दशा में तत्स्थानी शासी निकाय की संरचना का नियंत्रण; या
 - (iii) मतदान शक्ति में सारवान हित और उद्यम की वित्तीय और/या प्रचालन नीतियों को कानून या करार द्वारा निदेश देने की शक्ति।
- (घ) "महत्वपूर्ण असर" से किसी उद्यम की वित्तीय अथवा प्रचालन नीति विषयक विनिश्चयों में भाग लेना अभिप्रेत है किन्तु उन नीतियों का नियंत्रण नहीं;
- (ङ) "सहयुक्त" से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जिनमें कोई विनिधानकारी रिपोर्ट करने वाला पक्षकार महत्वपूर्ण असर रखता है और जो उस पक्षकार का न तो समनुषंगी है और न सहउद्यम है;
- (च) "सहउद्यम" से कोई ऐसी संविदात्मक ठहराव अभिप्रेत है जिसके द्वारा दो या अधिक पक्षकार किसी आर्थिक क्रियाकलाप को अपने हाथ में लेते हैं और जो नियंत्रण के अध्वधीन है;
- (छ) "संयुक्त नियंत्रण" से किसी आर्थिक क्रियाकलाप की वित्तीय और प्रचालन संबंधी नीतियों को शासित करने के लिए संविदात्मक रूप से करार पाई शक्तियों में हिस्सा बांटना अभिप्रेत है जिससे कि इससे फायदा अभिप्राप्त किया जा सके;
- (ज) "मुख्य प्रबंध कार्मिक" से वे व्यक्ति अभिप्रेत हैं जिनके पास रिपोर्ट करने वाले उद्यम के क्रियाकलापों की योजना, निदेशन और नियंत्रण करने का प्राधिकार और दायित्व है;
- (झ) "किसी व्यक्ति के संबंध में, "नातेदार" से पति-पत्नी, पुत्र, पुत्री, भाई, बहन, पिता और माता अभिप्रेत हैं जो रक्त संबद्ध संस्कार हैं;
- (ञ) "नियंत्रि कंपनी" से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातगत कोई नियंत्रि कंपनी अभिप्रेत है;
- (ट) "समनुषंगी" से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातगत कोई समनुषंगी कंपनी अभिप्रेत है;
- (ठ) "सहयोगी समनुषंगी" से वह कंपनी अभिप्रेत है जो किसी अन्य कंपनी की सहयोगी समनुषंगी है यदि दोनों उसी नियंत्रि कंपनी की समनुषंगी है;
- (ड) "राज्य नियंत्रित उद्यम" से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जो केन्द्रीय सरकार अथवा किसी राज्य सरकार के नियंत्रणाधीन है।

[फा. सं. 52/01/सीएबी-2001]

ए. रामास्वामी, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पण :—मूल नियम सा.का.नि. सं. 45 (अ) दिनांक 31-1-79 द्वारा प्रकाशित किए गए थे पश्चातवर्ती संशोधन निम्नलिखित द्वारा किए गए :—

1. सा.का.नि. 39 दिनांक 5-1-83
2. सा.का.नि. 563 दिनांक 22-7-89
3. सा.का.नि. 323(अ) दिनांक 24-3-93
4. सा.का.नि. 447(अ) दिनांक 3-8-98

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th September, 2001

G. S. R. 729(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 642, read with clause (d) of sub-section (1) of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Cost Accounting records (Dry Cell Batteries) Rules, 1976, namely :—

1. (1) These rules may be called the Cost Accounting Records (Dry Cell Batteries) Amendment Rules, 2001.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Cost Accounting Records (Dry Cell Batteries) Rules, 1979 :—

In schedule I, for item number XVI and the entries relating thereto, the following shall be substituted namely :—

“XVI. INTER-COMPANY TRANSFER :

(1) In respect of related party transactions or supplies made or services rendered by a company to its holding company or subsidiary or a company termed “related party relationship” as defined below and vice-versa, records shall be maintained showing contracts entered into, agreements or understanding reached in respect of :

- (a) purchase and sale of raw materials, finished products, process materials, chemicals and rejected goods including scraps, etc.
- (b) utilisation of plant facilities and technical know-how;
- (c) supply of utilities and any other services;
- (d) administrative, technical, managerial or any other consultancy services;
- (e) purchase and sale of capital goods including plant and machinery;
- (f) any other payment related to production, processing or manufacturing of product under reference.

These records shall also indicate the basis followed for arriving at the rates charged or paid for such products or services so as to enable determination of the reasonableness of such rates in so far as they are in any way related to product under reference.

- (2) The transactions by the following “related party relationships” shall be covered under sub-rule (1) :—
 - (a) enterprises that directly, or indirectly through one or more intermediaries, control, or are controlled by, or are under common control with, the reporting enterprise (this includes holding companies, subsidiaries and fellow subsidiaries);
 - (b) associates and joint ventures of the reporting enterprise and the investing party or venturer in respect of which the reporting enterprise is an associate or a joint venture;
 - (c) individuals owning, directly or indirectly, an interest in the voting power of the reporting enterprise that gives them control or significant influence over the enterprise, and relatives of any such individual;
 - (d) key management personnel and relatives of such personnel; and
 - (e) enterprises over which any person described in (c) or (d) is able to exercise significant influence. This includes enterprises owned by directors or major shareholders of the reporting enterprise and enterprises that have a member of key management in common with the reporting enterprise.

However, the following shall not be deemed as “related party relationships” :—

- (a) two companies simply because they have a Director in common, notwithstanding paragraph (d) or (e) above (unless the Director is able to affect the policies of both companies in their mutual dealings);
- (b) a single customer, supplier, franchiser, distributor, or general agent with whom an enterprise transacts a significant volume of business merely by virtue of the resulting economic dependence; and
- (c) the parties listed below, in the course of their normal dealings with an enterprise by virtue only of those dealings (although they may circumscribe the freedom of action of the enterprise or participate in its decision-making process);
 - (i) provisions of finance;
 - (ii) trade unions;

(iii) public utilities;

(iv) government departments and government agencies including government sponsored bodies.

Explanation :—For the purpose of these Rules,—

- (a) **“Related party relationships”** means parties who are considered to be related if at any time during the reporting period one party has the ability to control the other party or exercise significant influence over the other party in making financial and/or operating decisions;
- (b) **“Related party transaction”** means a transfer of resources or obligations between related parties, whether or not a price is charged;
- (c) **“Control”** means :—
 - (i) ownership, directly or indirectly, of more than one-half of the voting power of an enterprise; or
 - (ii) control of the composition of the Board of Directors in the case of a company or of the composition of the corresponding governing body in case of any other enterprise; or
 - (iii) a substantial interest in voting power and the power to direct, by statute or agreement, the financial and/or operating policies of the enterprise.
- (d) **“Significant influence”** means participation in the financial or operating policy decisions of an enterprise, but not control of those policies;
- (e) **“Associate”** means an enterprise in which an investing reporting party has significant influence and which is neither a subsidiary nor a joint venture of that party;
- (f) **“Joint venture”** means a contractual arrangement whereby two or more parties undertake an economic activity, which is subject to joint control;
- (g) **“Joint control”** means the contractually agreed sharing of power to govern the financial and operating policies of an economic activity so as to obtain benefits from it;
- (h) **“Key management personnel”** means those persons who have the authority and responsibility for planning, directing and controlling the activities of the reporting enterprise;
- (i) **“Relative”**—in relation to an individual, means the spouse, son, daughter, brother, sister, father and mother who may be connected by blood relationship;
- (j) **“Holding company”** means a holding company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (k) **“Subsidiary”** means a subsidiary company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (l) **“Fellow subsidiary”** means a company is said to be a fellow subsidiary of another company if both are subsidiaries of the same holding company;
- (m) **“State-controlled enterprise”** means an enterprise which is under the control of the Central Government or a State Government.”

[F. No. 52/01/CAB-2001].

A. RAMASWAMY, Jt. Secy.

Foot Note:—The principal rules were published vide G.S.R. number 45(E), dated the 31st January, 1979 and subsequently amended vide—

1. GSR 39, dated 5th January, 1983.
2. GSR 563, dated 22nd July, 1989.
3. GSR 323(E), dated 24th March, 1993.
4. GSR 447(E), dated 3rd August, 1998.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 2001

सा. का. नि. 730(अ).—केंद्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (1) के खंड (घ) के साथ पठित धारा 642 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लागत लेखा अभिलेख (सल्फ्यूरिक अम्ल) नियम, 1980 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लागत लेखा अभिलेख (सल्फ्यूरिक अम्ल) संशोधन नियम, 2001 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागत लेखा अभिलेख (सल्फ्यूरिक अम्ल) नियम, 1980 में :—

अनुसूची 1 में, मद संख्या 17 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“17. अंतर-कंपनी अंतरण :

(1) किसी कंपनी द्वारा अपनी नियंत्री कंपनी या समनुबन्गी अथवा किसी ऐसी कंपनी जिसे “संबद्ध पक्षकार संबंध” कहा गया है जैसा कि नीचे परिभाषित है और विपर्यय की बाबत संबद्ध पक्षकार संव्यवहार अथवा किए गए प्रदाय अथवा दी गई सेवाओं की बाबत उनके द्वारा की गई संविदाओं, करारों या उनकी बाबत हुई सहमति को दर्शित करते हुए निम्नलिखित की बाबत अभिलेख रखे जाएंगे :

- (क) कच्ची सामग्री, तैयार उत्पाद, प्रसंस्करण सामग्री, रासायनिक और स्क्रेप सहित अस्वीकृत माल आदि का क्रय और विक्रय ;
- (ख) संयंत्र सुविधाओं और तकनीकी व्यवहार ज्ञान का उपयोग ;
- (ग) उपयोगिताओं और किन्हीं अन्य सेवाओं का प्रदाय ;
- (घ) प्रशासनिक, तकनीकी प्रबंधकीय अथवा कोई अन्य परामर्शी सेवाएं ;
- (ङ) संयंत्र और मशीनरी सहित पूंजीगत माल का क्रय और विक्रय ;
- (च) उत्पादन, प्रसंस्करण या निर्देशाधीन उत्पाद से संबंधित कोई अन्य संदाय ;

इन अभिलेखों में प्रभारित दरों को तय करना अथवा ऐसे उत्पादों के लिए संदाय करने के लिए अनुसरण किए गए आधारों को भी उपदर्शित किया जाएगा जिससे कि ऐसी दरों की सुविद्युक्तता का जहां तक कि उनका संबंध किसी भी रीति में निर्देशाधीन उत्पाद से है अवधारण किया जा सके।

(2) निम्न “संबंधित पक्षकार संबंध” द्वारा किए गए संव्यवहार उपनियम (1) के अन्तर्गत आएंगे :—

- (क) वे उद्यम जो प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः एक या अधिक मध्यवर्ती द्वारा नियंत्रित करते हैं अथवा रिपोर्टिंग उद्यम (जिसके अन्तर्गत नियंत्री कंपनी, समनुबन्गी और सहयोगी समनुबन्गी हैं) के द्वारा नियंत्रित की जाती हैं अथवा उनके सामान्य नियंत्रण में हैं ;
- (ख) रिपोर्टिंग उद्यम के सहबद्ध और सहउद्यम और वे विनिधान पक्षकार अथवा उद्यम जिनकी बाबत रिपोर्टिंग उद्यम कोई सहबद्ध अथवा सहउद्यम है ;
- (ग) व्यक्ति जो ऐसे, रिपोर्टिंग उद्यम को प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः मत देने की शक्ति में हित रखते हैं जो उन्हें उद्यम के ऊपर नियंत्रण अथवा महत्वपूर्ण असर प्रदान करता है और किसी ऐसे व्यक्ति के नातेदार ;
- (घ) मुख्य प्रबंध कार्मिक और ऐसे कार्मिक के नातेदार ; और
- (ङ) ऐसे उद्यम जिनके ऊपर (ग) अथवा (घ) में वर्णित कोई व्यक्ति महत्वपूर्ण असर का प्रयोग करने में समर्थ है। इसके अंतर्गत निदेशकों अथवा रिपोर्टिंग उद्यम के प्रमुख शेयरधारकों के स्वामित्वाधीन उद्यम और वे उद्यम हैं जिनके ऐसे मुख्य प्रबंध सदस्य हैं जो रिपोर्टिंग उद्यम में भी सम्मिलित हैं।

तथापि, निम्नलिखित को “संबद्ध पक्षकार संबंध” समझा जाएगा :—

- (क) वे दो कंपनियां मात्र इस कारण कि उनका एक सम्मिलित निदेशक है, उपर्युक्त पैरा (घ) अथवा (ङ) में किसी बात के होते हुए भी (जब तक कि निदेशक दोनों कंपनियों को पारस्परिक व्यवहार में उनकी नीतियों को प्रभावित करने में समर्थ न हो) ;
- (ख) कोई एकल उपभोक्ता, प्रदायकर्ता, विशेषार्थधकारी, सवितरक अथवा साधारण अधिकर्ता जिनके साथ कोई उद्यम, कारबार का महत्वपूर्ण संव्यवहार मात्र आर्थिक निर्भरता के परिणामस्वरूप करता है ; और
- (ग) नीचे सूचीबद्ध पक्षकार, जो अपने सामान्य व्यवहार में किसी उद्यम के साथ केवल उन्हीं व्यवहारों के कारण संव्यवहार करते हैं यद्यपि वे उद्यम को कार्य करने की स्वतंत्रता को सीमित कर सकने अथवा उसकी विनिश्चय करने की प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे ;

(i) वित्त उपलब्ध कराने वाले ;

(ii) व्यापार संघ ;

(iii) लोक उपयोगिताएं ;

(iv) सरकारी विभाग और सरकारी अभिकरण जिनके अंतर्गत सरकारी प्रायोजित निकाय भी हैं।

स्पष्टीकरण :—इन नियमों के प्रयोजन के लिए,—

- (क) “संबद्ध पक्षकार संबंध” से वे पक्षकार अभिप्रेत हैं जिन्हें किसी भी समय संबंधित समझा गया हो यदि रिपोर्टगत अवधि के दौरान एक पक्षकार अन्य पक्षकार को नियंत्रित करने की योग्यता रखता हो अथवा वित्तीय और/या प्रचालन संबंधी विनिश्चय करने में अन्य पक्षकार के ऊपर महत्वपूर्ण असर रखता हो;
- (ख) “सहबद्ध पक्षकार संव्यवहार” से संबद्ध पक्षकारों के बीच संसाधनों अथवा दायित्वों का अंतरण अभिप्रेत है, चाहे उसके लिए कीमत प्रभारित की गई हो या नहीं;
- (ग) “नियंत्रण” से निम्नलिखित अभिप्रेत है,—
- (i) किसी उद्यम की मत देने की शक्ति के आधे से अधिक का प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः स्वामित्व; या
 - (ii) किसी कंपनी की दशा में निदेशक बोर्ड की संरचना का नियंत्रण अथवा किसी अन्य उद्यम की दशा में तत्स्थानी शासी निकाय की संरचना का नियंत्रण; या
 - (iii) मतदान शक्ति में सारवान हित और उद्यम की वित्तीय और/या प्रचालन नीतियों को कानून या करार द्वारा निदेश देने की शक्ति।
- (घ) “महत्वपूर्ण असर” से किसी उद्यम की वित्तीय अथवा प्रचालन नीति विषयक विनिश्चयों में भाग लेना अभिप्रेत है किन्तु उन नीतियों का नियंत्रण नहीं;
- (ङ) “सहयुक्त” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जिनमें कोई विनिधानकारी रिपोर्ट करने वाला पक्षकार महत्वपूर्ण असर रखता है और जो उस पक्षकार का न तो समनुपंगी है और न सहउद्यम है;
- (च) “सहउद्यम” से कोई ऐसी संविदात्मक ठहराव अभिप्रेत है जिसके द्वारा दो या अधिक पक्षकार किसी आर्थिक क्रियाकलाप को अपने हाथ में लेते हैं और जो नियंत्रण के अध्वधीन है;
- (छ) “संयुक्त नियंत्रण” से किसी आर्थिक क्रियाकलाप की वित्तीय और प्रचालन संबंधी नीतियों को शासित करने के लिए संविदात्मक रूप से करार पाई शक्तियों में हिस्सा बंटना अभिप्रेत है जिससे कि इससे फायदा अभिप्राप्त किया जा सके;
- (ज) “मुख्य प्रबंध कार्मिक” से वे व्यक्ति अभिप्रेत हैं जिनके पास रिपोर्ट करने वाले उद्यम के क्रियाकलापों की योजना, निदेशन और नियंत्रण करने का प्राधिकार और दायित्व है;
- (झ) किसी व्यक्ति के संबंध में, “नातेदार” से पति-पत्नी, पुत्र, पुत्री, भाई, बहन, पिता और माता अभिप्रेत हैं जो स्वतः संबद्ध संस्कार हैं;
- (ञ) “नियंत्रि कंपनी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातर्गत कोई नियंत्रि कंपनी अभिप्रेत है;
- (ट) “समनुपंगी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातर्गत कोई समनुपंगी कंपनी अभिप्रेत है ;
- (ठ) “सहयोगी समनुपंगी” से वह कंपनी अभिप्रेत है जो किसी अन्य कंपनी की सहयोगी समनुपंगी है यदि दोनों उसी नियंत्रि कंपनी की समनुपंगी हैं;
- (ड) “राज्य नियंत्रित उद्यम” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जो केन्द्रीय सरकार अथवा किसी राज्य सरकार के नियंत्रणाधीन है।

[फा. सं. 52/01, सीएबी-2001]

ए. रामास्वामी, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पणः—मूल नियम सा.का.नि. सं. 225 (अ) दिनांक 4-7-80 द्वारा प्रकाशित किए गए थे पश्चातवर्ती संशोधन निम्नलिखित द्वारा किए गए :—

1. सा.का.नि. 41, दिनांक 5-1-83
2. सा.का.नि. 564, दिनांक 22-7-89
3. सा.का.नि. 324(अ), दिनांक 24-3-93
4. सा.का.नि. 448(अ), दिनांक 3-8-98

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th September, 2001

G. S. R. 730(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 642, read with clause (d) of sub-section (1) of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Cost Accounting records (Sulphuric Acid) Rules, 1980, namely :—

1. (1) These rules may be called the Cost Accounting records (Sulphuric Acid) Amendment Rules, 2001.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Cost Accounting Records (Sulphuric Acid) Rules, 1980 :—

in schedule I, for item XVII and the entries relating thereto, the following shall be substituted namely :—

“XVII. INTER-COMPANY TRANSFER :

(1) In respect of related party transactions or supplies made or services rendered by a company to its holding company or subsidiary or a company termed “related party relationship” as defined below and vice-a-versa, records shall be maintained showing contracts entered into, agreements or understanding reached in respect of :

- (a) purchase and sale of raw materials, finished products, process materials, chemicals and rejected goods including scraps, etc;
- (b) utilisation of plant facilities and technical know-how;
- (c) supply of utilities and any other services;
- (d) administrative, technical, managerial or any other consultancy services;
- (e) purchase and sale of capital goods including plant and machinery;
- (f) any other payment related to production, processing or manufacturing of product under reference.

These records shall also indicate the basis followed for arriving at the rates charged or paid for such products or services so as to enable determination of the reasonableness of such rates in so far as they are in any way related to product under reference.

(2) The transactions by the following “related party relationships” shall be covered under sub-rule (1) :—

- (a) enterprises that directly, or indirectly through one or more intermediaries, control, or are controlled by, or are under common control with, the reporting enterprise (this includes holding companies, subsidiaries and fellow subsidiaries);
- (b) associates and joint ventures of the reporting enterprise and the investing party or venturer in respect of which the reporting enterprise is an associate or a joint venture;
- (c) individuals owning, directly or indirectly, an interest in the voting power of the reporting enterprise that gives them control or significant influence over the enterprise, and relatives of any such individual;
- (d) key management personnel and relatives of such personnel; and
- (e) enterprises over which any person described in (c) or (d) is able to exercise significant influence. This includes enterprises owned by directors or major shareholders of the reporting enterprise and enterprises that have a member of key management in common with the reporting enterprise.

However, the following shall not be deemed as “related party relationships” :—

- (a) two companies simply because they have a Director in common, notwithstanding paragraph (d) or (e) above (unless the Director is able to affect the policies of both companies in their mutual dealings);
- (b) a single customer, supplier, franchiser, distributor, or general agent with whom an enterprise transacts a significant volume of business merely by virtue of the resulting economic dependence, and
- (c) the parties listed below, in the course of their normal dealings with an enterprise by virtue only of those dealings (although they may circumscribe the freedom of action of the enterprise or participate in its decision-making process);
 - (i) providers of finance;
 - (ii) trade unions;

(iii) public utilities;

(iv) government departments and government agencies including government sponsored bodies.

Explanation :—For the purpose of these Rules,—

- (a) **“Related party relationships”** means parties who are considered to be related if at any time during the reporting period one party has the ability to control the other party or exercise significant influence over the other party in making financial and/or operating decisions;
- (b) **“Related party transaction”** means a transfer of resources or obligations between related parties, whether or not a price is charged;
- (c) **“Control”** means
 - (i) ownership, directly or indirectly, of more than one-half of the voting power of an enterprise; or
 - (ii) control of the composition of the Board of Director in the case of a company or of the composition of the corresponding governing body in case of any other enterprise; or
 - (iii) a substantial interest in voting power and the power to direct, by statute or agreement, the financial and/or operating policies of the enterprise.
- (d) **“Significant influence”** means participation in the financial or operating policy decisions of an enterprise, but not control of those policies;
- (e) **“Associate”** means an enterprise in which an investing reporting party has significant influence and which is neither a subsidiary nor a joint venture of that party;
- (f) **“Joint venture”** means a contractual arrangement whereby two or more parties undertake an economic activity, which is subject to joint control.
- (g) **“Joint control”** means the contractually agreed sharing of power to govern the financial and operating policies of an economic activity so as to obtain benefits from it;
- (h) **“Key management personnel”** means those persons who have the authority and responsibility for planning, directing and controlling the activities of the reporting enterprise;
- (i) **“Relative”**—in relation to an individual, means the spouse, son, daughter, brother, sister, father and mother who may be connected by blood relationship;
- (j) **“Holding company”** means a holding company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (k) **“Subsidiary”** means a subsidiary company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (l) **“Fellow subsidiary”** means a company is said to be a fellow subsidiary of another company if both are subsidiaries of the same holding company;
- (m) **“State-controlled enterprise”** means an enterprise which is under the control of the Central Government or a State Government.”

[F. No. 52/01/CAB-2001]

A. RAMASWAMY Jt. Secy.

Foot Note.—The principal rules were published vide G.S.R. number 395(E), dated the 4th July, 1980 and subsequently amended vide—

1. GSR 41, dated 5th January, 1983.
2. GSR 564, dated 22nd July, 1989.
3. GSR 324(E), dated 24th March, 1993.
4. GSR 448(E), dated 3rd August, 1998.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 2001

सा. का. नि. 731 (अ).—केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (1) के खंड (घ) के साथ पठित धारा 642 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लागत लेखा अभिलेख (इंजीनियरी उद्योग) नियम, 1984 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लागत लेखा अभिलेख (इंजीनियरी उद्योग) संशोधन नियम, 2001 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागत लेखा अभिलेख (इंजीनियरी उद्योग) नियम, 1984 में :—

अनुसूची 1 में, मद संख्या 17 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“17. अंतर-कंपनी अंतरण :

(1) किसी कंपनी द्वारा अपनी नियंत्री कंपनी या समनुपंगी अथवा किसी ऐसी कंपनी जिसे “संबद्ध पक्षकार संबंध” कहा गया है जैसा कि नीचे परिभाषित है और विपर्यय की बाबत संबद्ध पक्षकार संव्यवहार अथवा किए गए प्रदाय अथवा दी गई सेवाओं की बाबत उनके द्वारा की गई संविदाओं, करारों या उनकी बाबत हुई सहमति को दर्शित करते हुए निम्नलिखित की बाबत अभिलेख रखे जाएंगे :

(क) कच्ची सामग्री, तैयार उत्पाद, प्रसंस्करण सामग्री, रासायनिक और स्क्रेप सहित अस्वीकृत माल आदि का क्रय और विक्रय;

(ख) संयंत्र सुविधाओं और तकनीकी व्यवहार ज्ञान का उपयोग;

(ग) उपयोगिताओं और किन्हीं अन्य सेवाओं का प्रदाय;

(घ) प्रशासनिक, तकनीकी, प्रबंधकीय अथवा कोई अन्य परामर्शी सेवाएं;

(ङ) संयंत्र और मशीनरी सहित पूंजीगत माल का क्रय और विक्रय;

(च) उत्पादन, प्रसंस्करण या निर्देशाधीन उत्पाद से संबंधित कोई अन्य संदाय;

इन अभिलेखों में प्रभारित दरों को तय करना अथवा ऐसे उत्पादों के लिए संदाय करने के लिए अनुसरण किए गए आधारों को भी उपदर्शित किया जाएगा जिससे कि ऐसी दरों की युक्तियुक्तता का जहां तक कि उसका संबंध किसी भी रीति में निर्देशाधीन उत्पाद से है अवधारण किया जा सके।

(2) निम्न “संबंधित पक्षकार संबंध” द्वारा किए गए संव्यवहार उपनियम (1) के अन्तर्गत आएंगे :—

(क) वे उद्यम जो प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः एक या अधिक मध्यवर्ती द्वारा नियंत्रित करते हैं अथवा रिपोर्टिंग उद्यम (जिसके अन्तर्गत नियंत्री कंपनी, समनुपंगी और सहयोगी समनुपंगी हैं) के द्वारा नियंत्रित की जाती है अथवा उनके सामान्य नियंत्रण में हैं ;

(ख) रिपोर्टिंग उद्यम के सहबद्ध और सहउद्यम और वे विनिधान पक्षकार अथवा उद्यम जिनकी बाबत रिपोर्टिंग उद्यम कोई सहबद्ध सहउद्यम है;

(ग) व्यक्ति जो ऐसे, रिपोर्टिंग उद्यम की प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः मत देने की शक्ति में हित रखते हैं जो उन्हें उद्यम के ऊपर नियंत्रण अथवा महत्वपूर्ण असर प्रदान करता है और किसी ऐसे व्यक्ति के नातेदार;

(घ) मुख्य प्रबंध कार्मिक और ऐसे कार्मिक के नातेदार; और

(ङ) ऐसे उद्यम जिनके ऊपर (ग) अथवा (घ) में वर्णित कोई व्यक्ति महत्वपूर्ण असर का प्रयोग करने में समर्थ है। इसके अंतर्गत निदेशकों अथवा रिपोर्टिंग उद्यम के प्रमुख शेरधारकों के स्वामित्वाधीन उद्यम और वे उद्यम हैं जिनके ऐसे मुख्य प्रबंध सदस्य हैं जो रिपोर्टिंग उद्यम में भी सम्मिलित हैं।

तथापि, निम्नलिखित को “संबद्ध पक्षकार संबंध” समझा जाएगा :—

(क) वे दो कंपनियां मात्र इस कारण कि उनका एक सम्मिलित निदेशक है, उपर्युक्त पैरा (घ) अथवा (ङ) में किसी बात के होते हुए भी (जब तक कि निदेशक दोनों कंपनियों को पारस्परिक व्यवहार में उनकी नीतियों को प्रभावित करने में समर्थ न हों);

(ख) कोई एकल उपभोक्ता, प्रदायकर्ता, विशेषाधिकारी, संवितरक अथवा साधारण अभिकर्ता जिनके साथ कोई उद्यम, कारबार का महत्वपूर्ण संव्यवहार मात्र आर्थिक निर्भरता के परिणामस्वरूप करता है; और

(ग) नीचे सूचीबद्ध पक्षकार, जो अपने सामान्य व्यवहार में किसी उद्यम के साथ केवल उन्हीं व्यवहारों के कारण संव्यवहार करते हैं (यद्यपि वे उद्यम की कार्य करने की स्वतंत्रता को सीमित कर सकने अथवा उसकी विनिश्चय करने की प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे)

(i) वित्त उपलब्ध कराने वाले;

(ii) व्यापार संघ;

(iii) लोक उपयोगिताएं;

(iv) सरकारी विभाग और सरकारी अभिकर्ण जिनके अंतर्गत सरकारी प्रायोजित निकाय भी हैं।

स्पष्टीकरण :—इन नियमों के प्रयोजन के लिए,—

- (क) “संबद्ध पक्षकार संबंध” से वे पक्षकार अभिप्रेत हैं जिन्हें किसी भी समय संबंधित समझा गया हो यदि रिपोर्टगत अवधि के दौरान एक पक्षकार अन्य पक्षकार को नियंत्रित करने की योग्यता रखता हो अथवा वित्तीय और/या प्रचालन संबंधी विनिश्चय करने में अन्य पक्षकार के ऊपर महत्वपूर्ण असर रखता हो;
- (ख) “सहबद्ध पक्षकार संव्यवहार” से संबद्ध पक्षकारों के बीच संसाधनों अथवा दायित्वों का अंतरण अभिप्रेत है, चाहे उसके लिए कीमत प्रभारित की गई हो या नहीं;
- (ग) “नियंत्रण” से निम्नलिखित अभिप्रेत है,—
- (i) किसी उद्यम की मत देने की शक्ति के आधे से अधिक का प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः स्वामित्व; या
 - (ii) किसी कंपनी की दशा में निदेशक बोर्ड की संरचना का नियंत्रण अथवा किसी अन्य उद्यम की दशा में तत्स्थानी शासी निकाय की संरचना का नियंत्रण; या
 - (iii) मतदान शक्ति में सारवान हित और उद्यम की वित्तीय और/या प्रचालन नीतियों को कानून या करार द्वारा निदेश देने की शक्ति।
- (घ) “महत्वपूर्ण असर” से किसी उद्यम की वित्तीय अथवा प्रचालन नीति विषयक विनिश्चयों में भाग लेना अभिप्रेत है किन्तु उन नीतियों का नियंत्रण नहीं;
- (ङ.) “सहयुक्त” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जिसमें कोई विनिधानकारी रिपोर्ट करने वाला पक्षकार महत्वपूर्ण असर रखता है और जो उस पक्षकार का न तो समनुपंगी है और न सहउद्यम है;
- (च) “सहउद्यम” से कोई ऐसी संविदात्मक ठहराव अभिप्रेत है जिसके द्वारा दो या अधिक पक्षकार किसी आर्थिक क्रियाकलाप को अपने हाथ में लेते हैं और, जो नियंत्रण के अध्यक्षीन है;
- (छ) “संयुक्त नियंत्रण” से किसी आर्थिक क्रियाकलाप की वित्तीय और प्रचालन संबंधी नीतियों को शासित करने के लिए संविदात्मक रूप से करार पाई शक्तियों में हिस्सा बंटाना अभिप्रेत है जिससे कि इससे फायदा अभिप्राप्त किया जा सके;
- (ज) “मुख्य प्रबंध कार्मिक” से वे व्यक्ति अभिप्रेत हैं जिनके पास रिपोर्ट करने वाले उद्यम के क्रियाकलापों की योजना, निदेशन और नियंत्रण करने का प्राधिकार और दायित्व है;
- (झ) किसी व्यक्ति के संबंध में, “नातेदार” से पति-पत्नी, पुत्र, पुत्री, भाई, बहन, पिता और माता अभिप्रेत हैं जो रक्त संबंध संस्कार हैं;
- (ञ) “नियंत्रि कंपनी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थात्गत कोई नियंत्रि कंपनी अभिप्रेत है;
- (ट) “समनुपंगी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थात्गत कोई समनुपंगी कंपनी अभिप्रेत है;
- (ठ) “सहयोगी समनुपंगी” से वह कंपनी अभिप्रेत है जो किसी अन्य कंपनी की सहयोगी समनुपंगी है यदि दोनों उसी नियंत्रि कंपनी की समनुपंगी हैं;
- (ड) “राज्य नियंत्रित उद्यम” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जो केन्द्रीय सरकार अथवा किसी राज्य सरकार के नियंत्रणाधीन है।

[फ. सं. 52/01/सीएबी-2001]

ए. रामास्वामी, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पण :—मूल नियम सा. का. नि.सं. 688 दिनांक 25-6-84 द्वारा प्रकाशित किए गए थे पश्चात्तर्वर्ती संशोधन निम्नलिखित द्वारा किए गए :—

1. सा. का. नि. 1205, दिनांक 16-10-84 (शुद्धिपत्र)
2. सा. का. नि. 566, दिनांक 22-7-89
3. सा. का. नि. 326(अ), दिनांक 24-3-93
4. सा. का. नि. 450(अ), दिनांक 3-8-98
5. सा. का. नि. 279(अ), दिनांक 24-4-2001.

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th September, 2001

G.S.R. 731(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 642, read with clause (d) of sub-section (1) of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Cost Accounting Records (Engineering Industries) Rules, 1984, namely :—

1. (1) These rules may be called the Cost Accounting Records (Engineering Industries) Amendment Rules, 2001.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Cost Accounting Records (Engineering Industries) Rules, 1984 :—

in Schedule II, for item 17 and the entries relating thereto, the following shall be substituted namely :—

“17. INTER-COMPANY TRANSFER:

(1) In respect of related party transactions or supplies made or services rendered by a company to its holding company or subsidiary or a company termed “related party relationship” as defined below and vice-a-versa, records shall be maintained showing contracts entered into, agreements or understanding reached in respect of :

- (a) purchase and sale of raw materials, finished products, process materials, chemicals and rejected goods including scraps, etc.;
- (b) utilisation of plant facilities and technical know-how;
- (c) supply of utilities and any other services;
- (d) administrative, technical, managerial or any other consultancy services;
- (e) purchase and sale of capital goods including plant and machinery;
- (f) any other payment related to production, processing or manufacturing of product under reference.

These records shall also indicate the basis followed for arriving at the rates charged or paid for such products or services so as to enable determination of the reasonableness of such rates in so far as they are in any way related to product under reference.

(2) The transactions by the following “related party relationships” shall be covered under sub-rule (1) :—

- (a) enterprises that directly, or indirectly through one or more intermediaries, control, or are controlled by, or are under common control with, the reporting enterprise (this includes holding companies, subsidiaries and fellow subsidiaries);
- (b) associates and joint ventures of the reporting enterprise and the investing party or venturer in respect of which the reporting enterprise is an associate or a joint venture;
- (c) individuals owning, directly or indirectly, an interest in the voting power of the reporting enterprise that gives them control or significant influence over the enterprise, and relatives of any such individual;
- (d) key management personnel and relatives of such personnel; and
- (e) enterprises over which any person described in (c) or (d) is able to exercise significant influence. This includes enterprises owned by directors or major shareholders of the reporting enterprise and enterprises that have a member of key management in common with the reporting enterprise.

However, the following shall not be deemed as “related party relationships” :—

- (a) two companies simply because they have a Director in common, notwithstanding paragraph (d) or (e) above (unless the Director is able to affect the policies of both companies in their mutual dealings);
- (b) a single customer, supplier, franchiser, distributor, or general agent with whom an enterprise transacts a significant volume of business merely by virtue of the resulting economic dependence; and
- (c) the parties listed below, in the course of their normal dealings with an enterprise by virtue only of those dealings (although they may circumscribe the freedom of action of the enterprise or participate in its decision-making process;
 - (i) providers of finance;
 - (ii) trade unions;

- (iii) public utilities;
- (iv) government departments and government agencies including government sponsored bodies.

Explanation :—For the purpose of these Rules,—

- (a) **“Related party relationships”** means parties who are considered to be related if at any time during the reporting period one party has the ability to control the other party or exercise significant influence over the other party in making financial and/or operating decisions;
- (b) **“Related party transaction”** means a transfer of resources or obligations between related parties, whether or not a price is charged;
- (c) **“Control”** means
 - (i) ownership, directly or indirectly, of more than one-half of the voting power of an enterprise; or
 - (ii) control of the composition of the Board of Directors in the case of a company or of the composition of the corresponding governing body in case of any other enterprise; or
 - (iii) a substantial interest in voting power and the power to direct, by statute or agreement, the financial and/or operating policies of the enterprise.
- (d) **“Significant influence”** means participation in the financial or operating policy decisions of an enterprise, but not control of those policies;
- (e) **“Associate”** means an enterprise in which an investing reporting party has significant influence and which is neither a subsidiary nor a joint venture of that party;
- (f) **“Joint venture”** means a contractual arrangement whereby two or more parties undertake an economic activity, which is subject to joint control;
- (g) **“Joint control”** means the contractually agreed sharing of power to govern the financial and operating policies of an economic activity so as to obtain benefits from it;
- (h) **“Key management personnel”** means those persons who have the authority and responsibility for planning, directing and controlling the activities of the reporting enterprise;
- (i) **“Relative”**—in relation to an individual, means the spouse, son, daughter, brother, sister, father and mother who may connected by blood relationship;
- (j) **“Holding company”** means a holding company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (k) **“Subsidiary”** means a subsidiary company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (l) **“Fellow subsidiary”** means a company is said to be a fellow subsidiary of another company if both are subsidiaries of the same holding company;
- (m) **“State-controlled enterprises”** means an enterprise which is under the control of the Central Government or a State Government.”

[F. No. 52/01/CAB-2001]

A. RAMASWAMY, Jt. Secy.

Footnote :—The principal rules were published vide G.S.R. number 688, dated the 25th June, 1984 and subsequently amended vide :—

1. GSR 1205, dated 16th October, 1984 (corrigendum).
2. GSR 566, dated 22nd July, 1989.
3. GSR 326 (E), dated 24th March, 1993.
4. GSR 450(E), dated 3rd August, 1998.
5. GSR 279(E), dated 24th April, 2001.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 2001

सा. का. नि. 732 (अ).—केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (1) के खंड(घ) के साथ पठित धारा 642 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लागत लेखा अभिलेख (इस्यात द्यूब और पाइप) नियम, 1984 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लागत लेखा अभिलेख (इस्यात द्यूब और पाइप) संशोधन नियम, 2001 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागत लेखा अभिलेख (इस्यात द्यूब और पाइप) नियम, 1984 में :—

अनुसूची 1 में, मद संख्या 19 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“19. अंतर-कंपनी अंतरण :

(1) किसी कंपनी द्वारा अपनी नियंत्री कंपनी या समनुपंगी अथवा किसी ऐसी कंपनी जिसे “संबद्ध पक्षकार संबंध” कहा गया है जैसा कि नीचे परिभाषित है और विपर्यय की बाबत संबद्ध पक्षकार संव्यवहार अथवा किए गए प्रदाय अथवा दी गई सेवाओं की बाबत उनके द्वारा की गई संविदाओं, करारों या उनकी बाबत हुई सहमति को दर्शित करते हुए निम्नलिखित की बाबत अभिलेख रखे जाएंगे :

- (क) कच्ची सामग्री, तैयार उत्पाद, प्रसंस्करण सामग्री, रासायनिक और स्क्रेप सहित अस्वीकृत माल आदि का क्रय और विक्रय;
- (ख) संयंत्र सुविधाओं और तकनीकी व्यवहार ज्ञान का उपयोग;
- (ग) उपयोगिताओं और किन्हीं अन्य सेवाओं का प्रदाय;
- (घ) प्रशासनिक, तकनीकी, प्रबंधकीय अथवा कोई अन्य परामर्शी सेवाएं;
- (ङ) संयंत्र और मशीनरी सहित पूंजीगत माल का क्रय और विक्रय;
- (च) उत्पादन, प्रसंस्करण या निर्देशाधीन उत्पाद से संबंधित कोई अन्य संदाय;

इन अभिलेखों में प्रभारित दरों को तय करना अथवा ऐसे उत्पादों के लिए अनुसरण किए गए आधारों को भी उपदर्शित किया जाएगा जिससे कि ऐसी दरों की युक्तियुक्तता का जहां तक कि उनका संबंध किसी भी रीति में निर्देशाधीन उत्पाद से है अवधारण किया जा सके।

(2) निम्न “संबंधित पक्षकार संबंध” द्वारा किए गए संव्यवहार उपनियम (1) के अन्तर्गत आएंगे :—

- (क) वे उद्यम जो प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः एक या अधिक मध्यवर्ती द्वारा नियंत्रित करते हैं अथवा रिपोर्टिंग उद्यम (जिसके अन्तर्गत नियंत्री कंपनी, समनुपंगी और सहयोगी समनुपंगी हैं) के द्वारा नियंत्रित की जाती है अथवा उनके सामान्य नियंत्रण में हैं;
- (ख) रिपोर्टिंग उद्यम के सहबन्ध और सहउद्यम और वे विनिधान पक्षकार अथवा उद्यम जिनकी बाबत रिपोर्टिंग उद्यम कोई सहबन्ध सहउद्यम है;
- (ग) व्यक्ति जो ऐसे, रिपोर्टिंग उद्यम की प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः मत देने की शक्ति में हित रखते हैं जो उन्हें उद्यम के ऊपर नियंत्रण अथवा महत्वपूर्ण असर प्रदान करता है और किसी ऐसे व्यक्ति के नातेदार;
- (घ) मुख्य प्रबंध कार्मिक और ऐसे कार्मिक के नातेदार; और
- (ङ) ऐसे उद्यम जिनके ऊपर (ग) अथवा (घ) में वर्णित कोई व्यक्ति महत्वपूर्ण असर का प्रयोग करने में समर्थ है। इसके अन्तर्गत निदेशकों अथवा रिपोर्टिंग उद्यम के प्रमुख शेयरधारकों के स्वामित्वाधीन उद्यम और वे उद्यम हैं जिनके ऐसे मुख्य प्रबंध सदस्य हैं जो रिपोर्टिंग उद्यम में भी सम्मिलित हैं।

तथापि, निम्नलिखित को “संबद्ध पक्षकार संबंध” समझा जाएगा :—

- (क) वे दो कंपनियां मात्र इस कारण कि उनका एक सम्मिलित निदेशक है, उपर्युक्त पैरा (घ) अथवा (ङ) में किसी बात के होते हुए भी (जब तक कि निदेशक दोनों कंपनियों को पारस्परिक व्यवहार में उनकी नीतियों को प्रभावित करने में समर्थ न हों);
- (ख) कोई एकल उपभोक्ता, प्रदायकर्ता, विशेषाधिकारी, संवितरक अथवा साधारण अभिकर्ता जिनके साथ कोई उद्यम, कारबार का महत्वपूर्ण संव्यवहार मात्र आर्थिक निर्भरता के परिणामस्वरूप करता है; और
- (ग) नीचे सूचीबद्ध पक्षकार, जो अपने सामान्य व्यवहार में किसी उद्यम के साथ केवल उन्हीं व्यवहारों के कारण संव्यवहार करते हैं (यद्यपि वे उद्यम की कार्य करने की स्वतंत्रता को सीमित कर सकने अथवा उनकी विनिश्चय करने की प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे)
 - (i) वित्त उपलब्ध कराने वाले;
 - (ii) व्यापार संघ;

(iii) लाक उपयोगिताएं;

(iv) सरकारी विभाग और सरकारी अभिकरण जिनके अंतर्गत सरकारी प्रायोजित निकाय भी हैं।

स्पष्टीकरण :—इन नियमों के प्रयोजन के लिए,—

- (क) “संबद्ध पक्षकार संबंध” से वे पक्षकार अभिप्रेत हैं जिन्हें किसी भी समय संबंधित समझा गया हो यदि रिपोर्टगत अवधि के दौरान एक पक्षकार अन्य पक्षकार को नियंत्रित करने की योग्यता रखता हो अथवा वित्तीय और/या प्रचालन संबंधी विनिश्चय करने में अन्य पक्षकार के ऊपर महत्वपूर्ण असर रखता हो;
- (ख) “सहबद्ध पक्षकार व्यवहार” से संबद्ध पक्षकारों के बीच संसाधनों अथवा दायित्वों का अंतरण अभिप्रेत है, चाहे उसके लिए कीमत प्रभारित की गई हो या नहीं;
- (ग) “नियंत्रण” से निम्नलिखित अभिप्रेत है,—
- (i) किसी उद्यम की मत देने की शक्ति के आधे से अधिक का प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः स्वामित्व; या
 - (ii) किसी कंपनी की दशा में निदेशक बोर्ड की संरचना का नियंत्रण अथवा किसी अन्य उद्यम की दशा में तत्स्थानी शासी निकाय की संरचना का नियंत्रण; या
 - (iii) मतदान शक्ति में सारवान हित और उद्यम की वित्तीय और/या प्रचालन नीतियों को काबू या करार द्वारा निदेश देने की शक्ति।
- (घ) “महत्वपूर्ण असर” से किसी उद्यम की वित्तीय अथवा प्रचालन नीति विषयक विनिश्चयों में भाग लेना अभिप्रेत है किन्तु उन नीतियों का नियंत्रण नहीं;
- (ङ.) “सहयुक्त” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जिसमें कोई विनिधानकारी रिपोर्ट करने वाला पक्षकार महत्वपूर्ण असर रखता है और जो उस पक्षकार का न तो समनुषंगी है और न सहउद्यम है;
- (च) “सहउद्यम” से कोई ऐसी संविदात्मक ठहराव अभिप्रेत है जिसके द्वारा दो या अधिक पक्षकार किसी अर्थिक क्रियाकलाप को अपने हाथ में लेते हैं और, जो नियंत्रण के अध्वधीन है;
- (छ) “संयुक्त नियंत्रण” से किसी आर्थिक क्रियाकलाप की वित्तीय और प्रचालन संबंधी नीतियों को शासित करने के लिए संविदात्मक रूप से करार पाई शक्तियों में हिस्सा बंटाना अभिप्रेत है जिससे कि इससे फायदा अभिप्राप्त किया जा सके;
- (ज) “मुख्य प्रबंध कार्मिक” से वे व्यक्ति अभिप्रेत हैं जिनके पास रिपोर्ट करने वाले उद्यम के क्रियाकलापों की योजना, निदेशन और नियंत्रण करने का प्राधिकार और दायित्व है;
- (झ) किसी व्यक्ति के संबंध में, “नातेदार” से पति-पत्नी, पुत्र, पुत्री, भाई, बहन, पिता और माता अभिप्रेत हैं जो रक्त संबंध संस्कार हैं;
- (ञ) “नियंत्रि कंपनी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातर्गत कोई नियंत्रि कंपनी अभिप्रेत है;
- (ट) “समनुषंगी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातर्गत कोई समनुषंगी कंपनी अभिप्रेत है;
- (ठ) “सहयोगी समनुषंगी” से वह कंपनी अभिप्रेत है जो किसी अन्य कंपनी की सहयोगी समनुषंगी है यदि दोनों उसी नियंत्रि कंपनी की समनुषंगी हैं;
- (ड) “राज्य नियंत्रित उद्यम” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जो केन्द्रीय सरकार अथवा किसी राज्य सरकार के नियंत्रणाधीन है।

[फा. सं. 52/01/सीएबी-2001]

ए. रामास्वामी, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पण :—मूल नियम सा. का. नि.सं. 506(अ) दिनांक 10-5-84 द्वारा प्रकाशित किए गए थे पश्चातवर्ती संशोधन निम्नलिखित द्वारा किए गए :—

1. सा. का. नि. 565, दिनांक 22-7-89
2. सा. का. नि. 325(अ), दिनांक 24-3-93
3. सा. का. नि. 449(अ), दिनांक 3-8-98

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th September, 2001

G.S.R. 732 (E).—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of section 642, read with clause (d) of Sub-section (1) of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Cost Accounting Records (Steel Tubes and Pipes) Rules, 1984, namely :—

1. (1) These rules may be called the Cost Accounting Records (Steel Tubes and Pipes) Amendment Rules, 2001.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Cost Accounting Records (Steel Tubes and Pipes) Rules, 1984 :—

in schedule I, for item 19 and the entries relating thereto, the following shall be substituted namely :—

“19. INTER-COMPANY TRANSFER:

(1) In respect of related party transactions or supplies made or services rendered by a company to its holding company or subsidiary or a company termed “related party relationship” as defined below and vice-a-versa, records shall be maintained showing contracts entered into, agreements or understanding reached in respect of :

- (a) purchase and sale of raw materials, finished products, process materials, chemicals and rejected goods including scraps etc.;
- (b) utilisation of plant facilities and technical know-how;
- (c) supply of utilities and any other services;
- (d) administrative, technical, managerial or any other consultancy services;
- (e) purchase and sale of capital goods including plant and machinery;
- (f) any other payment related to production, processing or manufacturing of product under reference.

These records shall also indicate the basis followed for arriving at the rates charged or paid for such products or services so as to enable determination of the reasonableness of such rates in so far as they are in any way related to product under reference.

(2) The transactions by the following “related party relationships” shall be covered under sub-rule (1) :—

- (a) enterprises that directly, or indirectly through one or more intermediaries, control, or are controlled by, or are under common control with, the reporting enterprise (this includes holding companies, subsidiaries and fellow subsidiaries);
- (b) associates and joint ventures of the reporting enterprise and the investing party or venturer in respect of which the reporting enterprise is an associate or a joint venture;
- (c) individuals owning, directly or indirectly, an interest in the voting power of the reporting enterprise that gives them control or significant influence over the enterprise, and relatives of any such individual;
- (d) key management personnel and relatives of such personnel; and
- (e) enterprises over which any person described in (c) or (d) is able to exercise significant influence. This includes enterprises owned by directors or major shareholders of the reporting enterprise and enterprises that have a member of key management in common with the reporting enterprise.

However, the following shall not be deemed as “related party relationships” :—

- (a) two companies simply because they have a Director in common, notwithstanding paragraph (d) or (e) above (unless the Director is able to affect the policies of both companies in their mutual dealings);
- (b) a single customer, supplier, franchiser, distributor, or general agent with whom an enterprise transacts a significant volume of business merely by virtue of the resulting economic dependence; and
- (c) the parties listed below, in the course of their normal dealings with an enterprise by virtue only of those dealings (although they may circumscribe the freedom of action of the enterprise or participate in its decision-making process:
 - (i) providers of finance;
 - (ii) trade unions;

- (iii) public utilities;
- (iv) government departments and government agencies including government sponsored bodies.

Explanation :—For the purpose of these Rules,—

- (a) **“Related party relationships”** means parties who are considered to be related if at any time during the reporting period one party has the ability to control the other party or exercise significant influence over the other party in making financial and/or operating decisions;
- (b) **“Related party transaction”** means a transfer of resources or obligations between related parties, whether or not a price is charged;
- (c) **“Control”** means
 - (i) ownership, directly or indirectly, of more than one half of the voting power of an enterprise; or
 - (ii) control of the composition of the Board of Directors in the case of a company or of the composition of the corresponding governing body in case of any other enterprise; or
 - (iii) a substantial interest in voting power and the power to direct, by statute or agreement, the financial and/or operating policies of the enterprise.
- (d) **“Significant influence”** means participation in the financial or operating policy decisions of an enterprise, but not control of those policies;
- (e) **“Associate”** means an enterprise in which an investing reporting party has significant influence and which is neither a subsidiary nor a joint venture of that party;
- (f) **“Joint venture”** means a contractual arrangement whereby two or more parties undertake an economic activity, which is subject to joint control;
- (g) **“Joint control”** means the contractually agreed sharing of power to govern the financial and operating policies of an economic activity so as to obtain in benefits from it;
- (h) **“Key management personnel”** means those persons who have the authority and responsibility for planning, directing and controlling the activities of the reporting enterprise;
- (i) **“Relative”**—in relation to an individual, means the spouse, son, daughter, brother, sister, father and mother who may connected by blood relationship;
- (j) **“Holding company”** means a holding company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (k) **“Subsidiary”** means a subsidiary company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (l) **“Fellow subsidiary”** means a company is said to be a fellow subsidiary of another company if both are subsidiaries of the same holding company;
- (m) **“State-controlled enterprise”** means an enterprise which is under the control of the Central Government or a State Government.”

[F. No. 52/01/CAB-2001]

A. RAMASWAMY, Jt. Secy.

Footnote :—The principal rules were published vide G.S.R. number 506(E), dated the 10th May, 1984 and subsequently amended vide :—

1. GSR 565, dated 22nd July, 1989.
2. GSR 325(E), dated 24th March, 1993.
3. GSR 449(E), dated 3rd August, 1998.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 2001

सा. का. नि. 733 (अ).—केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (1) के खंड (घ) के साथ पठित धारा 642 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लागत लेखा अभिलेख (विद्युत केबल और विद्युत चालक) नियम, 1984 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लागत लेखा अभिलेख (विद्युत केबल और विद्युत चालक) संशोधन नियम, 2001 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागत लेखा अभिलेख (विद्युत केबल और विद्युत चालक) नियम, 1984 में :—

अनुसूची 1 में, संख्या 18 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“18. अंतर-कंपनी अंतरण :

(1) किसी कंपनी द्वारा अपनी नियंत्रि कंपनी या समनुगंगी अथवा किसी ऐसी कंपनी जिसे “संबद्ध पक्षकार संबंध” कहा गया है जैसा कि नीचे परिभाषित है और विपर्यय की बाबत संबद्ध पक्षकार संव्यवहार अथवा किए गए प्रदाय अथवा दी गई सेवाओं की बाबत उनके द्वारा की गई संविदाओं, करारों या उनकी बाबत हुई सहमति को दर्शित करते हुए निम्नलिखित की बाबत अभिलेख रखे जाएंगे :

- (क) कच्ची सामग्री, तैयार उत्पाद, प्रसंस्करण सामग्री, रासायनिक और स्क्रेप सहित अस्वीकृत माल आदि का क्रय और विक्रय;
- (ख) संयंत्र सुविधाओं और तकनीकी व्यवहार ज्ञान का उपयोग;
- (ग) उपयोगिताओं और किन्हीं अन्य सेवाओं का प्रदाय;
- (घ) प्रशासनिक, तकनीकी, प्रबंधकीय अथवा कोई अन्य परामर्शी सेवाएं;
- (ङ) संयंत्र और मशीनरी सहित पूंजीगत माल का क्रय और विक्रय;
- (च) उत्पादन, प्रसंस्करण या निर्देशाधीन उत्पाद से संबंधित कोई अन्य संदाय;

इन अभिलेखों में प्रभारित दरों को तय करना अथवा ऐसे उत्पादों के लिए संदाय करने के लिए अनुमरण किए गए आधारों को भी उपदर्शित किया जाएगा जिससे कि ऐसी दरों की युक्तियुक्तता का जहां तक कि उनका संबंध किसी भी रीति में निर्देशाधीन उत्पाद से है अवधारण किया जा सके।

(2) निम्न “संबंधित पक्षकार संबंध” द्वारा किए गए संव्यवहार उपनियम (1) के अन्तर्गत आएंगे :—

- (क) वे उद्यम जो प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः एक या अधिक मध्यवर्ती द्वारा नियंत्रित करते हैं अथवा रिपोर्टगत उद्यम (जिसके अन्तर्गत नियंत्रि कंपनी, समनुगंगी और सहयोगी समनुगंगी हैं) के द्वारा नियंत्रित की जाती हैं अथवा उनके सामान्य नियंत्रण में हैं ;
- (ख) रिपोर्टगत उद्यम के सहबद्ध और सहउद्यम और वे विनिधान पक्षकार अथवा उद्यम जिनकी बाबत रिपोर्टगत उद्यम कोई सहबद्ध अथवा सहउद्यम है;
- (ग) व्यक्ति जो ऐसे, रिपोर्टगत उद्यम की प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः मत देने की शक्ति में हित रखते हैं जो उन्हें उद्यम के ऊपर नियंत्रण अथवा महत्वपूर्ण असर प्रदान करता है और किसी ऐसे व्यक्ति के नातेदार;
- (घ) मुख्य प्रबंध कार्मिक और ऐसे कार्मिक के नातेदार; और
- (ङ) ऐसे उद्यम जिनके ऊपर (ग) अथवा (घ) में वर्णित कोई व्यक्ति महत्वपूर्ण असर का प्रयोग करने में समर्थ है। इसके अन्तर्गत निदेशकों अथवा रिपोर्टगत उद्यम के प्रमुख शेयरधारकों के स्वामित्वाधीन उद्यम और वे उद्यम हैं जिनके ऐसे मुख्य प्रबंध सदस्य हैं जो रिपोर्टगत उद्यम में भी सम्मिलित हैं।

तथापि, निम्नलिखित को “संबद्ध पक्षकार संबंध” समझा जाएगा :—

- (क) वे दो कंपनियां मात्र इस कारण कि उनका एक सम्मिलित निदेशक है, उपर्युक्त पैरा (घ) अथवा (ङ) में किसी बात के होते हुए भी (जब तक कि निदेशक दोनों कंपनियों को पारस्परिक व्यवहार में उनकी नीतियों को प्रभावित करने में समर्थ न हों);
- (ख) कोई एकल उपभोक्ता, प्रदायकर्ता, विशेषाधिकारी, संवितरक अथवा साधारण अभिकर्ता जिनके साथ कोई उद्यम, कारबार का महत्वपूर्ण संव्यवहार मात्र आर्थिक निर्भरता के परिणामस्वरूप करता है; और
- (ग) नीचे सूचीबद्ध पक्षकार, जो अपने सामान्य व्यवहार में किसी उद्यम के साथ केवल उन्हीं व्यवहारों के कारण संव्यवहार करते हैं (यद्यपि वे उद्यम की कार्य करने की स्वतंत्रता को सीमित कर सकने अथवा उनकी विनिश्चय करने की प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे):
 - (i) वित्त उपलब्ध कराने वाले;
 - (ii) व्यापार संघ;

(iii) लोक उपयोगिताएं;

(iv) सरकारी विभाग और सरकारी अभिकरण जिनके अंतर्गत सरकारी प्रायोजित निकाय भी हैं।

स्पष्टीकरण :— इन नियमों के प्रयोजन के लिए,—

- (क) “संबद्ध पक्षकार संबंध” से वे पक्षकार अभिप्रेत हैं जिन्हें किसी भी समय संबंधित समझा गया हो यदि रिपोर्टगत अवधि के दौरान एक पक्षकार अन्य पक्षकार को नियंत्रित करने की योग्यता रखता हो अथवा वित्तीय और/या प्रचालन संबंधी विनिश्चय करने में अन्य पक्षकार के ऊपर महत्वपूर्ण असर रखता हो;
- (ख) “सहयुक्त पक्षकार संव्यवहार” से संबद्ध पक्षकारों के बीच संसाधनों अथवा दायित्वों का अंतरण अभिप्रेत है, चाहे उसके लिए कीमत प्रभारित की गई हो या नहीं;
- (ग) “नियंत्रण” से निम्नलिखित अभिप्रेत है,—
- (i) किसी उद्यम की मत देने की शक्ति के आधे से अधिक का प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः स्वामित्व; या
 - (ii) किसी कंपनी की दशा में निदेशक बोर्ड की संरचना का नियंत्रण अथवा किसी अन्य उद्यम की दशा में तत्स्थानी शासी निकाय की संरचना का नियंत्रण; या
 - (iii) मतदान शक्ति में सारवान हित और उद्यम की वित्तीय और/या प्रचालन नीतियों को कानून या करार द्वारा निदेश देने की शक्ति।
- (घ) “महत्वपूर्ण असर” से किसी उद्यम की वित्तीय अथवा प्रचालन नीति विषयक विनिश्चयों में भाग लेना अभिप्रेत है किन्तु उन नीतियों का नियंत्रण नहीं;
- (ङ.) “सहयुक्त” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जिसमें कोई विनिधानकारी रिपोर्ट करने वाला पक्षकार महत्वपूर्ण असर रखता है और जो उस पक्षकार का न तो समनुषंगी है और न सहउद्यम है;
- (च) “सहउद्यम” से कोई ऐसी संविदात्मक ठहराव अभिप्रेत है जिसके द्वारा दो या अधिक पक्षकार किसी अधिक क्रियाकलाप को अपने हाथ में लेते हैं और, जो नियंत्रण के अध्वधीन है;
- (छ) “संयुक्त नियंत्रण” से किसी आर्थिक क्रियाकलाप की वित्तीय और प्रचालन संबंधी नीतियों को शासित करने के लिए संविदात्मक रूप से करार पाई शक्तियों में हिस्सा बंटाना अभिप्रेत है जिससे कि इससे फायदा अभिप्राप्त किया जा सके;
- (ज) “मुख्य प्रबंध कार्मिक” से वे व्यक्ति अभिप्रेत हैं जिनके पास रिपोर्ट करने वाले उद्यम के क्रियाकलापों की योजना, निदेशन और नियंत्रण करने का प्राधिकार और दायित्व है;
- (झ) किसी व्यक्ति के संबंध में, “नातेदार” से पति-पत्नी, पुत्र, पुत्री, भाई, बहन, पिता और माता अभिप्रेत हैं जो रक्त संबंध संस्कार हैं;
- (ञ) “नियंत्रि कंपनी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातर्गत कोई नियंत्रि कंपनी अभिप्रेत है;
- (ट) “समनुषंगी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातर्गत कोई समनुषंगी कंपनी अभिप्रेत है;
- (ठ) “सहयोगी समनुषंगी” से वह कंपनी अभिप्रेत है जो किसी अन्य कंपनी की सहयोगी समनुषंगी है यदि दोनों उसी नियंत्रि कंपनी की समनुषंगी हैं;
- (ड) “राज्य नियंत्रित उद्यम” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जो केन्द्रीय सरकार अथवा किसी राज्य सरकार के नियंत्रणाधीन है।

[फा. सं. 52/01/सीएबी-2001]

ए. रामास्वामी, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पण :— मूल नियम सा. का. नि.सं. 767 दिनांक 7-7-84 द्वारा प्रकाशित किए गए थे पश्चातवर्ती संशोधन निम्नलिखित द्वारा किए गए :—

1. सा. का. नि. 1152, दिनांक 28-9-84
2. सा. का. नि. 567, दिनांक 22-7-89
3. सा. का. नि. 327(अ), दिनांक 24-3-93
4. सा. का. नि. 451(अ), दिनांक 3-8-98

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th September, 2001

G.S.R. 733(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 642, read with clause (d) of sub-section (1) of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Cost Accounting Records (Electrical Cables and Conductors) Rules, 1984, namely :—

1. (1) These rules may be called the Cost Accounting Records (**Electrical Cables and Conductors**) Amendment Rules, 2001

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Cost Accounting Records (**Electrical Cables and Conductors**) Rules, 1984 :—

in schedule I, after item number 18 and the entries relating thereto, the following shall be substituted namely :—

“18. INTER-COMPANY TRANSFER:

(1) In respect of related party transactions or supplies made or services rendered by a company to its holding company or subsidiary or a company termed “related party relationship” as defined below and vice-a-versa, records shall be maintained showing contracts entered into, agreements or understanding reached in respect of

- (a) purchase and sale of raw materials, finished products, process materials, chemicals and rejected goods including scraps, etc;
- (b) utilisation of plant facilities and technical know-how,
- (c) supply of utilities and any other services;
- (d) administrative, technical, managerial or any other consultancy services;
- (e) purchase and sale of capital goods including plant and machinery,
- (f) any other payment related to production, processing or manufacturing of product under reference

These records shall also indicate the basis followed for arriving at the rates charged or paid for such products or services so as to enable determination of the reasonableness of such rates in so far as they are in any way related to product under reference.

(2) The transactions by the following “related party relationships” shall be covered under sub-rule (1) :—

- (a) enterprises that directly, or indirectly through one or more intermediaries, control, or are controlled by, or are under common control with, the reporting enterprise (this includes holding companies, subsidiaries and follow subsidiaries);
- (b) associates and joint ventures of the reporting enterprise and the investing party or venturer in respect of which the reporting enterprise is an associate or a joint venture;
- (c) individuals owning, directly or indirectly, an interest in the voting power of the reporting enterprise that gives them control or significant influence over the enterprise, and relatives of any such individual;
- (d) key management personnel and relatives of such personnel; and
- (e) enterprises over which any person described in (c) or (d) is able to exercise significant influence. This includes enterprises owned by directors or major shareholders of the reporting enterprise and enterprises that have a member of key management in common with the reporting enterprise.

However, the following shall not be deemed as “related party relationships” :—

- (a) two companies simply because they have a Director in common, notwithstanding paragraph (d) or (e) above (unless the Director is able to affect the policies of both companies in their mutual dealings);
- (b) a single customer, supplier, franchiser, distributor, or general agent with whom an enterprise transacts a significant volume of business merely by virtue of the resulting economic dependence; and
- (c) the parties listed below, in the course of their normal dealings with an enterprise by virtue only of those dealings (although they may circumscribe the freedom of action of the enterprise or participate in its decision-making process) :
 - (i) Providers of finance;
 - (ii) trade unions;

- (iii) public utilities;
- (iv) Government departments and Government agencies including Government sponsored bodies.

Explanation :—For the purpose of these Rules,—

- (a) **“Related party relationships”** means parties who are considered to be related if at any time during the reporting period one party has the ability to control the other party or exercise significant influence over the other party in making financial and/or operating decisions;
- (b) **“Related party transaction”** means a transfer of resources or obligations between related parties, whether or not a price is charged;
- (c) **“Control”** means
 - (i) ownership, directly or indirectly, of more than one-half of the voting power of an enterprise; or
 - (ii) control of the composition of the Board of Directors in the case of a company or of the composition of the corresponding governing body in case of any other enterprise; or
 - (iii) a substantial interest in voting power and the power to direct, by statute or agreement, the financial and/or operating policies of the enterprise.
- (d) **“Significant influence”** means participation in the financial or operating policy decisions of an enterprise, but not control of those policies;
- (e) **“Associate”** means an enterprise in which an investing reporting party has significant influence and which is neither a subsidiary nor a joint venture of that party;
- (f) **“Joint venture”** means a contractual arrangement whereby two or more parties undertake an economic activity, which is subject to joint control;
- (g) **“Joint control”** means the contractually agreed sharing of power to govern the financial and operating policies of an economic activity so as to obtain benefits from it;
- (h) **“Key management personnel”** means those persons who have the authority and responsibility for planning, directing and controlling the activities of the reporting enterprise;
 - (i) **“Relative”**—in relation to an individual, means the spouse, son, daughter, brother, sister, father and mother who may be connected by blood relationship;
 - (j) **“Holding company”** means a holding company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
 - (k) **“Subsidiary”** means a subsidiary company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
 - (l) **“Fellow subsidiary”** means a company is said to be a fellow subsidiary of another company if both are subsidiaries of the same holding company;
- (m) **“State-controlled enterprises”** means an enterprise which is under the control of the Central Government or a State Government.”

[F. No. 52/01/CAB-2001]

A. RAMASWAMY, Jt. Secy.

Footnote :—The principal rules were published vide G.S.R. number 767, dated the 7th July, 1984 and subsequently amended vide :—

1. GSR 1152, dated 28th September, 1984
2. GSR 567, dated 22nd July, 1989.
3. GSR 327(E), dated 24th March, 1993.
4. GSR 451(E), dated 3rd August, 1998

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 2001

सा. का. नि. 734 (अ).—केंद्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (1) के खंड (घ) के साथ पठित धारा 642 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लागत लेखा अभिलेख (वेयरिंग) नियम, 1985 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लागत लेखा अभिलेख (वेयरिंग) संशोधन नियम, 2001 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागत लेखा अभिलेख (वेयरिंग) नियम, 1985 में :—

अनुसूची 1 में, मद संख्या 19 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“19. अंतर-कंपनी अंतरण :

(1) किसी कंपनी द्वारा अपनी नियंत्री कंपनी या समनुगंगी अथवा किसी ऐसी कंपनी जिसे “संबद्ध पक्षकार संबंध” कहा गया है जैसा कि नीचे परिभाषित है और विपर्यय की बाबत संबद्ध पक्षकार संव्यवहार अथवा किए गए प्रदाय अथवा दी गई सेवाओं की बाबत उनके द्वारा की गई संविदाओं, करारों या उनकी बाबत हुई सहमति को दर्शित करते हुए निम्नलिखित की बाबत अभिलेख रखे जाएंगे :

- (क) कच्ची सामग्री, तैयार उत्पाद, प्रसंस्करण सामग्री, रासायनिक और स्क्रेप सहित अस्वीकृत माल आदि का क्रय और विक्रय ;
- (ख) संयंत्र सुविधाओं और तकनीकी व्यवहार ज्ञान का उपयोग ;
- (ग) उपयोगिताओं और किन्हीं अन्य सेवाओं का प्रदाय ;
- (घ) प्रशासनिक, तकनीकी प्रबंधकीय अथवा कोई अन्य परामर्शी सेवाएं ;
- (ङ) संयंत्र और मशीनरी सहित पूंजीगत माल का क्रय और विक्रय ;
- (च) उत्पादन, प्रसंस्करण या निर्देशाधीन उत्पाद से संबंधित कोई अन्य संदाय ;

इन अभिलेखों में प्रभारित दलों को तय करना अथवा ऐसे उत्पादों के लिए संदाय करने के लिए अनुमरण किए गए आभारों को भी उपदर्शित किया जाएगा जिससे कि ऐसी दलों की युक्तियुक्तता का जहां तक कि उनका संबंध किसी भी रीति में निर्देशाधीन उत्पाद से है अवधारण किया जा सके।

- (2) निम्न “संबंधित पक्षकार संबंध” द्वारा किए गए संव्यवहार उपनियम (1) के अन्तर्गत आएंगे :—

- (क) वे उद्यम जो प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः एक या अधिक मध्यवर्ती द्वारा नियंत्रित करते हैं अथवा रिपोर्टिंग उद्यम (जिसके अन्तर्गत नियंत्री कंपनी, समनुगंगी और सहयोगी समनुगंगी हैं) के द्वारा नियंत्रित की जाती हैं अथवा उनके सामान्य नियंत्रण में हैं ;
- (ख) रिपोर्टिंग उद्यम के सहबद्ध और सहउद्यम और वे विनिधान पक्षकार अथवा उद्यम जिनकी बाबत रिपोर्टिंग उद्यम कोई सहबद्ध अथवा सहउद्यम है ;
- (ग) व्यक्ति जो ऐसे, रिपोर्टिंग उद्यम की प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः मत देने की शक्ति में हित रखते हैं जो उन्हें उद्यम के ऊपर नियंत्रण अथवा महत्वपूर्ण असर प्रदान करता है और किसी ऐसे व्यक्ति के नातेदार ;
- (घ) मुख्य प्रबंध कार्मिक और ऐसे कार्मिक के नातेदार ; और
- (ङ) ऐसे उद्यम जिनके ऊपर (ग) अथवा (घ) में वर्णित कोई व्यक्ति महत्वपूर्ण असर का प्रयोग करने में समर्थ है। इसके अंतर्गत निदेशको अथवा रिपोर्टिंग उद्यम के प्रमुख शेयरधारकों के स्वामित्वाधीन उद्यम और वे उद्यम हैं जिनके ऐसे मुख्य प्रबंध सदस्य हैं जो रिपोर्टिंग उद्यम में भी सम्मिलित हैं।

तथापि, निम्नलिखित को “संबद्ध पक्षकार संबंध” समझा जाएगा :—

- (क) वे दो कंपनियां मात्र इस कारण कि उनका एक सम्मिलित निदेशक है, उपर्युक्त पैरा (घ) अथवा (ङ) में किसी बात के होते हुए भी (ज्ञय तक कि निदेशक दोनों कंपनियों को पारस्परिक व्यवहार में उनकी नीतियों को प्रभावित करने में समर्थ न हो) ;
 - (ख) कोई एकल उपभोक्ता, प्रदायकर्ता, विशेषाधिकारी, संवितरक अथवा साधारण अधिकर्ता जिनके साथ कोई उद्यम, व्यापार का महत्वपूर्ण संव्यवहार मात्र आर्थिक निर्भरता के परिणामस्वरूप करता है ; और
 - (ग) नीचे सूचीबद्ध पक्षकार, जो अपने सामान्य व्यवहार में किसी उद्यम के साथ केवल उन्हीं व्यवहारों के कारण संव्यवहार करते हैं : यद्यपि ये उद्यम की कार्य करने की स्वतंत्रता को सीमित कर सकने अथवा उसकी विनिश्चय करने की प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे ;
- (i) वित्त उपलब्ध कराने वाले ;
 - (ii) व्यापार संघ ;

(iii) लोक उपयोगिताएं ;

(iv) सरकारी विभाग और सरकारी अधिकरण जिनके अंतर्गत सरकारों प्रायोजित निकाय भी हैं।

स्पष्टीकरण :—इन नियमों के प्रयोजन के लिए,—

- (क) “संबद्ध पक्षकार संबंध” से वे पक्षकार अभिप्रेत हैं जिन्हें किसी भी समय संबंधित समझा गया हो यदि रिपोर्टगत अवधि के दौरान एक पक्षकार अन्य पक्षकार को नियंत्रित करने की योग्यता रखता हो अथवा वित्तीय और/या प्रचालन संबंधी विनिश्चय करने में अन्य पक्षकार के ऊपर महत्वपूर्ण असर रखता हो;
- (ख) “सहबद्ध पक्षकार संव्यवहार” से संबद्ध पक्षकारों के बीच संसाधनों अथवा दायित्वों का अंतरण अभिप्रेत है, चाहे उसके लिए कीमत प्रभारित की गई हो या नहीं;
- (ग) “नियंत्रण” से निम्नलिखित अभिप्रेत है,—
- (i) किसी उद्यम की मत देने की शक्ति के आधे से अधिक का प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः स्वामित्व; या
 - (ii) किसी कंपनी की दशा में निदेशक बोर्ड की संरचना का नियंत्रण अथवा किसी अन्य उद्यम की दशा में तत्स्थानी शासी निकाय की संरचना का नियंत्रण; या
 - (iii) मतदान शक्ति में सारवान हित और उद्यम की वित्तीय और/या प्रचालन नीतियों को कानून या करार द्वारा निदेश देने की शक्ति।
- (घ) “महत्वपूर्ण असर” से किसी उद्यम की वित्तीय अथवा प्रचालन नीति विषयक विनिश्चयों में भाग लेना अभिप्रेत है किन्तु उन नीतियों का नियंत्रण नहीं;
- (ङ) “सहयुक्त” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जिसमें कोई विनिधानकारी रिपोर्ट करने वाला पक्षकार महत्वपूर्ण असर रखता है और जो उस पक्षकार का न तो समनुषंगी है और न सहउद्यम है;
- (च) “सहउद्यम” से कोई ऐसी संविदात्मक ठहराव अभिप्रेत है जिसके द्वारा दो या अधिक पक्षकार किसी आर्थिक क्रियाकलाप को अपने हाथ में लेते हैं और, जो नियंत्रण के अधधीन है;
- (छ) “संयुक्त नियंत्रण” से किसी आर्थिक क्रियाकलाप की वित्तीय और प्रचालन संबंधी नीतियों को शासित करने के लिए संविदात्मक रूप से करार पाई शक्तियों में हिस्सा बंटाना अभिप्रेत है जिससे कि इससे फायदा अभिप्राप्त किया जा सके;
- (ज) “मुख्य प्रबंध कार्मिक” से वे व्यक्ति अभिप्रेत हैं जिनके पास रिपोर्ट करने वाले उद्यम के क्रियाकलापों की योजना, निदेशन और नियंत्रण करने का प्राधिकार और दायित्व है;
- (झ) किसी व्यक्ति के संबंध में, “नातेदार” से पति-पत्नी, पुत्र, पुत्री, भाई, बहन, पिता और माता अभिप्रेत हैं जो रक्त संबंध संस्कार हैं;
- (ञ) “नियंत्रि कंपनी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातर्गत कोई नियंत्रि कंपनी अभिप्रेत है;
- (ट) “समनुषंगी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातर्गत कोई समनुषंगी कंपनी अभिप्रेत है;
- (ठ) “सहयोगी समनुषंगी” से वह कंपनी अभिप्रेत है जो किसी अन्य कंपनी की सहयोगी समनुषंगी है यदि दोनों उसी नियंत्रि कंपनी की समनुषंगी हैं;
- (ड) “राज्य नियंत्रित उद्यम” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जो केंद्रीय सरकार अथवा किसी राज्य सरकार के नियंत्रणाधीन है।

[फा. सं. 52/01/सीएबी-2001]

ए. रामास्वामी, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पण :—मूल नियम सा.का.नि. सं. 664 दिनांक 1-7-85 द्वारा प्रकाशित किए गए थे पश्चात्पूर्वी संशोधन निम्नलिखित द्वारा किए गए—

- (1) सा.का.नि. 1046, दिनांक 29-10-85 (शुद्धिपत्र)
- (2) सा.का.नि. 568, दिनांक 22-7-89
- (3) सा.का.नि. 328(अ), दिनांक 24-3-93
- (4) सा.का.नि. 452(अ), दिनांक 3-8-98

NOTIFICATION

New Delhi the 28th September, 2001

G.S.R. 734 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 642, read with clause (d) of sub-section (1) of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Cost Accounting Records (Bearings) Rules, 1985, namely :—

1. (1) These rules may be called the Cost Accounting Records (Bearings) Amendment Rules, 2001.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Cost Accounting Records (Bearings) Rules, 1985 :—

In schedule I, for item 19 and the entries relating thereto, the following shall be substituted namely :—

“19. INTER-COMPANY TRANSFER:

- (1) In respect of related party transactions or supplies made or services rendered by a company to its holding company or subsidiary or a company termed “related party relationship” as defined below and vice-a-versa, records shall be maintained showing contracts entered into, agreements or understanding reached in respect of :
 - (a) purchase and sale of raw materials, finished products, process materials, chemicals and rejected goods including scraps, etc;
 - (b) utilisation of plant facilities and technical know-how;
 - (c) supply of utilities and any other services;
 - (d) administrative, technical, managerial or any other consultancy services;
 - (e) purchase and sale of capital goods including plant and machinery;
 - (f) any other payment related to production, processing or manufacturing of product under reference.

These records shall also indicate the basis followed for arriving at the rates charged or paid for such products or services so as to enable determination of the reasonableness of such rates in so far as they are in any way related to product under reference.

- (2) The transactions by the following “related party relationship” shall be covered under sub-rule (1) :—
 - (a) enterprises that directly, or indirectly through one or more intermediaries, control, or are controlled by, or are under common control with, the reporting enterprise (this includes holding companies, subsidiaries and fellow subsidiaries);
 - (b) associates and joint ventures of the reporting enterprise and the investing party or venturer in respect of which the reporting enterprise is an associate or a joint venture;
 - (c) individuals owning, directly or indirectly, an interest in the voting power of the reporting enterprise that gives them control or significant influence over the enterprise, and relatives of any such individual;
 - (d) key management personnel and relatives of such personnel; and
 - (e) enterprises over which any person described in (c) or (d) is able to exercise significant influence. This includes enterprises owned by directors or major shareholders of the reporting enterprise and enterprises that have a member of key management in common with the reporting enterprise.

However, the following shall not be deemed as “related party relationships” :—

- (a) two companies simply because they have a Director in common, notwithstanding paragraph (d) or (e) above (unless the Director is able to affect the policies of both companies in their mutual dealings);
- (b) a single customer, supplier, franchiser, distributor, or general agent with whom an enterprise transacts a significant volume of business merely by virtue of the resulting economic dependence; and
- (c) the parties listed below, in the course of their normal dealings with an enterprise by virtue only of those dealings (although they may circumscribe the freedom of action of the enterprise or participate in its decision-making process);
 - (i) providers of finance;
 - (ii) trade unions;

(iii) public utilities;

(iv) government departments and government agencies including government sponsored bodies.

Explanation :—For the purpose of these Rules,—

- (a) **“Related party relationship”** means parties who are considered to be related if at any time during the reporting period one party has the ability to control the other party or exercise significant influence over the other party in making financial and/or operating decisions;
- (b) **“Related party transaction”** means a transfer of resources or obligations between related parties, whether or not a price is charged;
- (c) **“Control”** means
 - (i) ownership, directly or indirectly, of more than one-half of the voting power of an enterprise; or
 - (ii) control of the composition of the Board of Directors in the case of a company or of the Composition of the corresponding governing body in case of any other enterprise; or
 - (iii) a substantial interest in voting power and the power to direct, by statute or agreement, the financial and/or operating policies of the enterprise.
- (d) **“Significant influence”** means participation in the financial or operating policy decisions of an enterprise, but not control of those policies;
- (e) **“Associate”** means an enterprise in which an investing reporting party has significant influence and which is neither a subsidiary nor a joint venture of that party;
- (f) **“Joint venture”** means a contractual arrangement whereby two or more parties undertake an economic activity which is subject to joint control;
- (g) **“Joint Control”** means the contractually agreed sharing of power to govern the financial and operating policies of an economic activity so as to obtain benefits from it;
- (h) **“Key management personnel”** means those persons who have the authority and responsibility for planning, directing and controlling the activities of the reporting enterprise;
- (i) **“Relative”**—in relation to an individual, means the spouse, son, daughter, brother, sister, father and mother who may connected by blood relationship;
- (j) **“Holding company”** means a holding company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (k) **“Subsidiary”** means a subsidiary company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (l) **“Fellow subsidiary”** means a company is said to be a fellow subsidiary of another company if both are subsidiaries of the same holding company;
- (m) **“State-controlled enterprise”** means an enterprise which is under the control of the Central Government or a State Government.”

[F. No. 52/01/CAB-2001]

A. Ramaswamy, Joint Secy.

Foot Note.—The principal rules were published vide G.S.R. number 664, dated the 1st July, 1985 and subsequently amended vide—

1. GSR 1046, dated 29th October, 1985 (Corrigendum).
2. GSR 568, dated 22nd July, 1989.
3. GSR 328 (E), dated 24th March, 1993.
4. GSR 452 (E), dated 3rd August, 1998.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 2001

सा. का. नि. 735(अ).—केंद्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (1) के खंड (घ) के साथ पठित धारा 642 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लागत लेखा अभिलेख (रासायनिक उद्योग) नियम, 1987 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लागत लेखा अभिलेख (रासायनिक उद्योग) संशोधन नियम, 2001 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागत लेखा अभिलेख (रासायनिक उद्योग) नियम, 1987 में :—

अनुसूची 1 में, मद संख्या 24 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“24. अंतर-कंपनी अंतरण :

(1) किसी कंपनी द्वारा अपनी नियंत्री कंपनी या समनुषंगी अथवा किसी ऐसी कंपनी जिसे “संबद्ध पक्षकार संबंध” कहा गया है जैसा कि नीचे परिभाषित है और विपर्यय की बाबत संबद्ध पक्षकार-संव्यवहार अथवा किए गए प्रदाय अथवा दी गई सेवाओं की बाबत उनके द्वारा की गई संविदाओं, करारों या उनकी बाबत हुई सहमति को दर्शित करते हुए निम्नलिखित की बाबत अभिलेख रखे जाएंगे :

- (क) कच्ची सामग्री, तैयार उत्पाद, प्रसंस्करण सामग्री, रासायनिक और स्क्रेप सहित अस्वीकृत माल आदि का क्रय और विक्रय ;
- (ख) संयंत्र सुविधाओं और तकनीकी व्यवहार ज्ञान का उपयोग;
- (ग) उपयोगिताओं और किन्हीं अन्य सेवाओं का प्रदाय;
- (घ) प्रशासनिक, तकनीकी प्रबंधकीय अथवा कोई अन्य परामर्शी सेवाएं ;
- (ङ) संयंत्र और मशीनरी सहित पूंजीगत माल का क्रय और विक्रय;
- (च) उत्पादन, प्रसंस्करण या निर्देशाधीन उत्पाद से संबंधित कोई अन्य संदाय;

इन अभिलेख में प्रभारित दरों को तय करना अथवा ऐसे उत्पादों के लिए संदाय करने के लिए अनुसरण किए गए आधारों को भी उपदर्शित किया जाएगा जिससे कि ऐसी दरों की युक्तियुक्तता का जहां तक कि उनका संबंध किसी भी रीति में निर्देशाधीन उत्पाद से है अवधारणा किया जा सके।

(2) निम्न “संबंधित पक्षकार संबंध” द्वारा किए गए संव्यवहार उप नियम (1) के अन्तर्गत आएंगे :—

- (क) वे उद्यम जो प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः एक या अधिक मध्यवर्ती द्वारा नियंत्रित करते हैं अथवा रिपोर्टिंग उद्यम (जिसके अन्तर्गत नियंत्री कंपनी, समनुषंगी और सहयोगी समनुषंगी हैं) के द्वारा नियंत्रित की जाती हैं अथवा उनके सामान्य नियंत्रण में हैं;
- (ख) रिपोर्टिंग उद्यम के सहबद्ध और सहउद्यम और वे विनिधान पक्षकार अथवा उद्यम जिनकी बाबत रिपोर्टिंग उद्यम कोई सहबद्ध अथवा सहउद्यम है;
- (ग) व्यक्ति जो ऐसे, रिपोर्टिंग उद्यम की प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः मत देने की शक्ति में हित रखते हैं जो उन्हें उद्यम के ऊपर नियंत्रण अथवा महत्वपूर्ण असर प्रदान करता है और किसी ऐसे व्यक्ति के नातेदार;
- (घ) मुख्य प्रबंध कार्मिक और ऐसे कार्मिक के नातेदार; और
- (ङ) ऐसे उद्यम जिनके ऊपर (ग) अथवा (घ) में वर्णित कोई व्यक्ति महत्वपूर्ण असर का प्रयोग करने में समर्थ है। इसके अंतर्गत निदेशकों अथवा रिपोर्टिंग उद्यम के प्रमुख शेयरधारकों के स्वामित्वाधीन उद्यम और वे उद्यम हैं जिनके ऐसे मुख्य प्रबंध सदस्य हैं जो रिपोर्टिंग उद्यम में भी सम्मिलित हैं।

तथापि, निम्नलिखित को “संबद्ध पक्षकार संबंध” समझा जाएगा :—

- (क) वे दो कंपनियां मात्र इस कारण कि उनका एक सम्मिलित निदेशक है, उपर्युक्त पैरा (घ) अथवा (ङ) में किसी बात के होते हुए भी (जब तक कि निदेशक दोनों कंपनियों को पारस्परिक व्यवहार में उनकी नीतियों को प्रभावित करने में समर्थ न हो);
- (ख) कोई एकल उपभोक्ता, प्रदायकर्ता, विशेषाधिकारी, संवितरक अथवा साधारण अभिकर्ता जिनके साथ कोई उद्यम, कारोबार का महत्वपूर्ण संव्यवहार मात्र आर्थिक निर्भरता के परिणामस्वरूप करता है; और
- (ग) नीचे सूचीबद्ध पक्षकार, जो अपने सामान्य व्यवहार में किसी उद्यम के साथ केवल उन्हीं व्यवहारों के कारण संव्यवहार करते हैं (यद्यपि वे उद्यम की कार्य करने की स्वतंत्रता को सीमित कर सकने अथवा उसकी विनिश्चय करने की प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे) :
 - (i) वित्त उपलब्ध कराने वाले;
 - (ii) व्यापार संघ;

(iii) लोक उपयोगिताएं ;

(iv) सरकारी विभाग और सरकारी अभिकरण जिनके अंतर्गत सरकारी प्रायोजित निकाय भी हैं।

स्पष्टीकरण :—इन नियमों के प्रयोजन के लिए :—

- (क) “संबद्ध पक्षकार संबंध” से वे पक्षकार अभिप्रेत हैं जिन्हें किसी भी समय संबंधित समझा गया हो यदि रिपोर्टगत अवधि के दौरान एक पक्षकार अन्य पक्षकार को नियंत्रित करने की योग्यता रखता हो अथवा वित्तीय और/या प्रचालन संबंधी विनिश्चय करने में अन्य पक्षकार के ऊपर महत्वपूर्ण असर रखता हो;
- (ख) “सहबद्ध पक्षकार संव्यवहार” से संबद्ध पक्षकारों के बीच संसाधनों अथवा दायित्वों का अंतरण अभिप्रेत है, चाहे उसके लिए कीमत प्रभारित की गई हो, या नहीं;
- (ग) “नियंत्रण” से निम्नलिखित अभिप्रेत है,—
- (i) किसी उद्यम की मत देने की शक्ति के आधे से अधिक का प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः स्वामित्व; या
 - (ii) किसी कंपनी की दशा में निदेशक बोर्ड की संरचना का नियंत्रण अथवा किसी अन्य उद्यम की दशा में तत्स्थानी शासी निकाय की संरचना का नियंत्रण; या
 - (iii) मतदान शक्ति में सारवान हित और उद्यम की वित्तीय और/या प्रचालन नीतियों को कानून या करार द्वारा निदेश देने की शक्ति।
- (घ) “महत्वपूर्ण असर” से किसी उद्यम की वित्तीय अथवा प्रचालन नीति विषयक विनिश्चयों में भाग लेना अभिप्रेत है किन्तु उन नीतियों का नियंत्रण नहीं;
- (ङ) “सहयुक्त” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जिसमें कोई विनिधानकारी रिपोर्ट करने वाला पक्षकार महत्वपूर्ण असर रखता है और जो उस पक्षकार का न तो समनुषंगी है और न सहउद्यम है;
- (च) “सहउद्यम” से कोई ऐसी संविदात्मक ठहराव अभिप्रेत है जिसके द्वारा दो या अधिक पक्षकार किसी आर्थिक क्रियाकलाप को अपने हाथ में लेते हैं और, जो नियंत्रण के अध्वधीन है;
- (छ) “संयुक्त नियंत्रण” से किसी आर्थिक क्रियाकलाप की वित्तीय और प्रचालन संबंधी नीतियों को शासित करने के लिए संविदात्मक रूप से करार पाई शक्तियों में हिस्सा बंटाना अभिप्रेत है जिससे कि इससे फायदा अभिप्राप्त किया जा सके;
- (ज) “मुख्य प्रबंध कार्मिक” से वे व्यक्ति अभिप्रेत हैं जिनके पास रिपोर्ट करने वाले उद्यम के क्रियाकलापों की योजना, निदेशन और नियंत्रण करने का प्राधिकार और दायित्व है;
- (झ) किसी व्यक्ति के संबंध में, “नातेदार” से पति-पत्नी, पुत्र, पुत्री, भाई, बहन, पिता और माता अभिप्रेत हैं जो रक्त संबंध संस्कार हैं;
- (ञ) “नियंत्रि कंपनी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातर्गत कोई नियंत्रि कंपनी अभिप्रेत है;
- (ट) “समनुषंगी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातर्गत कोई समनुषंगी कंपनी अभिप्रेत है;
- (ठ) “सहयोगी समनुषंगी” से वह कंपनी अभिप्रेत है जो किसी अन्य कंपनी की सहयोगी समनुषंगी है यदि दोनों उसी नियंत्रि कंपनी की समनुषंगी हैं;
- (ड) “राज्य नियंत्रित उद्यम” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जो केंद्रीय सरकार अथवा किसी राज्य सरकार के नियंत्रणाधीन है।

[फा. सं. 52/01/सीएबी-2001]

ए. रामास्वामी, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पण :—मूल नियम सा.का.नि. सं. 596 दिनांक 8-8-87 द्वारा प्रकाशित किए गए थे पश्चात्पूर्व संशोधन निम्नलिखित द्वारा किए गए—

- (1) सा.का.नि. 732, दिनांक 4-8-88
- (2) सा.का.नि. 570, दिनांक 22-7-89
- (3) सा.का.नि. 34(अ), दिनांक 3-1-92
- (4) सा.का.नि. 330(अ), दिनांक 24-3-93
- (5) सा.का.नि. 454(अ), दिनांक 3-8-98
- (6) सा.का.नि. 278(अ), दिनांक 24-4-2001

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th September, 2001

G.S.R. 735 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 642, read with clause (d) of sub-section (1) of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Cost Accounting Records (Chemical Industries) Rules, 1987, namely :—

1. (1) These rules may be called the Cost Accounting Records (Chemical Industries) Amendment Rules, 2001.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Cost Accounting Records (Chemical Industries) Rules, 1987 :—

In schedule I, for item number 24 and the entries relating thereto, the following shall be substituted namely :—

“24. INTER-COMPANY TRANSFER :

- (1) In respect of related party transactions or supplies made or services rendered by a company to its holding company or subsidiary or a company termed “related party relationship” as defined below and vice-a-versa, records shall be maintained showing contracts entered into, agreements or understanding reached in respect of :
 - (a) purchase and sale of raw materials, finished products, process materials, chemicals and rejected goods including scraps, etc;
 - (b) utilisation of plant facilities and technical know-how;
 - (c) supply of utilities and any other services;
 - (d) administrative, technical, managerial or any other consultancy services;
 - (e) purchase and sale of capital goods including plant and machinery;
 - (f) any other payment related to production, processing or manufacturing of product under reference.

These records shall also indicate the basis followed for arriving at the rates charged or paid for such products or services so as to enable determination of the reasonableness of such rates in so far as they are in any way related to product under reference.

- (2) The transactions by the following “related party relationship” shall be covered under sub-rule (1) :—
 - (a) enterprises that directly, or indirectly through one or more intermediaries, control, or are controlled by, or are under common control with, the reporting enterprise (this includes holding companies, subsidiaries and fellow subsidiaries);
 - (b) associates and joint ventures of the reporting enterprise and the investing party or venturer in respect of which the reporting enterprise is an associate or a joint venture;
 - (c) individuals owning, directly or indirectly, an interest in the voting power of the reporting enterprise that gives them control or significant influence over the enterprise, and relatives of any such individual;
 - (d) key management personnel and relatives of such personnel; and
 - (e) enterprises over which any person described in (c) or (d) is able to exercise significant influence. This includes enterprises owned by directors or major shareholders of the reporting enterprise and enterprises that have a member of key management in common with the reporting enterprise.

However, the following shall not be deemed as “related party relationships” :—

- (a) two companies simply because they have a Director in common, notwithstanding paragraph (d) or (e) above (unless the Director is able to affect the policies of both companies in their mutual dealings);
- (b) a single customer, supplier, franchiser, distributor, or general agent with whom an enterprise transacts a significant volume of business merely by virtue of the resulting economic dependence; and
- (c) the parties listed below, in the course of their normal dealings with an enterprise by virtue only of those dealings (although they may circumscribe the freedom of action of the enterprise or participate in its decision-making process);
 - (i) providers of finance;
 - (ii) trade unions;

(iii) public utilities;

(iv) government departments and government agencies including government sponsored bodies.

Explanation :—For the purpose of these Rules,—

- (a) **“Related party relationship”** means parties who are considered to be related if at any time during the reporting period one party has the ability to control the other party or exercise significant influence over the other party in making financial and/or operating decisions;
- (b) **“Related party transaction”** means a transfer of resources or obligations between related parties, whether or not a price is charged;
- (c) **“Control”** means
 - (i) ownership, directly or indirectly, of more than one-half of the voting power of an enterprise; or
 - (ii) control of the composition of the Board of Directors in the case of a company or of the Composition of the corresponding governing body in case of any other enterprise; or
 - (iii) a substantial interest in voting power and the power to direct, by statute or agreement, the financial and/or operating policies of the enterprise.
- (d) **“Significant influence”** means participation in the financial or operating policy decisions of an enterprise, but not control of those policies;
- (e) **“Associate”** means an enterprise in which an investing reporting party has significant influence and which is neither a subsidiary nor a joint venture of that party;
- (f) **“Joint venture”** means a contractual arrangement whereby two or more parties undertake an economic activity, which is subject to joint control;
- (g) **“Joint Control”** means the contractually agreed sharing of power to govern the financial and operating policies of an economic activity so as to obtain benefits from it;
- (h) **“Key management personnel”** means those persons who have the authority and responsibility for planning, directing and controlling the activities of the reporting enterprise;
- (i) **“Relative”**—in relation to an individual, means the spouse, son, daughter, brother, sister, father and mother who may connected by blood relationship;
- (j) **“Holding company”** means a holding company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (k) **“Subsidiary”** means a subsidiary company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (l) **“Fellow subsidiary”** means a company is said to be a fellow subsidiary of another company if both are subsidiaries of the same holding company;
- (m) **“State-controlled enterprise”** means an enterprise which is under the control of the Central Government or a State Government.”

[F.No. 52/01/CAB-2001]

A. RAMASWAMY, Joint Secy.

Foot Note.—The principal rules were published vide G.S.R. number 596, dated the 8th August, 1987 and subsequently amended vide—

1. GSR 732, dated 4th August, 1988.
2. GSR 570, dated 22nd July, 1989.
3. GSR 34(E), dated 3rd January, 1992.
4. GSR 330(E), dated 24th March, 1993.
6. GSR 454(E), dated 3rd August, 1998.
7. GSR 278(E), dated 24th April, 2001.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 2001

उ.आ. वि. 736(अ).—केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (1) के खंड (घ) के साथ पठित धारा 642 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लागत लेखा अभिलेख (इस्पात संयंत्र) नियम, 1990 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लागत लेखा अभिलेख (इस्पात संयंत्र) संशोधन नियम, 2001 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागत लेखा अभिलेख (इस्पात संयंत्र) नियम, 1990 में :—

अनुसूची 1 में, मद संख्या 23 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“23. अंतर-कंपनी अंतरण :

(1) किसी कंपनी द्वारा अपनी नियंत्री कंपनी या समनुपंगी अथवा किसी ऐसी कंपनी जिसे “संबद्ध पक्षकार संबंध” कहा गया है जैसा कि नीचे परिभाषित है और विपर्यय की बाबत संबद्ध पक्षकार संव्यवहार अथवा किए गए प्रदाय अथवा दी गई सेवाओं की बाबत उनके द्वारा की गई संविदाओं, करारों या उनकी बाबत हुई सहमति को दर्शित करते हुए, निम्नलिखित की बाबत अभिलेख रखे जाएंगे :

- (क) कच्ची सामग्री, तैयार उत्पाद, प्रसंस्करण सामग्री, रासायनिक और स्क्रेप सहित अस्वीकृत माल आदि का क्रय और विक्रय ;
- (ख) संयंत्र सुविधाओं और तकनीकी व्यवहार ज्ञान का उपयोग ;
- (ग) उपयोगिताओं और किन्हीं अन्य सेवाओं का प्रदाय ;
- (घ) प्रशासनिक, तकनीकी, प्रबंधकीय अथवा कोई अन्य परामर्शी सेवाएं ;
- (ङ) संयंत्र और मशीनरी सहित पूंजीगत माल का क्रय और विक्रय ;
- (च) उत्पादन, प्रसंस्करण या निर्देशाधीन उत्पाद से संबंधित कोई अन्य संदाय ;

इन अभिलेख में प्रभारित दलों को तय करना अथवा ऐसे उत्पादों के लिए संदाय करने के लिए अनुसरण किए गए आधारों को भी उपदर्शित किया जाएगा जिससे कि ऐसी दलों की युक्तियुक्तता का जहां तक कि उनका संबंध किसी भी रीति में निर्देशाधीन उत्पाद से है अवधारण किया जा सके।

- (2) निम्न “संबंधित पक्षकार संबंध” द्वारा किए गए संव्यवहार उपनियम (1) के अन्तर्गत आएंगे :—

- (क) वे उद्यम जो प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः एक या अधिक मध्यवर्ती द्वारा नियंत्रित करते हैं अथवा रिपोर्टगत उद्यम (जिसके अन्तर्गत नियंत्री कंपनी, समनुपंगी और सहयोगी समनुपंगी हैं) के द्वारा नियंत्रित की जाती हैं अथवा उनके सामान्य नियंत्रण में हैं ;
- (ख) रिपोर्टगत उद्यम के सहबद्ध और सहउद्यम और वे विनिधान पक्षकार अथवा उद्यम जिनकी बाबत रिपोर्टगत उद्यम कोई सहबद्ध अथवा सहउद्यम है ;
- (ग) व्यक्ति जो ऐसे, रिपोर्टगत उद्यम की प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः मत देने की शक्ति में हित रखते हैं जो उन्हें उद्यम के ऊपर नियंत्रण अथवा महत्वपूर्ण असर प्रदान करता है और किसी ऐसे व्यक्ति के नातेदार ;
- (घ) मुख्य प्रबंध कार्मिक और ऐसे कार्मिक के नातेदार ; और
- (ङ) ऐसे उद्यम जिनके ऊपर (ग) अथवा (घ) में वर्णित कोई व्यक्ति महत्वपूर्ण असर का प्रयोग करने में समर्थ है। इसके अंतर्गत निदेशकों अथवा रिपोर्टगत उद्यम के प्रमुख शेयरधारकों के स्वामित्वाधीन उद्यम और वे उद्यम हैं जिनके ऐसे मुख्य प्रबंध सदस्य हैं जो रिपोर्टगत उद्यम में भी सम्मिलित हैं।

तथापि, निम्नलिखित को “संबद्ध पक्षकार संबंध” समझा जाएगा :—

- (क) वे दो कंपनियां मात्र इस कारण कि उनका एक सम्मिलित निदेशक है, उपर्युक्त पैरा (घ) अथवा (ङ) में किसी बात के होते हुए भी (जब तक कि निदेशक दोनों कंपनियों को पारस्परिक व्यवहार में उनकी नीतियों को प्रभावित करने में समर्थ न हो) ;
 - (ख) कोई एकल उपभोक्ता, प्रदायकर्ता, विशेषाधिकारी, संबितरक अथवा साधारण अभिकर्ता जिनके साथ कोई उद्यम, कारबार का महत्वपूर्ण संव्यवहार मात्र आर्थिक निर्भरता के परिणामस्वरूप करता है ; और
 - (ग) नीचे सूचीबद्ध पक्षकार, जो अपने सामान्य व्यवहार में किसी उद्यम के साथ केवल उन्हीं व्यवहारों के कारण संव्यवहार करते हैं (यद्यपि वे उद्यम की कार्य करने की स्वतंत्रता को सीमित कर सकने अथवा उसकी विनिश्चय करने की प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे ;
- (i) वित्त उपलब्ध कराने वाले ;
 - (ii) व्यापार संघ ;

(iii) लोक उपयोगिताएं ;

(iv) सरकारी विभाग और सरकारी अभिकरण जिनके अंतर्गत सरकारी प्रायोजित निकाय भी हैं।

स्पष्टीकरण :—इन नियमों के प्रयोजन के लिए,—

- (क) “संबद्ध पक्षकार संबंध” से वे पक्षकार अभिप्रेत हैं जिन्हें किसी भी समय संबंधित समझा गया हो यदि रिपोर्टगत अवधि के दौरान एक पक्षकार अन्य पक्षकार को नियंत्रित करने की योग्यता रखता हो अथवा वित्तीय और/या प्रचालन संबंधी विनिश्चय करने में अन्य पक्षकार के ऊपर महत्वपूर्ण असर रखता हो;
- (ख) “सहबद्ध पक्षकार संव्यवहार” से संबद्ध पक्षकारों के बीच संसाधनों अथवा दायित्वों का अंतरण अभिप्रेत है, चाहे उसके लिए कीमत प्रभारित की गई हो या नहीं;
- (ग) “नियंत्रण” से निम्नलिखित अभिप्रेत है,—
- (i) किसी उद्यम की मत देने की शक्ति के आधे से अधिक का प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः स्वामित्व; या
 - (ii) किसी कंपनी की दशा में निदेशक बोर्ड की संरचना का नियंत्रण अथवा किसी अन्य उद्यम की दशा में तत्स्थानी शासी निकाय की संरचना का नियंत्रण; या
 - (iii) मतदान शक्ति में सारवान हित और उद्यम की वित्तीय और/या प्रचालन नीतियों को कानून या करार द्वारा निदेश देने की शक्ति।
- (घ) “महत्वपूर्ण असर” से किसी उद्यम की वित्तीय अथवा प्रचालन नीति विषयक विनिश्चयों में भाग लेना अभिप्रेत है किन्तु उन नीतियों का नियंत्रण नहीं;
- (ङ) “सहयुक्त” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जिसमें कोई विनिधानकारी रिपोर्ट करने वाला पक्षकार महत्वपूर्ण असर रखता है और जो उस पक्षकार का न तो समनुषंगी है और न सहउद्यम है;
- (च) “सहउद्यम” से कोई ऐसी संविदात्मक ठहराव अभिप्रेत है जिसके द्वारा दो या अधिक पक्षकार किसी आर्थिक क्रियाकलाप को अपने हाथ में लेते हैं और जो नियंत्रण के अधधीन है;
- (छ) “संयुक्त नियंत्रण” से किसी आर्थिक क्रियाकलाप की वित्तीय और प्रचालन संबंधी नीतियों को शासित करने के लिए संविदात्मक रूप से करार पाई शक्तियों में हिस्सा बंटाना अभिप्रेत है जिससे कि इससे फायदा अभिप्राप्त किया जा सके;
- (ज) “मुख्य प्रबंध कार्मिक” से वे व्यक्ति अभिप्रेत हैं जिनके पास रिपोर्ट करने वाले उद्यम के क्रियाकलापों की योजना, निदेशन और नियंत्रण करने का प्राधिकार और दायित्व है;
- (झ) किसी व्यक्ति के संबंध में, “नातेदार” से पति-पत्नी, पुत्र, पुत्री, भाई, बहन, पिता और माता अभिप्रेत हैं जो रक्त संबद्ध संस्कार हैं;
- (ञ) “नियंत्रि कंपनी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातगत कोई नियंत्रि कंपनी अभिप्रेत है;
- (ट) “समनुषंगी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातगत कोई समनुषंगी कंपनी अभिप्रेत है;
- (ठ) “सहयोगी समनुषंगी” से वह कंपनी अभिप्रेत है जो किसी अन्य कंपनी की सहयोगी समनुषंगी है यदि दोनों उसी नियंत्रि कंपनी की समनुषंगी हैं;
- (ड) “राज्य नियंत्रित उद्यम” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जो केंद्रीय सरकार अथवा किसी राज्य सरकार के नियंत्रणाधीन है।

[फा. सं. 52/01/सीएबी-2001]

ए. रामास्वामी, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पण :—मूल नियम सं. सा.का.नि. 574 दिनांक 31-7-90 द्वारा प्रकाशित किए गए थे पश्चातवर्ती संशोधन निम्नलिखित द्वारा किए गए—

- (1) सा.का.नि. 332(अ), दिनांक 24-3-93
- (2) सा.का.नि. 456(अ), दिनांक 3-8-98
- (3) सा.का.नि. 281(अ), दिनांक 24-4-2001

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th September, 2001

G.S.R. 736(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 642, read with clause (d) of sub-section (1) of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Cost Accounting Records (Steel Plant) Rules, 1990, namely :—

1. (1) These rules may be called the Cost Accounting Records (Steel Plant) Amendment Rules, 2001.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Cost Accounting Records (Steel Plant) Rules, 1990. In Schedule I, for Item 23 and the entries relating thereto, the following shall be substituted namely :—

“23. INTER-COMPANY TRANSFER :

- (1) In respect of related party transactions or supplies made or services rendered by a company to its holding company or subsidiary or a company termed “related party relationship” as defined below and vice-a-versa, records shall be maintained showing contracts entered into, agreements or understanding reached in respect of :
 - (a) purchase and sale of raw materials, finished products, process materials, chemicals and rejected goods including scraps, etc;
 - (b) utilisation of plant facilities and technical know-how;
 - (c) supply of utilities and any other services;
 - (d) administrative, technical, managerial or any other consultancy services;
 - (e) purchase and sale of capital goods including plant and machinery;
 - (f) any other payment related to production, processing or manufacturing of product under reference.

These records shall also indicate the basis followed for arriving at the rates charged or paid for such products or services so as to enable determination of the reasonableness of such rates insofar as they are in any way related to product under reference.

- (2) The transactions by the following “related party relationships” shall be covered under sub-rule (1) :—
 - (a) enterprises that directly, or indirectly through one or more intermediaries, control, or are controlled by, or are under common control with, the reporting enterprise (this includes holding companies, subsidiaries and fellow subsidiaries);
 - (b) associates and joint ventures of the reporting enterprise and the investing party or venturer in respect of which the reporting enterprise is an associate or a joint venture;
 - (c) individuals owning, directly or indirectly, an interest in the voting power of the reporting enterprise that gives them control or significant influence over the enterprise, and relatives of any such individual;
 - (d) key management personnel and relatives of such personnel; and
 - (e) enterprises over which any person described in (c) or (d) is able to exercise significant influence. This includes enterprises owned by directors or major shareholders of the reporting enterprise and enterprises that have a member of key management in common with the reporting enterprise.

However, the following shall not be deemed as “related party relationships” :—

- (a) two companies simply because they have a Director in common, notwithstanding paragraph (d) or (e) above (unless the Director is able to affect the policies of both companies in their mutual dealings);
- (b) a single customer, supplier, franchiser, distributor, or general agent with whom an enterprise transacts a significant volume of business merely by virtue of the resulting economic dependence; and
- (c) the parties listed below, in the course of their normal dealings with an enterprise by virtue only of those dealings (although they may circumscribe the freedom of action of the enterprise or participate in its decision-making process);
 - (i) providers of finance;
 - (ii) trade unions;

(iii) public utilities;

(iv) government departments and government agencies including government sponsored bodies.

Explanation :—For the purpose of these Rules,—

- (a) **“Related party relationships”** means parties who are considered to be related if at any time during the reporting period one party has the ability to control the other party or exercise significant influence over the other party in making financial and/or operating decisions;
- (b) **“Related party transaction”** means a transfer of resources or obligations between related parties, whether or not a price is charged;
- (c) **“Control”** means
 - (i) ownership, directly or indirectly, of more than one-half of the voting power of an enterprise; or
 - (ii) control of the composition of the Board of Directors in the case of a company or of the Composition of the corresponding governing body in case of any other enterprise; or
 - (iii) a substantial interest in voting power and the power to direct, by statute or agreement, the financial and/or operating policies of the enterprise.
- (d) **“Significant influence”** means participation in the financial or operating policy decisions of an enterprise, but not control of those policies;
- (e) **“Associate”** means an enterprise in which an investing reporting party has significant influence and which is neither a subsidiary nor a joint venture of that party;
- (f) **“Joint venture”** means a contractual arrangement whereby two or more parties undertake an economic activity, which is subject to joint control;
- (g) **“Joint Control”** means the contractually agreed sharing of power to govern the financial and operating policies of an economic activity so as to obtain benefits from it;
- (h) **“Key management personnel”** means those persons who have the authority and responsibility for planning, directing and controlling the activities of the reporting enterprise;
- (i) **“Relative”**—in relation to an individual, means the spouse, son, daughter, brother, sister, father and mother who may connected by blood relationship;
- (j) **“Holding company”** means a holding company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (k) **“Subsidiary”** means a subsidiary company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (l) **“Fellow subsidiary”** means a company is said to be a fellow subsidiary of another company if both are subsidiaries of the same holding company;
- (m) **“State-controlled enterprise”** means an enterprise which is under the control of the Central Government or a State Government.”

[F. No. 52/01/CAB-2001]

A. RAMASWAMY, Joint Secy.

Foot Note.—The principal rules were published vide G.S.R. number 574, dated the 31st July, 1990 and subsequently amended vide—

1. GSR 332 (E), dated 24th March, 1993.
2. GSR 456 (E), dated 3rd August, 1998.
3. GSR 281(E), dated 24th April, 2001.

अधिसूचना

नई दिल्ली, दिनांक 28 सितम्बर, 2001

सा.का.नि. 737(अ).—केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (1) के खंड (घ) के साथ पठित धारा 642 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लागत लेखा अभिलेख (कीटनाशी) नियम, 1993 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लागत लेखा अभिलेख (कीटनाशी) संशोधन नियम, 2001 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागत लेखा अभिलेख (कीटनाशी) नियम, 1993 में :—

अनुसूची 1 में, मद संख्या 24 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“24. अंतः-कंपनी अंतरण :

- (1) किसी कंपनी द्वारा अपनी नियंत्रि कंपनी या समनुगंगी अथवा किसी ऐसी कंपनी जिसे “संबद्ध पक्षकार संबंध” कहा गया है जैसा कि नीचे परिभाषित है और विपर्यय की बाबत संबद्ध पक्षकार संव्यवहार अथवा किए गए प्रदाय अथवा दी गई सेवाओं की बाबत उनके द्वारा की गई संविदाओं, करारों या उनकी बाबत हुई सहमति को दर्शित करते हुए निम्नलिखित की बाबत अभिलेख रखे जाएंगे :
 - (क) कच्ची सामग्री, तैयार उत्पाद, प्रसंस्करण सामग्री, रासायनिक और स्क्रेप सहित अस्वीकृत माल आदि का क्रय और विक्रय;
 - (ख) संयंत्र सुविधाओं और तकनीकी व्यवहार ज्ञान का उपयोग;
 - (ग) उपयोगिताओं और किन्हीं अन्य सेवाओं का प्रदाय;
 - (घ) प्रशासनिक, तकनीकी, प्रबंधकीय अथवा कोई अन्य परामर्शी सेवाएं;
 - (ङ) संयंत्र और मशीनरी सहित पूंजीगत माल का क्रय और विक्रय;
 - (च) उत्पादन, प्रसंस्करण या निर्देशाधीन उत्पाद से संबंधित कोई अन्य संदाय;

इन अभिलेखों में प्रभारित दरों को तय करना अथवा ऐसे उत्पादों के लिए संदाय करने के लिए अनुसरण किए गए आधारों को भी उपदर्शित किया जाएगा जिससे कि ऐसी दरों की युक्तियुक्तता का जहां तक कि उनका संबंध किसी भी रीति में निर्देशाधीन उत्पाद से है अवधारण किया जा सके।

- (2) निम्न “संबंधित पक्षकार संबंध” द्वारा किए गए संव्यवहार उपनियम (1) के अंतर्गत आएंगे :—

- (क) वे उद्यम जो प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः एक या अधिक मध्यवर्ती द्वारा नियंत्रित करते हैं अथवा रिपोर्टगत उद्यम (जिसके अंतर्गत नियंत्रि कंपनी, समनुगंगी और सहयोगी समनुगंगी हैं) के द्वारा नियंत्रित की जाती हैं अथवा उनके सामान्य नियंत्रण में हैं;
- (ख) रिपोर्टगत उद्यम के सहबद्ध और सहउद्यम और वे विनिधान पक्षकार अथवा उद्यम जिनकी बाबत रिपोर्टगत उद्यम कोई सहबद्ध अथवा सहउद्यम है;
- (ग) व्यक्ति जो ऐसे, रिपोर्टगत उद्यम की प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः मत देने की शक्ति में हित रखते हैं जो उन्हें उद्यम के ऊपर नियंत्रण अथवा महत्वपूर्ण असर प्रदान करता है और किसी ऐसे व्यक्ति के नातेदार;
- (घ) मुख्य प्रबंध कार्मिक और ऐसे कार्मिक के नातेदार ; और
- (ङ) ऐसे उद्यम जिनके ऊपर (ग) अथवा (घ) में वर्णित कोई व्यक्ति महत्वपूर्ण असर का प्रयोग करने में समर्थ है। इसके अंतर्गत निदेशकों अथवा रिपोर्टगत उद्यम के प्रमुख शेयरधारकों के स्वामित्वाधीन उद्यम और वे उद्यम हैं जिनके ऐसे मुख्य प्रबंध सदस्य हैं जो रिपोर्टगत उद्यम में भी सम्मिलित हैं।

तथापि, निम्नलिखित को “संबद्ध पक्षकार संबंध” समझा जाएगा :—

- (क) वे दो कंपनियां मात्र इस कारण कि उनका एक सम्मिलित निदेशक है, उपर्युक्त पैरा (घ) अथवा (ङ) में किसी बात के होते हुए भी (जब तक कि निदेशक दोनों कंपनियों को पारस्परिक व्यवहार में उनकी नीतियों को प्रभावित करने में समर्थ न हो);
- (ख) कोई एकल उपभोक्ता, प्रदायकर्ता, विशेषाधिकारी, संवितरक अथवा साधारण अभिकर्ता जिनके साथ कोई उद्यम, कारोबार का महत्वपूर्ण संव्यवहार मात्र आर्थिक निर्भरता के परिणामस्वरूप करता है; और

- (ग) नीचे सूचीबद्ध पक्षकार, जो अपने सामान्य व्यवहार में किसी उद्यम के साथ केवल उन्हीं व्यवहारों के कारण संव्यवहार करते हैं (यद्यपि वे उद्यम की कार्य करने की स्वतंत्रता को सीमित कर सकने अथवा उसकी विनिश्चय करने की प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे;
- (i) वित्त उपलब्ध कराने वाले;
 - (ii) व्यापार संघ;
 - (iii) लोक उपयोगिताएं;
 - (iv) सरकारी विभाग और सरकारी अभिकरण जिनके अंतर्गत सरकारी प्रायोजित निकाय भी हैं।

स्पष्टीकरण : इन नियमों के प्रयोजन के लिए,—

- (क) “संबद्ध पक्षकार संबंध” से वे पक्षकार अभिप्रेत हैं जिन्हें किसी भी समय संबंधित समझा गया हो यदि रिपोर्टगत अवधि के दौरान एक पक्षकार अन्य पक्षकार को नियंत्रित करने की योग्यता रखता हो अथवा वित्तीय और/या प्रचालन संबंधी विनिश्चय करने में अन्य पक्षकार के ऊपर महत्वपूर्ण असर रखता हो;
- (ख) “सहबद्ध पक्षकार संव्यवहार” से संबद्ध पक्षकारों के बीच संसाधनों अथवा दायित्वों का अंतरण अभिप्रेत है, चाहे उसके लिए कीमत प्रभारित की गई हो या नहीं;
- (ग) “नियंत्रण” से निम्नलिखित अभिप्रेत है,—
 - (i) किसी उद्यम की मत देने की शक्ति के आधे से अधिक का प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः स्वामित्व; या
 - (ii) किसी कंपनी की दशा में निदेशक बोर्ड की संरचना का नियंत्रण अथवा किसी अन्य उद्यम की दशा में तत्स्थानी शासी निकाय की संरचना का नियंत्रण; या
 - (iii) मतदान शक्ति में सारवान हित और उद्यम की वित्तीय और/या प्रचालन नीतियों को कानून या करार द्वारा निदेश देने की शक्ति।
- (घ) “महत्वपूर्ण असर” से किसी उद्यम की वित्तीय अथवा प्रचालन नीति विषयक विनिश्चयों में भाग लेना अभिप्रेत है किन्तु उन नीतियों का नियंत्रण नहीं;
- (ङ) “सहयुक्त” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जिसमें कोई विनिधानकारी रिपोर्ट करने वाला पक्षकार महत्वपूर्ण असर रखता है और जो उस पक्षकार का न तो समनुपंगी है और न सहउद्यम है;
- (च) “सहउद्यम” से कोई ऐसी संविदात्मक ठहराव अभिप्रेत है जिसके द्वारा दो या अधिक पक्षकार किसी आर्थिक क्रियाकलाप को अपने हाथ में लेते हैं और जो नियंत्रण के अधधीन है;
- (छ) “संयुक्त नियंत्रण” से किसी आर्थिक क्रियाकलाप की वित्तीय और प्रचालन संबंधी नीतियों को शासित करने के लिए संविदात्मक रूप से करार पाई शक्तियों में हिस्सा बंटाना अभिप्रेत है जिससे कि इससे फायदा अभिप्राय किया जा सके;
- (ज) “मुख्य संबंध कार्मिक” से वे व्यक्ति अभिप्रेत हैं जिनके पास रिपोर्ट करने वाले उद्यम के क्रियाकलापों की योजना निदेशन और नियंत्रण करने का प्राधिकार और दायित्व है;
- (झ) किसी व्यक्ति के संबंध में, “नातेदार” से पति-पत्नी, पुत्र, पुत्री, भाई, बहन, पिता और माता अभिप्रेत हैं जो रक्त संबंध संस्कार हैं;
- (ञ) “नियंत्रि कंपनी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थात्तर्गत कोई नियंत्रि कंपनी अभिप्रेत है;
- (ट) “समनुपंगी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थात्तर्गत कोई समनुपंगी कंपनी अभिप्रेत है;
- (ठ) “सहयोगी समनुपंगी” से वह कंपनी अभिप्रेत है जो किसी अन्य कंपनी की सहयोगी समनुपंगी है यदि दोनों उसी नियंत्रि कंपनी की समनुपंगी हैं;
- (ड) “राज्य नियंत्रित उद्यम” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जो केन्द्रीय सरकार अथवा किसी राज्य सरकार के नियंत्रणाधीन है।

[फा.सं. 52/01/सीएबी-2001]

ए. रामास्वामी, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पण :—मूल नियम सा.का.नि. सं. 258 (अ) दिनांक 3-8-1993 द्वारा प्रकाशित किए गए थे पश्चातवर्ती संशोधन निम्नलिखित द्वारा किए गए :—

1. सा.का.नि. 691 (अ), दिनांक 4-11-93 (शुद्धिपत्र)
2. सा.का.नि. 774 (अ), दिनांक 5-12-95
3. सा.का.नि. 457 (अ), दिनांक 3-8-96

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th September, 2001

G.S.R. 737 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 642, read with clause (d) of sub-section (1) of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Cost Accounting Records (Insecticides) Rules, 1993, namely :—

1. (1) These rules may be called the Cost Accounting Records (Insecticides) Amendment Rules, 2001

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. In the Cost Accounting Records (Insecticides) Rules, 1993 :—

in schedule I, for item number 24 and the entries relating thereto, the following shall be substituted namely :—

“24. Inter-Company Transfer :

- (1) In respect of related party transactions or supplies made or services rendered by a company to its holding company or subsidiary or a company termed “related party relationship” as defined below and vice versa, records shall be maintained showing contracts entered into, agreements or understanding reached in respect of :
 - (a) purchase and sale of raw materials, finished products, process materials, chemicals and rejected goods including scraps, etc;
 - (b) utilisation of plant facilities and technical know-how;
 - (c) supply of utilities and any other services;
 - (d) administrative, technical, managerial or any other consultancy services;
 - (e) purchase and sale of capital goods including plant and machinery;
 - (f) any other payment related to production, processing or manufacturing of product under reference. These records shall also indicate the basis followed for arriving at the rates charged or paid for such products or services so as to enable determination of the reasonableness of such rates in so far as they are in any way related to products under reference.
- (2) the transactions by the following “related party relationships” shall be covered under sub-rule (1) :—
 - (a) enterprises that directly, or indirectly through one or more intermediaries, control, or are controlled by, or are under common control with, the reporting enterprise (this includes holding companies, subsidiaries and fellow subsidiaries);
 - (b) associates and joint ventures of the reporting enterprise and the investing party or venturer in respect of which the reporting enterprise is an associate or a joint venture;
 - (c) individuals owning, directly or indirectly, an interest in the voting power of the reporting enterprise that gives them control or significant influence over the enterprise, and relatives of any such individual;
 - (d) key management personnel and relatives of such personnel; and
 - (e) enterprises over which any person described in (c) or (d) is able to exercise significant influence. This includes enterprises owned by directors or major shareholders of the reporting enterprise and enterprises that have a member of key management in common with the reporting enterprise.

However, the following shall not be deemed as “related party relationships” :—

- (a) two companies simply because they have a Director in common, notwithstanding paragraph (d) or (e) above (unless the Director is able to affect the policies of both companies in their mutual dealings);
- (b) a single customer, supplier, franchiser, distributor, or general agent with whom an enterprise transacts a significant volume of business merely by virtue of the resulting economic dependence; and

- (c) the parties listed below, in the course of their normal dealings with an enterprise by virtue only of those dealings (although they may circumscribe the freedom of action of the enterprise or participate in its decision making process);
 - (i) providers of finance;
 - (ii) trade unions;
 - (iii) public utilities;
 - (iv) government departments and government agencies including government sponsored bodies.

Explanation : For the purpose of these Rules,—

- (a) **“Related party relationships”** means parties who are considered to be related if at any time during the reporting period one party has the ability to control the other party or exercise significant influence over the other party in making financial and/or operating decision;
- (b) **“Related party transaction”** means a transfer of resources or obligations between related parties, whether or not a price is charged;
- (c) **“Control”** means
 - (i) ownership, directly or indirectly, of more than one half of the voting power of an enterprise; or
 - (ii) control of the composition of the Board of Directors in the case of a company or of the composition of the corresponding governing body in case of any other enterprise; or
 - (iii) a substantial interest in voting power and the power to direct, by statute or agreement, the financial and/or operating policies of the enterprise.
- (d) **“Significant influence”** means participation in the financial or operating policy decisions of an enterprise, but not control of those policies;
- (e) **“Associate”** means an enterprise in which an investing reporting party has significant influence and which is neither a subsidiary nor a joint venture of that party;
- (f) **“Joint venture”** means a contractual arrangement whereby two or more parties undertake an economic activity, which is subject to joint control;
- (g) **“Joint control”** means the contractually agreed sharing of power to govern the financial and operating policies of an economic activity so as to obtain benefits from it;
- (h) **“Key management personnel”** means those persons who have the authority and responsibility for planning, directing and controlling the activities of the reporting enterprise;
- (i) **“Relative”**—in relation to an individual, means the spouse, son, daughter, brother, sister, father and mother who may connected by blood relationship;
- (j) **“Holding company”** means a holding company within the meaning of section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (k) **“Subsidiary”** means a subsidiary company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (l) **“Fellow subsidiary”** means a company is said to be a fellow subsidiary of another company if both are subsidiaries of the same holding company;
- (m) **“State-controlled enterprise”** means an enterprise which is under the control of the Central Government or a State Government.”

[F. No. 52/01/CAB-2001]

A. RAMASWAMY, Jt. Secy

Footnote .—The principal rules were published vide G.S.R. number 258 (E), dated the 3rd March, 1993 and subsequently amended vide—

1. G.S.R. 691 (E), dated 4th November, 1993 (corrigendum).
2. G.S.R. 774 (E), dated 5th December, 1995.
3. G.S.R. 457 (E), dated 3rd August, 1998.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 2001

सा.का.नि. 738 (अ).—केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा

(1) के खंड (घ) के साथ पठित धारा 642 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लागत लेखा अभिलेख (उर्वरक) नियम, 1993 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लागत लेखा अभिलेख (उर्वरक) संशोधन नियम, 2001 है ।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।
2. लागत लेखा अभिलेख (उर्वरक) नियम, 1993 में :—

अनुसूची 1 में, मद संख्या 24 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“ 24. अंतर-कंपनी अंतरण :

- (1) किसी कंपनी द्वारा अपनी नियंत्रित कंपनी या समनुपंगी अथवा किसी ऐसी कंपनी जिसे “ संबंध पक्षकार संबंध ” कहा गया है जैसा कि नीचे परिभाषित है और विपर्यय की बाबत संबंध पक्षकार संव्यवहार अथवा किए गए प्रदाय अथवा दी गई सेवाओं की बाबत उनके द्वारा की गई संविदाओं, करारों या उनकी बाबत हुई सहमति को दर्शित करते हुए निम्नलिखित की बाबत अभिलेख रखे जाएंगे :
 - (क) कच्ची सामग्री, तैयार उत्पाद, प्रसंस्करण सामग्री, रासायनिक और स्क्रेप सहित अस्थीकृत माल आदि का क्रय और विक्रय;
 - (ख) संयंत्र सुविधाओं और तकनीकी व्यवहार ज्ञान का उपयोग;
 - (ग) उपयोगिताओं और किन्हीं अन्य सेवाओं का प्रदाय;
 - (घ) प्रशासनिक, तकनीकी, प्रबंधकीय अथवा कोई अन्य परामर्शी सेवाएं;
 - (ङ) संयंत्र और मशीनरी सहित पूंजीगत माल का क्रय और विक्रय;
 - (च) उत्पादन, प्रसंस्करण या निर्देशाधीन उत्पाद से संबंधित कोई अन्य संदाय;

इन अभिलेखों में प्रभारित दलों को तय करना अथवा ऐसे उत्पादों के लिए संदाय करने के लिए अनुसरण किए गए आधारों को भी उपदर्शित किया जाएगा जिससे कि ऐसी दलों की युक्तियुक्तता का जहां तक कि उनका संबंध किसी भी रीति में निर्देशाधीन उत्पाद से है अवधारण किया जा सके ।

- (2) निम्न “ संबंधित पक्षकार संबंध ” द्वारा किए गए संव्यवहार उपनियम (1) के अंतर्गत आएंगे :—

- (क) वे उद्यम जो प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः एक या अधिक मध्यवर्ती द्वारा नियंत्रित करते हैं अथवा रिपोर्टिंग उद्यम (जिनके अन्तर्गत नियंत्रित कंपनी, समनुपंगी और सहयोगी समनुपंगी हैं) के द्वारा नियंत्रित की जाती हैं अथवा उनके सामान्य नियंत्रण में हैं;
- (ख) रिपोर्टिंग उद्यम के सहबद्ध और सहउद्यम और वे विनिधान पक्षकार अथवा उद्यम जिनकी बाबत रिपोर्टिंग उद्यम कोई सहबद्ध अथवा सहउद्यम है;
- (ग) व्यक्ति जो ऐसे, रिपोर्टिंग उद्यम की प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः मत देने की शक्ति में हित रखते हैं जो उन्हें उद्यम के ऊपर नियंत्रण अथवा महत्वपूर्ण असर प्रदान करता है और किसी ऐसे व्यक्ति के नातेदार;
- (घ) मुख्य प्रबंध कार्मिक और ऐसे कार्मिक के नातेदार; और
- (ङ) ऐसे उद्यम जिनके ऊपर (ग) अथवा (घ) में वर्णित कोई व्यक्ति महत्वपूर्ण असर का प्रयोग करने में समर्थ है । इसके अंतर्गत निदेशकों अथवा रिपोर्टिंग उद्यम के प्रमुख शेयरधारकों के स्वामित्वाधीन उद्यम और वे उद्यम हैं जिनके ऐसे मुख्य प्रबंध सदस्य हैं जो रिपोर्टिंग उद्यम में भी सम्मिलित हैं ।

तथापि, निम्नलिखित को “ संबंध पक्षकार संबंध ” समझा जाएगा :—

- (क) वे दो कंपनियां मात्र इस कारण कि उनका एक सम्मिलित निदेशक है, उपयुक्त पैरा (घ) अथवा (ङ) में क्रिया प्राप्त हो रहे हुए भी (जब तक कि निदेशक दोनों कंपनियों को पारस्परिक व्यवहार में उनकी नीतियों को प्रभावित करने में समर्थ न हो);
- (ख) कोई एकल उपभोक्ता, प्रदायकर्ता, विशेषाधिकारी, सवितरक अथवा साधारण अभिकर्ता जिनके साथ कोई उद्यम कागजात का सहत्वपूर्ण संव्यवहार मात्र आर्थिक निर्भरता के परिणामस्वरूप करता है; और

- (ग) वे सूचीबद्ध पक्षकार, जो अपने सामान्य व्यवहार में किसी उद्यम के साथ केवल उन्हीं व्यवहारों के कारण संव्यवहार करते हैं (यद्यपि वे उद्यम की कार्य करने की स्वतंत्रता को सीमित कर सकने अथवा उसकी विनिश्चय करने की प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे)
- (i) वित्त उपलब्ध कराने वाले;
- (ii) व्यापार संघ;
- (iii) लोक उपयोगिताएं;
- (iv) सरकारी विभाग और सरकारी अभिकरण जिनके अंतर्गत सरकारी प्रायोजित निकाय भी हैं।

स्पष्टीकरण : इन नियमों के प्रयोजन के लिए,—

- (क) “संबद्ध पक्षकार संबंध” से वे पक्षकार अभिप्रेत हैं जिन्हें किसी भी समय संबंधित समझा गया हो यदि रिपोर्टगत अवधि के दौरान एक पक्षकार अन्य पक्षकार को नियंत्रित करने की योग्यता रखता हो अथवा वित्तीय और/या प्रचालन संबंधी विनिश्चय करने में अन्य पक्षकार के ऊपर महत्वपूर्ण असर रखता हो;
- (ख) “संबद्ध पक्षकार संव्यवहार” से संबद्ध पक्षकारों के बीच संसाधनों अथवा दायित्वों का अंतरण अभिप्रेत है, चाहे उसके लिए सीमित प्रभारित की गई हो या नहीं;
- (ग) “नियंत्रण” से निम्नलिखित अभिप्रेत है,—
- (i) किसी उद्यम की मत देने की शक्ति के आधे से अधिक का प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः स्वामित्व; या
- (ii) किसी कंपनी की दशा में निदेशक बोर्ड की संरचना का नियंत्रण अथवा किसी अन्य उद्यम की दशा में तत्स्थानी शासी निकाय की संरचना का नियंत्रण; या
- (iii) मतदान शक्ति में सारवान हित और उद्यम की वित्तीय और/या प्रचालन नीतियों को कानून या करार द्वारा निदेश देने की शक्ति।
- (घ) “महत्वपूर्ण असर” से किसी उद्यम की वित्तीय अथवा प्रचालन नीति विषयक विनिश्चयों में भाग लेना अभिप्रेत है किन्तु उन नीतियों का नियंत्रण नहीं;
- (ङ) “सहयुक्त” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जिसमें कोई विनिधानकारी रिपोर्ट करने वाला पक्षकार महत्वपूर्ण असर रखता है और जो उक्त पक्षकार का न तो समनुषंगी है और न सहउद्यम है;
- (च) “सहउद्यम” से कोई ऐसी संविदात्मक ठहराव अभिप्रेत है जिसके द्वारा दो या अधिक पक्षकार किसी आर्थिक क्रियाकलाप को अपने हाथ में लेते हैं और, जो नियंत्रण के अधधीन है;
- (छ) “संयुक्त नियंत्रण” से किसी आर्थिक क्रियाकलाप की वित्तीय और प्रचालन संबंधी नीतियों को शासित करने के लिए संविदात्मक रूप से करार पाई शक्तियों में हिस्सा बंटाना अभिप्रेत है जिससे कि इससे फायदा अभिप्राप्त किया जा सके;
- (ज) “मुख्य संबंध कार्मिक” से वे व्यक्ति अभिप्रेत हैं जिनके पास रिपोर्ट करने वाले उद्यम के क्रियाकलापों की योजना, निदेशन और नियंत्रण करने का प्राधिकार और दायित्व है;
- (झ) किसी व्यक्ति के संबंध में, “नातेदार” से पति-पत्नी, पुत्र, पुत्री, भाई, बहन, पिता और माता अभिप्रेत हैं जो रक्त संबंध संस्कार हैं;
- (ञ) “नियंत्रि कंपनी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातगत कोई नियंत्रि कंपनी अभिप्रेत है;
- (ट) “समनुषंगी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातगत कोई समनुषंगी कंपनी अभिप्रेत है;
- (ठ) “सहयोगी समनुषंगी” से वह कंपनी अभिप्रेत है जो किसी अन्य कंपनी की सहयोगी समनुषंगी है यदि दोनों उसी नियंत्रि कंपनी की समनुषंगी हैं;
- (ड) “राज्य नियंत्रित उद्यम” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जो केन्द्रीय सरकार अथवा किसी राज्य सरकार के नियंत्रणाधीन है।

[फा.सं. 52/01/सीएबी-2001]

ए. रामास्वामी, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पण :—मूल नियम सा.का.नि. सं. 261 (अ) दिनांक 3-3-93 द्वारा प्रकाशित किए गए थे पश्चातवर्ती संशोधन निम्नलिखित द्वारा किए गए :—

1. सा.का.नि. 458 (अ), दिनांक 3-8-98

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th September, 2001

G.S.R. 738(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 642, read with clause (d) of sub-section (1) of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Cost Accounting Records (Fertilizers) rules, 1969, namely :—

1. (1) These rules may be called the Cost Accounting Records (**Fertilizers**) Amendment Rules, 2001.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Cost Accounting Records (Fertilizers) Rules, 1993 :—

in schedule I, for item number 24 and the entries relating thereto, the following shall be substituted namely :—

“24. Inter-Company Transfer :

- (1) In respect of related party transactions or supplies made or services rendered by a company to its holding company or subsidiary or a company termed “related party relationship” as defined below and vice-a-versa, records shall be maintained showing contracts entered into, agreements or understanding reached in respect of :
 - (a) purchase and sale of raw materials, finished products, process materials, chemicals and rejected goods including scraps, etc;
 - (b) utilisations of plant facilities and technical know-how;
 - (c) supply of utilities and any other services;
 - (d) administrative, technical, managerial or any other consultancy services;
 - (e) purchase and sale of capital goods including plant and machinery;
 - (f) any other payment related to production, processing or manufacturing of products under reference.

These records shall also indicate the basis followed for arriving at the rates charged or paid for such products or services so as to enable determination of the reasonableness of such rates in so far as they are in any way related to product under reference.

- (2) The transactions by the following “related party relationships” shall be covered under sub-rule (1) :—
 - (a) enterprises that directly, or indirectly through one or more intermediaries, control, or are controlled by, or are under common control with, the reporting enterprise (this includes holding companies, subsidiaries and fellow subsidiaries);
 - (b) association and joint ventures of the reporting enterprises and the investing party or venturer in respect of which the reporting enterprise is an associate or a joint venture;
 - (c) individuals owning, directly or indirectly, an interest in the voting power of the reporting enterprises that gives them control or significant influence over the enterprise, and relatives of any such individuals;
 - (d) key management personnel and relatives of such personnel; and
 - (e) enterprises over which any person described in (c) or (d) is able to exercise significant influence. This includes enterprises owned by directors or major shareholders of the reporting enterprise and enterprises that have a member of key management in common with the reporting enterprise.

However, the following shall not be deemed as “related party relationships” :—

- (a) two companies simply because they have a Director in common, notwithstanding paragraph (d) or (e) above (unless the Director is able to affect the policies of both companies in their mutual dealings);
- (b) a single customer, supplier, franchiser, distributor, or general agent with whom an enterprise transacts a significant volume of business merely by virtue of the resulting economic dependence; and

- (c) the parties listed below, in the course of their normal dealings with an enterprises by virtue only of those dealings (although they may circumscribe the freedom of action of the enterprise or participate in its decision-making process);
- (i) providers of finance;
- (ii) trade unions;
- (iii) public utilities;
- (iv) government departments and government agencies including government sponsored bodies.—

Explanation : For the purpose of these Rules,—

- (a) **“Related party relationships”** means parties who are considered to be related if at any time during the reporting period one party has the ability to control the other party or exercise significant influence over the other party in making financial and/or operating decisions;
- (b) **“Related party transaction”** means a transfer of resources or obligations between related parties, whether or not a price is charged;
- (c) **“Control”** means
 - (i) ownership, directly or indirectly, of more than one half of the voting power of an enterprises; or
 - (ii) control of the composition of the Board of Directors in the case of a company or of the composition of the corresponding governing body in case of any other enterprise; or
 - (iii) a substantial interest in voting power and the power to direct, by statute or agreement, the financial and/or operating policies of the enterprise.
- (d) **“Significant influence”** means participation in the financial or operating policy decisions of an enterprise, but not control of those policies;
- (e) **“Associate”** means an enterprise in which an investing reporting party has significant influence and which is neither a subsidiary nor a joint venture of that party;
- (f) **“Joint venture”** means a contractual arrangement whereby two or more parties undertake an economic activity, which is subject to joint control;
- (g) **“Joint control”** means the contractually agreed sharing of power to govern the financial and operating policies of an economic activity so as to obtain benefits from it;
- (h) **“Key management personnel”** means those persons who have the authority and responsibility for planning, directing and controlling the activity of the reporting enterprise;
- (i) **“Relative”**—in relating to an individual, means the spouse, son, daughter, brother, sister, father and mother who may connected by blood relationship;
- (j) **“Holding company”** means a holding company within the meaning of section 4 of the companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (k) **“Subsidiary”** means a subsidiary company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (l) **“Fellow subsidiary”** means a company is said to be a fellow subsidiary of another company if both are subsidiaries of the same holding company.
- (m) **“State-controlled enterprise”** means an enterprise which is under the control of the Central Government or a State Government.”

[F. No. 52/01/CAB-2001]

A. RAMASWAMY, Jt Secy.

Footnote .—The principal rules were published vide G.S.R. number 261(E), dated the 3rd March, 1993 and subsequently amended vide—

- 1 G.S.R. 458 (E), dated 3rd August, 1998.

अधिसूचना

नई दिल्ली, तारीख 28 सितम्बर, 2001

सा.का.नि. 739 (अ).—केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (1) के खंड (घ) के साथ पठित धारा 642 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लागत लेखा अभिलेख (साबुन और अपमार्जक) नियम, 1993 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लागत लेखा अभिलेख (साबुन और अपमार्जक) संशोधन नियम, 2001 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागत लेखा अभिलेख (साबुन और अपमार्जक) नियम, 1993 में :—

अनुसूची 1 में मद सख्या 24 और उम्मे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“ 24. अंतर-कंपनी अंतरण :

(1) किसी कंपनी द्वारा अपनी नियंत्रि कंपनी या समनुपंगी अथवा किसी ऐसी कंपनी जिसे “संबद्ध पक्षकार संबंध” कहा गया है जैसा कि नीचे परिभाषित है और विपर्यय की बाबत संबंध पक्षकार संव्यवहार अथवा किए गए प्रदाय अथवा दी गई सेवाओं की बाबत उनके द्वारा की गई संविदाओं, करारों या उनकी बाबत हुई सहमति को दर्शित करते हुए निम्नलिखित की बाबत अभिलेख रखे जाएंगे :

(क) कच्ची सामग्री, तैयार उत्पाद, प्रसंस्करण सामग्री, रासायनिक और स्क्रेप सहित अस्वीकृत माल आदि का क्रय और विक्रय;

(ख) संयंत्र सुविधाओं और तकनीकी व्यवहार ज्ञान का उपयोग;

(ग) उपयोगिताओं और किन्हीं अन्य सेवाओं का प्रदाय;

(घ) प्रशासनिक, तकनीकी, प्रबंधकीय अथवा कोई अन्य परामर्शी सेवाएं;

(ङ) संयंत्र और मशीनरी सहित पूंजीगत माल का क्रय और विक्रय;

(च) उत्पादन, प्रसंस्करण या निर्देशाधीन उत्पाद से संबंधित कोई अन्य संदाय;

इन अभिलेखों में प्रभारित दरों को तय करना अथवा ऐसे उत्पादों के लिए संदाय करने के लिए अनुसरण किए गए आधारों को भी उपदर्शित किया जाएगा जिससे कि ऐसी दरों की युक्तियुक्तता का जहां तक कि उनका संबंध किसी भी रीति में निर्देशाधीन उत्पाद से है अवधारण किया जा सके।

(2) निम्न “संबंधित पक्षकार संबंध” द्वारा किए गए संव्यवहार उपनियम (1) के अंतर्गत आएंगे :—

(क) वे उद्यम जो प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः एक या अधिक मध्यवर्ती द्वारा नियंत्रित करते हैं अथवा रिपोर्टगत उद्यम (जिसके अंतर्गत नियंत्रि कंपनी, समनुपंगी और सहयोगी समनुपंगी हैं) के द्वारा नियंत्रित की जाती हैं अथवा उनके सामान्य नियंत्रण में हैं;

(ख) रिपोर्टगत उद्यम के सहबद्ध और सहउद्यम और वे विनिधान पक्षकार अथवा उद्यम जिनकी बाबत रिपोर्टगत उद्यम कोई सहबद्ध अथवा सहउद्यम है;

(ग) व्यक्ति जो ऐसे, रिपोर्टगत उद्यम की प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः मत देने की शक्ति में हित रखते हैं जो उन्हें उद्यम के ऊपर नियंत्रण अथवा महत्वपूर्ण असर प्रदान करता है और किसी ऐसे व्यक्ति के नातेदार;

(घ) मुख्य प्रबंध कार्मिक और ऐसे कार्मिक के नातेदार; और

(ङ) ऐसे उद्यम जिनके ऊपर (ग) अथवा (घ) में वर्णित कोई व्यक्ति महत्वपूर्ण असर का प्रयोग करने में समर्थ है। इसके अंतर्गत निदेशकों अथवा रिपोर्टगत उद्यम के प्रमुख शेयरधारकों के म्यामिताधीन उद्यम और वे उद्यम हैं जिनके ऐसे मुख्य प्रबंध सदस्य हैं जो रिपोर्टगत उद्यम में भी सम्मिलित हैं।

तथापि, निम्नलिखित को “संबद्ध पक्षकार संबंध” समझा जाएगा :—

(क) वे दो कंपनियां मात्र इस कारण कि उनका एक सम्मिलित निदेशक है, उपर्युक्त पैरा (घ) अथवा (ङ) में किसी बात के होते हुए भी (जबतक कि निदेशक दोनों कंपनियों को पारस्परिक व्यवहार में उनकी नीतियों को प्रभावित करने में समर्थ न हो);

(ख) कोई एकल उपभोक्ता, प्रदायकर्ता, विशेषाधिकारी, संचितरक अथवा साधारण अभिकर्ता जिनके साथ कोई उद्यम, कारबार का महत्वपूर्ण संव्यवहार मात्र आर्थिक निर्भरता के परिणामस्वरूप करता है; और

- (ग) नीचे सूचीबद्ध पक्षकार, जो अपने सामान्य व्यवहार में किसी उद्यम के साथ केवल उन्हीं व्यवहारों के कारण संव्यवहार करते हैं (यद्यपि वे उद्यम की कार्य करने की स्वतंत्रता को सीमित कर सकने अथवा उसकी विनिश्चय करने की प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे);
- (i) वित्त उपलब्ध कराने वाले;
- (ii) व्यापार संघ;
- (iii) लोक उपयोगिताएं;
- (iv) सरकारी विभाग और सरकारी अभिकरण जिनके अंतर्गत सरकारी प्रायोजित निकाय भी हैं।

स्पष्टीकरण : इन नियमों के प्रयोजन के लिए,—

- (क) “संबद्ध पक्षकार संबंध” से वे पक्षकार अभिप्रेत हैं जिन्हें किसी भी समय संबंधित समझा गया हो यदि रिपोर्टगत अवधि के दौरान एक पक्षकार अन्य पक्षकार को नियंत्रित करने की योग्यता रखता हो अथवा वित्तीय और/या प्रचालन संबंधी विनिश्चय करने में अन्य पक्षकार के ऊपर महत्वपूर्ण असर रखता हो;
- (ख) “सहबद्ध पक्षकार संव्यवहार” से संबद्ध पक्षकारों के बीच संसाधनों अथवा दायित्वों का अंतरण अभिप्रेत है, चाहे उसके लिए कीमत प्रभारित की गई हो या नहीं;
- (ग) “नियंत्रण” से निम्नलिखित अभिप्रेत है,—
- (i) किसी उद्यम की मत देने की शक्ति के आधे से अधिक का प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः स्वामित्व; या
- (ii) किसी कंपनी की दशा में निदेशक बोर्ड की संरचना का नियंत्रण अथवा किसी अन्य उद्यम की दशा में तत्स्थानी शासी निकाय की संरचना का नियंत्रण; या
- (iii) मतदान शक्ति में सारधान हित और उद्यम की वित्तीय और/या प्रचालन नीतियों को कानून या करार द्वारा निदेश देने की शक्ति।
- (घ) “महत्वपूर्ण असर” से किसी उद्यम की वित्तीय अथवा प्रचालन नीति विषयक विनिश्चयों में भाग लेना अभिप्रेत है किन्तु उन नीतियों का नियंत्रण नहीं;
- (ङ) “सहयुक्त” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जिसमें कोई विनिधानकारी रिपोर्ट करने वाला पक्षकार महत्वपूर्ण असर रखता है और जो उस पक्षकार का न तो समनुपंगी है और न सहउद्यमी है;
- (च) “सहउद्यम” से कोई ऐसी संविदात्मक ठहराव अभिप्रेत है जिसके द्वारा या दो अधिक पक्षकार किसी आर्थिक क्रियाकलाप को अपने हाथ में लेते हैं और, जो नियंत्रण के अध्यधीन है;
- (छ) “संयुक्त नियंत्रण” से किसी आर्थिक क्रियाकलाप की वित्तीय और प्रचालन संबंधी नीतियों को शासित करने के लिए संविदात्मक रूप से करार पाई शक्तियों में हिस्सा बंटाना अभिप्रेत है जिससे कि इससे फायदा अभिप्राय किया जा सके;
- (ज) “मुख्य प्रबंध कार्मिक” से वे व्यक्ति अभिप्रेत हैं जिनके पास रिपोर्ट करने वाले उद्यम के क्रियाकलापों की योजना, निदेशन और नियंत्रण करने का प्राधिकार और दायित्व है;
- (झ) किसी व्यक्ति के संबंध में, “नातेदार” से पति-पत्नी, पुत्र, पुत्री, भाई, बहन, पिता और माता अभिप्रेत हैं जो रक्त संबंध संस्कार हैं;
- (ञ) “नियंत्रि कंपनी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातर्गत कोई नियंत्रि कंपनी अभिप्रेत है;
- (ट) “समनुपंगी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातर्गत कोई समनुपंगी कंपनी अभिप्रेत है;
- (ठ) “सहयोगी समनुपंगी” से वह कंपनी अभिप्रेत है जो किसी अन्य कंपनी की सहयोगी समनुपंगी है यदि दोनों उसी नियंत्रि कंपनी की समनुपंगी हैं;
- (ड) “राज्य नियंत्रित उद्यम” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जो केन्द्रीय सरकार अथवा किसी राज्य सरकार के नियंत्रणाधीन है।

[फा.सं. 52/01/सीएबी-2001]

ए. रामास्वामी, संयुक्त सचिव

पाठ टिप्पणी :—मूल नियम सा.का.नि. सं. 677 (अ) दिनांक 29-10-93 द्वारा प्रकाशित किए गए थे पश्चात्पूर्ति संशोधन निम्नलिखित द्वारा किए गए :—

1. सा.का.नि. 459 (अ), दिनांक 3-8-98

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th September, 2001

G.S.R. 739(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 642, read with clause (d) of sub-section (1) of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Cost Accounting Records (Soaps and Detergents) Rules, 1993, namely :—

1. (1) These rules may be called the Cost Accounting Records (Soaps and Detergents) Amendment Rules, 2001.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Cost Accounting Records (Soaps and Detergents) Rules, 1993 :—

in Schedule 1, for item 24 and the entries relating thereto, the following shall be substituted namely :—

“24. Inter-Company Transfer :

- (1) In respect of related party transactions or supplies made or services rendered by a company to its holding company or subsidiary or a company termed “related party relationship” as defined below and vice-a-versa, records shall be maintained showing contracts entered into, agreements or understanding reached in respect of :
 - (a) purchase and sale of raw materials, finished products, process materials, chemicals and rejected goods including scraps, etc;
 - (b) utilisation of plant facilities and technical know-how;
 - (c) supply of utilities and any other services;
 - (d) administrative, technical, managerial or any other consultancy services;
 - (e) purchase and sale of capital goods including plant and machinery;
 - (f) any other payment related to production, processing or manufacturing of products under reference.

These records shall also indicate the basis followed for arriving at the rates charged or paid for such products or services so as to enable determination of the reasonableness of such rates in so far as they are in any way related to product under reference.

- (2) the transactions by the following “related party relationships” shall be covered under sub-rule (1) :—
 - (a) enterprises that directly, or indirectly through one or more intermediaries, control, or are controlled by, or are under common control with, the reporting enterprise (this includes holding companies, subsidiaries and fellow subsidiaries);
 - (b) associates and joint ventures of the reporting enterprise and the investing party or venturer in respect of which the reporting enterprise is an associate or a joint venture;
 - (c) individuals owning, directly or indirectly, an interest in the voting power of the reporting enterprise that gives them control or significant influence over the enterprise, and relatives of any such individuals;
 - (d) key management personnel and relatives of such personnel; and
 - (e) enterprises over which any person described in (c) or (d) is able to exercise significant influence. This includes enterprises owned by directors or major shareholders of the reporting enterprise and enterprises that have a member of key management in common with the reporting enterprise.

However, the following shall not be deemed as “related party relationships” :—

- (a) two companies simply because they have a Director in common, notwithstanding paragraph (d) or (e) above (unless the Director is able to affect the policies of both companies in their mutual dealings).
- (b) a single customer, supplier, franchiser, distributor, or general agent with whom an enterprise transacts a significant volume of business merely by virtue of the resulting economic dependence; and

- (c) the parties listed below, in the course of their normal dealings with an enterprise by virtue only of those dealings (although they may circumscribe the freedom of action of the enterprise or participate in its decision-making process);
 - i. providers of finance;
 - ii. trade unions;
 - iii. public utilities;
 - iv. government departments and government agencies including government sponsored bodies.—

Explanation : For the purpose of these Rules,—

- (a) **“Related party relationships”** means parties who are considered to be related if at any time during the reporting period one party has the ability to control the other party or exercise significant influence over the other party in making financial and/or operating decision;
- (b) **“Related party transaction”** means a transfer of resources or obligations between related parties, whether or not a price is charged;
- (c) **“Control”** means
 - (i) ownership, directly or indirectly, of more than one half of the voting power of an enterprise; or
 - (ii) control of the composition of the Board of Directors in the case of a company or of the composition of the corresponding governing body in case of any other enterprise; or
 - (iii) a substantial interest in voting power and the power to direct, by statute or agreement, the financial and/or operating policies of the enterprise.
- (d) **“Significant influence”** means participation in the financial or operating policy decisions of an enterprise, but not control of those policies;
- (e) **“Associate”** means an enterprise in which an investing reporting party has significant influence and which is neither a subsidiary nor a joint venture of that party;
- (f) **“Joint venture”** means a contractual arrangement whereby two or more parties undertake an economic activity, which is subject to joint control;
- (g) **“Joint control”** means the contractually agreed sharing of power to govern the financial and operating policies of an economic activity so as to obtain benefits from it;
- (h) **“Key management personnel”** means those persons who have the authority and responsibility for planning, directing and controlling the activities of the reporting enterprise;
- (i) **“Relative”**—in relation to an individual, means the spouse, son, daughter, brother, sister, father and mother who may connected by blood relationship;
- (j) **“Holding company”** means a holding company within the meaning of section 4 of the companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (k) **“Subsidiary”** means a subsidiary company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (l) **“Fellow subsidiary”** means a company is said to be a fellow subsidiary of another company if both are subsidiaries of the same holding company;
- (m) **“State-controlled enterprise”** means an enterprise which is under the control of the Central Government or a State Government.”

[F. NO. 52/01/CAB-2001]

A. RAMASWAMY, Jt. Secy.

Footnote .—The principal rules were published vide G.S.R. No. 677(E), dated the 29th October, 1993 and subsequently amended vide—

1. G.S.R. 459(E), dated 3rd August, 1998.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 2001

सा.का.नि. 740(अ).—केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (1) के खंड (घ) के साथ पठित धारा 642 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लागत लेखा अभिलेख (प्रसाधन और प्रसाधन सामग्री) नियम, 1993 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लागत लेखा अभिलेख (प्रसाधन और प्रसाधन सामग्री) संशोधन नियम, 2001 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागत लेखा अभिलेख (प्रसाधन और प्रसाधन सामग्री) नियम, 1993 में :—

अनुसूची 1 में, मद संख्या 24 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“24. अंतर-कंपनी अंतरण :

(1) किसी कंपनी द्वारा अपनी नियंत्रि कंपनी या समनुषंगी अथवा किसी ऐसी कंपनी जिसे “संबद्ध पक्षकार संबंध” कहा गया है जैसा कि नीचे परिभाषित है और विपर्यय की बाबत संबद्ध पक्षकार संव्यवहार अथवा किए गए प्रदाय अथवा दी गई सेवाओं की बाबत उनके द्वारा की गई संविदाओं, करारों या उनकी बाबत हुई सहमति को दर्शित करते हुए निम्नलिखित की बाबत अभिलेख रखे जाएंगे :

(क) कच्ची सामग्री, तैयार उत्पाद, प्रसंस्करण सामग्री, रासायनिक और स्क्रेप सहित अस्वीकृत माल आदि का क्रय और विक्रय;

(ख) संयंत्र सुविधाओं और तकनीकी व्यवहार ज्ञान का उपयोग;

(ग) उपयोगिताओं और किन्हीं अन्य सेवाओं का प्रदाय;

(घ) प्रशासनिक, तकनीकी, प्रबंधकीय अथवा कोई अन्य परामर्शी सेवाएं;

(ङ) संयंत्र और मशीनरी सहित पूंजीगत माल का क्रय और विक्रय;

(च) उत्पादन, प्रसंस्करण या निर्देशाधीन उत्पाद से संबंधित कोई अन्य संदाय;

इन अभिलेखों में प्रभारित दरों को तय करना अथवा ऐसे उत्पादों के लिए संदाय करने के लिए अनुसरण किए गए आधारों को भी उपदर्शित किया जाएगा जिससे कि ऐसी दरों की युक्तियुक्तता का जहां तक कि उनका संबंध किसी भी रीति में निर्देशाधीन उत्पाद से है अवधारण किया जा सके।

(2) निम्न “संबंधित पक्षकार संबंध” द्वारा किए गए संव्यवहार उपनियम (1) के अन्तर्गत आएंगे :—

(क) वे उद्यम जो प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः एक या अधिक मध्यवर्ती द्वारा नियंत्रित करते हैं अथवा रिपोर्टिंग उद्यम (जिसके अंतर्गत नियंत्रि कंपनी, समनुषंगी और सहयोगी समनुषंगी हैं) के द्वारा नियंत्रित की जाती हैं अथवा उनके सामान्य नियंत्रण में हैं;

(ख) रिपोर्टिंग उद्यम के सहबद्ध और सहउद्यम और वे विनिधान पक्षकार अथवा उद्यम जिनकी बाबत रिपोर्टिंग उद्यम कोई सहबद्ध अथवा सहउद्यम हैं,

(ग) व्यक्ति जो ऐसे, रिपोर्टिंग उद्यम की प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः मत देने की शक्ति में हित रखते हैं जो उन्हें उद्यम के ऊपर नियंत्रण अथवा महत्वपूर्ण असर प्रदान करता है और किसी ऐसे व्यक्ति के नातेदार;

(घ) मुख्य प्रबंध कार्मिक और ऐसे कार्मिक के नातेदार; और

(ङ) ऐसे उद्यम जिनके ऊपर (ग) अथवा (घ) में वर्णित कोई व्यक्ति महत्वपूर्ण असर का प्रयोग करने में समर्थ है। इसके अंतर्गत निदेशकों अथवा रिपोर्टिंग उद्यम के प्रमुख शेरधारकों के स्वामित्वाधीन उद्यम और वे उद्यम हैं जिनके ऐसे मुख्य प्रबंध सदस्य हैं जो रिपोर्टिंग उद्यम में भी सम्मिलित हैं।

तथापि, निम्नलिखित को “संबद्ध पक्षकार संबंध” समझा जाएगा :—

(क) वे दो कंपनियां मात्र इस कारण कि उनका एक सम्मिलित निदेशक है, उपर्युक्त पैरा (घ) अथवा (ङ) में किसी बात के होते हुए भी (जब तक कि निदेशक दोनों कंपनियों को पारस्परिक व्यवहार में उनकी नीतियों को प्रभावित करने में समर्थ न हों);

(ख) कोई एकल उपभोक्ता, प्रदायकर्ता, विशेषाधिकारी, संवितरक अथवा साधारण अधिकर्ता जिनके साथ कोई उद्यम, कारबार का महत्वपूर्ण संव्यवहार मात्र आर्थिक निर्भरता के परिणामस्वरूप करता है; और

- (ग) नीचे सूचीबद्ध पक्षकार, जो अपने सामान्य व्यवहार में किसी उद्यम के साथ केवल उन्हीं व्यवहारों के कारण संव्यवहार करते हैं (यद्यपि वे उद्यम की कार्य करने की स्वतंत्रता को सीमित कर सकने अथवा उनकी विनिश्चय करने की प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे);
- (i) वित्त उपलब्ध कराने वाले;
 - (ii) व्यापार संघ;
 - (iii) लोक उपयोगिताएं;
 - (iv) सरकारी विभाग और सरकारी अभिकरण जिनके अंतर्गत सरकारी प्रायोजित निकाय भी हैं।

स्पष्टीकरण :—इन नियमों के प्रयोजन के लिए,—

- (क) “संबद्ध पक्षकार संबंध” से वे पक्षकार अभिप्रेत हैं जिन्हें किसी भी समय संबंधित समझा गया हो यदि रिपोर्टगत अवधि के दौरान एक पक्षकार अन्य पक्षकार को नियंत्रित करने की योग्यता रखता हो अथवा वित्तीय और/या प्रचालन संबंधी विनिश्चय करने में अन्य पक्षकार के ऊपर महत्वपूर्ण असर रखता हो;
- (ख) “सहबद्ध पक्षकार व्यवहार” से संबद्ध पक्षकारों के बीच संसाधनों अथवा दायित्वों का अंतरण अभिप्रेत है, चाहे उसके लिए कीमत प्रभाविता की गई हो या नहीं;
- (ग) “नियंत्रण” से निर्माणांकित अभिप्रेत है,—
 - (i) किसी उद्यम की मत देने की शक्ति के आधे से अधिक का प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः स्वामित्व; या
 - (ii) किसी कंपनी की दशा में निदेशक बोर्ड की संरचना का नियंत्रण अथवा किसी अन्य उद्यम की दशा में तत्स्थानी शासी निकाय की संरचना का नियंत्रण; या
 - (iii) मतदान शक्ति में सारवान हित और उद्यम की वित्तीय और/या प्रचालन नीतियों को कानून या करार द्वारा निदेश देने की शक्ति।
- (घ) “महत्वपूर्ण असर” से किसी उद्यम की वित्तीय अथवा प्रचालन नीति विषयक विनिश्चयों में भाग लेना अभिप्रेत है किन्तु उन नीतियों का नियंत्रण नहीं;
- (ङ) “सहयुक्त” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जिसमें कोई विनिधानकारी रिपोर्ट करने वाला पक्षकार महत्वपूर्ण असर रखता है और जो उस पक्षकार का न तो समनुषंगी है और न सहउद्यम है;
- (च) “सहउद्यम” से कोई ऐसी संविदात्मक ठहराव अभिप्रेत है जिसके द्वारा दो या अधिक पक्षकार किसी आर्थिक क्रियाकलाप को अपने हाथ में लेते हैं और, जो नियंत्रण के अध्वधीन है;
- (छ) “संयुक्त नियंत्रण” से किसी आर्थिक क्रियाकलाप की वित्तीय और प्रचालन संबंधी नीतियों को शासित करने के लिए संविदात्मक रूप से करार पाई शक्तियों में हिस्सा बंटाना अभिप्रेत है जिससे कि इससे फायदा अभिप्राप्त किया जा सके;
- (ज) “मुख्य प्रबंध कार्मिक” से वे व्यक्ति अभिप्रेत हैं जिनके पास रिपोर्ट करने वाले उद्यम के क्रियाकलापों का योजना, निदेशन और नियंत्रण करने का प्राधिकार और दायित्व है;
- (झ) किसी ध्याष्ट के संबंध में, “नातेदार” से पति-पत्नी, पुत्र, पुत्री, भाई, बहन, पिता और माता अभिप्रेत हैं जिनका रक्त संबंध संस्कार है;
- (ञ) “नियंत्रि कंपनी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातगत कोई नियंत्रि कंपनी अभिप्रेत है;
- (ट) “समनुषंगी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थातगत कोई समनुषंगी कंपनी अभिप्रेत है;
- (ठ) “सहयोगी समनुषंगी” से वह कंपनी अभिप्रेत है जो किसी अन्य कंपनी की सहयोगी समनुषंगी है यदि दोनों उसी नियंत्रि कंपनी की समनुषंगी हैं;
- (ड) “राज्य नियंत्रित उद्यम” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जो केन्द्रीय सरकार अथवा किसी राज्य सरकार के नियंत्रणाधीन है।

[आ. सं. 52/01/सीएबी-2001]

ए. रामास्वामी, संयुक्त सचिव

पाठ टिप्पणः—मूल नियम सा.का.नि. सं. 678(अ) दिनांक 29-10-93 द्वारा प्रकाशित किए गए थे पश्चात्तवर्ती संशोधन निम्नलिखित द्वारा किए गए

1. सा.का.नि. 460(अ), दिनांक 3-8-98

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th September, 2001

G.S.R. 740 (E).—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 642, read with clause (d) of Sub-section (1) of Section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Cost Accounting Records (Cosmetics and Toiletries) Rules, 1993, namely :—

1. (1) These rules may be called the Cost Accounting Records (Cosmetics and Toiletries) Amendment Rules, 2001.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Cost Accounting Records (Cosmetics and Toiletries) Rules, 1993 :—

in schedule I, for item number 24 and the entries relating thereto, the following shall be substituted namely :—

“24. INTER-COMPANY TRANSFER :

(1) In respect of related party transactions or supplies made or services rendered by a company to its holding company or subsidiary or a company termed “related party relationship” as defined below and vice-versa, records shall be maintained showing contracts entered into, agreements or understanding reached in respect of :—

- (a) purchase and sale of raw materials, finished products, process materials, chemicals and rejected goods including scraps, etc ;
- (b) utilisation of plant facilities and technical know-how ;
- (c) supply of utilities and any other services ;
- (d) administrative, technical, managerial or any other consultancy services ;
- (e) purchase and sale of capital goods including plant and machinery ;
- (f) any other payment related to production, processing or manufacturing of product under reference.

These records shall also indicate the basis followed for arriving at the rates charged or paid for such products or services so as to enable determination of the reasonableness of such rates in so far as they are in any way related to product under reference.

(2) The transactions by the following “related party relationships” shall be covered under sub-rule (1) :—

- (a) enterprises that directly or indirectly through one or more intermediaries, control, or/are controlled by, or/are under common control with, the reporting enterprise (this includes holding companies, subsidiaries and follow subsidiaries);
- (b) associates and joint ventures of the reporting enterprise and the investing party or venturer in respect of which the reporting enterprise is an associate or a joint venture;
- (c) individuals owning, directly or indirectly, an interest in the voting power of the reporting enterprise that gives them control or significant influence over the enterprise, and relatives of any such individual;
- (d) key management personnel and relatives of such personnel; and
- (e) enterprises over which any person described in (c) or (d) is able to exercise significant influence. This includes enterprises owned by directors or major shareholders of the reporting enterprise and enterprises that have a member of key management in common with the reporting enterprise.

However, the following shall not be deemed as “related party relationships” :—

- (a) two companies simply because they have a Director in common, notwithstanding paragraph (d) or (e) above (unless the Director is able to affect the policies of both companies in their mutual dealings);

- (b) a single customer, supplier, franchiser, distributor, or general agent with whom an enterprise transacts a significant volume of business merely by virtue of the resulting economic dependence; and
- (c) the parties listed below, in the course of their normal dealings with an enterprise by virtue only of those dealings (although they may circumscribe the freedom of action of the enterprise or participate in its decision-making process:
 - (i) Providers of finance;
 - (ii) trade unions;
 - (iii) public utilities;
 - (iv) Government departments and Government agencies including Government sponsored bodies.

Explanationn :—For the purpose of these Rules,—

- (a) **“Related party relationships”** means parties who are considered to be related if at any time during the reporting period one party has the ability to control the other party or exercise significant influence over the other party in making financial and/or operating decisions;
- (b) **“Related party transaction”** means a transfer of resources or obligations between related parties, whether or not a price is charged;
- (c) **“Control”** means
 - (i) ownership, directly or indirectly, of more than onehalf of the voting power of an enterprise; or
 - (ii) control of the composition of the Board of Directors in the case of a company or of the composition of the corresponding governing body in case of any other enterprise; or
 - (iii) a substantial interest is voting power and the power to direct, by statute or agreement, the financial and/or operating policies of the enterprise.
- (d) **“Significant influence”** means participation in the financial or operating policy decisions of an enterprise, but not control of those policies;
- (e) **“Associate”** means an enterprise in which an investing reporting party has significant influence and which is neither a subsidiary nor a joint venture of that party;
- (f) **“Joint venture”** means a contractual arrangement whereby two or more parties undertake an economic activity, which is subject to joint control;
- (g) **“Joint control”** means the contractually agreed sharing of power to govern the financial and operating policies of an economic activity so as to obtain in benefits from it;
- (h) **“Key management personnel”** means those persons who have the authority and responsibility for planning, directing and controlling the activities of the reporting enterprise;
- (i) **“Relative”**—in relation to an individual, means the spouse, son, daughter, brother, sister, father and mother who may connected by blood relationship;
- (j) **“Holding company”** means a holding company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (k) **“Subsidiary”** means a subsidiary company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (l) **“Fellow subsidiary”** means a company is said to be a fellow subsidiary of another company if both are subsidiaries of the same holding company;
- (m) **“State-controlled enterprises”** means an enterprise which is under the control of the Central Government or a State Government.”

[F. No. 52/01/CAB-2001]

A. RAMASWAMY, Jt. Secy.

Footnote :—The principal rules were published vide number G.S.R. 678(E), dated the 29th October, 1993 and subsequently amended vide :—

1. GSR 460 (E), dated 3rd August, 1998.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 2001

सा.का.नि. 741(अ).—केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (1) के खंड (घ) के साथ पठित धारा 642 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लागत लेखा अभिलेख (जूतादि) नियम, 1996 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लागत लेखा अभिलेख (जूतादि) संशोधन नियम, 2001 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागत लेखा अभिलेख (जूतादि) नियम, 1967 में :—

अनुसूची 1 में, मद संख्या 23 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

"23. अंतर-कंपनी अंतरण :

(1) किसी कंपनी द्वारा अपनी नियंत्रि कंपनी या समनुयुगी अथवा किसी ऐसी कंपनी जिसे "संबद्ध पक्षकार संबंध" कहा गया है जैसा कि नीचे परिभाषित है और विपर्यय की बाबत संबद्ध पक्षकार संव्यवहार अथवा किए गए प्रदाय अथवा दी गई सेवाओं की बाबत उनके द्वारा की गई संविदाओं, करारों या उनकी बाबत हुई सहमति को दर्शित करते हुए निम्नलिखित की बाबत अभिलेख रखे जाएंगे :

(क) कच्ची सामग्री, तैयार उत्पाद, प्रसंस्करण सामग्री, रासायनिक और स्ट्रैप सहित अस्वीकृत माल आदि का क्रय और विक्रय ;

(ख) संयंत्र सुविधाओं और तकनीकी व्यवहार ज्ञान का उपयोग;

(ग) उपयोगिताओं और किन्हीं अन्य सेवाओं का प्रदाय;

(घ) प्रशासनिक, तकनीकी, प्रबंधकीय अथवा कोई अन्य परामर्शी सेवाएं ;

(ङ.) संयंत्र और मशीनरी सहित पूंजीगत माल का क्रय और विक्रय;

(च) उत्पादन, प्रसंस्करण या निर्देशाधीन उत्पाद से संबंधित कोई अन्य संदाय।

इन अभिलेखों में प्रभारित दरों को तय करना अथवा ऐसे उत्पादों के लिए संदाय करने के लिए अनुसरण किए गए आधारों को भी उपदर्शित किया जाएगा जिससे कि ऐसी दरों की युक्तियुक्तता का जहां तक कि उनका संबंध किसी भी रीति में निर्देशाधीन उत्पाद से है अवधारण किया जा सके।

(2) निम्न "संबंधित पक्षकार संबंध" द्वारा किए गए संव्यवहार उपनियम (1) के अन्तर्गत आएंगे :—

(क) वे उद्यम जो प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः एक या अधिक मध्यवर्ती द्वारा नियंत्रित करते हैं अथवा रिपोर्टिंग उद्यम (जिसके अन्तर्गत नियंत्रि कंपनी, समनुयुगी और सहयोगी समनुयुगी हैं) के द्वारा नियंत्रित की जाती हैं अथवा उनके सामान्य नियंत्रण में हैं;

(ख) रिपोर्टिंग उद्यम के सहबद्ध और सहउद्यम और वे विनिधान पक्षकार अथवा उद्यम जिनकी बाबत रिपोर्टिंग उद्यम कोई सहबद्ध अथवा सहउद्यम हैं;

(ग) व्यक्ति जो ऐसे, रिपोर्टिंग उद्यम की प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः मत देने की शक्ति में हित रखते हैं जो उन्हें उद्यम के ऊपर नियंत्रण अथवा महत्वपूर्ण असर प्रदान करता है और किसी ऐसे व्यक्ति के नातेदार;

(घ) मुख्य प्रबंध कार्मिक और ऐसे कार्मिक के नातेदार; और

(ङ.) ऐसे उद्यम जिनके ऊपर (ग) अथवा (घ) में वर्णित कोई व्यक्ति महत्वपूर्ण असर का प्रयोग करने में समर्थ है। इसके अंतर्गत निदेशकों अथवा रिपोर्टिंग उद्यम के प्रमुख शेयरधारकों के स्वाभित्वाधीन उद्यम और वे उद्यम हैं जिनके ऐसे मुख्य प्रबंध सदस्य हैं जो रिपोर्टिंग उद्यम में भी सम्मिलित हैं।

तथापि, निम्नलिखित को "संबद्ध पक्षकार संबंध" समझा जाएगा :—

(क) वे दो कंपनियां मात्र इस कारण कि उनका एक सम्मिलित निदेशक है, उपर्युक्त पैरा (घ) अथवा (ङ.) में किसी बात के होते हुए भी (जब तक कि निदेशक दोनों कंपनियों को पारस्परिक व्यवहार में उनकी नीतियों को प्रभावित करने में समर्थ न हों);

(ख) कोई एकल उपभोक्ता, प्रदायकर्ता, विशेषाधिकारी, संचितरक अथवा साधारण अभिकर्ता जिनके साथ कोई उद्यम, कारबार का महत्वपूर्ण संव्यवहार मात्र आर्थिक निर्भरता के परिणामस्वरूप करता है; और

- (ग) नीचे सूचीबद्ध पक्षकार, जो अपने सामान्य व्यवहार में किसी उद्यम के साथ केवल उन्हीं व्यवहारों के कारण संव्यवहार करते हैं। (यद्यपि वे उद्यम की कार्य करने की स्वतंत्रता को सीमित कर सकने अथवा उनकी विनिश्चय करने की प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे)
- (i) वित्त उपलब्ध कराने वाले;
 - (ii) व्यापार संघ;
 - (iii) लोक उपयोगिताएं ;
 - (iv) सरकारी विभाग और सरकारी अभिकरण जिनके अंतर्गत सरकारी प्रयोजित निकाय भी हैं।

स्पष्टीकरण :—इन नियमों के प्रयोजन के लिए,—

- (क) "संबद्ध पक्षकार संबंध" से वे पक्षकार अभिप्रेत हैं जिन्हें किसी भी समय संबंधित समझा गया हो यदि रिपोर्टगत अवधि के दौरान एक पक्षकार अन्य पक्षकार को नियंत्रित करने की योग्यता रखता हो अथवा वित्तीय और/या प्रचालन संबंधी विनिश्चय करने में अन्य पक्षकार के ऊपर महत्वपूर्ण असर रखता हो;
- (ख) "सहबद्ध पक्षकार संव्यवहार" से संबद्ध पक्षकारों के बीच संसाधनों अथवा दायित्वों का अंतरण अभिप्रेत हैं, चाहे उसके लिए कीमत प्रभारित की गई हो या नहीं;
- (ग) "नियंत्रण" से निम्नलिखित अभिप्रेत हैं,—
- (i) किसी उद्यम की मत देने की शक्ति के आधे से अधिक का प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः स्वामित्व ; या
 - (ii) किसी कंपनी की दशा में निदेशक बोर्ड की संरचना का नियंत्रण अथवा किसी अन्य उद्यम की दशा में तत्स्था नी शासी निकाय की संरचना का नियंत्रण; या
 - (iii) मतदान शक्ति में सारवान हित और उद्यम की वित्तीय और/या प्रचालन नीतियों को कानून या करार द्वारा निदेश देने की शक्ति।
- (घ) "महत्वपूर्ण असर" से किसी उद्यम की वित्तीय अथवा प्रचालन नीति विषयक विनिश्चयों में भाग लेना अभिप्रेत है किन्तु उन नीतियों का नियंत्रण नहीं;
- (ङ) "सहयुक्त" से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जिसमें कोई विनिधानकारी रिपोर्ट करने वाला पक्षकार महत्वपूर्ण असर रखता है और जो उस पक्षकार का न तो समनुपंगी है और न सहउद्यम है;
- (च) "सहउद्यम" से कोई ऐसी संविदात्मक ठहराव अभिप्रेत है जिसके द्वारा दो या अधिक पक्षकार किसी आर्थिक क्रियाकलाप को अपने हाथ में लेते हैं और, जो नियंत्रण के अध्वधीन है;
- (छ) "संयुक्त नियंत्रण" से किसी आर्थिक क्रियाकलाप की वित्तीय और प्रचालन संबंधी नीतियों को शासित करने के लिए संविदात्मक रूप से करार पाई शक्तियों में हिस्सा बंटाना अभिप्रेत है जिससे कि इससे फायदा अभिप्राप्त किया जा सके;
- (ज) "मुख्य प्रबंध कार्मिक" से वे व्यक्ति अभिप्रेत हैं जिनके पास रिपोर्ट करने वाले उद्यम के क्रियाकलापों की योजना, निदेशन और नियंत्रण करने का प्राधिकार और दायित्व है;
- (झ) किसी व्यक्ति के संबंध में, "नातेदार" से पति-पत्नी, पुत्र, पुत्री, भाई, बहन, पिता और माता अभिप्रेत हैं जो रक्त संबंध संस्कार हैं;
- (ञ) "नियंत्रि कंपनी" से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थात्गत कोई नियंत्रि कंपनी अभिप्रेत है;
- (ट) "समनुपंगी" से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थात्गत कोई समनुपंगी कंपनी अभिप्रेत है;
- (ठ) "सहयोगी समनुपंगी" से वह कंपनी अभिप्रेत है जो किसी अन्य कंपनी की सहयोगी समनुपंगी है यदि दोनों उसी नियंत्रि कंपनी की समनुपंगी हैं;
- (ड) "राज्य नियंत्रित उद्यम" से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जो केन्द्रीय सरकार अथवा किसी राज्य सरकार के नियंत्रणाधीन है।

[फा. सं. 52/01/सीएबी-2001]

ए. रामास्वामी, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पणः—मूल नियम सा.का.नि. सं. 186(अ) दिनांक 12-4-96 द्वारा प्रकाशित किए गए थे पश्चातवर्ती संशोधन निम्नलिखित द्वारा किए गए

1. सा.का.नि. 461(अ), दिनांक 3-8-98

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th September, 2001

G.S.R. 741(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 642, read with clause (d) of sub-Section (1) of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Cost Accounting Records (Footwear) Rules, 1996, namely :—

1. (1) These rules may be called the Cost Accounting Records (Footwear) Amendment Rules, 2001.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Cost Accounting Records (Footwear) Rules, 1996 :—

in schedule I, after item 23 and the entries relating thereto, the following shall be inserted namely :—

“23. INTER-COMPANY TRANSFER:

(1) In respect of related party transactions or supplies made or services rendered by a company to its holding company or subsidiary or a company termed “related party relationship” as defined below and vice-a-versa, records shall be maintained showing contracts entered into, agreements or understanding reached in respect of :

- (a) purchase and sale of raw materials, finished products, process materials, chemicals and rejected goods including scraps, etc;
- (b) utilisation of plant facilities and technical know-how;
- (c) supply of utilities and any other services;
- (d) administrative, technical, managerial or any other consultancy services;
- (e) purchase and sale of capital goods including plant and machinery;
- (f) any other payment related to production, processing or manufacturing of product under reference.

These records shall also indicate the basis followed for arriving at the rates charged or paid for such products or services so as to enable determination of the reasonableness of such rates in so far as they are in any way related to product under reference.

(2) The transactions by the following “related party relationships” shall be covered under sub-rule (1) :—

- (a) enterprises that directly, or indirectly through one or more intermediaries, control, or are controlled by, or are under common control with, the reporting enterprise (this includes holding companies, subsidiaries and follow subsidiaries);
- (b) associates and joint ventures of the reporting enterprise and the investing party or venturer in respect of which the reporting enterprise is an associate or a joint venture;
- (c) individuals owning, directly or indirectly, an interest in the voting power of the reporting enterprise that gives them control or significant influence over the enterprise, and relatives of any such individual;
- (d) key management personnel and relatives of such personnel; and
- (e) enterprises over which any person described in (c) or (d) is able to exercise significant influence. This includes enterprises owned by directors or major shareholders of the reporting enterprise and enterprises that have a member of key management in common with the reporting enterprise.

However, the following shall not be deemed as “related party relationships” :—

- (a) two companies simply because they have a Director in common, notwithstanding paragraph (d) or (e) above (unless the Director is able to affect the policies of both companies in their mutual dealings);
- (b) a single customer, supplier, franchiser, distributor, or general agent with whom an enterprise transacts a significant volume of business merely by virtue of the resulting economic dependence; and

- (c) the parties listed below, in the course of their normal dealings with an enterprise by virtue only of those dealings (although they may circumscribe the freedom of action of the enterprise or participate in its decision-making process);
 - (i) Providers of finance;
 - (ii) trade unions;
 - (iii) public utilities;
 - (iv) Government departments and Government agencies including Government sponsored bodies.

Explanation :—For the purpose of these Rules,—

- (a) **“Related party relationships”** means parties who are considered to be related if at any time during the reporting period one party has the ability to control the other party or exercise significant influence over the other party in making financial and/or operating decisions;
- (b) **“Related party transaction”** means a transfer of resources or obligations between related parties, whether or not a price is charged;
- (c) **“Control”** means
 - (i) ownership, directly or indirectly, of more than one-half of the voting power of an enterprise; or
 - (ii) control of the composition of the Board of Directors in the case of a company or of the composition of the corresponding governing body in case of any other enterprise; or
 - (iii) a substantial interest in voting power and the power to direct, by statute or agreement, the financial and/or operating policies of the enterprise.
- (d) **“Significant influence”** means participation in the financial or operating policy decisions of an enterprise, but not control of those policies;
- (e) **“Associate”** means an enterprise in which an investing reporting party has significant influence and which is neither a subsidiary nor a joint venture of that party;
- (f) **“Joint venture”** means a contractual arrangement whereby two or more parties undertake an economic activity, which is subject to joint control.
- (g) **“Joint control”** means the contractually agreed sharing of power to govern the financial and operating policies of an economic activity so as to obtain benefits from it;
- (h) **“Key management personnel”** means those persons who have the authority and responsibility for planning, directing and controlling the activities of the reporting enterprise;
- (i) **“Relative”** in relation to an individual, means the spouse, son, daughter, brother, sister, father and mother who may be connected by blood relationship;
- (j) **“Holding company”** means a holding company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (k) **“Subsidiary”** means a subsidiary company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (l) **“Fellow subsidiary”** means a company is said to be a fellow subsidiary of another company if both are subsidiaries of the same holding company;
- (m) **“State-controlled enterprises”** means an enterprise which is under the control of the Central Government or a State Government.”

[F. No. 52/01/CAB-2001]

A. RAMASWAMY, Jt. Secy

Footnote :—The principal rules were published vide G.S.R. number 186(E), dated the 12th April, 1996 and subsequently amended vide :—

1. GSR 461(E), dated 3rd August, 1998

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 2001

सा.का.नि. 742(अ).—केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (1) के खंड (घ) के साथ पठित धारा 642 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लागत लेखा अभिलेख (शेविंग सिस्टम) नियम, 1996 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लागत लेखा अभिलेख (शेविंग सिस्टम) संशोधन नियम, 2001 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागत लेखा अभिलेख (शेविंग सिस्टम) नियम, 1996 में :—

अनुसूची 1 में, मद संख्या 24 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“ 24. अंतर-कंपनी अंतरण :

(1) किसी कंपनी द्वारा अपनी नियंत्री कंपनी या समनुयुगी अथवा किसी ऐसी कंपनी जिसे “ संबंध पक्षकार संबंध ” कहा गया है जैसा कि नीचे परिभाषित है और विपर्यय की बाबत संबंध पक्षकार संव्यवहार अथवा किए गए प्रदाय अथवा दी गई सेवाओं की बाबत उनके द्वारा की गई संविदाओं, करारों या उनकी बाबत हुई सहमति को दर्शित करते हुए निम्नलिखित की बाबत अभिलेख रखे जाएंगे :

(क) कच्ची सामग्री, तैयार उत्पाद, प्रसंस्करण सामग्री, रासायनिक और स्क्रेप सहित अस्वीकृत माल आदि का क्रय और विक्रय ;

(ख) संयंत्र सुविधाओं और तकनीकी व्यवहार ज्ञान का उपयोग ;

(ग) उपयोगिताओं और किन्हीं अन्य सेवाओं का प्रदाय ;

(घ) प्रशासनिक, तकनीकी, प्रबंधकीय अथवा कोई अन्य परामर्शी सेवाएं ;

(ङ) संयंत्र और मशीनरी सहित पूंजीगत माल का क्रय और विक्रय ;

(च) उत्पादन, प्रसंस्करण या निर्देशाधीन उत्पादन से संबंधित कोई अन्य संदाय।

इन अभिलेखों में प्रभारित दरों को तय करना अथवा ऐसे उत्पादों के लिए संदाय करने के लिए अनुसरण किए गए आधारों को भी उपदर्शित किया जाएगा जिससे कि ऐसी दरों की युक्तियुक्तता का जहां तक कि उनका संबंध किसी भी रीति में निर्देशाधीन उत्पाद से है अवधारण किया जा सके।

(2) निम्न “ संबंधित पक्षकार संबंध ” द्वारा किए गए संव्यवहार उपनियम (1) के अन्तर्गत आएंगे :—

(क) वे उद्यम जो प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः एक या अधिक मध्यवर्ती द्वारा नियंत्रित करते हैं अथवा रिपोर्टिंग उद्यम (जिसके अन्तर्गत नियंत्री कंपनी, समनुयुगी और सहयोगी समनुयुगी हैं) के द्वारा नियंत्रित की जाती हैं अथवा उनके सामान्य नियंत्रण में हैं ;

(ख) रिपोर्टिंग उद्यम के सहबद्ध और सहउद्यम और वे विनिधान पक्षकार अथवा उद्यम जिनकी बाबत रिपोर्टिंग उद्यम कोई सहबद्ध अथवा सहउद्यम हैं,

(ग) व्यक्ति जो ऐसे, रिपोर्टिंग उद्यम की प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः मत देने की शक्ति में हित रखते हैं जो उन्हें उद्यम के ऊपर नियंत्रण अथवा महत्वपूर्ण असर प्रदान करता है और किसी ऐसे व्यक्ति के नातेदार ;

(घ) मुख्य प्रबंध कार्मिक और ऐसे कार्मिक के नातेदार, और

(ङ.) ऐसे उद्यम जिनके ऊपर (ग) अथवा (घ) में वर्णित कोई व्यक्ति महत्वपूर्ण असर का प्रयोग करने में समर्थ है। इसके अतः निदेशकों अथवा रिपोर्टिंग उद्यम के प्रमुख शेरधारकों के स्वामित्वाधीन उद्यम और वे उद्यम हैं जिनके ऐसे मुख्य प्रबंध सदस्य हैं जो रिपोर्टिंग उद्यम में भी सम्मिलित हैं।

तथापि, निम्नलिखित को “ संबंध पक्षकार संबंध ” समझा जाएगा :—

(क) वे दो कंपनियां मात्र इस कारण कि उनका एक सम्मिलित निदेशक है, उपर्युक्त पैरा (घ) अथवा (ङ) में किसी बात के होते हुए भी (जब तक कि निदेशक दोनों कंपनियों को पारस्परिक व्यवहार में उनकी नीतियों को प्रभावित करने में समर्थ न हों) ;

(ख) कोई एकल उपभोक्ता, प्रदायकर्ता, विशेषाधिकारी, संवितरक अथवा साधारण अभिकर्ता जिनके साथ कोई उद्यम, कारखाना का महत्वपूर्ण संव्यवहार मात्र आर्थिक निर्भरता के परिणामस्वरूप करता है ; और

(ग) नीचे सूचीबद्ध पक्षकार, जो अपने सामान्य व्यवहार में किसी उद्यम के साथ केवल उन्हीं व्यवहारों के कारण संव्यवहार करते हैं (यद्यपि वे उद्यम की कार्य करने की स्वतंत्रता को सीमित कर सकने अथवा उनकी विनिश्चय करने की प्रक्रिया में भाग लें सकेंगे)

- (i) वित्त उपलब्ध कराने वाले;
- (ii) व्यापार संघ;
- (iii) लोक उपयोगिताएं ;
- (iv) सरकारी विभाग और सरकारी अधिकरण जिनके अंतर्गत सरकारी प्रयोजित निकाय भी हैं।

स्पष्टीकरण :—इन नियमों के प्रयोजन के लिए,—

- (क) “संबद्ध पक्षकार संबंध” से वे पक्षकार अभिप्रेत हैं जिन्हें किसी भी समय संबंधित समझा गया हो यदि रिपोर्टिंग अवधि के दौरान एक पक्षकार अन्य पक्षकार को नियंत्रित करने की योग्यता रखता हो अथवा वित्तीय और/या प्रचालन संबंधी विनिश्चय करने में अन्य पक्षकार के ऊपर महत्वपूर्ण असर रखता हो;
- (ख) “सहबद्ध पक्षकार संव्यवहार” से संबद्ध पक्षकारों के बीच संसाधनों अथवा दायित्वों का अंतरण अभिप्रेत हैं, चाहे उसके लिए कीमत प्रभारित की गई हो या नहीं;
- (ग) “नियंत्रण” से निम्नलिखित अभिप्रेत है,—
 - (i) किसी उद्यम की मत देने की शक्ति के आधे से अधिक का प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः स्वामित्व; या
 - (ii) किसी कंपनी की दशा में निदेशक बोर्ड की संरचना का नियंत्रण अथवा किसी अन्य उद्यम की दशा में तत्स्थानी शासी निकाय की संरचना का नियंत्रण; या
 - (iii) मतदान शक्ति में सारवान हित और उद्यम की वित्तीय और/या प्रचालन नीतियों को कानून या करार द्वारा निदेश देने की शक्ति।
- (घ) “महत्वपूर्ण असर” से किसी उद्यम की वित्तीय अथवा प्रचालन नीति विषयक विनिश्चयों में भाग लेना अभिप्रेत है किन्तु उन नीतियों का नियंत्रण नहीं;
- (ङ) “सहयुक्त” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जिसमें कोई विनिधानकारी रिपोर्ट करने वाला पक्षकार महत्वपूर्ण असर रखता है और जो उस पक्षकार का न तो समनुषंगी है और न सहउद्यम है;
- (च) “सहउद्यम” से कोई ऐसी संविदात्मक ठहराव अभिप्रेत है जिसके द्वारा दो या अधिक पक्षकार किसी आर्थिक क्रियाकलाप को अपने हाथ में लेते हैं और, जो नियंत्रण के अधधीन है;
- (छ) “संयुक्त नियंत्रण” से किसी आर्थिक क्रियाकलाप की वित्तीय और प्रचालन संबंधी नीतियों को शासित करने के लिए संविदात्मक रूप से करार पाई शक्तियों में हिस्सा बटाना अभिप्रेत है जिससे कि इससे फायदा अभिप्राप्त किया जा सके;
- (ज) “मुख्य प्रबंध कार्मिक” से वे व्यक्ति अभिप्रेत हैं जिनके पास रिपोर्ट करने वाले उद्यम के क्रियाकलापों की योजना, निदेशन और नियंत्रण करने का प्राधिकार और दायित्व है;
- (झ) किसी व्यक्ति के संबंध में, “नातेदार” से पति-पत्नी, पुत्र, पुत्री, भाई, बहन, पिता और माता अभिप्रेत हैं जो रक्त संबंध संस्कार हैं;
- (ञ) “नियंत्रि कंपनी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थात्गत कोई नियंत्रि कंपनी अभिप्रेत है;
- (ट) “समनुषंगी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थात्गत कोई समनुषंगी कंपनी अभिप्रेत है;
- (ठ) “सहयोगी समनुषंगी” से वह कंपनी अभिप्रेत है जो किसी अन्य कंपनी की सहयोगी समनुषंगी है यदि दोनों उसी नियंत्रि कंपनी की समनुषंगी हैं;
- (ड) “राज्य नियंत्रित उद्यम” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जो केन्द्रीय सरकार अथवा किसी राज्य सरकार के नियंत्रणाधीन है।

[फा. सं. 52/01/सीएबी-2001]

ए. रामास्वामी, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पणः—मूल नियम सा.का.नि. सं. 202(अ) दिनांक 6-5-96 द्वारा प्रकाशित किए गए थे पश्चातवर्ती संशोधन निम्नलिखित द्वारा किए गए

1. सा.का.नि. 462(अ), दिनांक 3-8-98

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th September, 2001

G.S.R. 742(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 642, read with clause (d) of sub-section (1) of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Cost Accounting Records (Shaving Systems) Rules, 1996, namely :—

1. (1) These rules may be called the Cost Accounting Records (Shaving Systems) Amendment Rules, 2001.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Cost Accounting Records (Shaving Systems) Rules, 1967 :—

in schedule I, for item 24 and the entries relating thereto, the following shall be substituted namely :—

“24. INTER-COMPANY TRANSFER:

(1) In respect of related party transactions or supplies made or services rendered by a company to its holding company or subsidiary or a company termed “related party relationship” as defined below and vice-a-versa, records shall be maintained showing contracts entered into, agreements or understanding reached in respect of :

- (a) purchase and sale of raw materials, finished products, process materials, chemicals and rejected goods including scraps, etc;
- (b) utilisation of plant facilities and technical know-how;
- (c) supply of utilities and any other services;
- (d) administrative, technical, managerial or any other consultancy services;
- (e) purchase and sale of capital goods including plant and machinery;
- (f) any other payment related to production, processing or manufacturing of product under reference.

These records shall also indicate the basis followed for arriving at the rates charged or paid for such products or services so as to enable determination of the reasonableness of such rates in so far as they are in any way related to product under reference

(2) The transactions by the following “related party relationships” shall be covered under sub-rule (1) :—

- (a) enterprises that directly, or indirectly through one or more intermediaries, control, or are controlled by, or are under common control with, the reporting enterprise (this includes holding companies, subsidiaries and fellow subsidiaries);
- (b) associates and joint ventures of the reporting enterprise and the investing party or venturer in respect of which the reporting enterprise is an associate or a joint venture;
- (c) individuals owning, directly or indirectly, an interest in the voting power of the reporting enterprise that gives them control or significant influence over the enterprise, and relatives of any such individual;
- (d) key management personnel and relatives of such personnel; and
- (e) enterprises over which any person described in (c) or (d) is able to exercise significant influence. This includes enterprises owned by directors or major shareholders of the reporting enterprise and enterprises that have a member of key management in common with the reporting enterprise.

However, the following shall not be deemed as “related party relationships” :—

- (a) two companies simply because they have a Director in common, notwithstanding paragraph (d) or (e) above (unless the Director is able to affect the policies of both companies in their mutual dealings);
- (b) a single customer, supplier, franchiser, distributor, or general agent with who an enterprise transacts a significant volume of business merely by virtue of the resulting economic dependence; and

- (c) the parties listed below, in the course of their normal dealings with an enterprise by virtue only of those dealings (although they may circumscribe the freedom of action of the enterprise or participate in its decision-making process);
 - (i) Providers of finance;
 - (ii) trade unions;
 - (iii) public utilities;
 - (iv) Government departments and Government agencies including Government sponsored bodies.

Explanationn :—For the purpose of these Rules,—

- (a) **“Related party relationships”** means parties who are considered to be related if at any time during the reporting period one party has the ability to control the other party or exercise significant influence over the other party in making financial and/or operating decisions;
- (b) **“Related party transaction”** means a transfer of resources or obligations between related parties, whether or not a price is charged;
- (c) **“Control”** means
 - (i) ownership, directly or indirectly, of more than one-half of the voting power of an enterprise; or
 - (ii) control of the composition of the Board of Directors in the case of a company or of the composition of the corresponding governing body in case of any other enterprise; or
 - (iii) a substantial interest in voting power and the power to direct, by statute or agreement, the financial and/or operating policies of the enterprise.
- (d) **“Significant influence”** means participation in the financial or operating policy decisions of an enterprise, but not control of those policies;
- (e) **“Associate”** means an enterprise in which an investing reporting party has significant influence and which is neither a subsidiary nor a joint venture of that party;
- (f) **“Joint venture”** means a contractual arrangement whereby two or more parties undertake an economic activity, which is subject to joint control;
- (g) **“Joint control”** means the contractually agreed sharing of power to govern the financial and operating policies of an economic activity so as to obtain in benefits from it;
- (h) **“Key management personnel”** means those persons who have the authority and responsibility for planning, directing and controlling the activities of the reporting enterprise;
- (i) **“Relative”**—in relation to an individual, means the spouse, son, daughter, brother, sister, father and mother who may connected by blood relationship;
- (j) **“Holding company”** means a holding company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (k) **“Subsidiary”** means a subsidiary company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (l) **“Fellow subsidiary”** means a company is said to be a fellow subsidiary of another company if both are subsidiaries of the same holding company;
- (m) **“State-controlled enterprise”** means an enterprise which is under the control of the Central Government or a State Government.”

[F. No. 52/01/CAB-2001]

A. RAMASWAMY, Jt. Secy.

Footnote :—The principal rules were published vide G.S.R. number 202, dated the 6th May, 1996 and subsequently amended vide :—

1. G.S.R. 462(E), dated 3rd August, 1998.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 2001

सा.क्रा.नि. 743(अ).—केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (1) के खंड (घ) के साथ पठित धारा 642 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लागत लेखा अभिलेख (औद्योगिक गैसेज) नियम, 1996 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लागत लेखा अभिलेख (औद्योगिक गैसेज) संशोधन नियम, 2001 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागत लेखा अभिलेख (औद्योगिक गैसेज) नियम, 1996 में :—

अनुसूची 3 में, मद संख्या 23 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“ 23. अंतर-कंपनी अंतरण :

(1) किसी कंपनी द्वारा अपनी नियंत्री कंपनी या समनुपंगी अथवा किसी ऐसी कंपनी जिसे “ संबंध पक्षकार संबंध ” कहा गया है जैसा कि नीचे परिभाषित है और विपर्यय की बाबत संबंध पक्षकार संव्यवहार अथवा किए गए सेवाओं की बाबत उनके द्वारा की गई संधिदाओं, करारों या उनकी बाबत हुई सहमति को दर्शित करते हुए निम्नलिखित की बाबत अभिलेख रखे जाएंगे :

(क) कच्ची सामग्री, तैयार उत्पाद, प्रसंस्करण सामग्री, रासायनिक और स्कैप सहित अस्वीकृत माल आदि का क्रय और विक्रय;

(ख) संयंत्र सुविधाओं और तकनीकी व्यवहार ज्ञान का उपयोग;

(ग) उपयोगिताओं और किन्हीं अन्य सेवाओं का प्रदाय;

(घ) प्रशासनिक, तकनीकी, प्रबंधकीय अथवा कोई अन्य परामर्शी सेवाएं;

(ङ) संयंत्र और मशीनरी सहित पूंजीगत माल का क्रय और विक्रय;

(च) उत्पादन, प्रसंस्करण या निर्देशाधीन उत्पाद से संबंधित कोई अन्य संधाय;

इन अभिलेखों में प्रभाषित दरों को तय करना अथवा ऐसे उत्पादों के लिए संधाय करने के लिए अनुसरण किए गए आधारों को भी उपदर्शित किया जाएगा जिससे कि ऐसी दरों की युक्तियुक्तता का जहां तक कि उनका संबंध किसी भी रीति में निर्देशाधीन उत्पाद से है अवधारण किया जा सके।

(2) निम्न “ संबंधित पक्षकार संबंध ” द्वारा किए गए संव्यवहार उपनियम (1) के अंतर्गत आएंगे :—

(क) वे उद्यम जो प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः एक या अधिक मध्यवर्ती द्वारा नियंत्रित करते हैं अथवा रिपोर्टगत उद्यम (जिनके अंतर्गत नियंत्री कंपनी, समनुपंगी और सहयोगी समनुपंगी) के द्वारा नियंत्रित की जाती हैं अथवा उनके सामान्य नियंत्रण में हैं;

(ख) रिपोर्टगत उद्यम के सहबद्ध और सहउद्यम और वे विनिधान पक्षकार अथवा उद्यम जिनकी बाबत रिपोर्टगत उद्यम कोई सहबद्ध अथवा सहउद्यम हैं;

(ग) व्यक्ति जो ऐसे, रिपोर्टगत उद्यम की प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः मत देने की शक्ति में हित रखते हैं जो उन्हें उद्यम के ऊपर नियंत्रण अथवा महत्वपूर्ण असर प्रदान करता है और किसी ऐसे व्यक्ति के नातेदार;

(घ) मुख्य प्रबंध कार्मिक और ऐसे कार्मिक के नातेदार; और

(ङ) ऐसे उद्यम जिनके ऊपर (ग) अथवा (घ) में वर्णित कोई व्यक्ति महत्वपूर्ण असर का प्रयोग करने में समर्थ है। इसका अंतर्गत निदेशकों अथवा रिपोर्टगत उद्यम के प्रमुख शेरधारकों के स्वामित्वाधीन उद्यम और वे उद्यम हैं जिनके ऐसे मुख्य प्रबंध सदस्य हैं जो रिपोर्टगत उद्यम में भी सम्मिलित हैं।

तथापि, निम्नलिखित को “ संबंध पक्षकार संबंध ” समझा जाएगा :—

(क) वे दो कंपनियां मात्र इस कारण कि उनका एक सम्मिलित निदेशक है, उपयुक्त पंरा (घ) अथवा (ङ) में किसी बात के होते हुए भी (जब तक कि निदेशक दोनों कंपनियों को पारस्परिक व्यवहार में उनकी नीतियों को प्रभावित करने में समर्थ न हो);

(ख) कोई एकल उपभोक्ता, प्रदायकर्ता, विशेषाधिकारी, संवितरक अथवा साधारण अधिकर्ता जिनके साथ कोई उद्यम, कारबार का महत्वपूर्ण संव्यवहार मात्र आर्थिक निर्भरता के परिणामस्वरूप करता है; और

- (ग) नीचे सूचीबद्ध पक्षकार, जो अपने सामान्य व्यवहार में किसी उद्यम के साथ केवल उन्हीं व्यवहारों के कारण संव्यवहार करते हैं यद्यपि वे उद्यम की कार्य करने की स्वतंत्रता को सीमित कर सकने अथवा उसकी विनिश्चय करने की प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे;
- (i) वित्त उपलब्ध कराने वाले;
- (ii) व्यापार संघ;
- (iii) लोक उद्योग;
- (iv) सरकारी विभाग और सरकारी अधिकरण जिनके अंतर्गत सरकारी प्रायोजित निकाय भी हैं।

स्पष्टीकरण :— इन नियमों के प्रयोजन के लिए,—

- (क) “संव्यवहार संबंध” से वे पक्षकार अभिप्रेत हैं जिन्हें किसी भी समय संबंधित समझा गया हो यदि रिपोर्टिंग अवधि के दौरान एक पक्षकार अन्य पक्षकार को नियंत्रित करने की योग्यता रखता हो अथवा वित्तीय और/या प्रचालन संबंधी विनिश्चय करने में अन्य पक्षकार के ऊपर महत्वपूर्ण असर रखता हो;
- (ख) “सहव्यवहार संबंध” से संव्यवहार पक्षकारों के बीच संसाधनों अथवा दायित्वों का अंतरण अभिप्रेत है, चाहे उसके लिए कीमत प्रभारित की गई हो या नहीं;
- (ग) “नियंत्रण” से निम्नलिखित अभिप्रेत है,—
- (i) किसी उद्यम की मत देने की शक्ति के आधे से अधिक का प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः स्वामित्व; या
- (ii) किसी कंपनी की दशा में निदेशक बोर्ड की संरचना का नियंत्रण अथवा किसी अन्य उद्यम की दशा में तत्स्थानी शामी निकाय की संरचना का नियंत्रण; या
- (iii) मतदान शक्ति में सारवान हित और उद्यम की वित्तीय और/या प्रचालन नीतियों को कानून या करार द्वारा निदेश देने की शक्ति।
- (घ) “महत्वपूर्ण असर” से किसी उद्यम की वित्तीय अथवा प्रचालन नीति विषयक विनिश्चयों में भाग लेना अभिप्रेत है किन्तु उन नीतियों का नियंत्रण नहीं;
- (ङ) “सहयुक्त” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जिसमें कोई विनिधानकारी रिपोर्ट करने वाला पक्षकार महत्वपूर्ण असर रखता है और जो उस पक्षकार का न तो समनुषंगी है और न सहउद्यमी है;
- (च) “सहउद्यम” से कोई ऐसी संविदात्मक ठहराव अभिप्रेत है जिसके द्वारा या दो अधिक पक्षकार किसी आर्थिक क्रियाकलाप को अपने हाथ में लेते हैं और, जो नियंत्रण के अधधीन है;
- (छ) “संयुक्त नियंत्रण” से किसी आर्थिक क्रियाकलाप की वित्तीय और प्रचालन संबंधी नीतियों को शामिल करने के लिए संविदात्मक रूप से करार पाई शक्तियों में हिस्सा बंटाना अभिप्रेत है जिससे कि इससे फायदा अभिप्राप्त किया जा सके;
- (ज) “मुख्य संबंध कार्मिक” से वे व्यक्ति अभिप्रेत हैं जिनके पास रिपोर्ट करने वाले उद्यम के क्रियाकलापों की योजना निदेशन और नियंत्रण करने का प्राधिकार और दायित्व है;
- (झ) किसी व्यक्ति के संबंध में, “नातेदार” से पति-पत्नी, पुत्र, पुत्री, भाई, बहन, पिता और माता अभिप्रेत हैं जो रक्त संबंध संस्कार हैं;
- (ग) “नियंत्री कंपनी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थांतर्गत कोई नियंत्री कंपनी अभिप्रेत है;
- (ट) “समनुषंगी” से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थांतर्गत कोई समनुषंगी कंपनी अभिप्रेत है;
- (ठ) “सहयोगी समनुषंगी” से वह कंपनी अभिप्रेत है जो किसी अन्य कंपनी की सहयोगी समनुषंगी है यदि दोनों उसी नियंत्री कंपनी की समनुषंगी हैं;
- (ड) “राज्य नियंत्रित उद्यम” से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जो केन्द्रीय सरकार अथवा किसी राज्य सरकार के नियंत्रणाधीन है।

[फा सं. 52/01/सीएबी-2001]

ए. रामास्वामी, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पण :—मूल नियम सं. सा.का.नि. 271(अ) दिनांक 9-7-96 द्वारा प्रकाशित किए गये थे परन्तु वर्तमान संशोधन निम्नलिखित द्वारा किए गए—

1. सा.का.नि. 463(अ), दिनांक 3-8-98

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th September, 2001

G.S.R. 743(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section, 642, read with clause (d) of Sub-section (1) of Section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Cost Accounting Records (Industrial Gases) rules, 1996, namely :—

1. (1) These rules may be called the Cost Accounting Records (Industrial Gases) Amendment Rules, 2001.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2 In the Cost Accounting Records (Industrial Gases) Rules, 1996 :—

in schedule I, for item 23 and the entries relating thereto, the following shall be substituted namely :—

“23. Inter-Company Transfer :

(1) In respect of related party transactions or supplies made or services rendered by a company to its holding company or subsidiary or a company termed “related party relationship” as defined below and vice-versa, records shall be maintained showing contracts entered into, agreements or understanding reached in respect of :

- (a) purchase and sale of raw materials, finished products, process materials, chemicals and rejected goods including scraps, etc.,
- (b) utilisations of plant facilities and technical know-how;
- (c) supply of utilities and any other services;
- (d) administrative, technical, managerial or any other consultancy services;
- (e) purchase and sale of capital goods including plant and machinery;
- (f) any other payment related to production, processing or manufacturing of products under reference. These records shall also indicate the basis followed for arriving at the rates charged or paid for such products or services so as to enable determination of the reasonableness of such rates in so far as they are in any way related to products under reference.

(2) The transactions by the following “related party relationships” shall be covered under sub-rule (1) :—

- (a) enterprises that directly, or indirectly through one or more intermediaries, control, or are controlled by, or are under common control with, the reporting enterprise (this includes holding companies, subsidiaries and fellow subsidiaries);
- (b) associates and joint ventures of the reporting enterprises and the investing party or venturer in respect of which the reporting enterprise is an associate or a joint venture;
- (c) individuals owning, directly or indirectly, an interest in the voting power of the reporting enterprises that gives them control or significant influence over the enterprise, and relatives of any such individuals;
- (d) key management personnel and relatives of such personnel; and
- (e) enterprises over which any person described in (c) or (d) is able to exercise significant influence. This includes enterprises owned by directors or major shareholders of the reporting enterprise and enterprises that have a member of key management in common with the reporting enterprise.

However, the following shall not be deemed as “related party relationships” :—

- (a) two companies simply because they have a Director in common, notwithstanding paragraph (d) or (e) above (unless the Director is able to affect the policies of both companies in their mutual dealings);
- (b) a single customer, supplier, franchiser, distributor, or general agent with whom an enterprise transacts a significant volume of business merely by virtue of the resulting economic dependence; and

- (c) the parties listed below, in the course of their normal dealings with an enterprise by virtue only of those dealings (although they may circumscribe the freedom of action of the enterprise or participate in its decision-making process);
- (i) providers of finance;
- (ii) trade unions;
- (iii) public utilities;
- (iv) government departments and government agencies including government sponsored bodies.—

Explanation : For the purpose of these Rules,—

- (a) **“Related party relationships”** means parties who are considered to be related if at any time during the reporting period one party has the ability to control the other party or exercise significant influence over the other party in making financial and/or operating decision;
- (b) **“Related party transaction”** means a transfer of resources or obligations between related parties, whether or not a price is charged;
- (c) **“Control”** means
 - (i) ownership, directly or indirectly, of more than one half of the voting power of an enterprises;
 - (ii) control of the composition of the Board of Directors in the case of a company or of the composition of the corresponding governing body in case of any other enterprise; or
 - (iii) a substantial interest in voting power and the power to direct, by statute or agreement, the financial and/or operating policies of the enterprise.
- (d) **“Significant influence”** means participation in the financial or operating policy decisions of an enterprise, but not control of those policies;
- (e) **“Associate”** means an enterprise in which an investing reporting party has significant influence and which is neither a subsidiary nor a joint venture of that party;
- (f) **“Joint venture”** means a contractual arrangement whereby two or more parties undertake an economic activity, which is subject to joint control;
- (g) **“Joint control”** means the contractually agreed sharing of power to govern the financial and operating policies of an economic activity so as to obtain benefits from it;
- (h) **“Key management personnel”** means those persons who have the authority and responsibility for planning, directing and controlling the activities of the reporting enterprise;
- (i) **“Relative”** in relating to an individual, means the spouse, son, daughter, brother, sister, father and mother who may be connected by blood relationship;
- (j) **“Holding company”** means a holding company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (k) **“Subsidiary”** means a subsidiary company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (l) **“Fellow subsidiary”** means a company is said to be a fellow subsidiary of another company if both are subsidiaries of the same holding company;
- (m) **“State-controlled enterprise”** means an enterprise which is under the control of the Central Government or a State Government.”

[F. No. 52/01/CAB-2001]

A. RAMASWAMY, Joint Secy.

Footnote .—The principal rules were published vide No. G.S.R. 271(E), dated the 9th July, 1996 and subsequently amended vide—

1. G.S.R. 463 (E), dated 3rd August, 1998.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 2001

सा.का.नि. 744(अ).—केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (1) के खंड (घ) के अधिनियम पठित धारा 642 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लागत लेखा अभिलेख (खनन और धातुकर्म) नियम, 2001 का गौर संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लागत लेखा अभिलेख (खनन और धातुकर्म) संशोधन नियम, 2001 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागत लेखा अभिलेख (खनन और धातुकर्म) नियम, 2001 में :—

अनुमूची 1 में, मद संख्या 24 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“25. अंतर-कंपनी अंतरण :

(1) किसी कंपनी द्वारा अपनी नियंत्रित कंपनी या समनुषंगी अथवा किसी ऐसी कंपनी जिसे “संबद्ध पक्षकार संबंध” कहा गया है जैसा कि नीचे परिभाषित है और विपर्यय की बाबत संबद्ध पक्षकार संव्यवहार अथवा किए गए प्रदाय अथवा दी गई सेवाओं की बाबत उनके द्वारा की गई संविदाओं, करारों या उनकी बाबत हुई सहमति को दर्शित करते हुए निम्नलिखित की बाबत अभिलेख रखे जाएंगे :

- (क) कच्ची सामग्री, तैयार उत्पाद, प्रसंस्करण सामग्री, रासायनिक और स्क्रेप सहित अस्वीकृत माल आदि का क्रय और विक्रय;
- (ख) संयंत्र सुविधाओं और तकनीकी व्यवहार ज्ञान का उपयोग;
- (ग) उपयोगिताओं और किन्हीं अन्य सेवाओं का प्रदाय;
- (घ) प्रशासनिक, तकनीकी, प्रबंधकीय अथवा कोई अन्य परामर्शी सेवाएं;
- (ङ) संयंत्र और मशीनरी सहित पूंजीगत माल का क्रय और विक्रय;
- (च) उत्पादन, प्रसंस्करण या निर्देशाधीन उत्पाद से संबंधित कोई अन्य सहाय;

इन अभिलेखों में प्रभारित दरों को तय करना अथवा ऐसे उत्पादों के लिए सहाय करने के लिए अनुसरण किए गए आधारों को भी उपदर्शित किया जाएगा जिससे कि ऐसी दरों की युक्तियुक्तता का जहां तक कि उनका संबंध किसी भी रीति में निर्देशाधीन उत्पाद से है अवधारण किया जा सके।

(2) निम्न “संबंधित पक्षकार संबंध” द्वारा किए गए संव्यवहार उपनियम (1) के अंतर्गत आएंगे :—

- (क) वे उद्यम जो प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः एक या अधिक मध्यवर्ती द्वारा नियंत्रित करते हैं अथवा रिपोर्टिंग उद्यम (जिनके अन्तर्गत नियंत्रित कंपनी, समनुषंगी और सहयोगी समनुषंगी हैं) के द्वारा नियंत्रित की जाती हैं अथवा उनके सामान्य नियंत्रण में हैं;
- (ख) रिपोर्टिंग उद्यम के सहबद्ध और सहउद्यम और वे विनिधान पक्षकार अथवा उद्यम जिनकी बाबत रिपोर्टिंग उद्यम कोई सहबद्ध अथवा सहउद्यम है;
- (ग) व्यक्ति जो ऐसे, रिपोर्टिंग उद्यम की प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः मत देने की शक्ति में हित रखते हैं जो उन्हें उद्यम के ऊपर नियंत्रण अथवा महत्वपूर्ण असर प्रदान करता है और किसी ऐसे व्यक्ति के नातेदार;
- (घ) मुख्य प्रबंध कार्मिक और ऐसे कार्मिक के नातेदार; और
- (ङ) ऐसे उद्यम जिनके ऊपर (ग) अथवा (घ) में वर्णित कोई व्यक्ति महत्वपूर्ण असर का प्रयोग करने में समर्थ है। इसके अंतर्गत निदेशकों अथवा रिपोर्टिंग उद्यम के प्रमुख शेयरधारकों के स्वामित्वाधीन उद्यम और वे उद्यम हैं जिनके ऐसे मुख्य प्रबंध सदस्य हैं जो रिपोर्टिंग उद्यम में भी सम्मिलित हैं।

तथापि, निम्नलिखित को “संबद्ध पक्षकार संबंध” समझा जाएगा :—

- (क) वे दो कंपनियां मात्र इस कारण कि उनका एक सम्मिलित निदेशक है, उपर्युक्त पैरा (घ) अथवा (ङ) में किसी बात के होते हुए भी (जब तक कि निदेशक दोनों कंपनियों को पारस्परिक व्यवहार में उनकी नीतियों को प्रभावित करने में समर्थ न हो);
- (ख) कोई एकल उपभोक्ता, प्रदायकर्ता, विशेषाधिकारी, संवितरक अथवा साधारण अभिकर्ता जिनके साथ कोई उद्यम, कारखाना का महत्वपूर्ण संव्यवहार मात्र आर्थिक निर्भरता के परिणामस्वरूप करता है; और

- (ग) नीचे सूचीबद्ध पक्षकार, जो अपने सामान्य व्यवहार में किसी उद्यम के साथ केवल उन्हीं व्यवहारों के कारण संव्यवहार करते हैं (यद्यपि वे उद्यम की कार्य करने की स्वतंत्रता को सीमित कर सकने अथवा उसकी विनिश्चय करने की प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे);
- (i) वित्त उपलब्ध कराने वाले;
- (ii) व्यापार संघ;
- (iii) लोक उपयोगिताएं;
- (iv) सरकारी विभाग और सरकारी अधिकरण जिनके अंतर्गत सरकारी प्रायोजित निकाय भी हैं।

स्पष्टीकरण : इन नियमों के प्रयोजन के लिए,—

- (क) "संबद्ध पक्षकार संबंध" से वे पक्षकार अभिप्रेत हैं जिन्हें किसी भी समय संबंधित समझा गया हो यदि रिपोर्ट अवधि के दौरान एक पक्षकार अन्य पक्षकार को नियंत्रित करने की योग्यता रखता हो अथवा वित्तीय और/या प्रचालन संबंधी विनिश्चय करने में अन्य पक्षकार के ऊपर महत्वपूर्ण असर रखता हो;
- (ख) "सहबद्ध पक्षकार संव्यवहार" से संबद्ध पक्षकारों के बीच संसाधनों अथवा दायित्वों का अंतरण अभिप्रेत है, चाहे उसके लिए कीमत प्रभारित की गई हो या नहीं;
- (ग) "नियंत्रण" से निम्नलिखित अभिप्रेत है,—
 - (i) किसी उद्यम की मत देने की शक्ति के आधे से अधिक का प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः स्वामित्व; या
 - (ii) किसी कंपनी की दशा में निदेशक बोर्ड की संरचना का नियंत्रण अथवा किसी अन्य उद्यम की दशा में तत्स्थानी शासी निकाय की संरचना का नियंत्रण; या
 - (iii) मतदान शक्ति में सारवान हित और उद्यम की वित्तीय और/या प्रचालन नीतियों को कानून या करार द्वारा निदेश देने की शक्ति।
- (घ) "महत्वपूर्ण असर" से किसी उद्यम की वित्तीय अथवा प्रचालन नीति विषयक विनिश्चयों में भाग लेना अभिप्रेत है किन्तु उन नीतियों का नियंत्रण नहीं;
- (ङ) "सहयुक्त" से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जिसमें कोई विनिधानकारी रिपोर्ट करने वाला पक्षकार महत्वपूर्ण असर रखता है और जो उस पक्षकार का न तो समनुषंगी है और न सहउद्यमी है;
- (च) "सहउद्यम" से कोई ऐसी संविदात्मक टहराव अभिप्रेत है जिसके द्वारा या दो अधिक पक्षकार किसी आर्थिक क्रियाकलाप को अपने हाथ में लेते हैं और, जो नियंत्रण के अधधीन है;
- (छ) "संयुक्त नियंत्रण" से किसी आर्थिक क्रियाकलाप की वित्तीय और प्रचालन संबंधी नीतियों को शासित करने के लिए संविदात्मक रूप से करार पाई शक्तियों में हिस्सा बंटाना अभिप्रेत है जिससे कि इससे फायदा अभिप्राप्त किया जा सके;
- (ज) "मुख्य प्रबंध कार्मिक" से वे व्यक्ति अभिप्रेत हैं जिनके पास रिपोर्ट करने वाले उद्यम के क्रियाकलापों की योजना, निदेशन और नियंत्रण करने का प्राधिकार और दायित्व है;
- (झ) किसी व्यक्ति के संबंध में, "नातेदार" से पति-पत्नी, पुत्र, पुत्री, भाई, बहन, पिता और माता अभिप्रेत हैं जो रक्त संबंध संस्कार हैं;
- (ञ) "नियंत्रि कंपनी" से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अन्तर्गत कोई नियंत्रि कंपनी अभिप्रेत है;
- (ट) "समनुषंगी" से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अन्तर्गत कोई समनुषंगी कंपनी अभिप्रेत है;
- (ठ) "सहयोगी समनुषंगी" से वह कंपनी अभिप्रेत है जो किसी अन्य कंपनी की सहयोगी समनुषंगी है यदि दोनों उसी नियंत्रि कंपनी की समनुषंगी हैं;
- (ड) "राज्य नियंत्रित उद्यम" से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जो केन्द्रीय सरकार अथवा किसी राज्य सरकार के नियंत्रणाधीन है।

[फा.सं. 52/01/सीएबी-2001]

ए. रामास्वामी, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पण :—मूल नियम सं. मा.का.नि. 276 (अ) दिनांक 24-4-2001 द्वारा प्रकाशित किए गये थे।

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th September, 2001

G.S.R. 744(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 642, read with clause (d) of Sub-section (1) of Section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Cost Accounting Records (**Mining and Metallurgy**) Rules, 1969, namely :—

1. (1) These rules may be called the Cost Accounting Records (**Mining and Metallurgy**) Amendment Rules, 2001.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Cost Accounting Records (**Mining and Metallurgy**) Rules, 2201 :—

in schedule I, after item 24 and the entries relating thereto, the following shall be inserted namely :—

“25. Inter-Company Transfer :

- (1) In respect of related party transactions or supplies made or services rendered by a company to its holding company or subsidiary or a company termed “related party relationship” as defined below and vice-versa, records shall be maintained showing contracts entered into, agreements or understanding reached in respect of :
 - (a) purchase and sale of raw materials, finished products, process materials, chemicals and rejected goods including scraps, etc;
 - (b) utilisation of plant facilities and technical know-how;
 - (c) supply of utilities and any other services;
 - (d) administrative, technical, managerial or any other consultancy services;
 - (e) purchase and sale of capital goods including plant and machinery;
 - (f) any other payment related to production, processing or manufacturing of products under reference.

These records shall also indicate the basis followed for arriving at the rates charged or paid for such products or services so as to enable determination of the reasonableness of such rates in so far as they are in any way related to product under reference.

- (2) The transactions by the following “related party relationships” shall be covered under sub-rule (1) .—
 - (a) enterprises that directly, or indirectly through one or more intermediaries, control, or are controlled by, or are under common control with, the reporting enterprise (this includes holding companies, subsidiaries and fellow subsidiaries);
 - (b) associates and joint ventures of the reporting enterprise and the investing party or venturer in respect of which the reporting enterprise is an associate or a joint venture;
 - (c) individuals owning, directly or indirectly, an interest in the voting power of the reporting enterprises that gives them control or significant influence over the enterprise, and relatives of any such individuals;
 - (d) key management personnel and relatives of such personnel; and
 - (e) enterprises over which any person described in (c) or (d) is able to exercise significant influence. This includes enterprises owned by directors or major shareholders of the reporting enterprise and enterprises that have a member of key management in common with the reporting enterprise.

However, the following shall not be deemed as “related party relationships” :—

- (a) two companies simply because they have a Director in common, notwithstanding paragraph (d) or (e) above (unless the Director is able to affect the policies of both companies in their mutual dealings);
- (b) a single customer, supplier, franchiser, distributor, or general agent with whom an enterprise transacts a significant volume of business merely by virtue of the resulting economic dependence; and

- (c) the parties listed below, in the course of their normal dealings with an enterprise by virtue only of those dealings (although they may circumscribe the freedom of action of the enterprise or participate in its decision-making process);
- (i) providers of finance;
- (ii) trade unions;
- (iii) public utilities;
- (iv) government departments and government agencies including government sponsored bodies —

Explanation : For the purpose of these Rules,—

- (a) **“Related party relationships”** means parties who are considered to be related if at any time during the reporting period one party has the ability to control the other party or exercise significant influence over the other party in making financial and/or operating decision;
- (b) **“Related party transaction”** means a transfer of resources or obligations between related parties, whether or not a price is charged;
- (c) **“Control”** means
 - (i) ownership, directly or indirectly, of more than one half of the voting power of an enterprises; or
 - (ii) control of the composition of the Board of Directors in the case of a company or of the composition of the corresponding governing body in case of any other enterprise; or
 - (iii) a substantial interest in voting power and the power to direct, by statute or agreement, the financial and/or operating policies of the enterprise.
- (d) **“ Significant influence”** means participation in the financial or operating policy decisions of an enterprise, but not control of those policies;
- (e) **“Associate”** means an enterprise in which an investing reporting party has significant influence and which is neither a subsidiary nor a joint venture of that party;
- (f) **“Joint venture”** means a contractual arrangement whereby two or more parties undertake an economic activity, which is subject to joint control;
- (g) **“Joint control”** means the contractually agreed sharing of power to govern the financial and operating policies of an economic activity so as to obtain benefits from it;
- (h) **“Key management personnel”** means those persons who have the authority and responsibility for planning, directing and controlling the activities of the reporting enterprise;
- (i) **“Relative”** in relating to an individual, means the spouse, son, daughter, brother, sister, father and mother who may be connected by blood relationship;
- (j) **“Holding company”** means a holding company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956).
- (k) **“Subsidiary”** means a subsidiary company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (l) **“Fellow subsidiary”** means a company is said to be a fellow subsidiary of another company if both are subsidiaries of the same holding company;
- (m) **“State-controlled enterprise”** means an enterprise which is under the control of the Central Government or a State Government.”

[F. No. 52/01/CAB-2001]

A. RAMASWAMY, Joint Secretary

Footnote .—The principal rules were published vide No. G.S.R. 276(E), dated the 24th April, 2001.

अधिसूचना

नई दिल्ली, दिनांक 28 सितम्बर, 2001

सा.का.नि. 745 (अ).—केन्द्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (1) के खंड (घ) के साथ पठित धारा 642 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लागत लेखा अभिलेख (इलैक्ट्रॉनिक उत्पाद) नियम, 2001 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लागत लेखा अभिलेख (इलैक्ट्रॉनिक उत्पाद) संशोधन नियम, 2001 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागत लेखा अभिलेख (इलैक्ट्रॉनिक उत्पाद) नियम, 2001 में :—

अनुसूची 1 में, मद संख्या 22 और उसमें संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“ 23. अंतर-कंपनी अंतरण :

- (1) किसी कंपनी द्वारा अपनी नियंत्रि कंपनी या समनुपंगी अथवा किसी ऐसी कंपनी जिसे “ संबंध पक्षकार संबंध ” कहा गया है जैसा कि नीचे परिभाषित है और विपर्यय की बाबत संबंध पक्षकार संव्यवहार अथवा किए गए प्रदाय अथवा दी गई सेवाओं की बाबत उनके द्वारा की गई संविदाओं, करारों या उनकी बाबत हुई सहमति को दर्शित करते हुए निम्नलिखित की बाबत अभिलेख रखे जाएंगे :
 - (क) कच्ची सामग्री, तैयार उत्पाद, प्रसंस्करण सामग्री, रासायनिक और स्क्रेप सहित अस्वीकृत माल आदि का क्रय और विक्रय;
 - (ख) संयंत्र सुविधाओं और तकनीकी व्यवहार ज्ञान का उपयोग;
 - (ग) उपयोगिताओं और किन्हीं अन्य सेवाओं का प्रदाय;
 - (घ) प्रशासनिक, तकनीकी, प्रबंधकीय अथवा कोई अन्य परामर्शी सेवाएं;
 - (ङ) संयंत्र और मशीनरी सहित पूंजीगत माल का क्रय और विक्रय;
 - (च) उत्पादन, प्रसंस्करण या निर्देशाधीन उत्पाद से संबंधित कोई अन्य संदाय;

इन अभिलेखों में प्रभारित दलों को तय करना अथवा ऐसे उत्पादों के लिए संदाय करने के लिए अनुसरण किए गए आधारों को भी उपदर्शित किया जाएगा जिससे कि ऐसी दलों की युक्तियुक्तता का जहां तक कि उनका संबंध किसी भी रीति में निर्देशाधीन उत्पाद से है अवधारण किया जा सके।

- (2) निम्न “ संबंधित पक्षकार संबंध ” द्वारा किए गए संव्यवहार उपनियम (1) के अंतर्गत आएंगे :—

- (क) वे उद्यम जो प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः एक या अधिक मध्यवर्ती द्वारा नियंत्रित करते हैं अथवा रिपोर्टिंग उद्यम (जिसके अन्तर्गत नियंत्रि कंपनी, समनुपंगी और सहयोगी समनुपंगी हैं) के द्वारा नियंत्रित की जाती हैं अथवा उनके सामान्य नियंत्रण में हैं;
- (ख) रिपोर्टिंग उद्यम के सहउद्यम और सहउद्यम और वे विनिधान पक्षकार अथवा उद्यम जिनकी बाबत रिपोर्टिंग उद्यम कोई सहबद्ध अथवा सहउद्यम है;
- (ग) व्यक्ति जो ऐसे, रिपोर्टिंग उद्यम की प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः मत देने की शक्ति में हित रखते हैं जो उन्हें उद्यम के ऊपर नियंत्रण अथवा महत्वपूर्ण असर प्रदान करता है और किसी ऐसे व्यक्ति के नातेदार;
- (घ) मुख्य प्रबंध कार्मिक और ऐसे कार्मिक के नातेदार; और
- (ङ) ऐसे उद्यम जिनके ऊपर (ग) अथवा (घ) में वर्णित कोई व्यक्ति महत्वपूर्ण असर का प्रयोग करने में समर्थ है। इसके अंतर्गत निदेशकों अथवा रिपोर्टिंग उद्यम के प्रमुख शेयरधारकों के स्वामित्वाधीन उद्यम और वे उद्यम हैं जिनके ऐसे मुख्य प्रबंध सदस्य हैं जो रिपोर्टिंग उद्यम में भी सम्मिलित हैं।

तथापि, निम्नलिखित को “ संबंध पक्षकार संबंध ” समझा जाएगा :—

- (क) वे दो कंपनियां मात्र इस कारण कि उनका एक सम्मिलित निदेशक है, उपर्युक्त पैरा (घ) अथवा (ङ) में किसी बात के होते हुए भी (जबतक कि निदेशक दोनों कंपनियों को पारस्परिक व्यवहार में उनकी नीतियों को प्रभावित करने में समर्थ न हो);
- (ख) कोई एकल उपभोक्ता, प्रदायकर्ता, विशेषाधिकारी, संवितरक अथवा साधारण अभिकर्ता जिनके साथ कोई उद्यम, कारबार का महत्वपूर्ण संव्यवहार मात्र आर्थिक निर्भरता के परिणामस्वरूप करता है; और

- (ग) नीचे सूचीबद्ध पक्षकार, जो अपने सामान्य व्यवहार में किसी उद्यम के साथ केवल उन्हीं व्यवहारों के कारण संव्यवहार करते हैं (यद्यपि वे उद्यम की कार्य करने की स्वतंत्रता को सीमित कर सकने अथवा उसकी विनिश्चय करने की प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे) ;
- (i) वित्त उपलब्ध कराने वाले;
- (ii) व्यापार संघ;
- (iii) लोक उपयोगिताएं;
- (iv) सरकारी विभाग और सरकारी अधिकरण जिनके अंतर्गत सरकारी प्रायोजित निकाय भी हैं।

स्पष्टीकरण : इन नियमों के प्रयोजन के लिए,—

- (क) "संबद्ध पक्षकार संबंध" से वे पक्षकार अभिप्रेत हैं जिन्हें किसी भी समय संबंधित समझा गया हो यदि रिपोर्टगत अवधि के दौरान एक पक्षकार अन्य पक्षकार को नियंत्रित करने की योग्यता रखता हो अथवा वित्तीय और/या प्रचालन संबंधी विनिश्चय करने में अन्य पक्षकार के ऊपर महत्वपूर्ण असर रखता हो;
- (ख) "सहबद्ध पक्षकार संव्यवहार" से संबद्ध पक्षकारों के बीच संसाधनों अथवा दायित्वों का अंतरण अभिप्रेत है, चाहे उसके लिए कीमत प्रभारित की गई हो या नहीं;
- (ग) "नियंत्रण" से निम्नलिखित अभिप्रेत है,—
- (i) किसी उद्यम की मत देने की शक्ति के आधे से अधिक का प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः स्वामित्व; या
- (ii) किसी कंपनी की दशा में निदेशक बोर्ड की संरचना का नियंत्रण अथवा किसी अन्य उद्यम की दशा में तत्स्थानी शासी निकाय की संरचना का नियंत्रण; या
- (iii) मतदान शक्ति में सारवान हित और उद्यम की वित्तीय और/या प्रचालन नीतियों को कामून या करार द्वारा निदेश देने की शक्ति।
- (घ) "महत्वपूर्ण असर" से किसी उद्यम की वित्तीय अथवा प्रचालन नीति विषयक विनिश्चयों में भाग लेना अभिप्रेत है किन्तु उन नीतियों का नियंत्रण नहीं;
- (ङ) "सहयुक्त" से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जिसमें कोई विनिधानकारी रिपोर्ट करने वाला पक्षकार महत्वपूर्ण असर रखता है और जो उस पक्षकार का न तो समनुषंगी है और न सहउद्यम है;
- (च) "सहउद्यम" से कोई ऐसी संविदात्मक ठहराव अभिप्रेत है जिसके द्वारा या दो अधिक पक्षकार किसी आर्थिक क्रियाकलाप को अपने हाथ में लेते हैं और, जो नियंत्रण के अधधीन है;
- (छ) "संयुक्त नियंत्रण" से किसी आर्थिक क्रियाकलाप की वित्तीय और प्रचालन संबंधी नीतियों को शासित करने के लिए संविदात्मक रूप से करार पाई शक्तियों में हिस्सा बंटाना अभिप्रेत है जिससे कि इससे फायदा अभिप्राप्त किया जा सके;
- (ज) "मुख्य संबंध कार्मिक" से वे व्यक्ति अभिप्रेत हैं जिनके पास रिपोर्ट करने वाले उद्यम के क्रियाकलापों की योजना, निदेशन और नियंत्रण करने का प्राधिकार और दायित्व है;
- (झ) किसी व्यक्ति के संबंध में, "मातेदार" से पति-पत्नी, पुत्र, पुत्री, भाई, बहन, पिता और माता अभिप्रेत हैं जो रक्त संबंध संस्कार हैं;
- (ञ) "नियंत्रि कंपनी" से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थात्तर्गत कोई नियंत्रि कंपनी अभिप्रेत है;
- (ट) "समनुषंगी" से कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 4 के अर्थात्तर्गत कोई समनुषंगी कंपनी अभिप्रेत है;
- (ठ) "सहयोगी समनुषंगी" से वह कंपनी अभिप्रेत है जो किसी अन्य कंपनी की सहयोगी समनुषंगी है यदि दोनों उसी नियंत्रि कंपनी की समनुषंगी हैं;
- (ड) "राज्य नियंत्रित उद्यम" से ऐसा उद्यम अभिप्रेत है जो केन्द्रीय सरकार अथवा किसी राज्य सरकार के नियंत्रणाधीन है।

[फा.सं. 52/01/सीएबी-2001]

ए. रामास्वामी, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पण : —मूल नियम सा.का.नि. सं. 277 (अ) दिनांक 24-4-2001 द्वारा प्रकाशित किए गये थे।

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th September, 2001

G.S.R. 745(E).— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 642, read with clause (d) of sub-section (1) of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Cost Accounting Records (**Electronic Products**) rules, 2001, namely :—

1. (1) The rules may be called the Cost Accounting Records (**Electronic Products**) Amendment Rules, 2001.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Cost Accounting Records (**Electronic Products**) Rules, 2001 :—

in schedule III, after item number 22 and the entries relating thereto, the following shall be inserted namely :—

“23. Inter-Company Transfer

- (1) In respect of related party transactions or supplies made or services rendered by a company to its holding company or subsidiary or a company termed “related party relationship” as defined below and vice-versa, records shall be maintained showing contracts entered into, agreements or understanding reached in respect of :
 - (a) purchase and sale of raw materials, finished products, process materials, chemicals and rejected goods including scraps, etc.;
 - (b) utilisations of plant facilities and technical know-how;
 - (c) supply of utilities and any other services;
 - (d) administrative, technical, managerial or any other consultancy services;
 - (e) purchase and sale of capital goods including plant and machinery;
 - (f) any other payment related to production, processing or manufacturing of products under reference.

These records shall also indicate the basis followed for arriving at the rates charged or paid for such products or services so as to enable determination of the reasonableness of such rates in so far as they are in any way related to product under reference.

- (2) the transactions by the following “related party relationships” shall be covered under sub-rule (1) :—
 - (a) enterprises that directly, or indirectly through one or more intermediaries, control, or are controlled by, or are under common control with, the reporting enterprise (this includes holding companies, subsidiaries and fellow subsidiaries);
 - (b) associates and joint ventures of the reporting enterprise and the investing party or venturer in respect of which the reporting enterprise is an associate or a joint venture;
 - (c) individuals owning, directly or indirectly, an interest in the voting power of the reporting enterprise that gives them control or significant influence over the enterprise, and relatives of any such individuals;
 - (d) key management personnel and relatives of such personnel; and
 - (e) enterprises over which any person described in (c) or (d) is able to exercise significant influence. This includes enterprises owned by directors or major shareholders of the reporting enterprise and enterprises that have a member of key management in common with the reporting enterprise.

However, the following shall not be deemed as “related party relationships” :—

- (a) two companies simply because they have a Director in common, notwithstanding paragraph (d) or (e) above (unless the Director is able to affect the policies of both companies in their mutual dealings);
- (b) a single customer, supplier, franchiser, distributor, or general agent with whom an enterprise transacts a significant volume of business merely by virtue of the resulting economic dependence; and

- (c) the parties listed below, in the course of their normal dealings with an enterprises by virtue only of those dealings (although they may circumscribe the freedom of action of the enterprise or participate in its decision-making process);
- (i) providers of finance;
 - (ii) trade unions,
 - (iii) public utilities;
 - (iv) government departments and government agencies including government sponsored bodies.—

Explanation : For the purpose of these Rules,—

- (a) **“Related party relationships”** means parties who are considered to be related if at any time during the reporting period one party has the ability to control the other party or exercise significant influence over the other party in making financial and/or operating decision;
- (b) **“Related party transaction”** means a transfer of resources or obligations between related parties, whether or not a price is charged;
- (c) **“Control”** means
 - (i) ownership, directly or indirectly, of more than one half of the voting power of an enterprise; or
 - (ii) control of the composition of the Board of Directors in the case of a company or of the composition of the corresponding governing body in case of any other enterprise; or
 - (iii) a substantial interest in voting power and the power to direct, by statute or agreement, the financial and/or operating policies of the enterprise.
- (d) **“Significant influence”** means participation in the financial or operating policy decisions of an enterprise, but not control of those policies;
- (e) **“Associate”** means an enterprise in which an investing reporting party has significant influence and which is neither a subsidiary nor a joint venture of that party;
- (f) **“Joint venture”** means a contractual arrangement whereby two or more parties undertake an economic activity, which is subject to joint control;
- (g) **“Joint control”** means the contractually agreed sharing of power to govern the financial and operating policies of an economic activity so as to obtain benefits from it;
- (h) **“Key management personnel”** means those persons who have the authority and responsibility for planning, directing and controlling the activities of the reporting enterprise;
- (i) **“Relative”**—in relation to an individual, means the spouse, son, daughter, brother, sister, father and mother who may connected by blood relationship;
- (j) **“Holding company”** means a holding company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (k) **“Subsidiary”** means a subsidiary company within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- (l) **“Fellow subsidiary”** means a company is said to be a fellow subsidiary of another company if both are subsidiaries of the same holding company;
- (m) **“State-controlled enterprise”** means an enterprise which is under the control of the Central Government or a State Government ”

[F. No. 52/01/CAB-2001]

A. RAMASWAMY, Joint Secy

Footnote.—The principal rules were published vide G.S.R. number 277(E), dated the 24th April, 2001.